# He Gazette of India

PUBLISHED BY AUTO

नई बिल्ली, शनिवार, अगस्त 27, 1983 (भावपद 5, 1905)

सं० 35] No. 35]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 27, 1983 (BHADRA 5, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III-- खण्ड 1

# [PART III-SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई विल्ली-110011, विनांक 7 जुलाई 1983 सं० ए० 32013/1/80-प्रशा०-II--संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी प्रोग्रामर श्री एम० एल० रुस्तगी को अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग, एतद्द्वारा 23-6-83 से तीन मास की अविध के लिए अथवा अर्ती नियमों के अधिसूचित होने तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वरिष्ठ प्रोग्रामर (ग्रुप क--क० 1100-50-1600) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. वरिष्ठ प्रोग्नामर के पद पर निगुक्ति पुर्णतः तदर्थं आधार पर है और इससे इन्हें वरिष्ठ प्रोग्नामर के पद पर नियमित नियुक्ति अथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

> म० पा० जैन ग्रवर सचिव (प्रशा०) **इते** श्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-11, दिनांक 22 जुलाई 1983 सं० ए० 32013/1/80-प्रशा०-1--संघ लोक सेना आयोग के संवर्ग के के० स० से० के स्थायी ग्रेड-I अधिकारी श्री आर० आर० शिमरे, को राष्ट्रपति द्वारा 17-5-83 से तीन मास की अविधि के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० स० से० के चयन ग्रेड में उप-सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्त रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

म०ंपा० जैन ग्रवर सचिव (प्रशा०) मंघ लोक सेवा आयोग

# केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, विनांक 30 जुलाई 1983

सं० 2/8/83-प्रशासन--इस आयोग की समसंख्या अधि-सूचना दिनांक 26 मार्च, 1983 को जारी रखते हुए, केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री महेन्द्र लाल जूनेजा, स्थाई निजि सहायक को तदर्थ वरिष्ठ निजि सहायक के पद पर, केन्द्रीय सतर्कता आयोग में, अगली अवधि के लिए दिनांक 24-4-1983 से 31-5-1983 तक, स्थानापन्न रूप से नियुक्त, करते हैं।

विनौक 1 ग्रगस्त 1983

सं० 2/8/83-प्रशासन--केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्-द्वारा श्री महेन्द्र लाल जुनेजा, स्यार्ड निजि सहायक को केन्द्रीय

1-216GI/83

(15185)

सतर्कता आयोग में तक्यं वरिष्ठ निजि सहायक के पद पर  $\pi \circ 650-1040$  के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से दिनांक 1-8-1983 से 29-10-1983 तक या ध्रगले आदेश तक, जो भी पहले ही, नियुक्त करते हैं।

सं० 4/1/83-प्रणासन---श्री के० एस० वेंकटचलन, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थाई वरिष्ठ निजि सहायक को केन्द्र राज्य सम्बन्ध आयोग में निजि सचिव के पद पर ६० 65.0-1200 के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति पर चयन होने पर, उनकी सेवाएं दिनांक 1 श्रगस्त, 1983 पूर्वाह्न से केन्द्रीय राज्य सम्बन्ध आयोग को स्थानन्तरित की जाती हैं।

# दिनांक 6 अगस्त 1983

सं० 2/1/83-प्रशासन—इस आयोग की समसंख्या अधि-भूषना दिनांक 30 मई, 1983 का अधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा सबं श्री पी० एम० विल्ले तथा मुरजीत सिंह, केन्द्रीय संतर्कता आयोग के स्थाई सहायकों को स्थानापन्न रूप से श्रनुभाग अधिकारी के पद पर रू० 650(710)-30-740-35-810-द० अ०-35-880-40-1000-द० अ० 40-1200 के वेतनमान में दिनांक 27 अप्रैल, 1983 से ग्रगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

> कृष्ण लाल मल्होत्ना श्रवर मचिव कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी-1 दिनांक 3 श्रगस्त्रों र 1983

सं० 2/7/81-स्थानापन्न-इस कार्यालय समसंख्यक अधिसूचना दिनांक फरवरी, 1 1983 को जारी रखते हुए श्रीमती मंजुलिका सिंह की हिन्दी के सहायक आचार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति दिनांक 4 श्रगस्त, 1983 से आगामी छः मास के लिए या इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है।

ए० के० दास उप निदेशक

# केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 2 ग्रगस्त 1983

सं० ए०-19021/12/78-प्रशा०-5--प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री अश्राहम कुरियन, भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर प्रदेश-1969), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, कोचीन शाखा की सेवाएं दिनांक 25 जुलाई, 1983 के श्रपराह्म से उत्तर प्रवेश सरकार को सौंपी जाती हैं। सं० ए०-19020/5/83-प्रशा०-5--राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री राधा विनोद राजू, भारतीय पुलिस सेवा (जम्मू एवं कश्मीर-1975) को दिनाक 25 जुलाई, 1983 के श्रप-राह्म से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

ं आर० एस० नागपाल प्रशासनिक अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्विषण ब्यूरो ।

# समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) नई दिल्ली-3, दिनांक 1 अगस्त 1983

सं० ए०-12012/1/81-प्रिशा०-इस निदेशालय के दिनांक 29-11-1982 के सम-संख्यक अधिसूचना के कम में, श्री ए० के० चावला की अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर नियुक्ति को 30 अप्रैल, 1983 के पूर्वाह्न से 3 महीने की भ्रगली अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इन दोनों में जो भी पहले हो, बढ़ाया जाता है।

बी० के० दुबे निदेशक पुलिस दूरसंचार

# महानिदेशालय, के० रि० पु० बल नई विल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1983

सं० पी० सीत-2/83 स्था० के० रि० पु० बल--राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित उप अधीक्षकों को सहायक कमांडेंट के पद पर अस्थायी रूप में प्रगले आदेश होने तक सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

2. इन कर्मचारियों ने उनके नाम के आगे लिखे यूनिट में दर्शायी गई तारीख से अपना कार्यभार संभाल लिया है:--

# क्र० सं० अधिकारी का नाम जिस यूनिट में कार्यभार संभालने पदस्थ किये गये की तारीख

i 2	3	4
1 श्रीएम० डी० सिंह	,	30-5-83
2. " पी० एस० सरीन 3. "एस० के० मेहता	31	31-5-83 28-6-83(अपराह्न)
<ol> <li>4. " फूल सिंह</li> </ol>	30 "	25-6-83
5. " सी० बी० एस० राठौर	ग्रुप केन्द्र इम्फाल	31-5-83

		3	4
		- J	
6.	श्रीवी० एन० चट्टरज	9	27-5-83
		भुबनेश्वर	
7.	" आर० तरार		23-6-83
		वाहिनी	* ***
	'तेजिन्द्रसिंह		
9. '	' एन०पी० सिह्	महानिदेशालय	र 25-5 <b>-83 (अपराह्म</b> )
10.	'जी०एस०एन०	•	
		26 बाहिनी	
11.	'रघूबीर सिंह	37 वाहिनी	25-6-83
12.	' आर० के० दुआ	75 वाहिनी	24-5-83
13.	' आर० एस० विर्क	51 वाहिनी	7-6-83 (अपराह्म)
14.	' अमरजीत सिंह		
	सिद्ध्	10 वाहिनी	23-6-83
15.	'डी०डी० शर्मा	ग्रुप केन्द्र	31-5-83
		बनतलाब	
	' थोमस कुरियन	63 बाहिनी	8-6-83
17.	'' मोती सागर		
	अग्रवाल	3 बेतार	6-6-83
		.वाहिनी	

# दिनांक 29 जुलाई 1983

सं एफ दो ०-15/83-स्था ० के ० रि० पु० बल---राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमां डेंट के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:---

### सर्वश्री

- 1. बी० एन० टकियार
- 2. एम० एस० संधु
- 3. एम० एस० बिहान
- 4. जे० एस० विर्क
- 5. के० एस० वी० सुत्रामनियम
- एन० एस० सेखावत
- 7. के० रामामूर्ति
- 8. अरि० एम० खान
- 9. जी० एम० नायडू
- 10. आर० डी० णर्मा
- 11. अजीत सिंह मिलक
- 12. के० सी० नेगी
- 13. डी० सी० कौशिक
- 14. डी० सी० पाठक
- 15. आई० जे० मारिया
- 16. बी० एस० सिसोदिया

- 17. अशोक मुन्शी
- 18 मनमोहन सिंह
- 19. पी० एस० राठौर
- 20. वी० के० अग्रवाल
- 21. लशकर सिंह
- 22. डी० एस० गिल
- 23. एस० सी० चावला
- 24. राजिन्द्र सिंह
- 25. जी० एस० बहगल
- 26. एन० एस० ब्रोका
- 27. आर० एस० गिल
- 28. एस० सी० कक्कर
- 29. दुर्गम सम्पथ
- 30. के॰ कुतुबुद्दीन
- 31. एम० कपूर
- 32. परमजीत सिंह
- 33. सूरत सिंह गेहलीट

### दिनांक 2 अगस्त 1983

सं० ओ० दो० 793/70—स्थापना—राष्ट्रपति ने डा० एम० के० बेहूरा, जनरल डयूटी आफिसर ग्रेड—II (डि० एस० पी०/ कम्पनी कमान्डर) को उनकी पदोन्नति के फलस्बरूप दिनांक 8 जुलाई 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के जनरल ड्यूटी अफसर ग्रेड—I (सहायक कमाडेन्ट) के पद पर नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 4 अगस्त 1983

सं० ओ० दो० 1810/83-स्थापना—राष्ट्रपति डा० एफ० के० पानीग्राही को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केद्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II (डि० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 11 जुलाई 1983 पूर्वाह्न से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की गर्त पर नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो०-1813/83-स्थापना—राष्ट्रपति सीमा पुरक्षा बल के महानिरीक्षक श्री णिवा स्वरूप भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी (उत्तर प्रदेश-1951) को 30-7-83 अपराह्म से अगले आदेश जरी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 5 अगस्त 1983

सं० ओ० दो०-88/69-स्थापना-श्री प्रीतमजीत सिंह कमांडेंट के० रि० पु० बल जो कि प्रतिनियुक्ति पर भारत एल्यू-मिनियम कम्पनी लिमिटेड नई विल्ली पर है ने सरकारी सेबा निवत्त होने के फलस्बरूप दिमांक 31-1-83 भपराह्न से रिटायर

खण्ड ।

कर दिया है तथा कें०रि०पु०बल की संख्या से निकाल दिया है । ए० कें० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

# भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली 110011, दिनांक 5 अगस्त 1983

सं० 11/85/79-प्रणा०-I--राष्ट्रपित भारतीय प्रणास-निक सेवा के राजस्थान काडर के अधिकारी और राजस्थान जयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय में प्रतिनियुक्ति पर जनगणना कार्य निदेशक के पद पर कार्यरत श्री आई० सी० श्रीवास्तव की सेवाओं को तारीख 6 जुलाई 1983 के अपराह्म से राजस्थान सरकार को प्रत्यार्वित करते हैं।

सं० 11/15/80-प्रणा०-1-अधिवर्षिता की आयु पर पहुंचने के परिणामस्वरूप कर्नीटक सिविल सेवा के अधिकारी और कर्नाटक बंगलौर में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में प्रति-नियुक्ति पर उप निदेशक के पद पर कार्यरत श्री ए० एन० अनन्दराम ने उक्त कार्यालय से 30 जून 1983 के पूर्वाह्न से उप निदेशक अनगणना कार्य के पद का क्रार्थभार छोड़ दिया।

सं 11/72/80-प्रभाव-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री तीर्थ दास को उसी कार्यालय में तारीख 14 जुलाई 1983 के पूर्वाह्न से 1 वर्ष से अनिधक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए जो भी अवधि पहले हो पदोन्नित द्वारा पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर विद्यमान शतों के अधीन संयुक्त निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्य नियुक्त करते हैं।

# 2. श्री तीर्थ दाम का मुख्यालय नई दिस्ली में होगा।

सं , 10/30/81-प्रणा०-I---राष्ट्रपति हरियाणा चण्डी-गढ़ में जनगणना कार्य निदेशालय के वरिष्ठ भोगोलवेत्ता और इसं समय उसी कार्यालय में तदथ आधार पर अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र) के पद पर कार्यरत श्री एस० आर० पुरी को उसी कार्यामय में तारीख 18 जून 1983 के पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक पदोन्नति द्वारा अस्थाई रूप से नियमित तौर पर अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

# 2. श्री पुरी का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

सं 11/5/82-प्रशा०-ा--राष्ट्रपति निम्नलिखित अधि-कारियों को उनके नामों के सामने विशित कार्यालयों में और तारीख से एक वर्ष से अनिधिक अविध के लिए या जब सक पद नियमित आधार पर भरा जाए जो भी प्रविध पहलें हो, प्रतिनियुक्ति पर पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं :--

* <b>क</b> ∘ सं∘	नाम	जिस कार्यालय में कार्यरत हैं	विह्नित मुख्याल्य	नियुक्ति की सारीख
1.	2	3	4	5
1. श्री यू॰ एस॰ण चतुर्वेदी		जनगणना कार्य निदेशालय, बिहार, पटना	पटना	9-6-83 (प्याह्म)

1	2	3	4	5
·2·	श्री एन० एम० अलवी	जनगणना कार्य निदेशालय, बिहार, पटना ।	पटना	9-6-83 (पूर्वाह्न)
3.	श्री वी० एस० जोशी	जनगणना कार्य निदेशालय, मध्य प्रदेश भोपाल।	भोपाल	9+6-83 (पूर्वाह्न)
4.	श्री आर० एम० सिंह	जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ ।	लखनऊ	13-6-83 (पूर्वाह्न)
5.	श्री जी० सी० बागचीं	जनगणना कार्य निवेशालय, पश्चिम बंगाल, कलकक्षा ।	कलकत्ता	10-6-83 (पूर्वाह्न)

2. उक्त 5 अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर नियुक्ति समय-समय पर यथा संशोधित वित्त मंत्रालय के का० ज्ञा० सं० एफ० 10(24) ई०-III (वी)-60 सारीख 4-5-1961 में उल्लिखित प्रतिनियुक्ति की शतौं के अधीन शासित होगी। उक्त तदर्थ नियक्तियों को सक्षम अधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

सं० 10/7/83-प्रणा०-[--संघ लोक सेव ।आयोग की सिफारिण पर राष्ट्रपति, तिमलनाडु मद्रास में जनगणना कार्य निदेशालय
के उप निदेशक जनगणना कार्य और इस समय नई दिल्ली में भारत
के महारिजस्ट्रार के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर पूर्णतः अस्थाई
रूप से तदर्थ आधार पर सहायक महारिजस्ट्रार (जनगणना और
सारणीकरण) के पद पर कार्यरत श्री एन० राम राव को उसी
कार्यालय में तारीख 7 जलाई, 1983 के पूर्वाह्म में 4वर्ष से अनिधक
अविध के लिए नियमित आधार पर सहायक महारिजस्ट्रार
(जनगणना और मारणीकरण) के पद पर महर्ष नियुक्त करते
हैं।

2. श्री राम राव का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

पी० पद्मनाभ भारत के महारजिस्ट्रार

भारत सरकार, मुद्रण निवशालय नई दिल्ली,

नई दिल्ली, 18 अगस्त 1983

# अधिसू**च**ना

जी (4) /प्रशा -।। (भाग-।।)। राष्ट्रपति जी ने श्री ए. के. घटक को विनाक 1-7-1975 से प्रबन्धक (लेटर प्रेंस) के ग्रेड में मूल रूप में नियुक्त किया हुं।

एस द्रंगानाभन संयुक्त निदाशक (प्रशासन) मारतीय लेखा परीक्षा प्रथा लेखा विभाग भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 अगस्त 1983

सं० 21 वां० ले० प०/सी० ए० 1/61-76-अपर उप नियंत्रक महालेखा परीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री आई० सी० जोणी लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) जो कि महालेखाकार जयपुर के कार्यालय में कार्यरत थे, को के० सि० सेवा पेंशन नियमावली 1972 के नियम 48 क के अधीन दिनांक 30-6-83 अपराह्म से सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने की अनुमति दे दी है।

एम० ए० सोमेश्वर राव संयुक्त निदेशक (वा०)

# कार्यालय, निवेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्य नई दिल्ली-2, दिनांक 9 अगस्त 1983

सं० प्रशा० 1/का० आ० संख्या/210—(क) इस कार्यालय के आदेश संख्या प्रशा० 1/का० आ० 190 दि० 28-7-1983 में आंशिक संशोधन करते हुए निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व ने श्री आनन्व स्वरूप गर्मा की स्थायीकरण की तारीख को 21-7-1983 की जगह 1-7-83 पूर्व दिनांकिल किया है।

(ख) निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व एतद्द्वारा इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधि-कारियों को उनके नामों के मामने दर्णायी गयी तारीखों से 840-1200 रूपये के समयमान में लेखापरीक्षा अधिकारी के स्थायी पदों पर स्थायी रूप में आगे के लिए नियुक्त करते हैं।

ऋमं सं० नाम	स्थायीकरण की तारीख
सर्व श्री	
1. रमाकांत शर्मा	1-7-1983
2. ओम प्रकाश अग्रवाल-11	1-7-1983
ं3. सोहन लाल जाटव	1-7-1983
4. जय किशन दास गुप्ता	21-7-1983

प्र० त्रिपाठी संयुक्त निदेशक ले०प० (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय आंध्र प्रदेश-1 हैदराबाद, दिनांक 5 अगस्स 1983।

सं० प्रणा० -I/8-132/83-84/553-श्री इ० भाष्यम अयंगार, लेखा अधिकारी महालेखाकार का कार्यालय आन्ध्र प्रदेण की मेबा में दिनांक 31-7-83 के अपराह्म निवृक्त हुए ।

म० प्रणा $\circ$ I /8-132/83-84/553--श्री के० राजेम्बर राब<math>-1 लेखा अधिकारी महालेखाकार का कार्यालय आंध्र प्रवेश की सेवा से दिनांक 31-7-1983 के अपराह्म निवृत्त हुए।

सं० प्रशा० I-/8-132/83-84/553-श्री के० गोभनाद्वाचार्युनु लेखा अधिकारी महालेखाकार का कार्यान्लय आंन्ध्र प्रदेश की सेवा से दिनांक 31-7-1983 के अपराह्म निवृत्त हुए।

बी० मेसन वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार प्रथम मध्य प्रदेश ग्वालियर, विनांक 18 जुलाई 1983

क्रमांक प्रशासन—एक/ले॰ अ॰ प्र॰/150—महालेखाकार, मध्यप्रदेश ने निम्नलिखित स्थाई अनभाग अधिकारी को स्थाना-पन लेखा अधिकारी के पद पर वेतनमान ६० 840-40-1000— द० रो॰ 40-1200 में उनके नाम के आगे दर्शाय कार्यभार प्रहण करने के दिनांक से अगामी आदेश तक पदोन्नत किया है:—

ऋमांक	नाम	स्थाई क्रमांक	कार्यभार ग्रहण् करने का विनांक
1. श्री ए	एस०पी० गुप्ता	02/299	11-7-83 पूर्वाह्न

(प्राधिकार: म० ले० प्रथम के आदेश दिनांक 31-5-83) बी० के० राय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

> महालेखाकार का कार्यालय, महाराष्ट्र बम्बई, दिनांक 27 जुलाई 1983

सं० प्रणासन-I/सामान्य/31-खण्ड-III/सी०-I(1)/6—महालेखाकार, महाराष्ट्र-(1)बम्बई अधीनस्थ लेखा सेवा के अनुभाग अधिकारी श्री आर० पी० तिरपुड़े को दिनांक 28-4-1983 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेण तक स्थापन्न रूप से लेखा परीक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सो० रा० रामनारायणन् व० उपमहालेखाकार (प्रणासन)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, राजस्थान जयपुर, दिनांक 2 अगस्त, 1983

सं प्रशा ।/जी राजपन्न अधिभूचना/266---महालेखा-कार (प्रथम) राजस्थान ने निम्नलिखित प्रवर अनुभाग अधिका-रियों को पदोन्नत करके उनके आगे दिए गए दिनाक से अग्रतर "

आदेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्त लेखाअधि-कारियों के पद पर नियुक्त किया है :---

1.	श्री कान्ता	नाथ भार्गव	1-7-83	(पूर्वाह्न)
----	-------------	------------	--------	-------------

2. श्री हंस राज जैन

श्री रमाकान्त सक्सेना

4. श्री स्रेन्द्र कुमार दला

श्री शान्ति स्वरूप वार्ष्णिय

श्री गोविन्द कुमार भटनागर

7. श्री कृष्ण गोपाल डेम्बला (अरोड़ा)

8. श्री राम नाथ भागंव

मदन सिंह शेखावत व० उप महालेखाकार/प्रशासन—II

# कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-2110001, दिनांक 8 अगस्त 1983

सं० 2146/ए०/प्रणासन/130/83---निदेणक लेखा परीक्षा. रक्षा सेवाएं, निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों यो उनके सामने अंकित तिथि से, लेखा परीक्षा अधिकारी के स्थानापन्त रूप में, आगामी आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र०सं०	नाम	कार्यालय जहां नियुक्ति	नियक्ति की
		की गई है	तिथि

### सर्वश्री

1. एन० एम० स्वामीनाथन संयुक्त निदेशक, लेखा 26-9-83 परीक्षा रक्षा, सेवाएं (नो

सेना) बम्बई ।

संयुक्त निदेशक---लेखा 18-7-83 2. के० के० चक्रवर्ती परीक्षा, रक्षा सेवाएं पूर्वी

कमान, पटना ।

3. आर० सी०भैरवा पटना

बी एस० तायल संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा

25-7-83

रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली ।

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली-110066, दिनांक 30 जुलाई 1983

सं० प्रशा०/1/1171/1/1—<del>-</del>राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों (जो अपने नामों के समक्ष उल्लिखित नियमितयों पर हैं) को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 (रु० 2500-125/2-2750) में स्थानापत्न

रूप में कार्य करने के लिए उनके नामों के समक्ष दर्शाई गई तारीखों से, आगामी आदेश पर्यत्त, 'अनुक्रम नियम के अधीन', सहर्ष नियुक्त करते हैं:--

ऋ० अधिकारी का सं० नाम	तारीख	जहां सेवारत हैं
सर्वश्री	•	
1. एस० एस० मुक्	08-12-82	संयुक्त सचित्र (वित्त) एवं विसीय सलाहकार, जहाजरानी एवं परि- वहन मंत्रालय, नई दिल्ली ।
2. कें० पी० राव	03-06-83	संयुक्त सचिव एवं अपर वित्तीय सलाह- कार, वित्त मंत्रालय, व्यथ विभाग, (रक्षा प्रभाग) नई दिल्ली ।

सं ० प्रणा ०/1/1171/1/जि०-1--राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखासेवाके एक अधिकारी श्रीजी० भट्टाचार्यको उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर 1 (ए० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से, 'अनुक्रम नियम के अधीन' आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री जी० भट्टाचार्य की उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-I (६० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में, दिनांक 19 फरवरी, 1982 के अपराह्म से प्रारम्भ में छ: माह की अवधि के लिए, या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, इन में जो भी पहले हो, तक की गई तदर्थ नियुक्ति जो इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रणा0/1/1172/1/1(पी0 सी0-1), दिनांक 1 सितम्बर, 1982 में अधिमूचित की गई हैं और बाद में दिनांक 18 फरवरी, 1983 के अपराह्म तक अगली और छ: माह की अवधि के लिए , या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं इनमें जो भी पहले हो, तक बढ़ाई गई है, वह इस विभाग की अधिमूचना सं प्रणा 0 / 1 / 1 1 7 2 / 1 (पी 0 सी 0 - 1) दिनांक 9 दिसम्बर, 1982 में अधिसूचित की गई तथा दिनांक 7 दिसम्बर, 1982 के अपराह्न से समाप्त हो गई हैं। तदर्थ नियुक्ति पर की गई सेवा, बरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर -I में वरिष्ठता के उद्देश्य के लिए और दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से उक्त ग्रेड में उनकी नियमित नियमित हेतु पालता और पुष्टि के लिए मेवा गिनी जाने के लिए उन्हें कोई दावा प्रदान नहीं करेगी।

सं० प्रशा०/1/1177/1/II---राष्ट्रपति, भारतीय लेखा मेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-II (रु० 2250-125/2-2500) में स्थायी रूप से उनके नामों के समक्ष दर्शाई गई तारीखों मे, आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करने हैं :---

ऋ० अधिकारी का नाम सं०	तारीख जिसमे नियुक्त क्रिए गए
1. श्री एस० वैकटमुक्रह्मणियन	01-08-79
2. श्री आर० बी० कपूर	01-09-79
<ol> <li>श्री एस० एस० गुक्ल</li> </ol>	01-10-80
4. श्री <sup>°</sup> एस्० मलिक	24-02-81
5. श्री जी० भट्टाचार्य	24-02-81
<ol> <li>श्री आर० वैंकटरत्नम्</li> </ol>	24-02-81

वी० एस० जफ़ा रक्षालेखा अपर महानियंत्रक

# रक्षा मंत्रालय भारतीय आर्डनेंस फैक्टरियां सेवा आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 2 अगस्त 1983

सं० 33/जी०/83--स्वेच्छा निवृत्ति पर श्री वी० एस० चन्द्रमौलि, स्थानापन्न वर्स, मैनेजर (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 5 जुला ई, 1983 अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए ।

### दिनांक 4 अगस्त 1983

मं० 34/जी०/83——वार्धम्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री प्यारे लाल, उपनिदेशक दिनांक 28 फरवरी, 1983 अपराह्म से सेवा निवृत्त हुए।

> बी० के० मेहता निदेशक

# वाणिज्य मंत्रालय (वस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1983

सं० ए०-12025(1)/3/83-प्रशासन II(क)--राष्ट्रपति, श्री वीरेन्द्र कुमार भारबाज को भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान, वाराणसी में 30 जून, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए सहायक निदेशक ग्रेड I प्रोसेसिंग के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी० के० दस अपर विकास आयुक्त (हथकरघा)

### उद्योग मंत्रालय

### औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1983

मं० 12(495)/65-प्रणा० (राज०)--राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (ल० उ०) का कार्यालय, नई दिल्ली के सहायक निदेशक (आ०अ०), श्री णिवरामा क्रप्णन को दिनांक 3 जून, 1983 (अपराह्म) से, मौलिक नियम 56 (के) की शर्तों के अधीन, सरकारी सेवा से स्वेच्छा में सेवा निवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

# दिनांक 20 जुलाई 1983

सं० ए०-19018(147)/74-प्रभा० (राज०)/खण्ड-2--राष्ट्रपति, औद्योगिक विकास विभाग, नई दिल्ली के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी श्री बी० पी० सिंह को, लघु उद्योग विकास आयुक्त के कार्यालय में, तीन वर्ष की अविधि के लिए, दिनांक 5-7-1982 (पूर्वाह्म) से तदर्थ आधार पर पर उप निदेशक (सामान्य प्रणा०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018 (629) / 82-प्रशा० (राज०) -- राष्ट्रपति, श्री रणजीत सिंह को लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में, दिनांक 10-5-1983 (पूर्वाह्म) से, अगले आदेशों तक, उप निदेशक (यांत्रिकी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 25 जुलाई 1983

सं 0 12 (756) / 72 - प्रभा (राज ), खण्डं - II - राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय के उप निदेशक (निर्यात संवर्द्धन) श्री ए० एल० आनन्द को दिनांक 19-6-83 (पूर्वाह्म) से इसी कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-II (निर्यात संवर्द्धन) के रूप में, तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय उपनिदेशक (प्रशा०)

# इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1983

सं० 3564डी०/ए०-19012(4-ग्यर्ग के० एस०)/64-19बी०--एफ० आर० 56(जे०) की गतौं के अनुसार तीन माह के नोटिस की समाप्ति पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के ड्रिलर श्री एस० के० सेन 25-2-82 (पूर्वाह्न) में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

## विनांक 4 अगस्त 1983

सं० 6894बी०/ए०-19012(1-आर० के० ए०)/82-19ए०--श्री राजकुमत्र अग्रजाल को महायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 ए० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ए० के वेतनमान में स्थान(पन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 11-5-1983, के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

एस० के० मुखर्जी महानिदेशक

# कलकता-7000126, दिनांक 3 जुलाई 1983

सं० 6824 बी०/ए०-19012(3-एम० यू०एम० आर०)/83-19-बी०--महा निदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री एम० उमा महेश्वर राव को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रु० के न्यूनतम वेतन पर, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 5-7-83 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

### दिनांक 1 अगस्त 1983

सं० 3842 बी०/ए०—19012(1—डी० सी० बी०)/82—19ए०—महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री दिलीप चन्द बनर्जी को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-30 रो०—35-880-40—1000—द० रो०—40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 23-5-1983 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित **कुमारी** नि**देश**क (कार्मिक) भारतीय भृ**वैज्ञा**निक सर्वेक्षण

# आकाशवाणीः <mark>महानिदेशालय</mark>

(सिविल निर्माण स्कन्ध)

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1983

सं० ए० 12011/2/80-सी० डब्ल्यू०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, नई दिल्ली निम्निलिखित व्यक्तियों को पदोन्नत कर, सहायक इंजीनियर/सहायक कार्य सर्वेशक (सिविल) के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के बेतनमान में,

स्थानापन्न आधार पर,	उनके सामने दी गई तारीख से और
स्थानापन्न पर नियुक्त व	न्दते हैं :
ऋ०सं० नाम	तैनाती का स्थान नियुक्ति की तारीख तारीख
1 2	3 4
1. श्री अब्दुल वहात्र	सहायक इंजीनियर 29-11-82 (सी) सिविल (पूर्वाह्म) निर्माण स्कन्ध, अकाशवाणी अम्बर्द्ध।
2 श्रीपी० पुलह्या	सहायक इंजीनियर 27-11-82 (सी) सिविल निर्माण (अपराह्न) स्कन्ध, आकाश- वाणी मद्रास ।
3. श्री अदेश समन्द	सहायक इंजीनियर 11-11-82 (सी), सिविल (पूर्वाह्स) निर्माण स्कन्ध, आकाशवाणी, कलकत्ता सब-डिबीजन नं० 1
4. श्रीयू० एन० प्रधान	सहायक इंजीनियर 14-1-83 (सी), सिविल निर्माण स्कन्ध, आकाशवाणी ऐंजल, गोहाटी डिबीजन।
<ol> <li>श्री यू० राज्</li> </ol>	सहायक कार्य सर्वेक्षक 19-2-83 (सी) पूर्वाह सिविल निर्माण स्कन्ध आकाशवाणी, कलकत्ता डियीजन ।

उनकी नियुक्ति पदोन्निति सम्बन्धी आवेश सं० ए० 19011/ 14/77-सी० डब्ल्यू० 1, दिनांक 9-11-1982 में निम्निखित शर्तों से नियंद्रित हैं।

> एस० के० मोहिन्द्र मुख्य इंजीनियर (सी) के इंजीनियरी अधिकारी ' कृते महानिदेशक

### नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रगस्त 1983

सं० 29/11/83-एस०-2-महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री सी० आर० राजेश्वरैष्ट्या, फार्म रेडियो रिपोर्टर को आकाशवाणी, मंगलौर में दिनांक 7-2-1983 (पूर्वाह्म) से फार्म रेडियो श्रिधकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

रुक्मणी वास गुप्ता उपनिवेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

### दिनांक 5 श्रयस्त 1983

सं० 5/45/70 एम०-1--महानियेणक, आकाशवाणी एनदहारा श्री कृपाल सिंह, प्रसारण निष्पादक, आकाणवाणी रांची को 27-6-83 से श्रमले आदेण नक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में आकाशवाणी, दरभंगा में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 8 ग्रागस्त 1983

मं० 4(86)/82-एस०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा कुमारी मोक्षदा चन्द्राकार को, 18-7-83 अपराह्म से अगले आवेश तक 650-30-740-35-810- द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में आकाशवाणी रायपुर में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(89)/82-एस०-एक---महानिदेणक, आकाणवाणी, एतद्दारा श्रीमती मिनाली चक्रवर्ती को 25 जुलाई, 1983 से श्रगले आदेण तक, 650-30-740-35-810-- द० रो०--880-40-1000-द० रो०--40-1200 रुपए के वेतनमान में आकाणवाणी, गोरखपुर में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीम चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रगस्त 1983

मं० ए० 38012/1/83-प्रशासन-1-सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने के फलस्वरूप इस महानिदेशालय के श्री टी० सी० जैन, उपनिदेशक प्रशासन (संगठन एवं पद्धति) 31 जुलाई, 1983 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> को० वेणुगोपाल निदेशक, प्रशासन एवं सतर्कता

# नई दिल्ली, दिनांक 6 श्रगस्त 1983

सं० ए० 12026/12/82-प्रणासन-1-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एम० सी० नरसिंहमन को, बी० सी० जी० प्रयोगशाला, गिंडी, मद्रास में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर 15 जुलाई, 1983 पूर्वात्र में आगामी आदेशों तक प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त कर दिया है।

टी० सी० जैन उप निदेशक प्रशासन

# ग्रामीण विकास मंत्रालय विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 6 अगस्त 1983

दिनांक 16-5-83 (अपराह्म) से विरिष्ट रसायनक के पद पर प्रत्यावर्तित किया गया हैं।

मं० ए०-19025/7/83-प्र०-III--संघ लोक मेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार डा० मुसान्त कुमार मोहन्ता को विषणन एवं निरीक्षण निदेणालय के अधीन औरंगाबाद में दिनांक 13-7-1983 के पूर्वीह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग II) के रूप में नियुक्त फिया गया है ।

गोपाल शरण णुक्ल कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

# भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई, धिनांक 5 अगस्त 1983

सं० एस्०/4279/स्था० II/3264—पश्चिम रेलवे से, प्रतिनियुक्ति पर आये प्रनुभाग अधिकारी, श्री नवनीतलाल मन्मुखदास शाह ने इस अनुसंधान केन्द्र में सहायक लेखा श्रधिकारी, भा० प० अ० केन्द्र का पद भार 8-7-1983 (अपराह्न) को ऐच्छिक रूप से सेवा निवृत्त होने पर छोड़ दिया।

एन० वी० रमणन उपस्थापना श्रधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत परियोजना अभियांतिकी प्रभाग बम्बई, दिनांक 1 ग्रगस्त 1983

सं० वि० प० अ० प्र०/3(282)/83-स्थापना-190767 निदेशक, विद्युत परियोजना अभियां विकी प्रभाग, वस्बई एतद्-द्वारा रिएक्टर रिसर्च सेंटर के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री एस० मणी को जुलाई 25, 1983 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश जारी होने, तक के लिए इस प्रभाग में सहायक लेखा श्रधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

आर० व्हि० बाजपेयी सामान्य प्रशासन ग्रधिकारी कुते निदेशक

# क्य और भण्डार निदेशालय -बम्बई, दिनांक 30 जुलाई 1983

सं० डी० पी० एस०/41/15/83-प्रशा०/23977-परमागु ऊर्जा विभाग के कय और भण्डार निदेशालय के
निदेशक ने महायक भंडार अधिकार। श्री जिं० डं० राठोर की
छुट्टी। मंजूर किए जाने पर स्थायी भंडारी श्री एम० आर०
भेनन को ठ० 650-30-740-35-810-द० रो०-35880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेननमान में
तारीख 9-5-83 (पूर्वाह्म) से 18-6-83 (प्रपराह्म) तक
के लिए तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से
सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

सं० श्री० पी० एस०/41/1/83-प्रशा०/24036--परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भण्डार निदेशालय के निदेशक
ने सहायक ऋय अधिकादी श्री एम० के० श्राकी की छुट्टी मंजूर
किए जाने पर स्थायी ऋय सहायक श्री शरद विष्णु मोकाशी को
रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-401000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तारीख
13-6-1983 (पूर्वाह्र) से 16-7-1983 (ग्रपराह्र)
सक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप
से सहायक ऋय अधिकारी नियुक्त किया है।

पी० गोपालन, प्रशासनिक अधिकारी

# नाभिक्य ईंधन सम्मिश्र

# हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

सं० ता० ई० स० का० प्र० भ०/1705/2066— नाभिकाय ईंधन सम्मिश्र के उप मुख्य कार्यपालक जी (प्रशासन), सहायक लेखाकार श्री ई० वेंकटेशन को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में दिनांक 27-7-1983 (पूर्वाह्म) से आगामी आदेशों पर्यंत स्थानापन्न सहायक लेखाअधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

> जी ० जी ० <sup>'</sup>कुलकर्णी प्रबन्धक, कार्मिक व प्रशासन

### परमाणु खनिज प्रभाग

## हैदराबाद, दिनांक 6 श्रगस्त 1983

सं० प० ख० प्र०-16/5/82-भर्ती--परमाणु अर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायिवत् निम्न श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री पीर्ं एन० मोहनन् को उसी प्रभाग में 25 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्म से लेकर ग्रंगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० डी० घांडगे, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यंदन और नागर विमानन मंत्रालय भारत और मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली-2; दिनांक 2 ग्रगस्त 1983

सं० ए० 32014/5/81—स्था०-I—मौसम विज्ञात के महानिदेशक, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित क्यावसायिक सहायकों को उनके नामों के आगे दर्शाये गये दिनांक

से आगामी आदेशों तक उसी विभाग में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर निपुक्त करते हैं :--

ऋ०सं० न	गम	सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में कार्यभार संभालने का दिनांक
1. श्री एस० ' 2. श्रीवी०ए०		12-11-1982 17-12-1982

के० मुखर्जी, मौसम विज्ञानं (स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 2 अगस्त 1983

सं० ए० 32013/2/82-ई०-एस---राष्ट्रपैति ने निम्त-लिखित 16 अधिकारियों की निरीक्षक के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति प्रत्येक के नाम के सामने दी गई त्सरीख क्षक जारी रखने की अनुमति दी हैं:--

क्र० सं० नाम	तिथि
	23-3-1983
2. ′′ आर० सी० गुप्ता	23-3-1983
<ol><li>एस० एस० नाट</li></ol>	30-4-1983
4. '' एस० एल० वोहरा	30-4-1983
<ol><li>एस० एस० कुनेर</li></ol>	30-4-1983
6. '' अनुपम बागची	30-4-1983
7. '' एस॰ मजूमदार	23-3-1983
- 8. '' पी० एम० गोयल	30-4-1983
9. '' एच० एम० फुल्ल	30-4-1983
10. ''मोहम्मद <sup>्</sup> मुस्तफ़ा	30-4-1983
11. " एल० ए० महालिंगम	30-4-1983
12. '' देव प्रंसन्ता घोष.	30-4-1983
13. '' हरिहर प्रसाद	23-3-1983
$14$ , $^{\prime\prime}$ एल० एम० माधु $^{ au}$	30-4-1983
15. '' डी० पी० घोष	30-4-1983
16. ′′ एन० रमेश	23-3-1983

जि० च० गर्ग, सहायक निदेशक प्रशा०

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निर्देशालय सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 2 अगस्त 1983

सं० 21/83---श्री एन० के० शर्मा ने जो कि पहले सीमाणुरक गुत्र, बम्बई, में मूल्य निधरिक के पद पर कार्यरत थे, इस निदेशालय के दिनांक 21-5-83 के पत्र सी० नं० 1041/50/82 द्वारा निरीक्षण निदेशालय सीमाशुरुक व केन्द्रीय उत्पादन शुरुक के बम्बई स्थित पश्चिमी प्रादेशिक यूनिट में दिनांक 3-6-83 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "ख" का कार्यभार संभाल लिया है।

> ब० चं० रस्तोगी, निरीक्षण निदेशक

# केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 2 अगस्त 1983

सं० 2/4/83-प्रशासन-1 (बी०)—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्द्वारा श्री एन० के० कारमाकर, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में, केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरिंग ग्रुप बी सेवा के अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में, स्थानापन्न क्षमता में 6-7-1983 के पूर्वाह्म से, आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

सन्तोष विश्वास, अवर सचिव (कार्मिक)

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी विधि बोर्ड

कार्यालय कम्पनी रजिस्ट्रार कम्पनी अधिनियम, 1956 और वी०-डी० एस० चिट एण्ड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटड

कोचीन, दिनांक 30 जुलाई 1983

सं० 2438/लिक्वि/560(3)/6608/83—कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वी०—डी०—एस० चिट फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> के० पन्चापाकेशन, कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल ।

कम्पनी अधिनिमि, 1956 और मैसर्स बिलासपुर इन्बेस्टमेण्टस् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

नवालियर-474009, दिनांक 3 अगस्त 1983

कमांक 1323/पी० एस०/सी० पी०/975—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स बिलासपुर इन्वेस्टमेण्टस् प्राइवेट लिमिटेड, बिलासपुर का नाम इसके प्रतिकृल कारण विशित न किया गया तो रिजस्ट्रार से काट दिया आयेगा और उक्त कम्पनी विश्वटित कर दी आयेगी ।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना,

कम्पनी रजिस्ट्रार,
मध्य प्रदेश, खालियर

कम्पनी अधिनियम 1956, विजयकृष्णा सेविग्स एण्ड फाइनस प्राइवेट लिमिटड के विषय में

हैकराबाव, दिनांक 6 अगस्त 1983

सं० 2214/टी० ए० 111/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुसरण के एतदहारा सूचना दी जाती है कि विजयक्रण्णा सेविंग्स एण्ड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटत हो गई है।

वि० एस० राजूं, कम्पनियों का रजिस्ट्रार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

कार्यालय, आयकर अपीलीय अधिकरण बम्बई 400020, दिनांक 30 जुलाई 1983

सं० एफ०--47-ए०डी॰ (ए०टी०) 50-पी०/IV/--आयकर अपीलीय अधिकरण के निम्नलिखित अधिकारी, जो सहायक पंजी-कार के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे हैं, की नियुक्ति की पुष्टि दिनांक 2 जुलाई, 1983 से की जाती है।

- 1. श्री के० के० मिश्रा
- श्री आर० के० चक्रवर्ती
- 3. श्री डी० एस० शर्मा
- 4. श्रीबी० चक्रवर्ती
- 5. श्री टीं० एल० खानओड़े
- 6. श्री वाई० बालासुक्रिरामनियम
- 7. श्री मोतीलाल राय

टी० डी० **शुक्ला**, अध्यक्ष

कार्यालय, मुख्य आयुक्त (प्रशान०) श्रौर आयकर आयुक्त, पश्चिम बंगाल-1

कलकत्ता, दिनांक 31 मई 1983

### I. पद्योग्मति

सं० 153 एफ० नं०  $2 \frac{4}{5} / 28 / 75 - 76 - \%$  शार्शिस मुंरमु (अ० ज० जा०), आयकर निरीक्षक को, कार्यभार ग्रहण की तारीख से अगले आदेश होने तक, ६० 650 - 30 - 740 - 35 - 810 - 40 रो०-35 - 880 - 40 - 1000 - 40 रो०-40 - 1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारी वर्ग-ख (क्लास-II) में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया जाता है।

नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी और अन्तःकालीन आधार परं की गई है और उन्हें उस स्थान पर बने रहने अथवा अन्य उन्नित की तुलना में विरिष्टता का दावा करने का अधिकार प्रदान नहीं करता। नियुक्ति की किसी भी समय खत्म किया जा सकता है। यदि खाली जगहों की समीक्षा करने के बाद यह पाया गया कि पदोन्नित के लिए रखी गयी नियुक्तिया खाली जगहों से अधिक है अथवा उनके प्रतिस्थापना के लिए प्रत्यक्ष नियोजित व्यक्ति सुलभ होने पर उन्हें परिवर्तन किया जा सकता है। उन्हें पश्चिम बंगाल के किसी भी जगह किसी भी समय स्थानान्तरित किया जा सकता है।

II. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 (1963 का 43) द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए में निदेश देता हूं कि श्री गाईरिल मुरमु, आयकर अधिकारी, वर्ग-ख (क्लास-II) के रूप में नियुक्त होने पर, ग्रायकर अधिकारी के सभी कर्तव्यों का पालन एसे व्यक्तियों के या व्यक्तियों के वर्गी या ऐसी आय या आय के वर्गी या ऐसे क्षेत्रों पर करेंगे जैसा उन्हें समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाएगा ।

### III. तैनाती

पदोन्नित पर ग्रायकर अधिकारी, (ग्रुप "बी") श्री शाईरिल मुरमु, को मुख्य आयुक्त (प्रशासन) एवं आयकर आयुक्त, पश्चिम बंगाल-1 के कार्यालय में वि० का० अ० के रूप में तैनात किया जाता है।

# I. पदो न्नति ---

आदेश सं०-154एफ्० नं०-2ई०/28/75-76--निम्न-लिखित आयकर निरीक्षक को, कार्यभार ग्रहण के तारीख से अगले आदेश होने तक, रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारी वर्ग-ख में स्थानापन्न रूप से पदोन्नति किया जाता है ।

### सर्वश्री

- 1. स्वपन कुमार मुकुटी
- 2. उत्पल विश्वास (अ० जा०)
- 3. अमल कान्सि बन्दोपाध्याय
- हृदे रंजन आईच
- 5. रमेन्द्र च० दास (अ० जा०)
- शशांक सेखर प्रधान
- 7. बिमल कुमार बनर्जी
- 8. सबुज कुमार दास
- विभृति भ० चौधरी
- 10. सुजित कुमार मुखोपाध्याय
- 11. नरेश च० दत्त
- 12. गोरा चाँद बनर्जी

- 13. अनिल कुमार चन्नवर्ती
- 14. सुबीर कुमार दास
- 15. अरुण कान्ति भट्टाचार्य

नियुक्ति बिलकुल अस्थायी और अन्तः कालीन आधार पर की गई है। और उन्हें उस स्थान पर बने रहने अथवा अन्य उन्नित की तुलना में विरष्टता का दावा करने का अधिकार प्रदान नहीं करता। नियुक्ति को किसी भी समय खत्म किया जा सकता है। यदि खाली जगहों की समीक्षा करने के बाद यह पाया गया कि पदोन्नित के लिए रखी गयी नियुक्तियां खाली जगहों से अधिक हैं अथवा उनके प्रतिस्थापना के लिए प्रत्यक्ष नियोजित व्यक्ति सुलभ होने पर उन्हें परावर्तन किया जा सकता है। उन्हें पश्चिम बंगाल के किसी भी जगह किसी भी समय स्थानान्तरित किया जा सकता है।

11. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 (1961 का प्र43) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं निदेश देता हुं कि—

### सुर्वश्री

- 1. स्वपन कुमार मुकुटी
- 2. उत्पल विश्वास (अ० जा०)
- 3. अमल कान्ति बन्द्योपाध्याय
- 4<sup>-</sup> हृदे रंजनं आईच
- 5. रमेन्द्र च० दास (अ० जा०)
- 6. शशांक सेखर प्रधान
- 7. बिमल कुमार बनर्जी
- सबुज कुमार दास
- 9. विभूति भ० चौधरी
- 10. सुजित कुमार मुखोपाध्याय
- 11. नरेश च० दत्त
- 12. गोरा चांद बनर्जी
- 13. अनिल कुमार चऋवर्ती
- 14. सुबीर कुमार दास
- 15. अरुण कान्ति भट्टाचार्य

आयकर अधिकारी, वर्ग "ख" के रूप में नियुक्त होने पर, आ० अ० के सभी कर्त्तव्यों का पालन ऐसे व्यक्तियों के या व्यक्तियों वर्गों या ऐसी आय के वर्गों ऐसे क्षेत्रों पर करेंगे जैसे उनको समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जायेगा ।

### III. तैनाती

्रपदोन्नित पर सभी अधिकारियों मुख्य आयुक्त (प्रशासन) एवं आयकर भ्रायुक्त, पश्चिम बंगाल-1 के कार्यालय में वि० का० अ० के रूप में तैनात किया जाता है।

> डी० आर० चक्रवर्ती, मुख्य आयुक्त (प्रशासन) और आयकर आयुक्त, पश्चिम बंगाल-1, कलकत्ता ।

सहायक आयकर् आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय, रुरणाकुलम रेंज, कोचीन-16

> कोचे(न, दिनांक 21 जून 1983 शुद्धि-पत्र

नं० सी० आर० 26/प्रशासन/एरणाकृलम/83-84

विषय:--आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124(2) के अधीन आदेश शक्षि-पन्न जारी करना--

संदर्भ:—आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124(2) के अधीन इस कार्यालय के सम संख्यक तारीख 5~4-1983 का आदेण ।

 उपर्युक्त आदेण में जहां ६० 1,50,000 दिखाई पड़ती है वहां ६० 1,00,000 प्रतिस्थापित की गयी है।  आयकर अधिकारी, सर्वेक्षण सर्किल-1, एरणाकुलम के सम्बन्ध में फम सं० 5 के पैरा 1 के अनुक्छेद (2) को निम्निलिखित रूप में पढ़ा जायेगा :---

"जिनका निर्वाचित कुल आय/हानि २० 1,00,000 से कम न हो उनको छोड़कर एरणाकुलम तथा मट्टांचेरी के आयकर मण्डलों के प्रादेशिय क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत सर्वेक्षण के फलस्वरूप आविष्कृत सभी नई मामले"

पी० जे० तोमसकुट्टी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) एरणाकुलमः । प्ररूप आर्थः .टी . एत . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन स्चना

### भारत सरकार

कायालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय जालन्धर, दिनांक 3 जून 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4333—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधरः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है तथा जो बहादुर पुर होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्त संपरित के उचित्त बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रूपयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रातशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क्ष) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अन, उन्न अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीतः निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्रीमती वीरन्ट कौर पत्नी अवतार सिंह वासी बहादुरपुर होणियारपुर।

(अन्तरक)

 श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी राम प्रकाश वासी बहादुरपुर, होशियारपुर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं ० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है 'वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जात सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्यव्द्योकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 3402 विनांक अक्तूबर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

जे० एलं० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 3-6-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस्,-----

आयकर अधिनियम, ∙1961 (1961 का 43) **की** धारा 269-थ् (1) के अ<mark>षीन स्</mark>चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन <sup>रे</sup>ज, भोपाल भोपाल, दिनांक 30 मई 19**83** 

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3653—यतः, मुझे, देवप्रिय पंन्त.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नम्बर 7 पर बना हुआ मकान है, तथा जो शिक्षक नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 नवम्बर, 1982

को पृथोंक्त् सम्पत्ति के उण्रित बाजार मृत्य से क्षम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान पितफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---  कुमारी चन्द्रवली पिता रतनलाल बाग्रर, निवासी---मकान नं० 5. नार्थ यशश्रंतगंज, इंदौर

(अन्तरक)

 श्रीमती लीलादेवी पनि श्री बंगोलालजी पुरोहित, निवासी —मकान नम्बर 7, शिक्षक नगर, बिजासन रोड, इंदौर

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त संम्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नया है।

### अन्स्ची

प्लाट नं० 7 पर बना हुआ मकान, णिक्षक नगर, इंदौर में - स्थित है ।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्रान्तिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: : 30-5-1983

मोहर

प्ररूप आहर्र, टी. एन. एस. -----

**आयकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3654—यतः, मझे, देवप्रिय पन्त,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट कमांक 5 है, तथा जो सेक्टर ए, संगम नगर कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, 29 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एमे द्वरयमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह——

 श्री तिलोकचन्द मौभाग्यमलजी जैन, निवासी—151/4, इमली बाजार, इंटींग।

(अन्तरक)

 श्री हेमत पिता हीरानन्दजी, निवासी—2/2, साउध हरसिद्धी, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट क्रमांक 5, सेक्टर ए संगमनगर कालोनी, इंदौर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 30<del>-</del>5-1983

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांक 30 मई 1983

निवेश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/3655----अतः मझे, वेवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं एलाट नं 64 है तथा जो महास्मा गांधी मार्ग, शिव विलास पैलेस, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रींकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन यो जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 3--216G1/83

(1) श्री मोहन लाल पिता भागीरयीजी पटेल, निवासी 510, महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर।

(अस्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी बाई पति श्री टीकमचन्द दवे, निवासी 158, महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मुर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

प्लाट नं० 64, महात्मा गांधी मार्ग, शिव विलास पैलेस इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 30-5-1983

मोहर 🖫

प्ररूप् आर्दे. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जून 1983

निदेश सं० आर० ए० सी०/ध्रर्जनं/भोपाल/3685---अतः मझे, देवप्रिय पन्त

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रा. स जायम ह
और जिसकी सं० मकान नंबर 12, दुकान नंर 7 है तथा
जो पंढ़रीनाथ पथ, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद अससूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 न्वम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पर्तित के उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूवा क्स सम्पर्तित का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे खामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसा आय या किसा धन या अन्य आस्त्या को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु --- (1) श्रीमंत सरवार प्रताप सिंह राज पिता मल्हार राज होलकर, निवासी-12, आड़ा बाजार, इन्दौर तरफे आम मु० श्याम राज कृष्णराज होलकर, निवासी 65, रूपराम नगर, कालोनी, इन्दौर।

(अन्सरक)

(2) श्री कन्हैया लाल पिता गोविन्द राम, निवासी 28, छोटा सर्राफा, इन्दौर।

अन्तरिती)

का यह सूचना आर्री करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यविष्टिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास निश्चित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नंबर 12, दुकान नं 7, पढ़रीनाथ पथ, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी स**हायक गायक**र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 12-6-1983

मोहर 🥫

# प्रकष् आदे .टी .प्रन .एस .-----

# जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के सभीन स्वता

### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जून 1983 निषेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3686---अतः मुसे, वेषप्रिय पन्त

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,060/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नम्बर 1443 है तथा जो ग्राम अनंत-पुर, जिला रीवा में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनसूत्री; और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय' रीवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल के एसे स्थमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्दरण संहुद् किसी बाय की बाबत्, उक्त गणिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उसते बचने में सृविधा के किए; श्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन् या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गुवा था या किया जाना वाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अमृतर्ण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिस्तित व्यक्तियों, मुर्भात् :—

- (1) 1. श्री शिव बालक
  - श्री प्राणनाथ पिता बृन्दावन, ब्रा० निवासी अनन्तपुर, तहसील हजूर, जिला रीवा।

(अन्सरक)

(2) अनंतपुर गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित अनंतपुर रीवा (म०प्र) द्वारा अध्यक्ष श्री भागवत प्रसाद दुबे तनय श्री सुन्दरलाल दुबे, निवासी अनन्तपुर, जिला रीवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशासित सम्मस्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (वा) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युक्तिकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उसक अधिनिक्त के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुस्थी

भूमि नै० 1443, ग्राम अनन्तपुर, तहसील हजूर, जिला रीवा में स्थित है ।

> देवप्रिय प्रत्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 22-6-1983

मोहर: .

# प्रकप बाइ दी एन एत . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मभीन सूचना

### गाउत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकत् आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जून 1983

निदेश सं आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3687---अतः मझे, देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नं० 1443 है तथा जो ग्राम अनन्त पुर, तहु० हजूर, जिला रीवा में स्थित है (और इससे उपाबद अनमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, रीवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्मिटल के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्ड/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-भार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में डक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) 1. श्री शिव बालक 2. श्री प्राणनाथ पिता बुन्दावन स्ना० निवासी अनन्पपुर, हजूर, जिला रीवा।

(अन्तरक)

(2) अनन्तपुर गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित अनन्तपुर, रीवा म० प्र० द्वारा अध्यक्ष श्री भागवत प्रसाद दुवे तनय श्री सुन्दर नान दुवे, निवासी अनन्त पुर, तहसील हजूर, जिला रीवा।

(अन्ति रतीं)

को यह स्वना जारी करके प्वोंक्त संपत्ति के अर्वन् के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इंग, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

# अनुस्की

भूमि नं 1443, ग्राम अनन्तपुर, तह हजूर, जिला रीवा में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधि**कारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज, **भोपा**ल।

तारीख: 22-6-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3688— अतः मझे, देवप्रिय पन्त

अगयकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1742 का भाग है तथा जो मदन महल एक्सटेंशन, राइट टाऊन बाई, जबलपुर में स्थित है (और इसमे उपाबड़ अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त रंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दरयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया बया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर येने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्मतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री माधव आत्मज स्व० दत्तालय जोमेकर खुद हैसियत कर्ता अविभाजित हिन्दू परिवार की तरफ से निवासी 46/8, शिवाजी नगर, रेलवे क्वार्टर, पूना, पिन--411005 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुम बाई धर्मपत्नी श्री पुरुषोत्तम दास जी मरेले, निवासी 443, कोतवाली वार्ड, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कारपोरेशन प्लाट नं० 54 डाय० गीट नं० 153 ए, प्लाट नं० 148 मकान नं० 1742 का भाग मदन महल एक्सटेंशन,, राईट टाऊन वार्ड, जबलपुर में स्थित है।

> ं देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भीपाल ।

तारीख: 22-6-1983

मोहर 💠

प्ररूप आ**र**े. डी<u>.</u> एम<sub>ः</sub> एस<sub>.:=======</sub>

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल अपेपाल,दिनांक 22 जून 1983

निवेधा सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3689---अंतः मुझे, देवप्रिय पन्त

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1742 का भाग है तथा जो मदन महल, एक्सटेंशन, राईट टाउन वार्ड, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वोस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण ते हुई किसी माथ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी अाव या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हुं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को सिए।

अतः सव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के मभीन, निम्मलिमित व्यक्तियों, अभीत् :-- (1) श्री माधव आत्मज स्व रतास्रय जामेकर खुव व हैसियत कर्ता अविभाजित हिन्दू परिवार की सरफ से निवासी 46/8, शिवाजी नगर, रेलवे क्वार्टर, पूना, पन-411005 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुम बाई धर्मपत्नी श्री पुरुषोत्तम दास जी मरेले, निवाबी 443, कोतवाली वार्ध, जबलपुर।

(जन्तरितौ)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की भविध या तरसम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्यं व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवधीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्त्र्यो

कारपोरेशन प्लाट नं० 54 डाय०शीट नं० 153 ए, प्लाट नं० 148, मकान नं० 1742 का भाग, मदन महल एक्सर्टेशन, राईट टाउन वार्ड, जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 22-6-19#3

प्राक्षप माई० टी॰ एन० एस∙~---

# वाव्यार श्रीभृतियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से स्थीत स्थान

### भारत बरकारु

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 22 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3690—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 6, राजगढ़ कोठी है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद अनसूची में और पूर्ण . रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के जीवत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-कन निम्नीसिक्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निवास में वास्तिक रूप से कीयत नहीं किया नवा है :——

- (क) बन्तरण से हुई किती जाब की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या अससे बचने में मिन्धा के लिए; बीर/वा
- (क) एसी किसी नाव या किसी भन या जन्य शास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम या भन-कर श्रीधनियम या भन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा व निस्तु;

कतः अव, उक्त नॉर्थनियम की भारा 269-ग के, जनुसरक में, में, उक्त निधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन, निस्नीतिकत व्यक्तियों, नर्जात् :-- (1) श्री वल्लभ पिता रामरिख लोभा, 'निथासी अशोक नगर, हैवराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स जयलक्ष्मी हार्ऊासग को०-आपरेटिव सोसायटी निवासी 6/7, मनोरमा गंज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पृश्वेंक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ब्यंक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ने।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ क्रोगा जो उस मध्याय में दिया गवा है।

### वन्स्ची

प्लाट नं० 6, राजगढ़ कोठी, इस्दौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 22-6-1983

पक्ष प्राई० टी० एन० एन०--

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल.

भोपाल, दिनांक 22 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3691---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

प्रायकर मिनियम; 1981 (1981 का 43) (शिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उन्त अधिनियम' कहा चया है); की धारा 269 का के घधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का चारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उवित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 9 है तथा जो सियागंज, इंसौर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 नवम्बर, 1982

को पूर्शेक्त सन्दर्शित के उचित बाजार मूक्य से कम के पृथ्यमा प्रतिफल के लिए सन्दरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का का रण है कि सवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिकत से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिगत से प्रक्षित है और सन्दरक (अन्दरकों) और अन्दरिती (धन्दरितियों) के बीच ऐसे पश्चरण के लिए तप पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित सर्वश्य से स्था अन्दरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अस्तरण ते हुई कि ती आग की बावत, धक्त बिशियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या असले बचने में मुविद्या के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आग्या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती आरा प्रकट नहीं किया बया वा या किया जाना चाहिए वा, छिएने में मुविधा के किए;

अतः अव, अवन अधिनियमं को खादा 26 अना के अनुसदा में, में, जक्त अधिनियम की धादा 26% व की उपघारा (1) के अधीन निक्निसियत अपितियों सर्वति :- (1) श्री सुरेण चन्द्र पिता श्री बिरदी चन्द्र जी सिंह्रल, निवासी 34, ऊषा गंज, इन्दौर।

(अन्तरक)

- (2) श्री मोहम्मद पिता हाजी इब्राहीम,
  - 2. एहमद पिता हाजी इब्राहीस,
  - 3. हाशम पिता इक्राहीम
  - 4. अब्दुल रजागक पिता हाजी इब्राहीम, निवासी सदय इन्दौर।

की **मह त्यना जारी करके पूर्वीका** सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उस्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में काइभावाता:--

- (क) इस सूचना के राजनक में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (ख) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर एक्त स्वावद सम्मत्ति में हितबढ़ किसी सम्म व्यक्ति द्वारा, संबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पन्दोक्तरणः = इसमे प्रयुक्तं शन्दों भीर पदों का, जो अन्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिमाधित है, वही सर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

### मन्स्ची

मकान नं० 9, सियागंज, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 22-6-1983

मोहर

प्ररूप आहुर. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर खिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार् 269- घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3692—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 243/1 एवं 244/2 है तथा जो बसन्त पुर, राजनन्द गांव में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजनन्द गांव में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे द्रयमान प्रतिफल के पढ़ प्रतिकात सं अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--4-216 G1/83 (1) श्री देवीलाल आत्मज श्री जलाराम सोनकर, निवासी बसन्तपुर रोड, राजनन्द गांव ।

(अन्तरक)

(2) श्री लिलत कुमार आत्मज श्री दुलीचन्द बरड़िया, निवासी संदर बाजार, राजनन्द गांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंदारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे !

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि ख० नं० 243/1 एवं 244/2, बसन्तपुर, राजनन्द गांव में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 22-6-198**3** 

प्ररूप आई. टो. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3693—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक हैं

अरेर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 173 है तथा जो ग्राम वरबाद, जिला रनलाम में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाँणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लास प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री कृष्णराव पिता चिमन राव,
  - श्री प्रकाण चन्द पिता राजमलजी, रतलाम ।

(अन्तरक)

(2) जयन्त विटामिन्स निमिटेड, रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी वक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और बवो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनस ची

भूमि सर्वे नं० 173, ग्राम बरबाद, जिला रतलाम में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल।

नारीख : 22-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 22 जून 1983

निदेश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3694--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिस्का उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 149 एम० व उस पर बना गैरेज है तथा जो विकास प्राधिकरण स्काम क्रमांक 44, इन्दौंग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाँणत है), रिजस्ट्रेंकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्सरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री अर्जुनदास पिता जेठानन्दजी, निवासी 195, पलसीकर, कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) गीरव कन्स्ट्रक्शन कम्पनी , निवासी 62/2, बैराठी कालोनी, इन्दौर तरफे पार्टनर जय कुमार जेठानन्दजी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 149 एम० व उस पर बना गैरेज, विकास प्राधिकरण स्कीम ऋमांक 44, इन्दौर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 22-6-1983

मोहर

प्ररूप भार े दी , एन , एस , ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की "रा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3695—अतः मुम्ने, देवप्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 612 है तथा जो खाती वाला टैंक स्कीम नं० 44, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।:——

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; जौर/या
- (प) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- ं (1) श्रीमती मनफूल बाई पति मांगीलाल जैन तरफे आम मुख्तयार श्री कृष्ण चौबे, निवासी 612, तेलीबाखल, इन्दौर।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती सरोज पत्नी पवन श्रीमाल, निवासी-983, खाती वाला, टैंक, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्कत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे [1]

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>8</sup>।

### अन्स्ची

प्लाट नं० 612, खाती वाला टैंक, स्कीम नं० 44, इन्दौर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-6-1983

मोहर् 🕃

प्ररूप आइ े. टी. एन. एस∴------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुन 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/थोपाल/3696--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० ख० नं० 124/1 है तथा जो ग्राम इटावा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्ने में सुविधा के लिए; औष्ट्र/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार्, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अझ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् ः—— (1) श्री अनवर पिता ममद , निवासी इटावा, तहसील देवास।

(अन्सरक)

(2) चित्रगुष्त नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था, 1307, बी० एन० पी० कालोनी, देवास, रजिस्टर्ड नं० स० प० दे० 392, विनाक 7-7-1981 तरफे अध्यक्ष मोहिन्दर सिंह पिता श्री संगत सिंह, देवास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से, 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के, पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

भिम ख॰ नं॰ 124/1, ग्राम इटावा, तहसील देवास में स्थित है ।

देवप्रिय पन्तं सक्षम प्राधिकारी सहायैक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख**ं: 21-6-1983

मोहर 🗈

प्रक्रव आई. टी. एन. एस. - - - ---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- व (1) के अधीन सुबना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3697—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 54/3 है, तथा जो ग्राम काल्खेड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3 नवम्बर, 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:----

- (का) अन्तरण संहुक्ष किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था कियाने में स्विभा के लिख;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री चैन सिंह
  - 2. श्री गंगा राम,
  - 3. श्री दौलत सिंह,
  - श्री हिर सिंह पुत्रगण राम रतन कलोता, निवासी कालू खेड़ी।
  - श्रीमती, गटूबाई पत्नी रामरतन कलोता, निवासी कालूखेड़ी, सहसील देवास।

(अन्तरक)

(2) मैं० स्टील ट्यूब्स आफ इंडिया लि०, स्टेशन रोड़, देवास, म० प्र० द्वारा मेनेजर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि सर्वे नं . 54/3, ग्राम कालूखेड़ी, तह देवास में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 21-6-1983

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3698——अतः मुझे, देवित्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खं० नं० 147/1, 146/1 है, तथा जो ग्राम कालूखेड़ी में स्थित है (और इसमे ज़्पाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रृश्यमान प्रतिफल में, एसे रृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथाद् :—— (1) स्टील पाइप्स ऑफ इण्डिया लि०, स्टेशन रोड, देवास ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स स्टील ट्यूब्स आफ इण्डिया लि०, स्टील ट्यूब रोड, देवाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति, के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, त्रधोहस्ताक्षरी के पास

लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि खसरा नं० 146/1; 147/1 ग्राम कालूखेड़ी, तह० व जिला देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 21-6-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

# भारत सुरकार

हार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 21 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3699---अतः मुझे, वेवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 216 है, तथा जो पलसीकर कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् प्रकार (1) श्री हरभजन सिंह पिता जगत सिंह, निवासी 21/4, नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री राम चन्त्र गुरनानी पिता श्री टोपन दास गुरनानी, 2. श्री हीरालाल गुरनानी, पिता श्री टोपनदास गुरनानी, निवासी 41, प्रोफेसर्स कालोनी, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सक्ति।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 216, पलशीकर कालोनी, इन्दौर में स्थित है तथा निर्मित क्षेत्र ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

**तारीख: 21-6-1983** 

प्ररूप बार्ट. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 21 जृत 1983

ं निषेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 3700---अतः मुप्ते, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० म्यु० पा० नं० 94 है तथा जो नन्दलालपुर इन्दौर में स्थित है (और इसक्षे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख 2 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उराके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: अदि/श
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अष, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5—216 GI/83

(1) श्रीमती राज कुमारी देवी पत्नी श्री ठाकुर मार्नीसह उर्फ मार्गीलाल जी, रत्नाकर, निवासी 94, नन्दलालपुरा, मेन रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रताप सिंह पिता श्री बाबू लाल सिंहजी भिलवारे, निवासी 16, सालवी बाखल, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु-।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की लविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीसर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उसल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

# अनुसूची

मकान म्यु० पा० 94, नन्दलालपुरा, मेन रोड, इन्दौर में स्थित है (मकान का भाग)।

> वेवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

सारीख : 21-6-1983.

मोइर:

प्ररूप वाई. टी., एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल,दिनांक 21 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3701—अतः मुक्को, देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात जिस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

और जिसकी सं कमकान नं 94 है तथा जो नन्दलालपुरा, मेन रोड, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावलय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में सास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- -(क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त प्रक्रित्यम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सरिक्षा के लिए; बौर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ष्टिपान में सुविधा सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती राज कुमारी देवी पत्नी ठाकुर मानसिंह जी उर्फ मांगी लालजी, रत्नाकर निवासी मकान नं० 94, नन्दलाल पुरा, मेन रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री कमल सिंह भिलवारे पिता श्री बाबू सिंह जी भिलवारे, निवासी मकान नं 16, सालवी बाखल, इन्दौर।

(अन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-इक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकर्ग।

स्यध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उत्तर अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं० 94, नन्दलालपुरा, मेन रोड, इन्दौर में स्थित है (मकान का एक भाग)।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-6-1983

मोइर:

प्रस्य आई. टी. एन. एस.-----

भागकर मुधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सूचना

### भारत संरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल,दिनांक 21 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3702—अतः मुझे, देवप्रिय पन्तः

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं म्यु पा न न 94 (तीसरी मजिल) का भाग है तथा जो नन्दलालपुरा, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 नवम्बर, 1982

को पृवोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्म निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) नृत्वरण ते हुई किसी बाग की बावत उक्त विध-दिवस के बभीन कर दोने के बन्तरक के शायित्व में कभी कहने या उच्छे वचने में शृतिभा के सिए; ओर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की वपधारा. (1) के अधीन, निम्नीसिख व्यक्तियों, अधीत ... (1) श्रीमती राज कुमारी परनी श्री ठाकुर मानसिंहजी उर्फ मांगीलाल रत्नाकर, निवासी 94, नन्दलालपुरा, मेन रोष्ठ, इन्वौर।

(अन्सरक)

(2) श्री रिवन्द्र सिंह पिता श्री बाबू सिंह आ० पा० क० बाबूसिंह, पिता श्री राम लालजी भिलवारे, निवासी 16, सालबी बाखल, इन्दौर।

(अम्तरितीः)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यन वाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यदिनयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्धं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### नन्स्ची

म्यु० पा० 94 (तीसरी मंजिल) का भाग, नन्दलालपुरा, इन्वीर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-6-1983

मोद्वर:

प्ररूप् आहर्र. टी. एन. एस्.-----

ः मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3703—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (मिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका नया नम्बर 467/1 है तथा जो ग्राम महमदपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निस्तित् में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धम या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना आहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, ज्ञन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्निल्सित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री रामदास रूपा महाजन काच्छी माली, निवासी न्यामतपुरा, सुरहानपुर।

(अन्तरक)

(2) अध्यक्ष नगर सुधार न्यास, बुरहानपुर।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संस्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जकत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

भूमि जिसका नया नं० 467/1 है ग्राम महमदपुरा, तहसील बुरहानपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीच : 21-6-1983

प्ररूप आईं . टी. एनं . एसं . -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोवाल, दिनांक 21 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोषाल/3704—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 103 है तथा जो ग्राम फतेहपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिकारम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख तारीख 19 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुं इंकिसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बच्चने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सईदा परवीन जोजे मो० इलियास निवासी 82, नयापुरा, इन्दौर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री नगीनदास
  - 2. श्री जगदीश चन्द्र
  - श्री संतोष कुमार पिता बाबूलाल शाह , निवासी सिंदीपुर वार्ड, आलमगज, बुरहानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सूची

भूमि जिसका नया नं 103 है, ग्राम फतेपुर तह बुरहानपुर में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण सत्यापित फार्म नं 37 जी में अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है। भूमि पर कुंवा है और उस पर मोटर पम्प लगा है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

तारीखा : 21-6-1983

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3705---अत मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 102/2, 108, 106/2 है तथा जो ग्राम फतेहपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19 नयम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्मिश्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती सईदा परवीन जौजे मो० इलियास, 82, नयापुरा, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्राबाई पत्नी बाबूलाल गाह, निवासी सिवीपुरा वार्ड, आलमगंज, बुरहानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

भूमि नं० 102/2, 108, 106/2, ग्राम फतेहपुर, शह० बुरहानपुर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 21-6-1983

प्ररूप आई टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

े भोपाल ,दिनांक 22 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3706—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स ले अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 397 है तथा जो लोहार पिपल्या तह० देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवाँस में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-चन, निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तावक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उन्हें अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती व्याश प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्जिधा के लिए;

(1) श्री मांगीलाल पिता पूनाजी खाती, निवासी लोहारपिपल्या तहसील देवास।

(अन्तरक)

(2) मसर्स गजरा गियर्स प्राइवेट लिमिटेड, स्टेशन रोड़, देवास द्वारा मनेजर ए० डी० जंघियानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इसं मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिश्वित में फिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया न्या है।

## अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 397, लोहारिपपल्या तहसील व जिला देवास, में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

तारीख : 22-6-1983

प्ररूपं आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जून 1983 -

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/मोपाल/3707--अतः मक्षे, देवप्रिय पन्त

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 396 है तथा जो लौहार-पिपल्या, तहमील देवास में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवाम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 50 नवम्बर, 1982

को प्योंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उद्यत अन्तरण लिखित में भास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्नारा प्रकट, नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) 1. श्री काशीराम पिता भैरा खाती,
  - 2. श्री सावंत शांति लाल पिता श्री भैराखाती.
  - श्री गोपाल पिता
     श्री सार्वत खाती,
     निवासी लोहारपिपल्या,
     तह० देवास।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स गजरा गियसं प्राइवेट लिमिटेड, स्टेशन रोड, देवास द्वारा मैनेजर, ए० डी० जंघियानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, धहीं अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया गया है।

#### अंतस की

भूमि सर्वे नै० 356, लोहारपिपत्या, तह० व जिला देवास में स्थित है ।

> देवद्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 22-8-1983

प्रकप आहे. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनोक 1 जलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3708---अतः भुक्षे, देवप्रिय पत्त

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 68 गीट नं० 4 है तथा जो जरहाभाटा, बिलासपुर में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल सं,, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-च के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ि—/ 6—216 GI/83 (1) युनाइटेड चर्च आफ नार्दन इण्डिया दस्ट एसोसिएणन, बम्बई झारा एजेंट: श्री एफ० सी० जानथन पिता श्री सी० जानथन, निवासी नेपियर टाऊन, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एफ० वाई० बनर्जी पत्नी श्री डा० एस० के० बनर्जी, निवासी जेकमेन मेमोरियल हास्पीटल, बिलासपुर।

(अन्तरिती)

को गृह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बत्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष्ट इ<sup>8</sup>, बही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा नवा है ।

## अनुसूची

नजूल प्लाट नं० 68, शीट नं० 4, जरहाभाटा, बिलास पुर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 1-7-1983

कोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोषाल, दिनांक 1 जुलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3709---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं नज्ल प्लाट नं 68, शीट नं 4 है तथा जो जरहाभाटा, बिलासपुर में स्थित है (और इससे उपाब अ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विय से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे कचने में सविधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-न्दर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) यूनाइटेड चर्च आफ नार्दन इण्डिया ट्रस्ट एसोसिएशन, बम्बई एजेंट श्री एस० पी० जानथल पिता श्री सी० जातथन, निवासी नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुखबन्त सिंह पिता श्री जोगिन्दर सिंह, निवासी जरहाभाटा, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशंहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धांकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

नजूल प्लाट नं० 68, शीट नं०4, जरहाभाटा, बिलासपुर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अत: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 1-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कायलिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 1 जुलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3710—अतः मुक्को, देवप्रिय पत्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि ख० नं० 515/4 है तथा जो कोरिन-भाटा, राजनन्दगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजनन्द गांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यू आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तु अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रकाश कुमार आत्मज शिवकुमार श्रीवास्तव निवासी किलापारा जिला राजनन्दगांव

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलादेवी परनी श्री धूलचढजी जैन, निवासी सदर बाजार, जिला राजनन्दगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्द भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्बों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

भूमि खसरा नंबर 515/4, कोरिनभाठा जिला राजनन्द गांव में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 1-7-1983

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्याल्य, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जलाई 1983

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3711—अत. मुझे देवप्रिय पन्न

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं।

और जिसकी मं० भूमि खं० नगर 515/1 है, तथा जो कोरितभाटा, राजनन्दगांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजनन्दगांव में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती परमादेवी पत्नी शिवकुमार श्रीवास्तव निवासी ग्राम कारिनभाटा, राजनन्दगांव।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांतिदेवी पत्नी श्री खेमचंद जैन निवासी कामठीलाइन, जिला राजनन्दगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाही गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यक्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुस्ची

भूमि खसरा नं० 515/1, कोरिभाटा, जिला राजनन्दगांव में स्थित हैं।

देवात्रय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयक्त अर्जन रेंज, भोषाल ।

तारीख: 1-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई, 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी० अर्जन/भोपाल/3712--अत: मुझे देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नुजूल प्लाट नंबर 68 णीट नंबर 4 तथा जो जरहाभाटा, बिलासपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्षणत है), रजिस् कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती यूनाइटेड चर्च आफ नार्दन इंडिया ट्रस्ट एसोसिएशन, बम्बई इारा एजेन्ट श्री एफ० मी० जानथन पिता श्री जानथन निवासी नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरक)

(1) श्री एम० के० बेनर्जी पिता श्री टी० पी० बैनर्जी नियाशी जेकसन मेमोरियल हास्पिटल, बिलासपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ग्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

नजूल प्लाट नं० 68, णीट नंबर 4, जरहाभाटा, विलास-पुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज,,भोपाल ।

तारीख: 2-7-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस्.

नायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई, 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3713--अतः

मझे देवप्रिय पन्त

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि खं नंबर 323 है, तथा जो मौजा तेलीबंधा, रायपुर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, दारीखं 25 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण निखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त वीधीनयम् के बधीन कर दोने के बन्तरक कें दायिस्तु में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिल्हा आहेंद्र/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री पुनऊ बल्द लक्ष्मण, तेलीबंधा, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) कविता ग्रह निर्माण सहकारी समिति, रायपुर।

(ग्रन्तरिति)

को यह स्**य**ना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करका हुं।

# उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्मृत्य में कोई भी माक्षेड्?--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पासु निधित् में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>2</sup>।

## अनुसूची

भूमि खसरा नं० 323, मौजा तेलीबंधा रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तितयों अर्थात्—ः

तारीख: 4-7-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सङ्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई, 1983

निर्देण सं० आर्ट० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3714---मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसको सं० (पुराना) मकान नंबर 19/205 का भाग नया नंबर 4/205 है, तथा जो गुड़वारी रायपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री रीझूमल पिता दुलाह्नोमल, निवासी जेल रोड, रायपुर।

(अन्तरक)

 श्री ख़िलोकचन्द पिता किणनचन्द, निवासी केलकरपारा, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(पुराना) मकान नम्बर (9/205, नया नम्बर 4/205, पक्का मकान, मछली तालाब वार्ड, गुडयारी, रायपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 3-7-1983

नोहर :

प्ररूप माई. टी. एन. एस.----

आयक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1983 निर्देश म० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3715—अतः मुझे देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नंबर 19/205 (पुराना) का भाग नया नंबर 4/205 है, तथा जो गुड़ियारी, रायपुर, में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3 नवम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में काम्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय का किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री नीस्मल पिता दुलाहनोमल, जेल रोड, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) मास्टर चन्द्रभान पिता चट्टाराम अवयस्क द्वारा संस्तिणकता डेटाराम पिता मूरजमल, केलकरपारा, रायपुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए था सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुसूची

मकान नंबर 19/205 (पुराना) का भा नया नंबर 4/205, मळली तालाब, वार्ड, गुड़यारी, रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल ।

तारीख: 4-7-1983

# प्ररूप कार्च .टी. एन .एस . ------

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज. भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3716--म्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एत. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नंबर 19/205 का भाग, नया नंबर 4/205 है, तथा जो गुड़यारी, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्यक्ति सम्पत्ति का उपित बाजार म्ल्य, उसके ब्ल्यमान प्रतिफल सं, एसे ब्ल्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्ति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उत्सरे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- '(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के स्मन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिकिन व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री रिफ्मल पिता बुल्हानोमल, जेल रोड़, रायपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुनीतादेवी पत्नी योगेश कुमार केलकरपारा, रायपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुधना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिगा गया है।

## अनुसूची .

पूराना मकान नंबर 19/205 का भाग; नया नंबर 4/205, पक्का मकान दुर्माजिला मछली तालाब वार्ड, गुड़-यारी, रायपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-7-1983

मोहर :

7---216 GI/83

प्रकृप बाइ". टी. एन. एव.---

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-७ (1) के प्रधीन सच्छ।

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3717--श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उद्यत अधिनयम' कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के। यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर गन्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं आऊट हाउस मकान नंबर 1707 से 1714 के भाग प्लाट गं 308/3, कारपोरेशन प्लाट गं 47 है, तथा जो राईट टाउन, जबलपुर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 नवम्बर, 1982

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्ति संपत्ति का उषित वाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिनित उद्देश्य से जक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने अघने में स्विधा के लिए; और/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बनारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना काहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिष्;

कतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए के अनुमरण कें, थी अल्ल एणिनियम ८४ अल २६६-४ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्रीमती रत्नप्रभा पुत्नी श्री सि० मोतीलास जैन निवासी 772, नेषियर टाउन, जबलपुर,।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहरलाल पिता किशानचंद डोडेजा, निवासी 262, भरतीपुर, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

अकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप :---

- क) इस सृष्या के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी न्यवित्त को अवधि मानना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अहीं मान से अवधि , जो भी अर पृष्यां कर व्यक्ति मान से किसी क्यों कर बुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थाः स्थातन मा किल
  खद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास निधित में किए जा सक्षि।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

आऊट हाउस मकान नंबर 1707 से 1714 के भाग व भूमि शीट नंबर 152 ए प्लाट नंबर 308/3 कारपीरेशन प्लाट नंबर 47, राईट टाउन, जबलपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-**7-**1983

मोहर ः

प्रधिय है

## वरूप बाइ०सा**०ए**न**०एस०---**-

आयक र ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाण 269-व(1) के भ्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जुलाई, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3718—श्रत मुझे वेनप्रिय पन्त प्राय तर प्रश्चिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त प्रश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्थाप प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- द० से

और जिसकी सं आ अट हाउस में नं 1707 से 1714 के भाग, भूमि भीट नं 152 ए प्लाट नं 308/3 कार-पोरेशन प्लाट नं 47 है, तथा जो राईट टाउन, जबलपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 18 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथप्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (१) जन्तरण १ हुई किसी आप भी बाबत उक्त भन्नि-शियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी पात ।। किसी बन या सन्य प्राप्टितमों को, जिस्हें भारतीय श्रायकर मधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मत्रा था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिक अधिनयों, अर्थात् ६—— (1) कुमारी रत्नप्रभा पुत्री श्री सि० मोतीलाल जैन, निवासी 772, नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री ओटनदास पिता हीरानंद डोडेजा निवासी 262, भरतीपुर, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारो करते पूर्वीका सम्पति के धर्यंत के लिए कायेबाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीय '---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीलर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पुत्रता के राजपत में प्रकारन को तारी है में 4,5 दिन क भीतर उन्न स्थापर सम्पन्ति में हिन्त्र इह किसी क्रेन्ट व्यक्ति द्वारा, प्रकोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्पष्टीकरण:—-इन्नें प्रयुक्त जब्दा योग नदा हा, जा उकत ग्रांक्षित्यम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

श्राऊट हाउस मकान नं० 1707 से 1714 के भाग व भूमि शीट नंबर 152 ए प्लाट नंबर 308/3 कारगेरेशन प्लाट नं० 47 राईट टाउन, जबलपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-7-1983

मोह रू 🗓

# जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर जायुक्त (निरीक्षण)

कार्या य निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जुलाई, 1983

अतः, निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 3719---मतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 7/7, 19/1 है, सथा जो ललाई टौरी, सागर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यों य, सागर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 नवम्बर, 1982 को

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्वरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निलिख्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷—— (1) श्री लोकमन **ब**ल्ख कुंदनलाल 2. बैजन्तीबाई पत्नी लोकमन निवासी चकराघाट, सागर।

(अन्तरक)

(2) श्री राधवेन्द्र सिंह बल्द कृपालसिंह मिवासी गास्त्री वार्ड, सागर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर के पूर्वोंक्त संपरित के अर्थन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र ।~~

- (क) इस सूचना के राजपंत में प्रकाशन की तारीख है 46 दिन की अवधि या तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो मां सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपंत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  हितबड़ किसी भन्य व्यक्ति हारा, भन्नोहस्ताक्षणी
  के पास निजित में किए जा सर्वेगे।

स्वध्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस गठवान में दिया गया है।

## अनुसुची

भूमि खसरा नं० 7/7, 19/1, ललाई टौरी, सागर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारौ सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 5-7-1983

माहरु

## प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जुलाई, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अजँन/भीपाल/3720—अतः मुझे देवप्रिय पन्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 7/7, 19/1 है, तथा जो ललई टौरी, सागर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के

का 16) के अधीन, तारीख 2 नवम्बर, 1982
को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूक्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

कार्यालय, सागर में, रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री लोकमन वल्द कुंदनलाल
  - बैजन्तीबाई परनी लोकमन खटीक निवासी चकराघाट, सागर।

(अन्तरक)

(2) श्री मार्तण्ड सिंह बल्द भगतसिंह ठाकुर निवासी शास्त्री वार्ड, सागर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

रपष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

भूमि खसरा नंबर 7/7, 19/1, मौजा ललई टौरी, सागर में स्थित है।

देविष्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 5-7-1983

महिद्र 🖁

# प्रकप् आई. टी. एन. एस.:-----

भारकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमृता

#### भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 4 जलाई, 1983

निर्देश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 3721--अतः मझे देवप्रिय पन्त

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भृमि खसरा नं० 7/7, 19/1 है, तथा जो ललईटोरी, सागर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सागर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 था 16) के अधीन, तारीख 2 नवम्बर, 1982

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुंद्दें किसी जाब की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यागिरण में कभी करने या उससे बचने में सूबिआ के लिए; बांद्र/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्री लोकमन पिता
कुंवनलाल खटीक
2. बैजयन्ती बाई
पत्नी लोकमन खटीक
निवासी चकराघाट,
सागर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेमप्रकाण सिंह पिता भगतसिंह ठाकुर निवासी शाखी वार्ड, सागर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथािंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क रहा हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संगाप्त होती हो, के भीतर पृविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उनतः स्थातर सम्पन्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए या मकोगी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पंदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूची**

भूमि खसरा नं० 7/7, 19/1, ललाई टोरी, सागर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयु**क्त** (निरक्षिण) अर्जन रेंज**, भोप**ाल।

तारी**ख**ः 4-7-1983

मोहर 🛭

# प्ररूप आइ. ्टी. एन. एस.- - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई, 1983

निर्देश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3722—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 72, शीट नबर 28, के हिस्से पर बना हुआ मकान है, तथा जो दुर्ग में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल के एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्री प्रभुदयाल खण्डेलवाल आत्मज छीतरमल खण्डेलवाल निवासी गांधी चौक, तुर्ग।

(अन्तरक)

(2) श्री गेन्दमल आस्मज भिश्रीलाल जैन निवासी णनीच र बाजार, दुर्ग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प् सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

हपष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 72, मीट नजर 29 डी, के हिस्से पर बना हुआ मकान, दुर्ग, में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-7-1983

प्ररूप आर्ट्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 3723-अत:, मुझे देवप्रिय पन्त

सायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 523 तथा उस पर बना हुआ अपूर्ण क्यारेज, है तथा जो खातीबाला टैंक स्कीम नंबर 44, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 22 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा के लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री तोलाराम पिता श्री भगवानदास जी निवासी मकान नंबर 9, पलर्मकर कालोनी इंदौर तरफे आम मु० गिरधारीलाल पिता रामचन्द्र निवासी-49 पलसीकर कालोनी, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीताबाई पति भीष्मलालजी, निवासी मकान नं० 9, जवाहर मार्ग, इन्दौर

∦(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरिक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 पिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिए में किए जा सकेंगे।

स्मष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

# वनुसूची

प्लाट नं 532 तथा उस पर बना हुआ अपूर्ण भ्यारेज, खातीवाला टैंक स्कीम नं 44, इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-7∄1983

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के अमिन स्चना

#### भारत सुरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3724—अतः, मुझे, देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है तथा जो पंजाबी हार्ऊसिंग को० आपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, गोवन्दपुरा, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीं करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रियमान प्रतिफल से ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिये था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :--8-216GI/83

(1) श्री हरजिन्दरसिंह सलूजा पिता करतार सिंह द्वारा मुख्तयार खास अमरजीत सिंह पिता श्री करतार सिंह, सल्जा निवासी बेतूलगंज, तहसील बेतूल।

(अन्तरिती)

(2) श्री सुरजीत प्रकाश छाबड़ा पिता गोपालदास छाबड़ा, निवासी लाजपत राय हाऊसिंग सोसाइटी, रायसेन रोड, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक किता प्लाट नं० 8 पंजाबी हाऊसिंग को० सोसाइटी, लिमिटेड, गोविन्दपुरा भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-7-1983

मोहरु ।

प्ररूपः आर्दः टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1983

निवेश सं० धाई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/ 3725—अतः मुझे देवप्रिय,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उदत भ्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 289-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इं से भ्रधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 9 है तथा जो इन्द्रपुरी भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 नवस्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यभान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से भाष्ट्रक है और सन्तरक (सम्बर्को) भीर सन्तरिती (सम्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिये तय नाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनते श्रम्तरण लिखित में बाश्नीबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उनत प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर श्रीवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनते श्रीवित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भग्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया शाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स गग्वर हुसैन एण्ड अदर्स फजल हुसैन, जुलफकार हुसैन द्वारा गग्वर हुसैन पिता हाजी मुल्ला मोहम्मद हुसैम, निवासी भोपाल!

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लिलता रानी मदान पत्नी श्री सुभाष चन्द्र, निवासी जहांगीराबाद, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह अचतः आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्वति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षीर :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी जन्म व्यक्ति द्वारा अधीतृस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सर्कोंगें।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उपत स्रधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहा सर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

एक किता प्लाट नं० 9, स्कीम नं० 6, इन्द्रपुरी, भीपाल में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1983

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3726---यतः, मुझो, वैवप्रिय पम्तः,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित्र वाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट नं 92 है, सथा जो ई-7, अरेरा कालोनी, है भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फक्त निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण विधिम में वास्तविक क्यें से विधित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत; उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिस्व में कभी करने या एससे बचने में मुविधा के किए; कौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 207) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए दा, छिपाने में, सुविधा के किए।

ग्रत: ग्रज, उन्त भिष्ठिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—  श्रीमती लिलता राव पत्नी ए० एल० अनन्तराव
 नरेश कुमार पिता मंदरदास निवासी—अरेरा कालोनी, भोपाल

(अन्तरक)

2. श्रीमती विजय लक्ष्मी पत्नी मुकेश बंसल निवासी— एच० आई० जी० 22 शिवाजी नगर, भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# इन्स सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्तोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० 92, ई-7, अरेरा कालोनी, भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय∜ पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-7-1983

मोहर 🗄

प्ररूप बार्यः ही, एन्। एस. ----

**बायक र**. अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3727—यतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 7 है, तथा जो कोहिकिजा, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूं में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल के, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. श्रीमती आशा कोठारी पुत्नी सरदारमजजी द्वारा राजेन्द्र कोठारी बेतवा अपार्टमेंट, टी० टी० नगर भोपाल (अन्सरक)
- 2. (1) श्री श्यामलाल
  - (2) श्री राधाबल्लभ,
  - (3) श्री मोहन लाल पुत्रगण बलदेवदास जी गर्ग, निवासी—-काजीपुरा, भोपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक किता प्लाट नं० 7, बी. सेक्टर कोहिफिजा, भोपाल में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज, भोपाल

तारीख: 8-7-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3728—यतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 268 व उस पर निर्मित भवन है, तथा जो ई-3 अरेरा कालोनी, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 नवम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दिश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म निम्निवित उन्होंस से जनत बन्तरण सिक्ति में बास्तिक क्ष्म निम्निवित उन्होंस से जनत बन्तरण सिक्ति में बास्तिक क्ष्म से जनत बन्तरण सिक्ति में बास्तिक क्ष्म से क्षित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने हा उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. कुमारी कमला सन्सेना पुत्नी स्व० भवानीशंकर सन्सेना निवासी—-चौबदारपुरा, तलैया, भोपाल
  - (अन्सरक)
- 2. श्रीमती शांति भार्गव पत्नी सूवालासजी निवासी— 33, जेल रोड़, जाहंगीराबाद, भोपास

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्प्रीत्त के वर्षन के बिख् कार्यवाहियां करता हूं।

# उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित, में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं॰ 268, एवं उस पर निर्मित भवन, ई-3 अरेरा कालोनी, भोपाल में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-7-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

स्नायकर सिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3729 - यतः सुक्षे, देवप्रिय पन्तः

क्रायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

अपैर जिसकी सं० प्लाट नं० 12-बी है, तथा जो जयविलास प्रसाद कम्पाउंड बसंत बिहार कालोनी, ग्वालियर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज़स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- बसंत बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित ग्वालियर क० डी० आर० जी० डब्स्यू० आर० 59 पंजीकृत पता सिंधिया कन्या विद्यालय, ग्वालियर प्रभारी अधिकारी मिश्रा सिंह पुत्र ओछेसिंह जी (अन्तरक)
- 2. श्री अशोक कुमार पिता रामस्यरूप जुनेजा (अम्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हेंपू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
  - (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपर्तित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

प्लाट मं० 12, बी, जयविलास प्रसाद कम्पाउंड बसंत बिहार कालोमी, ग्वालियर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्तः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)ः अर्जन रेंज; भोपाल

तारीख : 13-7-1983

प्रस्प बाह्र . टी. एन. एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

### भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जुलाई 1983 निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3730—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

जौर जिसकी सं० प्लाट नं० 22-ए है तथा जो जयविलास प्रसार कम्पांउंड बसंत विहार गृष्ठ निर्माण सहकारी संस्था, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, तारीख 27 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण हूँ कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुक्ती बाबतु, उक्त अधिनियम के अधीन केर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी कारने या उससे अचने में सुविधा के शिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 1269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) बसंत विहार गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यावित ग्वालियर पंजीयम ऋमांक डी॰ आर॰ जी॰ डस्थ्यू॰ आर॰ 59 पंजीकृत ृश्सिंघिया कन्या विद्यालय लम्कर प्रभारी अधिकारी मिश्रा सिंह पुत्र ओछेसिंह।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश कुमार पिता श्री लखम सिंह।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क्षे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयानत कव्यों और पतों का, को उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसुची

प्लाट नं० 22-ए जयविलास प्रसाद कम्पाउंड बसंत बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्था, ग्वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-7-1983

मोहर 🤄

प्ररूप बाह्". दी. एन्. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल,दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3731--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 29-ए है तथा जो जयविलास प्रसाद कम्पाउण्ड बसंत विहार गृह निर्माण सहकारी संस्था, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, तारीख 27 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिद्ध; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आज-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) बसंत बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित ग्वालियर पंजीयन कमांक डी० आर० जी० डब्स्यू० आर० 59 दिनांक 7-7-75 पंजीकृत सिंधिया कन्या विद्यालय , लक्कर प्रभारी अधिकारी, मिश्रा सिंह पुत्र श्री ओछेसिंहजी।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवान पिता श्री हेमराज अरोरा।

(अन्तरिती)

न्त्रे यह सूचना चारी करके पृत्रोंकत सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीख से
  45 दिन की अविभ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ब्राहा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० 29-ए, जयविलास प्रसाद कम्पाउण्ड बसंत बिहार गृह निर्भाण सहकारी संस्था, ग्वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-7-1983

प्ररूप आई. जी. एन. एस. - - ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ?69-घ (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3732--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

प्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की भारा 260-ए के अधिन फन्म अधिनाम की, यह विश्वास करने का हारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-क. से उधिक है

और जिसकी सं० भूखंड है तथा जो बसंत विहार गृह निर्माण सहकारी संस्था, जयविलास प्रसाद कम्पाउण्ड, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्लालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन, तारीख 27 नवस्बर, 1982

हो पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वाम हरने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह्व तिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती [अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्नत अन्तरण लिखित विवत्त कर्ष में कृश्यित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की शाबत, उक्त , अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व मों कमी करने या उससे बचने मों मृषिधा के लिए और/या
- (स) एसी जिसी आय या किसी धन या अन्य अहिस्ता को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण ों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--9---216 GI/83 (1) बसंत बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्था, मर्यादित ग्वालियर प्रभारी अधिकारी, मिश्रा सिंह आत्मज श्री ओलेफिंह कुशवाह ।

(अन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश गिडडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्द्धीकरण ∽-इसमें भयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **है**।

#### अनुसूची

भूखंड बसंत विहार गृह निर्माण सहकारी संस्था, जयविलास प्रसाद कम्पाउण्ड, ग्वालियर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-7-1983

प्ररूप आदे टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काशण) अर्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिग<sup>क</sup> 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3733---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसरें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूखण्ड है तथा जो जयिक्सास प्रसाद कम्पाउण्ड बसंत बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्था, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल, से ऐसे द्ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक ख्य से किथा गया है :--

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोनं के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिखन व्यक्तित्यों, अधीत :---

(1) बसंत बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित ग्वालियर द्वारा प्रभारी अधिकारी मिश्रासिंह आत्मज श्री ओर्छमिह कुणवाह।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री प्रवोत्तम कुमार

2. श्री मनोज कुमार पुत्रगण

3. श्री मोहन लाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतः हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल के किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूखण्ड, जयबिलास कम्पाउंड, बसंत बिहार गृह निर्माण संस्था, ग्वालियर में स्थित है।

> देषप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जुलाई 1983 निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3734—–अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति भूखंड है, तथा जो जयिबलास प्रसाद कम्पाउंड, बसंत बिहार गृह निर्माण संस्था, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रातिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कियां जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. बसंत बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या-वित ग्वालियर द्वारा प्रभारी अधिकारी मिश्रा-सिंह आत्मज श्री ओछेसिंह जी कृशवाह।
- (अन्त<u>र</u>क) 2. (1) श्री लेखराज (2) विजय कुमार पुत्नगण अर्जुनदास (अन्त<u>रि</u>ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स से**45 दिन की अविधि या तत्सं बंधी व्यक्तियाँ पर्
  स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उच्छत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अतसकी

भूखण्ड, जयबिलास प्रसाद कम्पाउण्ड, बसंत बिहार गृह निर्माण संस्था ग्वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-7-1983

प्ररूपं आहु .टी. एन. एस. ------

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जुलाई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3735—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूखण्ड है तथा जो जयबिलास प्रसाद कम्पाउण्ड, बसंत बिहार गृह निर्माण संस्था, ग्वालियर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1982

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय प्राया प्रमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--  मं० बसंत बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्था दित ग्वालियर द्वारा प्रभारी अधिकारी मिश्रासिंह आत्मज अछिसिहजी कुशवाह।

(अन्तरक)

2 श्री विनोद चप्रुडा

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

् उक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अतसर्ची

भृष्वण्ड, जयबिलास प्रसाद कम्पाउन्ड, बमंत् विहार गृह निर्माण संस्था, ग्वालियर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारीः सहायक आयकर आयुव्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14 जुलाई 1983

प्ररूप आहुँ , टी. एन. एस .----- \*

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोषाल

भोवाल, दिनाक 11 जुलाई 1983

निर्देश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोषाल/3736---अतः मुझे, देवप्रिय. पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी मंख्या सप्पत्ति भूखंड हैं, तथा जो बसंत बिहार गृह निर्माण महकारी संस्था जय विलास प्रसाद कम्पाउण्ड ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण म्ह्य से विणित हे). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 नदम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से छम के द्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास दारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफाल से, एसे द्रथमान प्रतिफाल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि सिंह क्यक्तियों, अर्थात् हे—  मे० बयंत बिहार गृह तिर्माण सहकारी संस्था मर्या-दित ज्यालियर प्रभारी अधिकारी मिश्रासिंह आत्मज श्री ओछेसिंह कुणवाह।

(अन्तरक)

श्रीमती कांशल्या वाई

(अन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के . लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह<sup>ैं</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

# अनुसूची

भृखंड, बसंत बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्था जय विलास प्रसाद कम्पाउण्ड, ग्वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 14-7-1983

मोहरः

प्ररूप बाई • टी० एन० एस •--

# ग्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-थ (1) के ग्रश्नीन सूचना

भारत् सरकार कार्यालय, सहायक आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 14 जुलाई 1983

निर्देश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3737---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकत् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० भूखण्ड है, तथा जे बसंत बिहार गृह निर्माण हंस्था जयिक्लास प्रसाद कम्पाउण्ड, खालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खालियर में, रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27 नवस्बर 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शीच एंखं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्स् अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिए। पें कमी करते वा इसले अभने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारनेत्र आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

कतः जय, उच्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः——

- 1. मैं० बसंत बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्था जय विलास प्रसाद कम्पाउण्ड, ग्वालियर, प्रभारी अधिकारी मिश्रासिंह आत्मज ओर्छेसिंह कुणवाहः (अन्तरक)
- 2. (1) श्री सतीणचन्द्र (2) सुरेशचन्द्र पुद्धगण नन्दलाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचनः के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध यो तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस अचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा सधीत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेने :

स्पन्टीकरूण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिघित्यम के सम्याय 20-क में परिभावित है, वही श्रश्रं होगा, जो उस श्रश्याय में दिया क्या के ह

# अन्सूज़ी

भूखण्ड, बसंत बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्था जय विलास प्रसाद कम्पाउण्ड, वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपांस

तारीख: 14-7-1983

प्ररूप आर्ड. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन स्चना

भार १ मा सार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 14 जुलाई 1983 मुस्क आई० ए० सं∴्रीअर्जन भोषाल :

निर्देश सं० आई० ए० सं०/अर्जन भोपाल 3738--•श्रतः मुझे, देवश्रिय पन्त,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. स अधिक है

और जिसकी संख्या भूखण्ड है, तथा जो जय विलास प्रसाद कंपा-जन्ड बसंत बिहार गृह निर्माण संस्था, ग्वालियर में थिस्त है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालिबर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, 27 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने या कारण हां कि यथापूर्वोक्त सम्पतित का उचित बाजार मूल्य, उपस्के दृश्यमात प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जनतरण से हुद्दे जिसी जय की बायत उट्ट अधि-नियम के अभीन कर दोने के असरंक के वायित्व में अभी करने या अससे बचने में सृविधर के सिये; और/मा
- (ण) ऐसी किसी बाप या किसी धन या अन्य अनिस्तर्धी की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रपर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अस्तरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अस्तरियी द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-एं के अन्सरण मो, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात् :---  मैं० बसंत बिहार गृह निर्माण सहकारो संस्था मर्थादित ग्वालियर द्वारा प्रभारी अधिकारी मिश्रासिंह आत्मज श्रोष्ठेसिंह जी कुणवाह ।

(अन्तरकः)

2. श्री चुर्न्नालाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्दित के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोंई भी आक्षप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त इंड्वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूखण्ड जयविलास प्रसाद कंपाउंड, बसंत बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्था, खालियर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 14-7-1983

प्ररूप जाई. टी. एन. एसं -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 14 जुलाई 1983

निर्देण सं० आई० ए० सी०/अर्जन भोपाल/ 3739—- प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भृखण्ड है, तथा जो जय विलास प्रसाद कंपाउंड, ग्वालियर में स्थित हैं (और इससे उपाग्रद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीयक्ती अधिकारः के कार्यालय ग्वायिलर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांवः 27 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:-~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं० बसंत बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित ग्वालियर दारा प्रभारी अधिकारी मिश्रासिह जी आत्मज ओछंखिह जी कुणवाह

(अन्तरक)

(2) श्री ज्वालाप्रसाद (५ता जगन्नाथ प्रसाद (अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूखण्ड, जयविलास प्रसाद कंपाउंड, बसंत बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्थान ग्वालियर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

तारी**ख** : 14-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेंत्र भोपाल भोपाल, तारीख 14 जुलाई 1983

निर्देश सं० आईं० ए० सी० /अर्जन / भोपाल 3740— यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या सम्पत्ति, प्लाट नंम्बर 11 है तथा जो जयविलास प्रसाद कंपाउंड, ग्वालियर में स्थित हैं (और इससे उपबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 नवम्बर

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्धरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बंसत बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित ग्वालियर सिधिया कन्या विधालय ग्वालियर, प्रभारी अधिकारी मिश्रासिह जी पुद्र ओर्छेसिह जी कुशवाह।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुंतला देवी पत्नी मदनलाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित - है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति, प्लाट नंबर 11, जयबिलास कंपाउंड, ग्वालियर में स्थित हैं।

> वेबप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज, भोषाल,

तारीख: 14-7-1983

मोद्रर :

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 14 जुलाई 1983

निर्देस सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 3741--- अतः मसे, देवप्रिय पन्त,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थाबार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या खेत है तथा जो ग्राम चौनापुरा परगना, ग्वालियर में स्थित है) (और इससे उपबाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्घोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिश्क मूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री नरेन्द्रप्रताप सिंह पुत्र गजेन्द्रसिंह व सरं० पिता गजेन्द्र सिंह पुत्र महीपतिसिंह जी निवासी-न्यू कालोनी, इन्डस्ट्रीज ऐरिया, ग्वालियर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश राजपाल आत्मज अर्जनदास राजपाल निवासी-15, श्रीराम कालोनी, झांसी रोड़ लश्कर ग्वालियर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त घब्दों आहै पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

खेत, ग्राम जोनापुरा परगना जिला ग्वालियर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक स्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, भोषान

तारीख: 14-7-1983

मोहर 🖫

प्रकृप कार्द <u>टी एन् एच</u>्न-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के मुधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जुलाई 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन / भोपाल, ——3742 अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या खेत है तथा जो ग्राम जोनापुरा परगना जिला ग्वालियर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में,

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22 नवम्बर 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरथमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्ति, जिन्नसित्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्वा में बांस्त-विक कप से किप्त न की स्थान से बांस्त-

- (क) बन्तरण से हुर्द किसी भाग की बाबत, उक्त विभिन्नियस के अधीन कर देने के बुन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा औं सिए; ज़ौड़/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था कियाने में स्विभा के सिए।

नतः अभ , उक्त निर्धानयम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन,, निम्निसिक व्यक्तियों, सर्थात् हु— (2) श्री सुरेन्द्र बिक्रम सिंह उर्फ सुरेन्द्र प्रताप सिंह पुन्न गजेन्द्र सिंह व सर० पिता गुजेन्द्रसिंह पुन्न महीपत सिंह जो नि०-न्यू कालोनो इन्डस्ट्रीज एरिया, ग्वालियर।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती कलादेवी पत्नी अर्जनदास राजपाल निवासी-श्रीराम कालोनी, झांसी रोड़, लक्कर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्रे भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब धे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्मृत्तिस्पों में से किसी स्वक्ति ब्वारा;
- (त) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वेकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खेत ग्राम जोनापुरा परगना, जिला ग्वालियर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पस्त सक्षप्र प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्र:क्षण) ग्रर्जन रेंज,भोपाल

तारीख 13-7-1983 मोहर: प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जुलाई 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी० /धर्जन /भोपाल/3743--

गतः मुझे देविप्रिय पन्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खेत है, तथा जो ग्राम गिरगांव परगना जिला ग्वालियर में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, दिनांक 22 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती सौ० इन्द्रादेवी पत्नी गजेन्द्रसिंह 2. राजेन्द्र सिंह पुत्र गजेन्द्र सिंह निवासी न्यू कालोनी इन्डस्ट्रीज एरिया, ग्वालियर।

(अन्तरक)

(2) श्री अर्जुनदास पुत्र हसमतरायजी राजपाल निवासी श्रीराम कालोनी, आसी रोड, लश्कर ग्वालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि ग्राम गिरगांव परगना जिला ग्वालियर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी (निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेन्ज, गंगोपस्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी०टी० नगर,भोपस्र

जतः अधः, उत्कतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) के अधीन; निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

\_तारीख: 13-7-1983

मोहर

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 37 44——अतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी संख्या म्यू० नि० कमाक 98 है, तथा जो बार्ड कर 23, मुरेना में स्थित हैं (और इससे उपबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरैना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तार्राख 9 नवम्बर 1982

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों कत संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिकात प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों की, चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर्म कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा में लिए;

जतः जब, उक्त जीर्धीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिकित व्युक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मुझालाल पुत्र श्री रामप्रसाद मोवी नि० धोलपुर, हाल निवासी ओखाला नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पुष्पादेवी पत्नी हरी शंकर निवासी—सदर बाजार, मुरैना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा न्या है।

## अनुसूची

भवन अंशभाग स्यू० नि० कमांक 98, बार्ड कमांक 23, सुरैना में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-7-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस ------

आयकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण् (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (िनरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्वेश सं० आई० ए०, सी०/अर्जन/भोपाल 3745/ अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

अग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खनत् अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या म्यु॰ नि॰ भवन कमांक 98 है, तथा जो वार्ड कमांक 23, मुरैना में स्थित हैं श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है (रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय मुरैना में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 नवम्बर 1982।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण कि खित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबल, ख्यत अधिमियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दामित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना शिहए था, खिपाने में सुविधा से सिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∵—

- (1) श्री मुझालाल पुत्र श्री रामप्रसाद मोदी निवासी धोलपुर हाल नि.० श्रीखला पोस्ट ओखला, नई विस्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री राकेश कुमार नाबा पुत्र कीरतराम संरक्षकः पिता श्री कीरतराम पुत्र सावलवास महौर वैश्य निवासी सबर बाजार, मुरैना ।

(भ्रन्तरिती,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**र्ड** भी **आक्षेप**ं—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितब्द्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

भवन अंशभाग म्यु० नि० क्रमांक 89 वार्ड क्रमांक 23, मुरैना में स्थित हैं।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-7-83

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्राणीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जुलाई 1983

· निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3746—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० म्यु० नि० भवन कमांक 98 है, तथा जो वोर्ड कमांक 23 मुरैना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरैना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, दिनांक 9 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के छिचत बाजार मृहय से कम के वृष्यमान प्रतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का विश्वास वाजार मृहय, जनके दृष्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकत का पण्डन् प्रतिकत से धिक है प्रौर प्रस्तरक (अन्तरकों) धीर प्रस्तरितो (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरमें के निम्त्रय स्थान प्रतिकत, निम्नलिखित हृद्यम सं उपन मन्तरण विज्ञा ने वास्तविक का य किया वाही किया प्रयाह :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उत्तरसे क्वने में सूबिधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11). या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्री मुन्नालाल पुत्र श्री रामप्रसाद मोदी नि० धोल-पुर हाल निवासी-ओखला पोस्ट ओखला, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती भगवतीबाई पत्नी श्री रामगोपाल निवासी-पड़ाव पुरानी कोलवाली मुरैना ।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो,, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- इस किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भवन अंश भाग म्यु० नि० भवन कर्माक 98, वार्ड क्रमांक 23, मुरैना में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 13-7-1983

मोहरंः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. '----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3747--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म्यु० नि० भवन कमांक 98 है, सथा जो वार्ड कं० 23, म्रॅना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, मुर्रैना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 9 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातु:--

(1) श्री मुन्नालाल पुत्र श्री रामप्रसाद मोदी निवासी— धोलपुर हाल नि० ओखला पोस्ट ओखला शहर नि विल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गंगाबाई पत्नी कीरतराम श्रैष्य माहौर निवासी-सवर बाजार, मुरैना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति य्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा

#### अमस ची

भवन अंग भाग म्यु० नि० भवन क्रमांक 98 वार्ड क्रमांक 23, मुरैना में स्थित हैं।

> देशप्रिय पन्त, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

धिनांक: 13-7-1983

मोहरः

प्रकप ब्राई • टी० एन • ए्स०----

श्रायकर **प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के **प्रधी**न सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई 1983

निर्देश सं अाई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3748--अतः मुझ, वेवप्रिय पन्त,

प्रायकर मिंघनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त भिंघनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रुपए से भिंधक है

और जिसकी सं कि मकान नंबर 410/9 एवम् 410/10 है, तथा जो साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्ष्य से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 नवम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के तिए प्रन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूस्य उत्तर दृश्यनान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफर का प्रमुख प्रतिमान से प्रिष्ठ है और प्रन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वाहतिक स्था में काहतिक स्था में स्था स्था में काहतिक स्था में काहतिक स्था में स्था में काहतिक स्था में स्था में काहतिक स्था में स्था में

- (का) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त जिय-नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

आतः यस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः——
11—216 GI/83

- (1) पदमा बिनानी फेम्लीस ट्रस्ट, इस्टेट, जबलपुर। (अन्तरक)
- (2) डा० माता प्रसाद चौरसिया इंजीनियरिंग कालेज, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के , म्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ज़ारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिशाधिक है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय हैं विष्ण गया है।

#### अमुख्यी

मकान एंबर 410/9, 410/10, साउथ सिविल .लाइंस, जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्स, सक्षम श्राधिकारी, सहायक आयकर अ।युक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोणल

दिनोक: 16-7-1983

प्ररूप आहें, टी. एन्. एस.,-----

आयंकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अधीन सूचना

## भारत स्रकार

कार्यालय, सहयक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई 1983

निर्देश सं० आई० ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3749—अतः, मुझे, देवप्रिय पन्त, अगयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-सा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० मकान नंबर 405 है, तथा जो साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पेन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती फ स, विक्ति विद्या से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा केलिए; ब्रॉड√वा
- (क) ऐसी किसी अप या किसी अन या अन्य आस्तियाँ की. जिन्हें भारतीय आप्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्रभा चाहिए था खिपाने में सिविधा के लिए:

अन: अब-उक्त ऑधनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात:——

- (1) पदमा बिनानी फेम्लीस द्रस्ट इस्टेट, जबलपुर। (अन्तरक)
- (2) श्री दोपक मोदी 2. देविका मोदी, नर्बदा रोड, जबलपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चनत् सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध् में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उम्त स्थावर सम्पत्ति में हित-, बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्प्वतीक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् है, बही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नंबर 405, साउथ सिविल लाहंस, जबलपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 16-7-1983

प्ररूप आई.. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जैलाई 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सिं०/अर्जन/भोपाल/3750——अत मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नंबर 405 है, तथा जो साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 नवम्बर 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान गितफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह तिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती [अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। तिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) किथीना, निम्निणिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) पदमा बिनानी फेमली ट्रस्ट, इस्टेट, जबलपुर। (अन्तरक)
- (2) 1. श्री दीपक मोदी
  2. देविका मोदी, नर्बदा रोड, अवलपुर ।
  (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अमुसुची

मकान नंबर 405, सिविल लाइन्स, जबलपुर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्तः सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण), अजन रेंज, भोपाल

दिनांक: 16-7-1983

## प्रस्प धाई • टी • एन • एस •

# अध्यकर विश्वितिस्म, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-घ(1) के घंधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3751—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सञ्जय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार पूरुष 25,000/- व्यये से प्रधिक है

और जिसकी सं मिशान नंबर 25 है, तथा जो आदर्श नगर, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, 18 नवम्बर 1982

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कमके वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रातरित की गई है प्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत अम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके वृश्यमान प्रतिकृत म, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पस्त्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (भन्तरकों) और भ्रस्तरिती (प्रस्तरितयों) के बीच ऐसे अस्तर्य के लिए न्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्श्य से उक्त भन्तर्थ लिखिन में वास्तविक इप से क्यित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की चावत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के झन्तरक के दायिस्त में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए। बीर/या
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विषया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती कृष्णा भाटिया, नर्बदा रोड, जबलपुर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पूनम चौधरी 374, बी, नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त पराति के ब्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस मूबना के राजपत में प्रकाणन की तारी खसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये ज. सकेंगे।

ं स्वऽद्रोक्तरगः---इसर्ने प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के व्यव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही असे तीना, जो उन ग्रष्ट्याय में दिया गया है स

## अनुसूची

मकान नंबर 25, आदर्श नगर, जबलपुर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 16-7-1983

प्ररूप आइ े. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 जुलाई 1983

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3752--अतः मुझे, वेयप्रिय पन्त

जायकर जांभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 633 बी पर बना हुआ म्यु० पा० नं० 32 टूसी का मकान है तथा जा न्यू पलासिया, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्यत बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उव्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्किश के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूजिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् क्

(1) श्रीमती विमल अनंद देशमुख 2 विनोदिनी अशोक कर्णिक 3 छाया अनिल राजे 4 किशोरी अजीत प्रधान 5 ज्योति तरेन्द्र रण दिखे निवासी—154 श्रीनगर कालोनी, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्मिता भरतकुमारजी मोदी 2 नवनीतलाल बृजलाल मोदी 3. सुशील देवी नवनीतराय मोदी, निवासी-10/3, ओल्ड पलासिया, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ै, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। ।या है।

# नगुस्ची

प्लाट नंबर 633, बी पर बना हुआ म्यु० पा० नंबर 34 टुसी का मकान, न्यू पलासिया, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 18-7-1983

प्ररूप बाई .टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्धना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 जुलाई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3753—-अतः मुझे, देवप्रिय पन्तः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मकान नंबर 18/22 है, तथा जो आनंद नगर, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधी के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, ज्थात्:--

(1) श्री राधिका प्रसाद वल्द हरप्रसाद नायक, निवासी आनंधनगर, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री अमरनाथ पिता पं माताफकीर मिश्रा निवासी गंकरनगर, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को मुर्जन को सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक किसा नंबर 18/22, आनंदनगर, रायपुर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 18-7-1983

मोहरः

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 6 जुलाई, 1983

निर्देश सं० सी० 5/928/एस० आर० हवेली/ए०/83-84-यतः मुझो, शाशिकांत कुलकर्णी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की

269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रह. से अधिक हैं

और जिसकं संख्या फ्लैट नं० डी-2 दूसरी मंजिल रजत बिल्डिंग शिवजीनगर प्लाट नं० 19 और 20 सिटी सर्वे नं० 968 और 969 है तथा जो पूना--16 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्य्यम निबन्धक हवेली II में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से **हुई. किसी आय की बाबत**, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभाके लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्ं :--

 भी एम० एस० कानिटकर. 917/6, गणेशवाडी डेक्न जिमरना, पूना---4

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नागम नाल रामचन्द्रन श्री टी० वी० रामचन्द्रन प्लाट नं डी-2, रजत कानिटकर अपार्टमेंट' सेनापतीबापर रोड, पुना-16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के वर्षन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के ओतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० डी-2, दूसरी मंजिल, रजत बिल्डिंग प्लाटन० 19 और 20, फायनल प्लाट नं० 395 और 396 सिटी सर्वे नं० 968 और 969, शिवंग्जीनगर, मेनापली बापट रोड, पूना-16 क० 7138 तारीख नवम्बर 82 को द्रय्यम निबन्धक हवेली II पूना के दफ्तर में लिखा है)

> (गशिकांत कुलकर्णी) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्ज रेंज, पूना

तारीख: 6-7-83

## प्ररूप आहा. ही. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख़ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 जुलाई 1983

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्यत बाजार मृल्य 25,000/- रापए से अधिक है

और जिसकी संख्या जी-2 पावी अपार्टमेंट 1161/11, धारपुरे कालोनी है तथा जो पूना—5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुथ्यम निबन्धक हवेली 2 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, जिम्मिलिशित उद्देश्य से उकत अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उपल अधिनियम को अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के लिए;

जत जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-म के जनुसद्ध में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नि[लिखित व्यक्तियों, मर्भात ६—— (1) श्रीमती लिला पांडुरंग म्हेमस 1161/11, धारपुरे कालोनी, शिवजी नगर, पूना-5।

(अन्मरक)

(2) श्रीमती मीना नारायण पाटिल 1161/11, धारपुरे कालोनी, शियाज़ीनगर, पूना-5।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाक्रियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुसूची

पलैंट नं ० जी-2, श्री पावी अपार्टमेंट 1161/11, धारपुरे कालोनी, पूना-5

क्षेत्र 844.63 स्केयर फिट है। (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 4436 नवम्बर 82 को दुय्यम निबन्धक हवेली II पूना के दफकर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, पूना

तारीखा: 6—7—83

प्ररूप आहुर, टी. एन. एस,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 6 जुलाई 1983

ृ निदेश सं० सी१० ए० 5/एसआए/हवेली II/83-84--यत:, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट न० 40 सर्वे न० 129/130 है तथा जो ग्रानन्द पार्क ग्रींध में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक हवेली II पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवस्वर 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहंप्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धररा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 12—216GI/93 (1) श्री सी० एस० संघवी और अन्य 318/19, नुःश्रृ'गं। रोड, पूना-16

(अन्तरक)

(2) डा॰एस॰एल॰ क्पूर श्रीमती झुप्णा कपूर बी – 5, एन॰सी॰एल॰ पूना – 8

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृषेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकर संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी शासे भी 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्धांकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 40 सर्वे नं० 129/130 आनन्दपार्क, ओध पूना-7

क्षेत्र 1557 स्केयर फिट है (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कि 7371 तारीख नवम्बर 82 को दुय्यम निबन्धक हवेली II पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना ।

नारीखाः 6--7-83

म्रोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रंज, पूना

पूना, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० सी०ए० 5/925 एस०आर०/हवेली II/83-84--यतः मुझे, गशिकांत कुलकर्णी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण ्ै कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/⊶रु. से अधिक है

और जिसकी सं अपार्टमेंट नं 10, 93-ए आनन्द पार्क आंध है तथा जो पूना-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संविध्ति है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुस्यमें निबन्धक हवेली-11 पूना में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया वै ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए

अतः अब उका अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री बीठटीठ कोठारी
 319/19, चतुःश्रृंगी गेड,
 पूना–16

(अन्सरक)

(2) 1. श्री जे० वाय० मुल्य
2. श्रीमती के० जे० मुल्य
अपार्टमेंट नं० 3
प्लाट नं० 93 ए, आनन्द पार्क ओंध

(अन्तरिती)

को यह स्मना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अपाटमेंट नं ० 10, 93-ए, आनन्द पार्क, ओंध पूना-7, क्षेत्र 896 स्केयर फिट है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 7372 नवस्वर 82 को दुप्यम निबन्धक हवेली II पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 6-7-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 6 जुलाई 1983 निर्देश सं० मी० ए० 5/924/एस० आर०/हबेली-II/ 83-84--अतः मझे शशिकांत कुलकर्णी:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या अपार्टमेंट नं । 10 है तथा जो 93 ए आनंद पार्क, सर्वे नं । 129/130/1 श्रींध पूना-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक हवेली-में में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्तित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) . के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री ब्ही० टी० कोठारी, 318/14, **चतुश्रृ**गी रोड, पूना-16

(अन्तरक)

(2) श्रीमित्त अंजना सीः अगरवाल, ग्रपार्टमेंट नं ० 10, 93-ए, आनन्द पार्क, ओंब, पूना-7। (श्रन्तरिती)

को <mark>यह सूधना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के</mark> इस्ति के रेप्स कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं ~45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अपार्टमेंद्र नं० 10, 93-ए आनन्द्र पार्क सर्वे नं० 129/ 130/1, ओंध, पूना-7।

क्षेत्र 896 स्क्वे० फीट है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 359 दिनोक नवम्बर 1982 को दुय्यम निबंधक हवेली-II पूना के दफ्तर में लिखा है) ।

> गणिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी (महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6-7-1983

भारत सरकार .

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजह पूना

पूना-411004, दिनांक 4 जुलाई 1983

निर्देश सं० मी० ए० 5/921/एस० आर० हवेली 11/83-84--अतः मुझे शशिकांत कृषकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० 1743 सदाणिय पेठ, है तथा जो पूना-30 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुख्यम निबंधक हवेली 11 में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर् 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह निकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री नंदराम गिरधरीलाल उनेचा, कोंढवे खुर्द तालुका हवेली जिला पूना ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय बवनराव पायगुडे, 1,155, सदाणिव पेठ, पूना-30।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

भूमि स्रार भवन सी० टी० एस० न 1743 सदाशिव पेठ, पूना-30 ।

क्षेत्र 300 स्क्वे० मी० है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेत क्र० 6890 तारीख नवम्बर 82 को दुप्यम हवेली II पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> णिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिया, अर्थात् ः---

दिनांक: 4-7-1973

मोहर

प्ररूप आइं. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-पूना

पूना-411004 दिनांक 24 👫 1983

निर्देश सं० सी० ए०5/911/एस० आर० निफाड/83--84---अतः मझे शणि कांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गट नं० 329/2 कोंहुरे गांव तालुका निफाड है तथा जो जिला नासिक में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्यम निबंधक निफाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के तियत्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाएं:——` (1) सर्व श्री (1) दत्तात्वय वासुदेव, वर्वे (2) रामानंद पुरुषोत्तम वर्वे (3) श्रीवर पुरूषोत्तम वर्वे (4) मधसूदन पुरुषोत्तम वर्वे (5) सी माधुरी वसन्तराव मराठे (त) सी रण्मी प्रकाणराव आगडेकर (7) श्रीमित सुमनवाई पुरुषोत्तम वर्वे कोढुरे, तालुका निफाड़ जिला नासिक ।

(अन्तरक)

(2) श्री जयबन्त रंगनाथ खापरे उगांव नालुका निकाड जिला नासिक ।

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की अविधि या क्षित्म क्षी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

कोढुरे गांव, गट नं० 329/2, तालुका निफाप्ट जिला नासिक ।

क्षेत्र 2 है० 74 आर० है।

(जैसे कि रिजम्ट्रीकृत विलेख कि 1853 दिनांक नवम्बर 82 को दुय्यम निबंधक निफाड के दफतर में लिखा है ) । शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना

दिनांक: 24-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

# शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के स्पीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-4, दिनांक 5 जुलाई 1983

निर्देश मं० मं।० ए० 5/37 ईई/83-84/203—-अतः मुक्ते, गणिकांत कूलकर्णी

ष्ठायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी प्लाट नं 32, सुयोजना को ओ हाउसिंग सोसायटी स्कीम नं 2 गोरेगांव पार्क (क्षेत्र 6750 स्के 9 फीट) पूणे है तथा जो पूना में स्थित है (फ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रोज पूना में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी अन या अन्य जास्तियों

  → जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
  ,.922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
  धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
  गया था या किया जाना चाहिए था फिपान में
  सविभा के लिए;

अशः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विजय एच० कंपूर, 30 पूरवा मार्ग वसन्त बिहार, न्यू देल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सीमा संतोपकुमार गोयल 407/2, नानापेठ पूणे-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति केकार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मंगीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की नंगीध, जो भी अवधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से ' 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ममुसुची

प्लाट नं० 32

सुयोजना को० आपरेटिव पाउसिंग सोसायटी स्कीम नं० 2 गोरेगांव पार्क

(क्षेत्र 6750 स्के॰ फीट) । पूना । (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 469 दिनांक 23-11-82 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में निखा है )

> गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 5-7-1983

माहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज पूना

पूना, दिनांक 5 जुलाई 1983

निर्देश सं० सी ए. 5/37 ईई/1983-84/202—यसः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से विधिक है

और जिसकी संव यूनिट नंव 57 पहला माला दिवाणणहा इंडस्ट्रीयल इस्टेट नंव 5 नवम्बर (ईस्ट) बसई संव नंव 31 पार्ट 34-35-36-37 जिव ठाणा क्षेत्र 755 स्केंव फीट है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नंव 541 ताव 30-11-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्घेष से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्द्ग किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत. जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंत, स्युक्तियों, अर्थांतर ६—— (1) मैं वहान इंडस्ट्रीयल डेवल्पमेंट कॉरपोरेशन दिवाण टावर नवघर गांव (वेस्ट) बसई स्टेशनरोड़ जिला ठाणा।

(अन्तरिती)

(2) श्री लिलत बीं ० अग्रवाल सी-14 पलोवर विनेत सोसायटी वीरा देसाई रोड़ अंधेरी (वेस्ट) बम्बई-400058। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके एमेंकिन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहूी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूचो

यूनिट नं० 57 पहला माला निवाणशाहा <sup>'</sup>इंडस्ट्रीयल इस्टेट नं० 5 नवधरगांव (ईस्ट) सं० नं० 31 पार्ट 34-35-36-37 जिला ठाणा ।

क्षेत्र 755 स्के० फीट:

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 541 ता० 30-11-982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा है।)।

शिषकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना।

नारी**ण** : 5—7—1983.

मोहरः

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. - - - ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 5 जुलाई 1983

निर्वेश सं० सी ए 5/37ईई/1983-84/201---यतः मुझे. शशिकांत कुलकर्णी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का शरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रह. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 25 निर्माण व्यापार केन्द्र प्लाट नं० 10 सेक्टर 17 वाशी क्षेत्र 340 स्के० फीट हैं तथा जो वाशी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूना में. रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं० 470 ता० 23-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क्ट) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मैं सर्म निर्माण बिल्डर्स, 40-41, विणाल णांपिंग सेटर सर एम० व्ही० रोड, अंधेरी (ईस्ट), बम्बई। (अन्तरक)
- (2) श्री महादेव डी॰ बागडे रूम नं० 82 न्यू पारसी चालुं धावरी रोड, काला किला, बंबई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिध, जो भी अधिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनु**सुची**

भौप नं० 25 निर्माण व्यापार केन्द्र प्लाट नं० 10 सेक्टर 17 वाणी क्षेत्र 340 स्क० फीट ।

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 470 ता० 23-11-1982 को संहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में निखा है।]

> शिषाकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख : 5 जुलाई, 1983

माहर 😗

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस. - - - ----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 28 जून 1983

निर्देश सं० सी ए० 5/37 ई०/1983-84/200—-यतः मुझे, शिकांत कुलकर्णी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 12 विजल अपार्टमेंट्स प्लाट नं 42 रू नं 44 (पार्ट) आनंद नगर नवघर बसई (वेस्ट) जिला ठाणा (क्षेत्र 425 स्के ॰ फीट) है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं 2764 ता ॰ नवंबर 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उंक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिये:

- (1) मैसर्स विमल असोसिएटस् 4 रिटा ए" हर्ष पार्क चंदावर-कर रोड, बोरीवली (वेस्ट) बम्बई-400092। (अन्तरक)
- (2) श्री सलीम महोमच अब्दुल्ला, मार्फत 42 कमिशअल चबर्स मसजिद बंदर रोड, बम्बई-400003 । (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पनि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्धन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 12 बिजल अपार्टमेंटस् प्लाट नं० 42 रू० नं० 44 (पार्ट) आदंद नगर नवधर बसई (वेस्ट), जिला ठाणा (क्षेत्र 425 स्के० फीट)।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2764 ता० 18-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 26 जन, 1983

## श्रुक्तभ आहु<sup>र</sup>. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृथना

भारत सरकार

सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 जून 1983

निर्देश सं० सी ए 5/37ईई/1983-84/199—यतः, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 35 स० नं० 128/4 औं प्र, ता० हवेली, तथा जो ता० हवेली जिला पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं० 325 ता० 6-11-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अध्यत्न से लिए तम लिखित में अस्तर्य पर से लिए ना से लिखित में

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ख) एपेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्िया के लिए।

अतः अजः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिकत स्वक्तिवाँ, अर्थातः :— (1) श्री नारायण नरहर जोशी, 227 सदाधिव पेठ पूर्ण-30।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रायनी हेमचन्द चद्रचूड़, 32/28 प्रभात रोड, पूणे-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पंत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ६ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 35 स० नं० 128/4 औंध सा० हवेली, जि० पुणे क्षेत्र 8928 स्क० फीट०

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 325 ता० 6-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

सारीख: 29-6-1983

प्ररूप बाहै.टी.एन.एस. -----

भारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकः आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 जून, 1983

निर्वेश त्रं० सि ए 5/37 ईई/1983-84/198—यतः मुझ, शशिकांत कुलकर्णी,

अप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 1 सरस्वती बिल्डिंग प्लाट नं० 40 सं० नं० 45 नवघर गांव ता० बस जि० ठाणा (क्षेत्र 565 स्के० फीट) है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं० 510 ता० 26-11-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उष्यत बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) रोहाने एन्टरप्राईजेंस 11 टिनवाला बिल्डिंग त्रिभूबन रोड, बम्बई-400004

(अन्तरक)

(2) श्री रमाकांत जोड वेसाई सी० डब्ल्यू० सी० पी० जी० क्वाटर रूम नं० 8 दूसरा माला जे० ज० हास्पीटल बामखन्न बम्बई ।

(अन्सरितीं)

का यह सूचना जारी कारके पृताँक्त सम्परित के अअंनु के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर अधिराओं में सं किसी व्यक्ति सूवारा,
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबय्व किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उसस अधिनिसम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

## अनुसूची

ब्लाक नं० 1 सरस्वती बिल्डिंग प्लाट नं० 40 सं० नं० 45 नवधरगांव ता०बसई, जिला ठाणा (क्षेत्र 565 स्क० फीट०)।

जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 510 सा० 28-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण (अर्जन रेंज), पूना के दफ्तर में लिखा है)

षिषकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

सारीख: 29-6-1983.

मोहर 🖫

# 

भारत सरकार कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 4 जुलाई 1983

निर्देश सं० सि ए 5/37 ईई/1983-84/197—यतः, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 390 ए नारायण पेठ है तथा जो पूना 30 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं० 229 ता० नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्वेष्य से उबत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आव या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

(1) श्री डि॰ टी॰ अभोगकर व श्री एस॰ टी॰ अभोणकर 390ए, नारायण पेठ पूना-30। (अन्तरक)

(2) मैंसर्स साहर्नः असोसीएट् 391, नारायण पेठ, पूणे-30।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (श) इस सम्मना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर सकत स्थावर संपरित में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थकतीकरण:--हमर्थो पयकार शत्वा होण पर्यो का, जो लवन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# अनुसुची

390 ए नारायण पेठ पुणे 30, क्षेत्र 4905. 75 स्क॰ फाट जिसे कि रिजस्ट्रीकृत नं॰ 229 का नवम्बर, 1982 को सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांस कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 4 जुलाई, 1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 जून 1983

निर्देश सं े सि ए 5/37 ईई/83-84/196—यतः मुझे; शशिकांत कुलकर्णी,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 6 पहली मंजिल अरोरा टावर, मोलदाना रोड स० नं० 249 कनटानमेंट पूना क्षेत्र 611 स्के० फीट, है तथा जो पूना-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं० 53 तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उक्वरेय से उक्त अन्तरण निलिश्त में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बांबा, उक्त अक्षि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के सिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी वन या प्रस्य खास्तियों को, जिम्हें भारतीय ब्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर ब्रधिनियम, अ धन-कर ब्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपान में सर्विधा के लिए।

अतः अवः, उथतः अधिनियम कौ भाषा 269-ण के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैं ॰ शरत प्रमोटर्स, 2 ईस्ट स्ट्रीट, मानेकसेला, पूना। (अन्तरक)
- (2) श्री राहुला मनोहर धारपुरे द्वारा गारिख्यन डाक्टर मोहन बी० धारपुरे, 39/15-16 कचरे मार्ग, एरंडवणे, पूना-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्षेन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यार;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पळ्डीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्घों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

आफिस नं० 6 पहिला माला, अरोरा टावर, 9 मोलदीना रोड, स० नं० 249, कैंगटोनमेंट पूना क्षेत्र 61 स्के० फीट। [जसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 53, ता० नवम्बर 82 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है]।

> ग्रागिकांत कुलकर्णी सकार्यं प्राधिकारी सङ्ग्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

**प्तारीख: 25 जुन, 1983** 

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

# प्रकम् वर्षाः वी पुन् । पुष् प्रमाननगरनानन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-१५ (1) के अधीन स्वामा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 जुलाई, 1983

निर्देश सं० सि ए 5/37 ईई/1983-84/195---यत:, मझे, ममिकांत कुलकर्णी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण **है** कि स्थावर संपरित जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/-फ. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० 2 बिल्डिंग न० ए2 सं० नं० 2 दिवानमान मानिकपुर बसई रोड़, जि० ठाणा (क्षेत्र 573 क्वे० फीट) है, तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इपसे उपाबद्ध अनुसूर्च। में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुना में, रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं॰ 376 ता॰ 12-11-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिधात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिसी (अन्तरितिया) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रुतिकल्, निम्नसिचित् उद्योष्य स्रेडक्त सन्तरण् निम्ति में बास्त्विक रूप से कर्मित नहीं हैक्या पना है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी भाग या किसी भन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

- (1) श्री बसीन हाउसिंग डवल्पमेंट कारपोरेशन, विवान टावर नवघर बसीन रोड़, जिला ठाणा।
- (2) श्रोमती बलना बाबु प्रोफसर बोटनी बायोलाजी, डियार्टमेंट, बसई कालेज, बसई रोड (वेस्ट),ठाणा ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधियातत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भें किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहाँका, या उपत अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अमृस्ची

प्लाट नं० 2 बिल्डिंग नं० ए-1 सं० नं० 2 दिवानमान माणिकपुर बसई जिला ठाणा । भेत्र 573 क्ये० फीट० । [जसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 378 ता० 12-11-1982 सहायक प्रायकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, पूना के वक्तर में लिखा है।]

> शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना ।

तारीख: 6-7-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टि. एन. एस.------आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज पूना पूना, दिनांक 5जुलाई, 1982

निर्देश सं० सि० ए० 5/37ईई/1983-84/194—यत:, भुसे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 55 पहला माला दिवान णहा इण्डस्ट्रियल स्टेट नं० 5 नवघर (ईस्ट) बसई जि० ठाणा (क्षेत्र 755 स्क्बं० फीट) है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं० 539 दिनांक 30-11-1982 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तिवक स्प से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः विश्व उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीसु: --- (1) मे॰ बसीन इण्डस्ट्रीयल डेवलपमेंट कोरपीरेशन दिवाण टायर नवघर गांव बसई स्टेशन रोड, जि॰ ठाणा ।

(अन्तरक)

(2) श्री ललित बी० अग्रवाल सी-14 फ्लावर श्रीन सोसायटी वीरा देसाई रोड, अंधेरी (वेस्ट) बम्बई-400058 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िलए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, आं अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची.

यूनिट नं० 55 पहला माला दिवाणशाहा इंडस्ट्रीयल इस्टेट नं० 5 नवधर (ईस्ट) वसई जि० ठाणा

क्षेत्र : 755 स्के० फीट

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 539 ता० 30-11-82 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा है।)

णशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेश रेंज, पूना

विनांक : 5-7-83

## प्रकृष् वार्ड . टी . एन . एस . ------

भारत सिंधनिक्स, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ज (1) के स्वीन स्वना

#### भारत संडकाङ

कार्थालय, सहायक मायकार मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 जुलाई 1983

निर्देश सं० सी० ए०5/ 919/एस० आर्० मिरज  $\Pi/83-84$ —यतः मुझे, शशिकात कुलकर्णी,

बावकर विभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात 'उनत विभिन्मम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन तकान प्राधिकारी की यह निष्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से विभिन्न है

और जिसकी सं० सी सर्वे नं० 921, 1-ए-2, मिरज है तथा जो मिरज जिला सौंगली में स्थित है (जौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वींगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक मिरज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उपित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रोत्तक को जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार मुम्म, उसको क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तथ पाया ग्या प्रति-फल गिम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक कम से कथित नहीं किया ग्या है

- (क) अन्सरण में धुर्घ किसी आय की वाबत, अक्त आर्थाभयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, आर/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः नवः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण मों, जों, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीनः, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् ॥——

- 1. (1) श्रीमती एम ए० अथणीकर
  - (2) सो० राषीदा अन्दुल हमीद भोकरे
  - (3) सौ० बेबीसारा एम० भोकरे और
  - (4) जैब्नबी शमशोदीन भोकरे, भोकरे गली मिरज।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री धानेश्वर श्री गणपत खाड़े
  - (2) श्रीमती अनुसय्याबाई गणपती खाड़े
  - (3) श्री बाबा नाना हंगे। नागरगोजे, कौल कारखाना, मिरज जिला सांगली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हों।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचमा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

तिक प्राः - - इसमें प्रयुक्त शस्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सर्वे नं० 921/1ए०-2, मिरज जिला सांगली क्षेत्र-41 आर है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख क० 1569 तारीक नवम्बर, 1982 को दुय्यम निबन्धक मिरज  $\Pi$  के दफ्तर में लिखा है।)

गशि कांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 2<del>-</del>7-83

प्ररूप. आइ. टी. एन. एस. -----

**कायकर अधि**नियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 30 जून 1983

निर्देश सं० सी० ए०-5/916/एम० आर० कल्याण/83-84---यतः मुझे, शशिकांत कूलकर्णी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं मौजे चिकनघर सर्वे नं 93 हिस्सा नं 1/1 तालुका कल्याण है ज्ञथा जो जिला ठाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्य्यम निबन्धक कल्याण में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-11-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्व्यस करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मृष्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अन्तः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--14--216 GI/83

(1) श्री मधुकर गोबिन्द काले फ्लेट नं० 6, ईशक्तुपा, रामबाग लेन नं० 1 कल्याण जिला----ठाना ।

(अन्तरक)

(2) लक्ष्मी कृपा को० ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड रामबाग लेन नं० 1 मौजे चिकनघर कल्याण । जिला——टाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आर्थि :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्ति रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मौजे चिकतचर सर्वे नं० 93, हिस्सा नं० 1/1, 424 स्ववे० मीटर, तालुका कल्याण जिला ठाना । (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 2061 तारीख 6/11/ 82 को द्य्यम निबन्धक कल्याण के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णः सक्षम प्राधिकारी सहायकआयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना ।

विनांक : 30-6-83

मोष्टर :

प्ररूप् आहर्र. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-ज (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जैन रेंज, पूना **पू**ना, दिनांक 29 जून<sup>ी</sup> 1983

निर्देश सं० सि० ए० 5/915/एस० आर्०/अहमदनगर/ 83-84—यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अवन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन समय प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से स्थिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 504/2 कापूरवाडी है तथा जो जिला अहमदनगर में स्थित है (और इससे उपाधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक अहमदनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-11-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिकृत के लिए प्रस्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास धरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिकृत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पख्र प्रस्ति प्रतिकृत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पख्र प्रतिकृत प्रतिकृत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पख्र प्रतिकृत प्रक्रिक है और अन्तरक (अन्यकों) और प्रमारित (सन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरित के लिए, तथ पाया गया प्रतिकृत लिल निम्नलिवि उद्देश्य से उन्नत अन्तरण लिलिक में उपमाविक कर से कथि। वही विवास प्रवास करने करने स्वास्तरित

- (क) अस्तरण रे ६३ किसी था। को बाबत उद्यक्त प्रिक्ति नियम के भ्रधीन कर देने के अन्यरक के द्वायिस्त में कमा करत था उत्यस बच्चों में सुविद्या के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी भाग था किसी धन या अन्य ब्राह्तियों की, जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त भिक्षियम, या वनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती हारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जान। चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम् की भारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीष, निस्तिविधित व्यक्तियों, अधीत्:——

- श्रीमती असरानी संतु कराले नागरदेवले तालुका और जिला अहमदनगर। (अन्तरक)
- 2. पूनम माता रिअल इस्टट
  - (1) श्रीमती कमलबाई मदनलाल मुनोत
  - (2) श्री रमणलाल कनकमल मुनोत दालमंडई अहमदनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचमा के राज्यत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवित्त, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीनत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्घ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

सर्वे नं ० 504/2, कापूरवाड़ी तालुका और जिला अहमदनगर क्षेत्र—2 हैक्टेयर—49 ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख कि॰ 3535 तारीख 3-11-82 को बुय्यम निबन्धक अहमदनगर के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण<sup>)</sup> अर्जन रेंज, पूना

**दिनांक**: 28-6-83

# प्रकृष भाष्ट्री. एन्. एस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 जून 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/906/एस० आर०/83-84---यतः मुझे, शशिकात कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- क. खं अधिक हैं
और जिसकी सं० सर्वे नं० 692/1/9 प्लाट नं० 8 है तथा जो
तालुका और जिला नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय दुय्यम निवन्धक नासिक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 22-11-1982
को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिक्त उद्वरिय से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सूविधा के लिए; आदि/बा
- (च) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री परशुराम आत्माराम नवरे 1003/3, अनुपम हार्जीसग सोसायटी, नवी पेठ पूना-30।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुलेखा वासुदेव सेवेकरी पंचायत आफिससमोर मालेगांव कैम्प जिला---नासिक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के हैस्ए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 692/1/9, प्लाट नं० 8, तालुका और जिला नासिक ।

क्षेत्र—472.32 स्क्वे॰ मीटर (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क॰ 7558 ता॰ 22-11-82 को दुग्यम निबन्धक नासिक के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलंकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना ।

- दिनांक : 22<del>~</del>6-83

## प्ररूप जार्ह. टी. एन्. एश्व.-

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना-41104, दिनांक 21 जून 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/905 एस० आर० नासिक/ 83--84-- यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा -269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिज्ञकी सं० सी० स० न० 6828, 6829, 6830, 6831, म्यूनि० हाउस नं० 1363, सर्बे नं० 646 हिस्सा नं० 88, तिल क्याडी नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक नासिक में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-11-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत सं अधिक है और अन्तरक. (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के मिए; और/या
- (क) एसी किसी आयं या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के चिए;

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री गणेश वसंत पिंगे, 5, अश्विनी को० ओपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी नासिक रोड, नासिक ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति लक्ष्मीबाई बलवंत लाड, यक्षीधन कान्हेरे-वाडी, नासिक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपर्दित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

#### अनुसूची

सि० स० नं० 6828, 6829, 6830, 6831, म्यूनि० घर नं० 1373, सर्वे नं० 646, चिमकुट श्रपार्टमेंट प्लैट नं० 13, तिलवाबाडी, नासिक रोड, नासिक । क्षेत्र 58 स्के० मीटर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 7707, ता० 29-11-1982 को दुय्यम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है) ।

> शिषिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 21-6-1983

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 21 जून 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/904/एस० आर० करवीर/83-84-अनः मुझे, शिक्षकांत कुलकणीं भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000 द० से अधिक हैं और जिसकी सं० ई० वाई० टी पी स्कीम नं० 3 फायनल प्लाट नं० 11 है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिंए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्ः—

- (1) श्री पांडुरंग बलवन्त जगदाले, ई॰ वाई 0टी 0पी स्कीम नं॰, 2, 3 फाइनल प्लाट नं॰ 11 कील्हापुर । (अन्तरक)
- (2) कांतिलाल बाबूलाल श्रोसवाल सि० सर्वे नं 220, कोल्हापुर ।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास सिविश्त में किये जा सकींगे।

स्युष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाशिक हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विकार ग्या हैं।

## अनुसूची

फायनल प्लाट नं० 11, टी० पी० स्कीम नं० 3, ई० वार्ड, तालुका और जिला कोल्हापुर। क्षेत्र 464.51 स्क्वे० मी०।
(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख क० 3872 ता० 2-11-82 को दूरयम निबंधक करवीर के दपतर में लिखा है।)

प्रशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पून

दिनांक : 21-6-1983

प्ररूप बाई. दी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 6 जुंलाई 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 ईई/204/1983-84-अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर स्पात्त, जिसका उचित बाजार म्स्य
25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 बिल्डिंग ए 2 स० नं० 2 विवनमान मानिकपुर वसई रोड ठाणा (क्षेत्र 573 स्के० फीट) है सथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 378 दिनांक 12-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किला निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्न अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुक्क किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्थात् :--

- (1) बसिन हार्जीसग डेवलपमेंट कोरपोरेशन दिवाज टॉवर नवघर बसिन रोड, जिला ठाणा। (अन्तरक)
- (2) श्रीं सी० एस० अनंथासिबान द्वारा ओटीस इल्बेटर कं० (इंडिया) लिमिटेड, दूसरा माला मेहता चेंबर मध्यू रोड, बंबई 400004। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में दिसे जा सकरी।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनु**स्**ची

फ्लैट नं० 2 बिडिंग नं० ए 2 सं० नं० 2 विवनमान गांव मानिकपुर वसई रोड जिला ठाणा ।

(क्षेत्र 573 स्के॰ फीट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 378 ता० 12-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिमांक 6-7-1983 मोहर: प्ररूप भार्च. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 7 जुलाई 1983 मिर्देश सं० सी० ए० 5/937/एस० आर० हवेली II/ 83-84-- यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुं. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० टी० एस० नं० 519 नाना पेठ हैं तथा जो पूना-2 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक हवेलीर् II में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से ऐसे उत्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा मकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनृतरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री शेख बुरहन शेख करीम 514 नाना पेठ, पूना-2।

(अन्तरक)

- (2) (1) फातिमाबाई अब्दुल करीम बी-13, गिता सोसायटी, पूना-411001,
  - (2) श्री अब्दुल लितफ ग्रबदुल करीम 289/6, घोरपडे पेठ, पूना-411001 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया ही।

## अनुसूची

भूमि और भवन सिटी सर्वे नं० 519 नाना पेठ पूना—2 क्षेत्र 971 स्क्वे० फीट है। (जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 7029 तारीख 12-11-82को दुय्यम निबंधक हवेली <sup>II</sup> पूना के वफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 7-7-1983 मोहर ; प्ररूप . आह<sup>2</sup> . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना-411001, दिनांक 7 जुलाई 1983

मिर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/206/1983--84--अत:, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काश्च हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभित काबार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 2 दूसरा माला, ए-1 बिर्लिंडग, एस० नं० 2 दिवानमान गांव मानिकपुर बसई रोड जिला ठाणा (क्षेत्र 573 स्के० फीट) है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नं० 0339 ता० 12-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तक पाया गवा प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में नास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी असने या उक्कसे अकने में सुविधा के लिए;
- (क) एसे किसी आय का किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जत: अब, उपत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उपत विधिनियम की धारा 269-ग√की अस्प्रशास (1) के वधीन निम्नसिवित स्थिनियमें, स्थात् :--- (1) बसीन हार्जीसंग डिवेलंपमेंट कोरपोरेशन दिवान टावर, नवधर बसीन रोड, जिला ठाणा।

(जन्तरक)

(2) श्री शृशिकुमार मधुकर जावले, 81 पारेख महाल एलं जी रोड, बम्बई-400016। (अन्सरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्वन के सिए कार्यवाहियां कारता हुं।

्उक्त सम्पत्ति के कुर्वन् के सम्बन्ध में कहोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के सजस्त्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि मा सल्स्वन्थी व्यक्तियों अपर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो औ अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दक्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में प्रहाबह्य किसी अन्य व्यक्तित व्वारा कथाहस्ताक्षरी के प्रस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थानिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो जनत अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनसची

पर्लंट नं० 2 दूसरा माला ए 1 बिल्डिंग स० नं० 2 विवानमान गांव माणिकपुर बसई रोड, जिला ठाणा । (क्षेत्र 573 स्के० फूट)।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं० 399 ता० 12-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,पूना

दिनांक 7-7-83 मोहर :

## अक्रम बार्ड . दी . एवं . एस् , ------

क्षायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

## भारा 269-म (1) के ज्भीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 4 जुलाई 1983

निर्वेश सं० सी० ए० 5/37ईई/206/1983-84---अतः मुझे, शणिकांत कूलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 108 पहला माला निर्माण प्रभात सब प्लाट नं० 1 निर्माण नगर नालासोपारा ता० वसई जिला० पुणे (क्षेत्र 521 स्कें० फीट) है तथा जो जिला टाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नं० 285 दिनांक 2-11-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत से अभिष, है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—-

- (क) अन्तरण से धुर्द भिन्नी साम की वायता, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी अरने या उससे वजने में स्विधा की लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय साय-कर सिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विभा के लिए;

(1) मै॰ निर्माण एसोसिएटस, 40-41 विशाल शोपिंग सेंटर एस॰ एम॰ धीं॰ रोड, अंधेरी (ईस्ट) बंबई-400069।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश डी० अचेरकर, 2/9 बिरजु प्रसाद चाल काजुपाडा जरीमारी (ई) कुर्ली, बंबई-400072 (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोंक्त सक्ष्यित् के अर्जन के लिए \*कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप :--

- (क) इस सूचना क राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्विस्तयों में से किसी स्थितर दुवारा;
- (स्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क को परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया, गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 108 पहलामाला निर्माण प्रभात सब प्लाट नं० 1 निर्माण नगर नालामोपारा सा० बसई जि० पूना क्षेत्र 521 स्के० फीट ।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं० 285 ता० 2-11-82 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी ∙सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 4-7-1983 मोहर: प्ररूप आहूँ. टी. एन्. एस. = -- = आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना-411 001, दिनांक 29 जून 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/193/1983---84---अतः मृझेः शशिकांत कुलकर्णी आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕- रत. से अधिक हैं और जिसकी संख्या प्लैट नं० 3 सरस्वती बिर्ल्डिंग, प्लाट सं०नं० 40 तथा 45 एव 43 नवबर गांव ता० बसई जिला ठाणा है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपा-**बब** अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नं० 375 दिनांक 11-11-1982 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य संक्रम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य उद्भाके रूपयमान प्रतिफल से एसे रूपयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चे रेथ से उच्या अन्तरण, लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी पन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण के, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) मैसर्स रोहित इंटरप्राईजेज, 11 टिनवाला बिल्डिंग तिभुवन रोड, बंबई-400004।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश विष्णु पामलेकर, 9, रेहमान मंजिल, 75 वीर नारिमन रॉर्ड, चर्चगेट बंबई-400020। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता ह*ू*।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कहं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बक्भ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकती।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>3</sup>।

## अनुसुची

फलैट नं० 3 सरस्थित बिल्डिंग प्लाट नं० 40 स० नं० 45 ए तथा 43 नववर, गांव हा० वसई, जिला ठाणा । (क्षेत्र 1015 स्के० फीट ) ।

जैसे कि रजिस्ट्री न नं० 375 ता० 11-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है ।

> शणिकांत कुलकर्णी संक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 29-6-1983

प्ररूप आर्इ ० टी० एन० एस० ------मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन **सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक: 1 जुलाई 1983

निर्देश सं र पार पुर 5/37ईई/1983-84/192--अतः मुझे, शशिकौंत कुलकर्णी

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रु. से अभिक **है** 

और जिसकी सं० एस० नं० 521 सब प्लाट नं० 3 फाईनल प्लाट नं० 322, सि० ए० स० नं० 680-पी०टी०एस-III है तथा जो पुना-2 में स्थित है (और इससं उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना में, रिंज्रिं-ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नं० 324 दिनांक 6-11-19-82

को पर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; गर∕या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनंकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गय: भा याकियाजाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके सिए;

अनतः अन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह्य---

- (1) श्री प्रकाश एस० मुथा, 322/11, शंकरशैट रोड पूना ।
  - (अन्तरक)
- (2) श्रीमति दुर्गादेवी ए० पंक्षसचीव, 934/935 शिवाजीनगर, पूना-16 । (अन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति, को अर्थन वै कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के मुर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी माक्षर:---

- (क) इ.स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ता,रीखा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों स्चनाकी तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शरदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गयां है ।

## अनुसूची

स० नं० 521, सब प्लाटनं० 3 टी० पी० एस० III स॰नं॰ 680 प्लाट नं॰ 322 पूना । क्षेत्र 5100 स्के० फीट बिल्डिंग सह ।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 324 ता० 7-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।

> शशिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 1-7-1983 मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पून -411004, दिनांक 6 जुलाई 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/191/83—84/--अतः मुझे, प्रशिकांत कुलकर्णी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव नंव फलैंट नव 28 तिसरा माला एव बींग मधुबन अपार्टमेंटस घनश्याम गुन्ते रोड डोम्बिबली (बेस्ट) हैं है तथा जो डोंबिबली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नंव 1096 दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पेइह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः अब, उस्त अधानयम का धारा 269-ग क अनुसरण मं मं, उस्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) भै गधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात्:—

- (1) मसर्स गांधी एण्ड अमरसी 10 जे० एन० हरेडिया मार्ग, बस्लाई इस्टेट, बंबई-400038। (अन्तरक)
- (2) श्री क्षतीं कृष्णा बेडेकर मै० मंजीरी सर्तीं का बेडेकर दाताप्रसन्ना, कोपेड रोड शास्त्री नगर 'डोंबीवली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फलैंट नं० 28 तिसरा माला ए० विग मधुबन अपार्टमेंट घनश्याम गुप्ते रोड डोंबविली (वेस्ट) । (क्षंस्र 386 स्के० फीट) ।

जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं 1096 ता नवम्बर 1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज के दफ्तर में लिखा है।

> शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 6—7—83 स्रोतन

प्ररूप आई. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना-411001, दिनांक 10 जून 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/83-84/190-- अतः मुक्को, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं पलैंट नं बी 2, सन्त कृपा बिल्डिंग संत नामदेव पथ डोंबिबली (ईस्ट) जिला ठाणा (क्षेत्र 565 स्के॰ फीट) है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नं॰ 499 दिनांक 25-11-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुईं किसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्क्स अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्रीवभा के लिए।

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० उमा बिल्डर्स, 7 उमा स्मृति बिल्डिंग न्यू मानेकलाल इस्टेंट ला० ब० शास्त्री मार्ग, घाटकोपर (वेस्ट) बंबई 86।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित मंदा दत्तात्रय हलदाये नकर 17 जयदीप बिल्डिंग गोलीबार रोड, घाटकोपर (वेस्ट) बंबई-86 । (अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तृत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के 'राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पष्टिकि पणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

## अनुसूची

पर्लंट नं० वी 2 संत कृपा बिल्डिंग संत नामदेव पथ डोंबीवाली (ईस्ट) जिला ठाणा।

क्षेत्र 565 स्के० फीट।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 499 ता० 25-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शिषकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 10-6-1983 -

प्ररूप आई. टी. एन. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना-41/1004, दिनांक 6 जुलाई 1983 -

निर्देश सं सी० ए० 5/931/एस०आर०/83-84---अत: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 467/2 बी है तथा जो सांगली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक मिरज में रिजस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ,धीन दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, अभस अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~-

 श्री रामचंद्र विष्णु सांभारे (2) श्री लक्ष्मण विष्णु सांभारे (3) श्रीमति लक्ष्मीबाई विष्णु सांभारे, 498/500, गांव भाग सांभारे वाडा, सांगली ।

(अन्तरक)

- 2 (1) दशरथ भुजगोंडा पाटिल-329 गांव भाग सांगली, (2) श्री आर० टी० पाटिल वार्ड नं०6 घर नं० 232 इचलकरंजी जिला कोल्हापुर (3) श्री एस० आर० पाटिल ढवली ता० वालवा जिला कोल्हापुर ।
  - (4) श्री विठ्ठल पाडुरंग पाटिल पंस्ट करोली ता० बालवा जिला कोल्हापुरः।

(अन्तरिती)

को यह स्चना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (रू) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 467/2 बी, सांगली क्षेत्र 41 आर हैं।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 2351, तारीख नवम्बर 82 को दुय्यय निबंधक मिरज के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, पूना

दिनांक : 6-7-1983

प्रकृप धाई० टी० एस० एस०--

## भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मुधीन सूचनः

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना-411004

पुना-411004, दिनांक 6 जुलाई 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/930/एस० आर०/83—84— हवेली-II—अतः, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में प्रधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 225/6, सिटी सर्वे नं० 4241 और 4242 मौज हडपसर है सथा जो पूना-28 में स्थित है (और इससे उपाबज़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुश्यम निबंधक हवेली-II में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह् प्रतिशत से यिक्षक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया रितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपा श्रीवित्यम के श्रद्वीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (त) ऐनी किसी आय या किसी जन या अन्य प्रास्तिरों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त ग्रिविनियम की धारा 269-ग के धनुसरण गों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री साहेब राय बापूजी चव्हाण और अन्य 7 भरनं० 69, हडपसर, पूना-28 ।

(अन्तरक)

(2)- मैसर्स मोना फूड इंडस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड हारा श्री दिलीप भाऊ घाडगे, 1206/33बी शिवाजी-नगर, पूना-5।

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पुर्वाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ध्रविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भगीत, जा
  भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताअरी के प'स निखित में किए जा सर्कों।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रश्विनियम के प्रश्वाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस ग्रब्याय में विया एवा है।

## भन्सुची

सी० टो० एस० न० 4241 और 4242 सर्वे न० 225/6, हडपसर, पूना-28।

क्षेत्र—1300 वर्ग मीटर और 100 वर्ग मीटर (जैसे की रिजिस्ट्रीष्ट्रित बिलेख कि 6963 दिनांक नवस्बर 82 को दुय्यम निबंधक हवेली-II, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> णशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 6-7-1983

प्ररूप बाह्र . टौ. एनं. एसं. =----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 6 जुलाई 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/929/एस० आर०/83-84---अतः मुझे शशिकात कुलकर्णी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० टी० एस० नं० 156/1, मगलवार पेठ, है तथा जो पूना-11 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक हवेली-।। में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्वर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास फरने का कारण है कि संभापवींक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक क्रय से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, सबक स्विभित्यम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे ब्यूने में सृद्धिम के निए; और/या
- (अ) एंगो किसी आप या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कंर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः सम उक्त सिभिनयम की भारा 269-ण के सन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री नामवेव भाऊराव कचरे, 156, मंगलवार पेठ, पूना-11।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एन० वैद्यालिंगम, 164, माहेश्वरी मुकुंद-नगर पूना-37।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त को नर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकासन की तारीचा से 45 दिन की नवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वृद् सूचना की तासीज से 30 दिन को मधि , जो भी मविध नाद में समाप्त होती हो , के भीतर पृष्टी कर स्थावता में से किमी ध्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिस्यः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, थो उक्त स्रीधनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

सिटी सर्वे नं० 156/1, मंगलवार पेठ, पूना-11। क्षेत्र 414.34 स्क्वे० फीट है। (जैसें की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7125 तारीख़ 19-11-1982 को दुस्यम निबंधक हवेली-॥ पूना को दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण्), अर्जन रेंज, पूना

दनांक 6-7-1983 . मोहर: प्ररूप आइ. टी एन . एस . -----

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनङ, दिनांक 14 जुलाई 1983

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या जी-57/एक्वी०---अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रु० से प्रधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है जो तथा महेशपुरा, तहसील काशीपुर, जिला नैर्न ताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-11-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नति जिस स्टब्वेश से ज्ला करताण जिल्लित में बास्यविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी श्राय की बाबत, उक्त जिथितिक की अभीत कर दीने के अन्तरक के वादिस्य में कमी करने या उससे वजने में मूजिया के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1920 का 11) ए। उजल अधिनियम, का पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया करा था या दिला पाना नाहिए। था, हिण्यान के स्विका के सिए:

जतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीर निम्नितिसित व्यक्तियों, अधीर :--- 16—216GI/83

(1) श्री जय कुमार।

अन्तरक)

(2) मैसर्स घर्ष इंडस्ट्रियल टिम्बर्स, इंडस्ट्रियल इस्टेट, काणीपुर ।

(अन्तरिती)

(3) श्री जय कुमार (अह व्यक्ति जिमके श्रीधभोग में भम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति को सर्जन की लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्मिति के अर्जन के सम्बन्ध में केल्ं की जावन :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीध से 45 विम की अविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वानता में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो लग अध्याय में दिशा नगा है।

### जनसची

भूमि पैमाइशी 10454 स्क्वायर फीट जोकि महेशपुरा तह्सील काशीपुर जिला नैनीताल में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी मंख्या 1838/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, काशीपुर के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नखनऊ

दिनांक : 14-7-1983

पहच दाईं ही. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटनी

पटना, दिनाँक 14 जुलाई 1983 निर्देश सं० III 783/अर्जन/83--81--अतः, मुझे, प्रबोध कुमार दुवे

कायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पंत्त, धिमका उभिन्न गनार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हाँ

और जिसंकी सं० तोजी नं० 15261 खाता सं० 337 खमरा मं० 1454 थाना नं० 2 है तथा जो मैनपुरा थाना पाटल पुत्र पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-11-1982

को पूर्वोक्द सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य के कभी जरारिय उसरी कर्ना में क्रिक्ट के लिए ौर/कः
- (स) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियर को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-पर गोर्जिन : :9. (1937 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री नवमी सिंह पुत्र श्री कुंज बिहारी सिंह गांव राजापुर, थाना ऋष्णपुरी पो० ओ० पटना, जी० पी० ओ० पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित पिमला देवी पत्नी बसुदेव लाल, स्टेशन रोड, डेहरी ओन सोन, थाना डेहरी पो० ग्रो० डेहरी, जिला रोहतास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए दा सकोंगे।

स्पष्टींकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूचा

जमीन जिसका रकवा 1 कट्टा 6 घर है, जो मुहल्ला मैनपुर थाना पाटलीपुत्र जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से विसका संख्या 10215 दिनांक 25-11-1982 में विणित है एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदा-धिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रबोध कुमार दुबे सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पटना

दिनांक: 14-7-83

प्रकल्प **वार्ड. टी. एन. एस.------**श्रायकर संध**नियम, 1981 (1981 मा 43) की** घार.

289-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यातव, नद्यवह जावहर त्रापुरा (रिरोज्ञण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, विनांक 18 जुलाई 1983

निर्देश सं० III 788/अर्जन/83-84---अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे

ग्राय्वर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे अपने उसके पश्चात् 'उनत ग्रिशिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यन्ति, जिसका उचित बाजार सूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० तौजो सं० 227 खाता सं० 177, खसरा सं० 31 है तथा जो पहाड़ी थाना आलमगंज, शहर पटना में स्थित है (और इससे प्राबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना सिटी में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-11-1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किशी माय की यायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अस्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्मा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अस्त, उन्तत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् हु—- (1) श्री इन्द्र देव प्रसाद सिंह पिता श्री देव नन्दन सिंह तुलसा मंडी, थाना आलगगंज, गुलजार बाग रेक्खें क्रांसिंग के समीप शहर पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री रामानन्द महता पिता श्री सौदागर महता रशीदाचक, पी० पहाड़ी थाना आलमगंज, पटना । (अन्तरिर्ता)

को यह पूचना जारा करूठ पूर्वीका तम्पात क अर्जन क लिए कार्यवाह्मिया करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सबंस में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अवीध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहास्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ नाता ना ना महमाय में दिया गया है

## अन्स्ची

जमीन जिसका रकवा 9-1/2 डेंसीमल जोड़े मौजा पहाड़ी नगीवाचक, पो० पहाड़ी थाना आजमगंज में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 6346 दिनांक 18-11-82 में विणित है एवं जिसका निबंधन अवर निबंधक पदाधिकारी पटना सीटी द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

प्रबोध कुमार दुवे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

दिनांक: 18-7-1983

मोहरः

## प्ररूप बादो, टी. एन., एस., ----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 18 जुलाई 1983

निर्देश संख्या 787/अर्जन/83-84-अतः मुझे प्रबोध कुमार दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000 - रुपये से प्रधिक है

और जिसकी संव वार्ड नंव 9 सिकल नंव 27, सीट नंव 82; होव नंव 30 (पुराना) 44 (नया) है, तथा जो महल्ला चीह्रट्रा शहर पटना में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधीन दिनांक 20-11-1982

को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल के एसे प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिति व्यक्तियों अर्थात् क्ष्म

- (1) श्रीमित तारा देवी "जाज" श्री कृष्णा प्रसाद महल्ला नया टोला, थाना पिरबहोर, पटना । (अन्तरक)
- (2) श्रीमित शांति सिंह जौजे हरि कृष्ण सिंह ग्राम/ पो० एकसार थाना एकमा, जिला सारण (अन्तरिती)

को यह सूर्यना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन् में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास् सिहिसत में किए जा मकेंगे।

स्पध्वीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

## जगुस्या

जमीन जिसका रक्त्या 1379 वर्ग फीट साथ में दो मंजिला मकान जो महल्ला चोहट्टा, थाना पिरबहोर शहर पटना जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से बसिका संख्या 10114 दिनाक 20-11-82 में वर्णित है एवं जिसका निबंधन जिला श्रवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ।

प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ,पटना

दिनांक: 18-7-73

मोहर 🗄

प्ररूप मार्दः टो. एन्. एस्.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनक्क 18 जुलाई <u>198</u>3

निर्देश सं० ।।। / 794 / अर्जन / 83 – 84 – – अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव तीको संख्या 3518 थाना 348, वार्ड संव 2 तथा खाना संख्या 104 व खसरा संव 362/363 है तथा जो मोकिसपुर वेगुसराय में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्रा अजित्तरों के कार्यात्र वेगुपराय में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 24-11-1982

को पूर्वेकित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से काम को स्थमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत गिथा है और अन्तरण (अन्तर्वी) और दन्तिशी (अन्तरितियों), के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम को अधीन कर देने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना आहिए था, छिपाने में मुतिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्रीमित आनन्दरानी देवी जीजे श्री हरिनन्दन प्रसाद निवासी मोकिमपुर बेगुसराय, थाना व ज़िला बेगु-सराय

(ग्रन्तरक)

(1) श्री जयप्रकाश हिसारिया पिता स्व० श्री रामनाथ हिसारिया, निवासी मोक्षिमपुर बेगुसराय, थाना व जिला बेगुसराय ।

(अन्तरिर्तः)

ंको यह सूचना जारो करकी पूर्वोक्त सम्परित को वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्र) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों था, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **जन्**स्**ची**

जमीन जिसका रकवा एक कट्टा, पांच धुर साथ में खपडापोण मकान का बनावर तै. और जो बेगुसराय शहर में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से तिशका संख्या 13568 दिनांक 24-11-1982 में बिणित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निधक पदाधिकारी बेगुसराय द्वारा सम्परन हुआ है।

प्रवोध कुमार दुबे,, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अन रेंज ाः

दिनांक: 18**-7-**1988

मोहर 🕄

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . --- ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

## भारत स्रकार

क्यायांलय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 जुलाई 198

निदेश सं० 1II 785/अर्जन 83-84--अतः मुझे, प्रबोध कुमारे दुवे,

ब्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्धात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० थाना सं० 2 तौजो सं० 15261 खाता सं० 337 ख़सरा मं० 1454 है तथा जो मैनपुरा थाना पाटलीपुत्र पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपिति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सर्विधा के लिए;
- े अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक भों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ज्यिक्तयों, अर्थात् :---

(1) श्री नवमी सिंह बल्द श्री कुंज बिहारी सिंह सा० राजा पुर, थाना कृष्ण पुरी पो० पटना जिला जी० पी० ओ० पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमर्ताः सुणीला देवी जौजे श्री बलदेव लाल सा० डेहरी औन सोन-थाना डेहरी पो० डेहरी जिला रोहतास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पित्त में हितजद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास
  रिजिया में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनु**स्**ची

जमीन जिसका रकवा । क्ट्टा 7 धुर है जो मुहल्ला मैनपुरा, थाना पाटलीपुत्र, शहर पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण क्ष्म में वसिका संख्या 10213 दिनांक 25-11-1982 में विणत है एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदा-धिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

**वि**नांक : 14-7-1983

मोहर 🖫

प्रहप आई• टी• एन• एस०----

श्रायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269नव (1) के श्रिधीन मुचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, महायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 19 जुलाई 1983

निर्देश सं० III 797/अर्जन/83-94--अनः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1931 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त स्रिधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ख के प्रधीन मक्सम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,300/- इक ये अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि विसका संख्या 16252 दिनांक 24-11-82 में पूर्ण रूप से विणित है तथा जो मीजा-बैजला, नेकरा एवं तेतरी, थाना सामाराम, जिला रोह्तास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के वार्यालय रोहतास, मासाराम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन दिनांक 24-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्मिल का उनित बाजार मूल्य, धसके वृश्यमान प्रतिक्षत हो, ऐसे पृश्यमा। प्रतिकत का पंद्रह प्रतिशत अधिक है भीर सम्तरक (मन्तरकों) भीर सम्बर्गित (अन्तरितियों) के श्रीच ऐसे सम्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिकल, निम्निविज्ञित उद्देश्य से उभ्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हे प्रयोजनार्थ अस्परिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिंग था, छिपाने में सविशा के लिए;

अतः प्रव, उत्त अग्निताप की घारा 26%-ग के **अनुमर**ण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) सिचन्द्र कुमार सिन्हा वल्द डा० मानिक चन्द्र गुप्ता निवासी कम्पना सराय, पो० साक्षाराम, जिला रोहतास ।

(अन्तरक)

(2) श्रा (I) महेंद्र कुमार वस्त श्री राम अणिय सिंह (II) श्री क्षेत्र न रायण राय वस्त श्री राधा सिंह सभी निवासी चन्दनपुरा पोस्ट तोरनी, जिला रोह-तास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हुं।

छक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:~ -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ण्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की धवकि, को भी
  अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हिंत बद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधीहरताखरी के पत्र विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्माद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त चित्रियशः के मध्याय 20-क में परिकाधित है, बही अर्थ होगा जी उस मध्याय में विथा गया है

## अनुसूची

- (1) 1/8वां हिस्सा 3.55 एकड़ जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा बैजला, थाना सासाराम, जिला रोहतास में स्थित हैं।
- (2) 1/8वां हिस्सा 30 डिसमल जमीन का जिस पर एक चावल मिल मयमशीन के जो मौजा नेकरा, थाना सासाराम, जिसा रोहतास में स्थित है।
- (3) 1/8वां हिस्सा 1.16 एकड़ जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा तेतरी, थाना सासा-राम, जिला रोहतास में स्थित है।

और जो सभी पूर्ण रूपेण वसिका संख्या 16252 दिनांक 24-11-1982 में विणित है एवं जिला अवर निबंधक पद्माधि-कारी रोहताम, सासाराम के बारा पंजीकृत है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

दिनांक: 19-7-1983

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.----

आयकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** ६/३ ७८८-६ (1) ४ अधिन यक्षा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 19 जुलाई 1983

निर्देश सं० III-799/अर्जन/83-84-अतः मुझे,प्रबोध कुमार दुवे,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित दाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० एस० प्लाट संख्या 2424, हो० सं० 704, वार्ड सं० VII है, तथा जो मुख्य वर्दमान कम्पाउन्ड, सर्कुलर रोड के पीछे काली मन्दिर के निकट पो० लालपुर, जिला रांची में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय काँ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अर्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री प्रोफेपर जगरनाथ चक्रवर्ती बल्द स्व० नरेन्ड नाथ चक्रवर्ती निवासी-"नरेन्द्र कुटीर", पो० लाजपुर, जिला रांची।
  - (अन्तरक)
- (2) श्री सचिदानन्द्र सिन्हा जौजे श्री मदन मोहन सिन्हा निवासो किलवर्न कालोनी, थाना हिनु, जिला रांची ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंब- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

5 कट्टा 10 छटांक 15 तर्ग फीट जमीन मय चार-दिवारी व कुछ पेडों के साथ जो मुहल्ला मुख्य वर्दमान कम्पा-उन्ड, सर्कुलर रोड के पीछे काली मन्दिर के निकट जिला रांची में स्थित है तथा जो वसिका संख्या 9412 दिनांक 13-11-1982 में पूर्ण रूपेण वर्णित है और जिसका निबंधन जिला अंवर निबंधक पदाधिकारी रांची के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

दिनांक 19-7-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायलिय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 18 जुलाई 1983

निर्देश सं० III 795/अर्जन/83-84-अतः मुझे, श्री श्रमोध कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी संज्तांजो संख्या 3518. थाना 358 बार्ड संख्या 2, तथा खाता संख्या 104, खसरा संख्या 362, 363 है, तथा जो मोकिम पुर बेगुसराय में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेगुसराय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पंद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य नास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्रीमित आनन्द रानी दैवी, जौजे श्री हरिनन्दन प्रमाद निवासी मोकिस पुर बेगुभराय घानागु व जिला बेगुसराय ।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमृति सुमिता देवो, जीजे स०स्व० श्री राम नाथ हिसास्या निवासी मोकिस पुर बेगुसराय। (अन्तरक)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध म कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उद्युव स्थावर संपत्ति में हित्र पूथ विकास अध्य व्यक्ति द्वारा अधिहरूत।कारी के पात लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधाय 20-के में परिकाबत हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनसची

जमीन जिसका रकवा एक कट्टा पांच धुर साथ में खपड़ा पौश मकान है और जो बेगुसराय णहर में स्थित है जो पूर्ण रूप से विसका संख्या 13569 किनांक 24-11-1982 में विणित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी, बेगुसराय द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> प्रयोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्राप्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, पटना

दिनांक 18-7-1982

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 18 जुलाई 1983 निर्देश सं० ॥ – 701/अर्जन/83–84—अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु० से अझिक है

और जिसकी सं० तौजी सं० 552 थाना सं० 407 वार्ड सं० 21 हो॰ सं० 11155 (पुराना) 266, 267 (नया) है तथा जो कल्पाणी साहू रोड, मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचो में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पिता के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किमी अप को बाबा उवत अधि-नियम के अधीन कर दाई के कालगर के न्यांकल के कभी कारने गा उससे बचन का भ्रांचिक को किस् और/गा
- (च) एसी किसी आय या किसी एन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957, वा 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं दिल्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) महंथ रामानन्द दास चेला—राम चन्द्र दास ग्राम पतेपृर म० पो० थाना पतेपुर जिला वैशाली। (अन्तरक)
- (2) (1) श्री पन्ना लाल (2) श्री अवन्ती लाल (3) श्री लिलत कुनार आर्य सभी के पिता स्व० चत-भूज राम महल्ला न्यू एरिया सिकन्दरपुर शहर मुजफ्फरपुर ।

(अन्तरिती)

को पहु मृत्या जातः अरमे पूर्वाकः सम्मतित के जर्जन के ति। राजिल्ह्यां भारता ह्याः

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- अः दूचना ले राजपत्र पे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाउर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी जन्य अदि। धरा, अधाहस्तातरी के गस लिखित में कि जा नकीं

न्यख्टीकरणः—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिसका २कवा 5718 स्कवायर फीट साथ में मकान जो कल्याणी साहू रोड शहर मुजफ्फरपुर में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विभिक्ता संख्या 19157 दिनांक 4-11-82 में विणित है एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारों मुजफ्फरपुर द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दुबे, सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पटना

दिनांक 18-7-1983 मोहर: प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

**भागकार अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 18 जुलाई 1983

निर्देश सं० ।।।--793/अर्जन/83--84---अतः मुझे, प्रबोध कुमार दूबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उर्वित बाजार मूल्य 25,000/- क में अधिक है

और जिसकी सं० तौजी सं० 442 थाना सं० 407 वार्ड सं० 21 हो० सं० 11155 (पृत्तना) 266, 267 (नया) है तथा, जो कल्याणी साह रोड मृजफफरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मृजफफरपुर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन विनांक 10-11-1982

को पूर्वीकत सम्पोत्त के जिसत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मून्छे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बंश्य से उन्त अंतरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनं के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (४) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) महंथ रामा नन्द दास चेला महंथ राम चन्द्र दास ग्राम पटेपुर, पो० थाना पतेपुर जिला वैगाली

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री (1) पन्ना लाल, (2) श्री अवन्ती लाल, (3) श्री लेलित कृमार सभी के पिता स्व० चतुर्भेज राम महल्ला न्यू एरिया, सिकन्दर पुर शहर मुजफ्फरपुर (अन्तरिती)

का यह सूचना जार। करक पूबाक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

एकत प्रमाणि के अर्जन के सम्बन्ध मा कांद्र भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अबाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों के में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तार्राख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के एम लिखिन में अन्य किए जा सकेंगे।

(५७विक्षरण .—इसमा प्रयक्ता शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनित्तम के अध्याय 20-क मो परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में रिया गया ही।

## <sup>,</sup> अमृ<mark>स्ची</mark>

जमीन जिसका रकवा 2617 स्क्वायर फीट साथ में मकान जो कल्याणी साहू रोड शहर मुजफ्फरपुर में स्थित है सथा जो पूर्ण रूप से विभक्ता संख्या 19644 दिनांक 10-11-1982 में विणित है एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदा-धिकारी मुजफ्फरप्र द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

दिनांक: 18-7-1983

प्रस्प बाई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्ट्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 19 जुलाई, 1983

निदेश सं० 11I-798/अर्जन/83-84--अतः मुझे प्रबोध कुमार दूबे

गाँग कर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमे इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित गाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० एम० प्लाट नं० 2424-हो० सं० 704, बार्ड नं०-VII है तथा जो मख्य वर्दमान कम्पाउण्ड. सर्कुलर रोड के पीछे काली मन्दिर के तिकट पो० लालपुर-जिला-रांची में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में प्रिस्ट्रीकरण अधिनिशम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13 नवस्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल रो एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ग उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आगकर ऑफिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रशट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

असः असं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, वर्धीत्:—

(1) प्रो० जगरनाथ चक्रवर्ती वल्द-स्व० नरेन्द्र नाथ चक्रवर्ती निवासी 'नरेन्द्र कुटीर' पो०-लालपुर, जिला-रांची ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनयना सिन्हा जौजे श्री विद्या भूषण निवासी क्वार्टर नं ० 12, वरियातु हाऊसिंग कालोनी, पो०/जिला-रांची ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथाहरताक्षरी के पार निष्ट में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गय

## अनुसूची

5 कट्ठा 10 छटांक 15 वर्ग फीट अमीन मय चार— दीवारी व कुछ पेड़ों के माथ त्री मोहल्ला मुख्य वर्दमान कम्पाउड सर्कुं लग रोड के पीछे काली मन्दिर के निकट जिला-राची में स्थित हैं तथा जो विमका सं० 9411 दिनांक 13-11-82 में पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी गंची के द्वारा सम्पक्ष हुआ है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना। बिहार, पटना

तारीख 19-7-1983

प्रारूप आर्ध.टी.एन.एस.------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 19 जुलाई 1983

निवेश सं० III-784/अर्जन/83-84-अतः मुझे, प्रबोध कुमार दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परफात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक है

और जिसकी सं० थाना सं० 2 तोजी सं० 15261 खाता सं० 337 है तथा जो मैनप्रा थाना पाटलीपुन्न, पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25 नवस्बर 1982 को

पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अयः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं कें, अनुसरण में, मैं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,अर्थातु:—— (1) श्री नवमी सिंह वर्ल्ड श्री कुंज बिहारी सिंह मोहल्ला राजापुर थाना कृष्णपुरी पो०-पटना जी० पी० ओ० पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शालिनी देवी जौजे श्री राजेन्द्र, प्रसाव सा० डेहरी ओन सोन थाना-डेहरी पोस्ट-डेहरी जिला-रोहतास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्याख्यीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर्र पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में कैपरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अनुसृची

जमीन जिसका रकबा 1 कट्टा 7 धुर है जो मोहल्ला मैनपुरा, थाना पाटलीपुत गहर पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विसका संख्या 10214 दिनांक 25-11-82 में विणित हैएवं जिसका निवंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रबोध कुमार दूबे, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

> > क्षिहार पटना ।

तारीख: 19-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एसं.-----

**माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा** 269-ध (1) के अधीन सुचन।

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 18 जुलाई 1983

निवेश सं ारा-792/अर्जन/83-84--अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह प्रियास करने का कारण है कि स्थावर शंपित जिसका अचित राजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ताजी सं० 442 घाना सं० 407 वार्ड सं० 21 हो० सं० 11155 (पुराना) 266 267 (नया) है तथा जो कल्याण साह रोड मुजफ्फरप्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रिजन्स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिक्ति अयिक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री महंत रामानन्द दास चेला महंत रामचन्द्र दास ग्राम-फतेहपुर मठ पो०/थाना-फतेपुर जिला-वैशाली।

(अन्तरक)

(2) श्री पन्ना लाल 2 श्री अवन्ती लाल 3 लिलित कुमार आर्य, सभी के पिता स्व० चतर्भुज राम मुहल्ला न्यू एरिया सिकन्दापुर, शहर मुजफ्फरप्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा गण्याकरणे शिक्तियां पर मचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का जो उक्त अधिनिरम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसची

जमीन जिसका रकवा 4297 स्ववेयर फीट साथ में मकान जो कल्याणी रोड, महर,—मजफ्फरपुर में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 19310 दिनांक 6-11-82 में विणित है एवं जिसका निबंबन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी मजफ्फरपुर द्वारा संपन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पटना।

सारी**ख** : 18--7-1983

प्रकष् आई. टी. एन. एस. ~~~-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सद्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पटना

पटना दिनांक 19 जुलाई 1983

निदेश सं० ।।।-796/अर्जन/83-84--अत: मुझे प्रबोध कुमार दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अभिनियमं कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000.∕-रःः. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० जैसा कि वसिका सं० 16251 दिनांक 24-11-82 में पूर्ण रूप से वर्णित है तथा जो मौजा बैजला नेकराएवं तेतरी थाना सामाराभ जिला रोहनास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्दी कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतास सामाराम में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 नवम्बर, 1982

का प्वाक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के करवामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल शं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरियों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में मविधा के लिए; और /या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण . मैं, उदत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभिन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थातु:--

(1) श्री सुधीर कुमार वर्ल्य डा० मानिक चन्द गुप्ता, निवासी कम्पनी सराय, पोस्ट सामाराम, जिला रोहतास।

(अन्तरक)

- (2) 1 श्री मुन्द्रिका सिंह बल्द श्री राधा सिंह,
  - 2. श्री अशोक कुमार सिंह बल्द श्री राम नगीना सिंह, दोनों निवासी चन्दनपूर,

पोस्ट तोरनी,

जिला रोहतास।

(अन्तरिती)

को यह सुचाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जासकों गे।

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

- (1) 1/8 वां हिस्सा 3.55 एकड़ जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा बैजला, थाना सासाराम, जिला रोहतास में स्थित है।
- (2) 1/8वां हिस्सा 30 डिसेमल जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मणीन के जो मौजा नेकरां, थाना सासाराम, जिला रोहतास में स्थित है ।
- (3) 1/8वां हिस्सा 1.16 एकड़ जमीन का जिस पर एक चावल मिल मॅय मशीन के जो मौजा तेतरी, थाना सासाराम, जिला रोहतास में स्थित है।

और जो सभी पूर्ण रूप से विसिका सं० 16251 दिनांक 24-11-1982 में वर्णित है एवं जिला अवर निबंधक पदाधिकारी, रोहतास सास/राम के द्वारा \_ पंजीकृत है ।

> प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

नारीख : 19-7-1983

termina in including the continues services ( ) and terminal continues ( )

प्रक्रम आहाँ हो सन एस ------

**बायकार अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) **की** আমা 260 ৰ (৮) के अधीन सुचना

#### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं III-790/अर्जन/83-84-अतः मुझे, प्रबोध कुमार दूबे आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/-राः सं**अधिक ह**ै।

और जिसकी संव तौजी संव 442 थाना सं 507 वार्ड संव 21, होव संव 11155 (पुराना) 266, 267 (नया) है तथा जो कत्याणी साह रोड, मुजक्फरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजक्फरपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 नयम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तिंरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृक्षिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त नीर्धानयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री महत रामानन्द दास चेला—
महत रामचन्द्र दास,
ग्राम फतेपुर,
मठ पोस्ट थाना फतेपुर,
जिला वैशाली।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री पन्ना लाल,
2 श्री अवन्ती लाल,
3 श्री लिलत कुमार आर्य
सभी के पिता :
स्वर्गीय श्री चतुर्भज राम,
मोहल्ला न्यू एरिया सिकन्दरपुर,
शहर मुजफ्करपुर।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की सारीख दें 45 दिन की अविधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्तिय व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्बद्धि में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधातस्ताक्षरों के पास लिखिल में किए का मकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 क में प्रिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में विया गया ही।

## अनुसूची

जमीत जिसका रकता 2212 स्कितेपर फीट साथ में मकान जो कल्याणी साह रोड, णहर मुजफ्फरपुर में स्थित है सथा जो पूर्ण रूप से बसिका सं० 19713 दिनांक 11-11-82 में बींणत है एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदा-धिकारी, मुजफ्फरपुर द्वारा संपन्न हुआ है।

> प्रबोध कुमार **दूबे** सक्ष**म प्रा**धिक**ारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 18-7-1983

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 18 जुलाई 1983

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संरक्ति, जिएका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क० से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नं० 227 खाता नं० 177, खसरा नं० 31 है तथा जो पहाड़ी, थाना आलमगंज, शहर पटना में स्थित है (और इससे उपाबछ अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना सिटी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित ताजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के जिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का किन्तियों। के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का किन्तियों। के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का किन्तियों। के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का किन्तियों। के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल के किन्तियों। के बीव एसे हैं।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी कियी आप या किसी धन या धन्य धास्त्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए या, छिपाने में, सुविधा वे लिए;

बतः अथ उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री रणजीत प्रसाद सिंह पिता श्री देवनन्दन सिंह, तुलसी मण्डी, गुलजार बाग रेलवे कासिंग के समीप, थाना आलमगंज, पटना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिती बसंती देवी जीजे श्री रामानन्द महतो, रशीदाचक, पो० पहाड़ी, याना आलमगंज, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवित या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवित्त, जो भी श्रवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाण की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब से किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो उन्त प्रधिनियम के सध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही धर्म होगा, जो उन सध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 9 1/2 डिस्रोमल जो मौजा पहाड़ी रशीदाचक, पो० पहाड़ी, थाना आलमगंज में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विसंका संख्या 6347 दिनांक 18-11-82 में विणित है एवं जिसका निबंधन अवर निबंधक पदाधिकारी, पटना मिटी द्वारा संपन्न हुआ है ।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 18-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) की

धारा 260 ए (१) क अधान पृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं०. III-786/अर्जन/83-84-अतः मझे, प्रबोध कुमार दुवे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क के अधीन सभाव प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सिकल नं० 3 वार्ड सं० 1 (पुराना) 5 नया हो० सं० 38/बी, सीट नं० 23 नया हो० सं० 44 हैं तथा जो बैंक रोड, थाना गांधी मैदान, पटना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उदत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीमती बीवी सईदा खातुन जौजे श्री जलील महण्मद कादरी, बिजली चक, 5 निशास मंजिल, तातरपुर थाना कोतवाली, पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीवी हुस्न वानो जौजे हसन अहमद कादरी, बैंक रोड, थाना गांधी. मैदान, पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्ल सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता है।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रं 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थितियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितियाँ में से किसी स्थिति ह्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए आ सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिसका रक्षवा 51 धुर साथ में जो बैंक रोड, धाना गांधी मैदान गहर पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विस्का संख्या 9939 दिनांक 12-11-82 में विणित है एवं जिसका निबंधन जिला-अवर निबंधक पदाधिकारी, पटना के द्वारा संपक्ष हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

· तारीख: 18-7-1983

प्रकृष आई. टी. **एन. एस.**------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

रोहतक अर्जन रेंज, रोहतक, दिनांक 19 जुलाई 1983

निदेश सं० हिसार/283/82-83--अतः मुझे, आर०के० भयाना

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 16 कताल है तथा जो मायर जी० टी० रोड, हिंसार के निकट स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्चः में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध्य के निष्या

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें अर्थात्—:

(1) श्री ईण्वर सिंह पुत श्री रिसाल सिंह, गांव व डाकखाना मायर, तहमील व जिला हिसार।

(अन्तरक)

(2) श्री बीर कुमार पुत्र श्री विमल चन्द्र पुत श्री जगाधर मल जैन, निवासी म० नं० 38/5, मोहल्ला काजीयान, हिसार।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ज्ञकत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांत्ता में में कि किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) ध्रस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो सक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

सम्पत्ति भूमि 16 कनाल मायर, जी० टी० रोड, हिसार के निकट स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में रिजस्ट्री संख्या 3026 दिनांक 9-11-1982 पर दिया है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

सारीख : 19-7-1983

## प्ररूप थाइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1983

जवपुर, विमान १६ जुलाई 1883

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1977 —, अतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 7 है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में रजिस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 फरवरी, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अंतरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्ब अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अस: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—— (1) श्री लालचन्द, प्रीतमदास, खेमराज पुत्नान श्री वाधूमल एवं श्रीमती नरसीबाई पत्नी श्री वाधूमल सिंधी, उदयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सोभांग सिंह पुत्र श्री कन्हैया लाल मंडावत, निवासी अशोक, नगर, उवयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर नम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में - परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मां दिया गुष्टा हो ।

## अनुसूची

आवासीय मुकान प्लाट नं० 7, डोरे नगर, (आयुर्वेद सेवाश्रम के पास) उदयपुर जो उपपंजीयक, उदयपुर द्वारा ऋन सं० 248 दिनांक 7-2-1983 पर पंजीबद्ध विऋय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 16-7-1983

प्रकप बाईं टी० एग० एस०-----

प्रायक्षर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की क्षारा 269-व (1) के प्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1978——अतः मृझे मोहन सिंह

मा स्कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस में पश्चात् 'जनत ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- इसये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 7 है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में रिजस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्यान के उधिन वाजार मूल्य ने कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त मन्यान का उनित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में सास्त्रीयक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत मिन्न-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; मौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किय। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धु-- (1) श्री लालचन्द प्रीतमदास, खेमराज पुत्रान श्री वाध्मल एवं श्रीमती नरमीबाई, श्री वाध्मल सिंधी, निवासी उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्नेहलता पत्नी श्री सोभागसिंह निवासी अशोक नगर, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को पहुँ सूचता जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के श्रर्जन क लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

**डरन** सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई थी। शाक्षीप 1= -

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि. को की अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितव हि किसी श्रत्य व्यक्ति हारा श्रधीहरताल से के पास लिखित में किए जा सहिते .

स्पड्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवो का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## **मन्स्**ची

आवासीय प्लाट नं० 7, डोरे नगर, (आयुर्वेद सेवाश्रम) उदयपुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा ऋम संख्या 219 दिनांक 14-2-1983 पर पंजीयद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 16-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1983

निदेश स० राज०/सहा० आ० अर्जन/1979——अतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है. (और इसमें उपायद अनुसूची में और पूर्णच्य से वर्णात है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10 दिसम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विग्या गया था या किया आना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री रामचन्द्र एवं शिवराज जी, निवासी मुखजी धांची, धांची की गली, उदय मंदिर, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) नवभारत गृह निर्माण सहकारी समिति लि०, द्वारा बसन्तराथ मेहता एडवोकेट, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पिता के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुचीं

कृषि भूमि 34.5 बीघा स्थित कुड़ी भगतसानी, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर बारा क्रम सं० 3096 दिनांक 10-12-1982 पर पंजीबद्ध विकथ पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 16-7-1983

## प्रस्प धाई० ही० एन० एप० -----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के प्रधीत सूत्रता

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

------

जयपुर,दिनांक 16 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० अर्जन/1980—-अतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन उक्षम प्रधिकारों की, यह विश्वात करते का कारण है कि स्थावर सम्यति, नियका उत्तिर प्राप्तार मृत्य 25,000/- काए में प्रधिक है

और जिसकी सं० 69 है तथा जो ब्यावर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्यावर में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2011-1982 को पूर्वोंकर सम्पत्ति के उचित वाजार मुख्य वे कम के दूर्यमान रिक्क के तिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाप करने का कारण है कि ययापूर्वाकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के परदह प्रतिगतसे प्रधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (ग्रस्तरितियों) के बोच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पाया प्रतिकृत, निम्तरितियों उद्देश्य र उक्त प्रस्तरण विधित में वास्तिकृत, निम्तरितिया उद्देश र उक्त प्रस्तरण विधित में वास्तिकृत, निम्तरितिया रही किया प्रशाहित्य प्रस्तर स्व

- (भ) अन्तरण से दुई किसी आप की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उसन बचने में सुविधा के लिए:
- (ख) ऐसी किया आय या किमी धन या ग्रन्य पास्तियों को जिन्हें मारतीय प्राय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, पाधन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थास् :----  श्री बहादुरमल पुत्र श्री उमरावमल मेहता, रांका फर्श गली, स्थावर।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० के० पटेल फेमिली ट्रस्ट द्वारा श्री पीताम्बर दास एवं अमृतलाल पटेल, निवासी लक्ष्मीपुरा, पालनपुर, जिला वनासकांटा गुजरात ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैत के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस गुबना हे राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूबना की नामील से 30 दिन की अवधि, जी भी अवधि गाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस पूजनों क राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वञ्डोकरण:--इतर्भ प्रभूत गर्को स्रौर वर्षो का, जो उक्त स्रधि-नियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष दोगा, जो उन प्रध्याय में दिया गरू है।

## अनुसूची

. मकान नं० 69, प्यारेलाल की बगीची, सेन्दरा रोड, ब्यावर जो उप पंजीयक, ब्यावर द्वारा ऋम सं० 2061 दिनांक 20-11-1982 पर पंजीबद्ध विऋय पत्र में और जो विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 16-7-1983

प्रस्प आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1983

निवेश सं० राज० सहा अर्जन/1981—अतः मझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ं और जिसकी सं० ए-3-1 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर को के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री देवी सिंह पुत्र श्री सगत सिंह, ए~6/7, कृष्ण नगर, गांधीनगर, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भगवती परिहार पत्नी श्री जीवन परिहार, निवासी भाटिया चौराहा, रातानाड़ा, जोधपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये आ सकेंगे।

स्पन्धतीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसुची

प्लाट नं० ए-3/1 स्थित सगतिनवास कालोनी, रातानाड़ा, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा ऋम संख्या 3155 दिनांक 15-12-1982 पर पंजीबद्ध विऋय पत्न में और विस्तृत रूप में विवरणित हैं।

मोह्न सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 16-7-1983

### प्ररूप आहें.ही.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 अलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1982—अतः मुझे, मोहन सिंह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है अधीर जिसकी सं 132 बी है तथा जो उदयपर में स्थित है

और जिसकी सं० 132 बी है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19 जनवरी, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में मास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---19-216 GI/83 (1) श्री माधवजी विणराम चौहान, 133, अशोक नगर, उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सोभाग मल पुत्त श्री टेकचन्द नागर, 22, शास्त्री नगर, खेमपुरा, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुस्ची

प्लाट नं 132-बी, 2, अशोक नगर, उदयपुर जो उप पंजीयक, उदयपुर ऋम संख्या 83 दिनांक 19 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 16-7-1983

### त्र्रस्य वाहाँ. टी. एन्. एस<sub>.</sub>-----

आवकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनोक 16 जलाई 1983

निवेश सं० राज० सहा० आ० अर्जन/1983—अतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० 14-की है तथा जो जोधपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाक्षक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12 नवम्बर नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल निम्निसिवत उद्देष्य से उक्त अंतरण सिवत में वास्तिवक रूप से कांचित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, जर्थात् :--

(1) श्रीमती शांति देवी पत्नी श्री शिकानन्द गर्ग, जसवन्तराय हाल, रातानाड़ा, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गोपी बाई पत्नी श्री टीकमचन्व जी सिंधी, निवासी जोधपुर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वच्छ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याव में विया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 14-बी, रातानाड़ा, जोधपुर जो उप पं जोधपुर ऋम सं० 2725 दिनांक 12 नवम्बर, 1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न और में विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 16-7-1983

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 16 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1984——अतः मुझे, मोहन सिंह

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उन्त अधिनियम' इहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तन बाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सन्यित, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- दक्ये से धिक हैं और जिसकी संव प्लाट नंव 14-नी है तथा जो जोधपुर में स्थित हैं (और इससे उपाक्षद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12 नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यक्तने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचकत अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उसत अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन निम्नुलिशित व्यक्तियों अर्थात् :—  श्रीमती शांति देवी पत्नी श्री शिकानन्द गर्ग,
 138, जसवन्त सराय हाल,
 रातानाड़ा, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना बाई पत्नी श्री हंसराज जी सिंधी, 14-बी, रातानाड़ा, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्विक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां काउता हुं।

उर्द सम्पत्ति के पर्वंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इन प्रचान के राजनल में प्रकाशन का ताराख से 45 दिन की खबिल यां तस्संबंधी व्यक्तियों परं सूचना की तामील है 30 दिन की घविल, जो भी घविल बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्यं व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी
  के पास निविद्यत में किये जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण ।—इसर्वे प्रयुक्त गर्को घोर पदौ का, को उक्त प्रधिनियम के धव्याय 20-क घें परिभाषित है, वहो घर्ष होगा, जो उस प्रध्याय घें दिया गया है :

### मनुस्ची

मकान स्थित प्लाट नं० 14-बी, रातानाड़ा, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 2724 दिनांक 12-11-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पन्न में और विस्तृत रूप से विधरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 16-7-1983

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1983

निवेश सं० गाज० /सहा० आ० अर्जन/1985--अतः मुझे, मोहन सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और दूससे जपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसे किसी आय या किसी धन्या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास् प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जुर्थात् :-- (1) श्री रमेशकुमार भोजवानो पुत्र श्री ग्यामदास जी सिधी, 940, सरदापुरा, 10, डी० रोड, जोधपुर।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती कविता पत्नी श्री भगवानदास सिंधी, शास्त्री नगर, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त, सम्पृत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

दुकान स्थित जालोरी गेट के आहर, एम० जी० होस्पीटल के सामने, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कृम सं० 2865 दिनांक 30-11-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

तारीखा : 16-7-1983

प्रकप् अवर्षः, टी. एन्. एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 16 जलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1986--अत: मुझे मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह यिख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 नवस्वर, 1982

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे क्ष्मने में सविधा के सिए; अडि/बा
- (था) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य कास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

नतः ज्ञान, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के मुधीन, निम्नुलिक्त व्यक्तियों, नुर्धात् :— (1) श्रीमती पुष्पा पत्नी श्री रमेग कुमार सिधी, निवासी सरदार पुरा, 10, डी० रोड, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवान दास पुत्र श्री रोची राम सिंधी, शास्त्री नगर, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्तु सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🕸 🗝

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिंक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्याद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें व बाधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गुमा है।

### अमृस्ची

दुकान स्थित ग्राउण्ड फ्लोर, जालोरी गेद, के क्षाहर, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 2866 दिनांक 30-11-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, जयपुर

तारी**खा** : 16-7-1983

प्ररूप नार्ह, टी. एम. एस.------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के संधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जलाई 1983

मिवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1987—अतः मझे, मोहन सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण क्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 नवम्बर, 1982

को प्राप्ति संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफ स के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिकत से विश्वक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिनित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बावत्, उन्ह जिथानियम के जभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरी द्वाने में सृत्रिभा के जिए; जीर/या
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बस्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण कों, यों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म कों उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री उम्मेद सिंह पुत्र श्री नानू सिंह, निवासी ग्राम धानकिया वर्तमान निवासी सरदारपुरा, तहसील आमेर।

(अन्तरक)

(2) श्री भवंर सिंह, विजय सिंह, हरी सिंह भगवान सिंह पुतान मान सिंह, निवासी क्वींस रोड, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राज्यकु में प्रकातन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स स्पित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित् में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण: — इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, जो अक्ट शृथिनियम, के अध्याय 20 क में परिभावित इंक, बहुी अर्थ होना जो उस कथ्याय में क्या नया है।

### नन्त्वी

खसरा नं० 450/1 की 1 बिस्वा भूमि स्थित ग्राम धानिकया जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2972 दिनांक 24-11-1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 16-7-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-- ----

जासकर जीभूनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन चूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1983

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1988—अतः मुझे, मोहन सिंह,

धायकर प्रवितियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का बारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुक्ब 25,000/-व्याप से प्रविक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० सी-1 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपायक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनिमि, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की पर्द है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेषत तंपति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिन्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरणं के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेंग्य से बन्त अन्तरण लिखित में वास्त-किक क्य से कवित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किती मान ६ वाका उमत अधि-निवम के संबीध कर दें के द शरक के शावित्व में कमी करने या सससे वाकों में सोबंसा के बिए। चौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की थारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्रीमती सरला कलश्रेष्ठ पत्नी श्री भगवान स्वरूप, सी-1, जालुपुरा, रोड, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सद्दनुद्दीन पुत्र कमरुद्दीन, निवासी 186, जालुपुरा, जयपुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वृर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कम्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया बैं।

### अनुसूची

प्लाट नं० सी-1, स्थित जालुपुरा रोज, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम सं० 3017 दिनांक 24-11-82 पर पंजीबद्ध विकथ पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

सारीख : 16-7-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

मायुकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1983 ं

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1989 अतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12 नवस्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भों, अकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री महत्त राम प्रसाद चेला श्री मन्नादात, निवासी निवार्ष महत्त का रास्ता, रामगंज, बाजार, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुलाब देवी पत्नी श्री बालदास, निवासी महत्त निवाई का बाग, आनन्दपुरी, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की जबिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्बक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अन्स्ची

एक प्लाट महन्त निवाई का बाग, भोंमिया जी की छत्री के पास, आवर्श नगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम सं० 2908 दिनांक 12-11-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 16-7-1983

प्रकष भार्डं. टी. एन. एस.----

नायकर विधितियम्, 1961 (1961 का 43) की धार् 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1983

निदेण मं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1990—अतः मुझे, मोहन सिंह,

गायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो अजमेर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजमेर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित से बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :--

(1) श्रीमती गोमी पत्नी भेर रावत, ग्राम हाथीखेड़ा, ' जिला अजमेर।

(अन्तरक)

(2) श्री कन्हैया लाल एवं श्री नारायण दास पुत्रान श्री केशानमल बचानी द्वारा बचानी चप्पल फैक्टरी, नला बाजार, अजमेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्रष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सची

कृषि भूमि खाता नं० 676 खसरा नं० 1069 ग्राम खेड़ा, फोई सागर रोड, अजमेर जो उप पंजीयक अजमेर द्वारा कम सं० 3883 दिनांक 11-11-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित हैं।

> मोहन सिंह, गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 16-7-1983

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1995—-अतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो अजमेर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजमेर में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 नवस्वर, 1982

को प्वींक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शाधन-कर अधिनियम, शाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृतिथा के तिए।

अतः अब, उक्त आधानयम की धारा 269-ग के, अन्मरण मे, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री अमरा रावत पुत श्री हेमा रावत, ग्राम बोराज, तह० व जिला अजमेर।

(अन्तरक)

(2) श्री असगर पृष्ठ खुदाबक्ष , कुमारी नासिम पृत्नी शंख नशीर, श्री सलीम खुदाबक्ष, 12/13, शास्त्री नगर, लिकंग रोड, एक्सटेंशन शांताकुज, वेस्ट बम्बई~54 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मंपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में नाई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरिस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबक्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम बोराज उप पंजीयक अजमेर द्वारा क्रम सं० 3824 दिनांक 8-11-82 पर पंजीबद्ध विशय पत्र में विस्तृत रूप में विश्वरणित हैं।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

नारीख : 18 जुलाई, 198**3** 

प्रकृप भाष्टें. टी. एन. एंस. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

निवेश सं० राजा०/सहा० आ० अर्जन/1992—अतः मुक्के, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 478 है तथा जो अजमेर में स्थित है (और इसमे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजमेर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 दिसम्बर, 1982

को पूर्वों कत सम्मित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां

को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बालिकशन पुत्र श्री राम किशन वर्मी एवं दिनेश कुमार पुत्र श्री बाल किशन वर्मा, निवासी जवाहर नगर, अजमेर ।

(अन्तरक)

(2) श्री कपूर चन्द पुन्न श्री पारस मल एवं नजीन चन्द पुन्न श्री कपूर चन्द, 478/3, जबाहर नगर, अजमेर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यक्त किरण: --- इसमें प्रयूक्त काट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 478, वार्ड नं० 32, जवाहर नगर, अजमेर जो उप पंजीयक द्वारा कम सं० 4046 दिनांक 2 दिसम्बर, 1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पन्न में और विस्तृत रूप से विवरिणत है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 18-7-1983 मोहर :

### प्रकप बाइ . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1993—अतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

(और जिसकी सं० मकान नं० 478 है तथा जो अजमेर में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजमेर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 नवस्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयुकी बाजत, उक्स अधिनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिये था, कियाने में सुविधा के तिए;

ं बतः सब, उत्तर अधिनियमं की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलीयत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बाल किणन पुत्र श्री राम किणन वर्मा एवं श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री बाल किणन वर्मा, निवासी जवाहर नगर, अजमेर।

(अन्तरक)

(2) श्री लेखी चन्द पुक्ष श्री कपूर चन्द, धर्म चन्द, निवासी प्लाष्ट नं० 478/3, जवाहर नगर, अजमेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पृदों का, को उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अन्**स्ची

मकान नं० 478, जबाहर नगर, अजमेर वार्ड नं० 32, जो उप पंजीयक अजमेर द्वारा ऋम सं० 4047 दिनांक 26-11-1982 पर पंजीबद्ध विकय पन्न में और विस्तृत रूप से विविदणत है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

सारीख : 18-7-1983

### प्रकृष बार्ड , टॉ , एव , एवं ,-----

### आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म् (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1994—अतः मझे, मोहन सिंह

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार सूल्य 25,000 हो. से अधिक है

और जिसकी सं मकान नं 588 है तथा जो अजमेर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में ओर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजमेर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निलिश्ति उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्त-विक कप से क्थित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरन के हुई जिल्ली नाम की नावस, स्वयं अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे कवने में सुविधा के लिए; जॉर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के नियं?

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिबत स्यक्तियों, स्वीत् क्र- (1) श्री किशन चन्द पुत्र श्री ज्ञान चन्द, निधासी फोय सागर रोड, अजमेर।

(अम्तरक)

(2) श्रीमती राम भंवरी बाई पत्नी श्री मूलचन्द अग्रवाल, हाथीभाटा, अजमेर।

(अन्तरिती)

को यह त्यान वाडी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाद्वियां करता हुं।

### उक्त कम्पृत्ति के वर्षय के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेपः⊶

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इब सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --इसमें प्रयूक्त शब्दों भार पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया चया है।

### अनुसूची

मकान नं० 44/588 का पश्चिमी भाग, फोय सागर रोड, अजमेर जो उप पंजीयक, अजमेर द्वारा कम संख्या 3661 दिनांक 4 नवम्बर, 1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तुत रूप से विवरणित है।

मोहन सिह्न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 18-7-1983

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

यायकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के सबीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्राय्कत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1995—अतः मुझे, मोहन सिंह

बायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उकत अधितियम' कहा गया है), की घारा 269-द के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका विश्वत बाजार मुख्य 25.000/-वन से अधिक है

और जिसकी सं मकान नं 44/588 है तथा जो अजमर में स्थित हैं -(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार। के कार्यालय, अजमें रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुर्य किसी जाय की वायतः, उक्त् अधिनियम् के अधीन कर देने के अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) कि प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बद, उक्त वीभीनवम की भारा 269-ग के अनुसरण वो, वो, उक्त जिभीनवम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बचीन क्लिन्निविक्त क्लिक्तकों, क्लीत् ह--- (1) श्रीभती मक्की बाई पत्नी श्री पिरचूमल, फोय सागर रोड, अजमेर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनोरमा पत्नी श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल, हाथीभाटा, अजमेर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाझ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हुँ।

### अनुसूची

मकान नं० 44/588 स्थित फोय सागर रोड, अजमेर जो उप पंजीयक, अजमेर द्वारा क्रम सं० 3660 दिनांक 22-11-1982 पर पंजीबद्ध विकथ पत्न में विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7-1983

भोहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ~ ~ - - --

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1996-श्रतः मुझे, मोहन सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो भरतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरतपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 श्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कर के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतियक रूप से किथन नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्लियाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीन :--

(1) श्री हरिदन शर्मा एडवोकेट पुल श्री दुर्गा प्रशाद शर्मा खेडापित मोतल्ला, भरतपुर ।

(अन्तरक)

(2)1. श्री दिनेश चन्द्र आर्य पृत्न श्री गया प्रसाद वैश्य, निवासी ओल्ड बाजार, बस स्टैंड, भरतपुर।

- श्री महेणचन्द्र आर्य पुत्र श्री गया प्रसाद वैश्य, निवासी भोल्ड बाजार, बस स्टैंड, भरतपुर ।
- श्रीमती आशा आर्य पत्नी श्री गया प्रसाद वैश्य, निवासी श्रोल्ड त्राजार, बस स्टैंड, भरतपुर।
- 4. श्रीमती सरोज लता पत्नी श्री जगदीग प्रसाद अहीर, नीमडा गेट, भरतपूर।
- श्रीमती प्रेमवती पत्नी श्री श्याम लाल स्वर्णकार निवासी सञ्जी मंडी, भरतपुर ।
- 6. श्री ताराचन्द मित्तल पुत्र श्री सूरजभान मित्तल निवासी कोतवाली एरिया, भरतपुर।
- 7. श्री छेदालाल पुत श्री बाबूमिह जोधा ठाकुर निवासी ग्राम भ्योराना, तह० व जिला भरतपुर ।
- श्री चक्रधर सिंह पुत्र श्री बाबू सिंह जोधा ठाकुर, निवासी ग्राम श्योराना, तह व जिल्ला भरतपुर।
- 9. श्रीमती आसा शर्मा पत्नी श्री हरिदत्त शर्मा एडवोकेट, खेडापति मोहल्ला, भरतपूर ।

का यह सूचना जारीं करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयानत शब्दों और पदों का, जो उनका अधिनियम के बध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

### अनुसूची

0.17 विश्वा ऋषि भूमि खसरा नं० 184, चक नं० 1, भरतपुर जो उप पंजीयक, भरतपुर द्वारा कम सं० 44 दिनांक 10 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिह, सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

नारीख: 18-7-1983

प्रकप भार्ष . दी . एत . एस . ----------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुखना

#### भारत तरकार

कार्याक्षयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं राज / सहा शां अर्जन / 1997 - मतः मुझे, मोहन सिंह, शायकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिंक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। , की धारा 269- स के अधीन संश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो भरतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरतपुर में रिणस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ।तिफल के लिए अंतरित कि गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथ पाया गया मितफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

-अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मितिसित व्यक्तितयों, अर्थात् :---

- (1) श्री हरीदस शर्मा एडवोकेट पुत श्री दुर्गी प्रसाद शर्मा खेड्रापति, मोहल्ला भरतपुर। (अन्तरक)
- (2) 1. श्री रसिक मोहन शर्मा पुत्र शंकर लाल शाह्मण, निवासी मंडी श्रटलबन्द, भरतपुर।
  - श्रीमती संपत्ति देवी पत्नी श्री गया प्रसाद बजाज, वैश्य, निवासी रुपला प्यासा, भरतपुर।
  - 3. श्रीमती सत्यवती पत्नी श्री प्रकाश चन्य आर्थ, निवासी रुपला प्यासा, भरतपुर।
  - श्री जगराम शर्मा पुत्र श्री हरचन्दी शर्मा, निवासी अशोक भवन आर्य समाज रोड, भरतपुर।

- 5 श्री तेजसिंह पुत्र श्री बिपतिराम जाट, निवासी मोहल्ला रुपला प्यासा, पीली कोठी, भरतपुर ।
- 6. श्री सुनिल कुंमार पुत्र श्री घनश्याम लाल बाह्मण, निवासी खिरणघाट, भरतपुर।
- 7. श्री राधा रभन कौशिक पुत्र परमानन्व बाह्मण, निवासी नगर कस्वा, जिला भरतपुर।
- श्री हैत राम यादव पुत्र श्री जोरावर सिंह, निवासी तहसील कुमट जिला भरतपुर।
- श्री नाथी सिंह पुत्र श्री गनेशी सिंह , निवासी करावला प्लोर मिल्म के पास, निडिया मोहल्ला, भरतपुर ।
- 10. श्री दीन दयाल पुत्र श्री रोणन लाल वैश्य, जामा मस्जिद के पास, भरतपुर।
- श्रीमती दयावती पत्नी श्री शंकर लाल शर्मा, निवासी श्रदलबन्द, भरतपुर।
- 12. श्री सोभा राम पुत्र श्री गुलकन्दी (प्रजापंति), तिवासी ग्रगपुर, तह० भरतपुर।
- 13. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री दुर्गी प्रसाद स्वर्णकार, जनरल हास्पीटल, भरतपुर।
- 14. श्री राम स्वरूप सिंह पुत श्री श्याम लाल जोघा, निवासी सर्रामा गली, भरत पुरा
- 15. श्री प्रकाश चन्द आर्य पुत्र श्री गया प्रसाद वैश्य निवासी मोहरूला रूपला प्यासा, भरतपुर।
- 16. श्री नरबीर सिंह पुत्र श्री समुद्य सिंह जाट, निवासी गुन्डाका, तह० भरतपुर।
- 17. श्री जयराम सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह जौहान, निवासी निन्दा गेट, भरतपुर ।
- 18. श्री सुख राम पुत्र श्री गुलकन्दी प्रजापति, निवासी ग्राम अधापुर, तह व जिला भरतपुर
- 19. श्री रतन सिंह पुत्र मंगल राम प्रजापित, ग्राम अधापुर, तह० व जिला भरतपुर
- 20. श्री शंकर लाल शर्मा पुत्र श्री पंडित मान सिंह शर्मा, निवासी श्रटलबन्द, भरतपुर।
- 21. श्री रोशन लाल पुत्र श्री जबाली राम लोघा, निवासी नीमड़ा गेट, भरतपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृवित्ति स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

2 बीघा 16 बिस्वा भूमि खसरानं 184, चक नं 1, भरतपुर जो उप पंजीयक, भरतपुर द्वारा ऋम सं 45 दिनांक 10-1-1983 पर पंजीबद्ध विऋय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आय आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7-1983

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं ्राज / सहा आ० अर्जन/1998--अतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिन्न उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो सवाई माधोपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सवाई माधोपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 नवम्बर, 1982

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अतरण निम्नल में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उनसे स्वाने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसं किसी जाय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हुं भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें न्िरधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कल्याण पृत्त स्व० श्री काना जाट एवं श्री मोरपान पृत्र श्री काना जाट, निवासी टिगला, सवाई माधोपुर । भरतपुर

(अन्तरक)

- श्री मोहन लाल गुप्ता पुत्र श्री मथुरा लालजी, भगवतगढ ।
- श्रीमती मनभर देवी पत्नी श्री गोपाल लाल गुष्ता, सवाई माधोपुर।
- श्री जगमोहन शर्मा पुत्र श्री राम निवास शर्मा,
   निवासी भगवतगढ़।
- श्री रामेश्वर प्रसाद गुप्ता पुत्र श्री कल्याणवक्ष,
   ग्राम खिरनी ।
- श्री सीताराम जैन पुत्र श्री सुखदेव, ग्राम भगवतगढ ।
- 6. श्रीमती मनअर देवी पत्नी श्री राम दयाल जैन, ग्राम भगवतगढ़।
- श्रीमती मेवा देवी पत्नी श्री राम दयाल जैन,
   श्रीम भगवतगढ ।
- श्री लल्लूलाल स्वर्णकार पृत्र श्री रामगोपाल,
   ग्राम भगवतगढ़।
- 9. श्री रामरिछपाल पुत्र श्री रामगोपाल ग्राम भरतगढ़
- 10. श्रीमती उपा गुप्ता पत्नी श्री बाबू लाल गुप्ता, ग्राम अडालवाड़ा, तह० सवाईमाधोपुर।
- 11. श्री रघुनन्दन गुन्ता पुत्र श्री मोती लाल जी, खुटेढा, सवाईमाधोपुर!
- 12 श्रीमती राधाबाई पत्नी श्री रामेण्वर प्रसाद, खूटेटा, सवाईमाधोपूर।
- 13. श्री ओम प्रकाण गुप्ता पुत्र श्री सोहन लाल नाटानी, सवाईमाधोपुर।
- 14. श्री रामबिलास पुत्र कल्याणवक्ष. ग्राम परवाला, तह० बौली।
- 15. श्री विजय नारायण गुप्ता पुत्र श्री राम निवास, ग्राम खूंटेटा, अडालवाड़ा।
- 16. श्री राधेश्याम पुत्र श्री रामपाल अग्रवाल, ग्राम मलारणाइंगर, तह० बीली।
- 17. श्री दणस्य गर्मा पुत्र श्री प्रभुदयाल गर्मा, वीली।
- 18. श्री राधे एयाम पुत्र श्री बदी लाल महाजन, ग्राम हिंगला, तहर सवाईमाधोपुर । (अनिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

जक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्ष्य, यदि हा तो :---

(क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

21-216 GI/83

(स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मक्कीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुस्ची

कृषि भूमि 1 बीघा 7 बिस्वा स्थित ग्राम ठिंगला क्लेक्ट्रेट के पीछे, सवाईमाधोपुर जो उप पंजियक, सवाईमाधोपुर द्वारा क्रम सं० 1019 दिनांक 5 नवम्बर, 1982 पर पंजीबद्ध विकाय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 18-7-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1999—श्रतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो सवाईमाधोपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सवाईमाधोपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 9 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य स कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तर्ग के लिए तय पाषा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्री छोटेलाल शर्मा पुत्र श्री नेकराम शर्मा, मकान नं० 3233, आदर्श नगर, बी सवाईमाधोपुर।

(अन्तरक)

(2) हमीर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, द्वाराश्री भोपाल सिंह अध्यक्ष पुत्र श्री उदय नारायण सिंह, जटवाड़ा खुर्दै, सवाईमाधोपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यविक्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी जन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 11 वीधा 9 बिस्वा स्थित आदर्श नगर 'बी', सवाईमाधोपुर के पास, जो उप पंजियक, सवाईमाधोपुर द्वारा क्रम सं० 1030 दिनांक 9-11-1982 पर पंजीवङ विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह, राक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7-1983

### प्रकृष् नार्द. टी. एन्, एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, विनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2000--अतः मुझे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्यावर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 नवम्बर, 1982

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्यदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करतंया उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती प्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री शंकर लाल, गजानन्य, रामचन्य पुत्र श्री बालूजी, श्रीमती नाथी पत्नी बालूजी माली चौहान, निवासी छावनी, ब्यावर।

(अन्तरक)

(2) अराजपत्नित राज्य कर्मचारी भवन निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, ब्यावर ।

(अन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी वाकोप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्षिकतायों में से किसी व्यक्ति बुबारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबृध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकोगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, भी जक्त अभिनियम, के अध्याय 20 -क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### अपृस्ची

कृषि भूमि 3 बीधा 13 विस्ता स्थित बूल प्रेस बाउन्ड्री-वाल के पास, ब्यावर जो उप पंजीयक, ब्यावर द्वारा कम सं० 1086 दिनांक 20-11-1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ंघ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . अर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 18 जलाई 1983

निदेश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/2001--अतः मुझे, मोहन सिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्यावर में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 20 नवभ्बर, 1982

को पर्निक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक ) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उद्धर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने को अन्तरक की वासित्व मी कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा को लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री शंकर लाल, गजानन्द, रामचन्द्र पुत्र बालूंजी, श्रीमती नाथी परनी श्री बाल्जी माली जीहान; ब्यावर ।

(अन्तरक)

(2) अराजपितित राज्य कर्मचारी भवन मिमणि सहकारी समिति ज्यावर, लिमिटेड, जिला अजमेर द्वारा श्री नोताराम भाटी प्वं किशन सिंह।

(अन्तरितः)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिशासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा THE PER

कृषि भिम 3 वैं। घा 12 बिस्वा स्थित वूल प्रेस बाउन्ड्रीबाल के पास, ब्यावर जो उप**्पंजीयक, ब्यावर द्वारा क्रम** सं० 2085 विनांक 20-11-1982 पर पंजीबद्ध विकास पन्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 18-7-1983

प्रकप बाह्र .टी . एन . एस . -----

नायकर मिश्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-म (1) के बधीन सुचना

#### धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 1,8 जुलाई 1983

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2002--अतः मुझे; मोहन सिंह.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रामगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 1 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थे, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री महेश कुमार पुत्र श्री मोहन लाल, निवासी ग्राम गोलेटा, जिला अलवर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स आर० आर० मुल्तानी मल मोदी चेरीटेबल ट्रस्ट, अलवर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पाद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अनुसूची

कृषि भूमि 2 बीघा 4 बिस्वा स्थित ग्राम गोलेटा जो उप पंजीयक, रामगढ़ (अलवर) द्वारा ऋम संख्या 6 दिनांक 1 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त . (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

सारीख: 18 -7-1983

मोष्टर:

प्रकल आहें.टी. एन . एस . -----

### भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की बार 269न्य(1) के ब्रधीन सूचना

#### नारत सरकार

कार्बालयः, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, विनाक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2003---अतः मुझे, मोहन सिंह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण ही कि संधायर स्थानि, अभिना डोनित आजर मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 120-बी० है तथा को जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष ये उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ं—

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दारीयत्थ में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्भात् :--- (1) श्री छगनराज पुत्र श्री भीकमचन्द जी ओसवाल, पाटवा, जोधपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम रतन पुत्र श्री भिवनारायण पुत्रान श्री भूमरलाल जी, निवासी नागौरी गेट के अन्दर, जोधपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों ग्रें से किसी स्थित द्वारा;
- (ख) इस स्वनं के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितअद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 120-बी, सेकिन्ड पोलो शिप हाऊस के पास, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 758 दिनांक 28 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 18-7-1983

प्ररूप र आईं.टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2004--अतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 120-सी है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे श्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निस्ति में ग्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृथिधा के लिए;

असः अष, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिसित व्यक्तियों, वर्भात् :---

(1) श्री बनवारी लाल पुत्र श्री मिश्रीलाल, धर्म नारायण जी का हाथा, पाटवा बी० रोड, जोधपुर।

(अन्तरक)

(1) श्री राम रतन पुत्र श्री भूमरलाल जी सोनी, नागौरी गेट के अन्दर, जोधपुर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशभ की सारीख से 45 दिन की अविधि या तस्त्रंभी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ष।

स्पष्टिकिरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों आदि पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुस्ची

प्लाट नं० 120-सी, शिप हाऊस के पास, जोधपुर जो उन पंजीयक, जोधपुर द्वाराक्रम संख्या 2633 दिनांक 2 नवस्वर 1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7-1983

प्ररूप कार्क . दी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2005-**च्रेय**तः मुझे, मोहन सिंह

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का. 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- कुएए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो सुमेरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री—कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुमेरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि—नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख दिसम्बर, 1982

को प्रोंबत सम्पति के उिषत बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क का निम्निलिक्त उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिबित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाम की बाबत उक्त जिथिनियम के अभीन कर देने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्तिथा के लिए:

बदः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री विनोद कुमार पुत्र श्री मानक राज सिधवी कर्ता आफ विनोद कुमार मानक राज सिधवी एच० यू० एफ०, सिधी बाग, चौक रोड, मुमेरपुर । (अन्सरक)

(2) 1 श्रीभती मधु पत्नी श्री इन्द्र कुमार।
2. श्रीमती इन्द्रा कुमारी पत्नी श्री ग्रारविन्द कुमार।

- श्रीमती भान कुमारी पत्नी श्री विमल कुमार।
- 4. श्रीमती ललित कुमार पत्नी श्री प्रकाश चन्द्र ।
- श्रीमती वैजन्ती पत्नी श्री रमण लाल ।
- 6. श्रीमती शारदा पत्नी श्री किशोर कुमार । सभी द्वारा मैसर्स सकारिया जूट कारपो— रेशन, 192 गोविन्दप्पा, नाईकेन स्ट्रीट, मद्रास—600001 ।
- 7. श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री छगन लाल।
- श्री संपत राज पुत्र श्री छगनलाल, निवासी मेन मार्किट, सुमेरपुर जिला पाली।
- 9. श्री हेमन्त कुमार पुत्र श्री दीपकचन्द।
- 10 श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री नरसिंह।
- 11 श्री चन्दनमल पुत्र श्री भीका जैन।
- 12. श्री राज कुमार पूत श्री शांतिचन्द ।
- 13 श्री ताराचन्व पुत्र श्री भीका जैत।
- 14 श्री अशोक कुमार पुत्र श्री पूनमचन्द।
  - (ब) श्री उम्मेदमल पुत्र श्री पूनमचन्द ।
- 15 (अ) श्री संपतराज पुत्र श्री पूनमचन्द ।
  - (ब) श्री पुखाराज पुत्र श्री देवीचन्द ।
- 16 (अ) श्री रेखचन्य पुत्र श्री सुगनमल बोथरा, मालिक, आयकर कार्यालय, भवन, सुमेरपुर ।
  - (ब) श्रीमती यशोदा पत्नी श्री प्रकाश चन्द ।
- 17 श्री छगन लाल पुत्र श्री पुखराज ।
- 18. श्रीमती भाग्यवन्ती पत्नी श्री प्रकाश चन्द ।
- 19. श्रीमती विमला पन्नी श्री पुखराज ।
- 20. श्रीमती भाष्यवंती पत्नी श्री धर्मचन्द सभी जैन, निवासी सुमेरपुर, तह० बाली, जिला पाली (राजस्थान)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

### उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्दां और पक्षां का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

मकान संपत्ति खसरा नं० 414, प्रताप सागर, (सिधवी गार्डन के पास) चौक रोड, सुमेरपुर, पाली जो उप पंजीयक, सुमेरपुर द्वारा दिसम्बर, 1982 में पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7-1983

मोहर:

प्रकाश कार्यः टी. एम. एवं.----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहाबक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

ं निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2006--यतः **मुम्ने**, मोहन सिंह.

श्रायकर श्रिधिनियम 1861 (1861 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाबार मृत्य 25,000/- छ. से अधिक है

और ग्रसकी सं० मकान संपत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वाभ करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:—

(क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत उक्त पर्धित्यक के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायिरब में कामी कारने या उससे बचने में सृद्धिश के लिए; बारि-भा

22-216GJ/83

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हूं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रजल नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तितयों. अर्थास् :---

(1) डा० कानमल भंवाली पुत्रडा० गुमानमल भैंस । ली:निवासी उषयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सत्य नारायण पुत्र क्षी राम प्रसाद, साइकल मार्किट, जोधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति को गर्जन को सम्बन्ध में काहे भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की खामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धांकरण: — इसमें प्रयुक्त कान्यों और पयों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित अही धर्ष होगा जो उस प्रध्याय में दिया नवा है।

### सम्बद्धी

मकान स्थित भैसाली बिल्डिंग, जालोरी गेट, जोधपुर जो उपपंजीयक, जोधपुर द्वारा कम सं० 2763 विनांक 18-11-82 परपंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7-1983

मोहर

प्रकृप आहूँ.टी.एन.एस.------

ाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2007--प्रतः मुझे, मोहन सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान संपत्ति है तथा जो जोघपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के क्षार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्री-फरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तारितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल कि निश्चां निश्चां के उचित अन्तरण जिल्हा से उचित्र के सम्मान प्रतिकात कर्वा के सिंग से अपनित्र के सम्मान कर्वा करा से क्षिया नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई फिसी जाय की नागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उत्तमें जनने में सुजिता के लिए और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ए। उनन अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में मृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जन्नरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डा० कानमल भंपाली पुत्न डा० गुमानमल भंसाली, निवासी उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजू वेबी पत्नी श्री रमण लाल पन्ना निवास, जोधपुर।

(अन्तरिनी)

को यह स्वना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृव्यक्तियों में से किसी स्कित दवारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पोत्त में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टिकरणः --इसमें प्रयोक्त शब्दों और पर्वों कर, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याग में विया गया है।

### अनुसूची

मकान स्थित भंसाली बिल्डिंग, जालोरी गेट, जोधपुर जो उपपंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 2864 दिनांक 18-11~ 1982 पर पंजीबद्ध विकथ पर में स्थित क्रियाल स्थापित है।

> मोहन सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7-1983

प्ररूप आई.टो.एन.एसं. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1,983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2008——अतः **मुझे**, 'मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं:

और जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाली में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीखं 21 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के स्थमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविशा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्सियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूतिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः— (1) श्री चलपत सिंह पुत श्री सुखदेव सिंह राजपूत, निवासी पाली।

(अन्तरक)

(2) कल्पवृक्ष गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 10 बीघा स्थित बांगड अस्पताल के सामने, पाली जो उप पंजियक, पाली द्वारा क्रम सं० 2307 दिनांक 31-12-1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 18-7-1983

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस. -----

अ।यकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन स्वता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2009---यतः, सुझे, मोहन सिंह,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. में अधिक ही

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण बिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यो धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण

में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री खांव सिंह पुत्र श्री सुखदेव सिंह, निवासी पाली।

(अन्तरक)

(2) कल्पवृक्ष गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी को 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपंक्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पट्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि 10 बीधा स्थित बांगड अस्पताल के सामने, पाली जो उपपंजियक, पाली द्वारा कम संख्या 2306 दिनांक 31-12-82 पर पंजीबद्ध विकथ पत्न में विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7-1983

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचमा

#### भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2010—अतः मुझे, मोहम सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीक्कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित, में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थान् —— (1) श्री मह्नत राम प्रसाद चेला, मञ्जादास जी, निवासी निवाई के महन्त का रास्ता, रामगंज बाजार, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती छीटी देवी परनी श्री बाबू लाल, निवासी निवाई के महत्त्व का बाग, आनम्य पुरी, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप : --

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से · 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

#### अनुसूची

प्लाट स्थित महन्त निवाई का बाग, भंगियों की छत्नी, आदर्शनगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम सं० 2888 दिनांक 12-11-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7-1983

मोहर 🖫

प्ररूप वाइं.टो.एन.एस. \*\*\*\*\*

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### सारल जुडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर,दिनांक 18 ज़लाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2011—अतः मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रा. से अधिक है

. और जिसकी सं० भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है (ऑर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2.1 नवम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ ल के लिए अंतरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपिति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफ ल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकारें) और अंतरिती अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिफल निम्निलित उद्विष्य से उक्त अन्तरण मिसित में बास्तिक अप से किथत नहीं किया गया है:--,

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उथत अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरण के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय. या किसी धन या अन्य अमिस्तयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट महीं किया नया था मा किया जाना चाहिए था, ख्याने में सजिआ के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री श्रवण सिंह पुत्र श्री जम्मेद सिंह हारा संरक्षक एवं पिता : श्री नानू सिंह, ग्राम धानण्या अव ग्राम सरदारपुरा,

(अन्तरक)

(2) श्री भंबर सिंह, विजय सिंह,

हरी सिंह एवं भवानी सिंह पुतान
श्री मान सिंह,
क्वींस रोड,
जयपुर।

(अन्तरिसी)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### सक्त सम्पृतित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाना
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्विष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

7 बीघा 15 बिण्वा भूमि खसरा नं० 448, ग्राम धान्या तह० जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम सं० 3039 दिनांक 24-11-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7-1983

मोहरः

प्रकृष भाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

निवेण सं० राज०/सहा० आ० अर्जन 2012—अतः, मुक्षे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी ग़ॅं० प्लाट नं० 305 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निसिश्त उद्वदेष से उक्त अंतरण निश्वित में बास्तियंक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने से बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं कि दा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती मुमन कुमारी परनी
श्री इन्द्रजीत सिंह एवं
मुदेश कुमारी परनी
श्री इकवान सिंह,
निवासी क्वार्टर नं० 305,
राजा पार्क, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) कुप्तारी पारी कुमारी पृजी श्री भगवान वास, प्लाट नं० 305, सिधी कालोनी, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवार;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त श्व्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गरा है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 305 का उत्तरी भाग, सिधी कालोनी, आदर्श नगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम सं० 3037 दिनांक 24-11-82 पर पंजीबद्ध विक्षय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2013—अक्ष: मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 305 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरमान प्रतिफल से, एसे रूरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पागा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखितः में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) श्रीमती रजनी कपूर पत्नी श्री रमेश कुमार एवं श्री सतीश कपूर पुत्न श्री महाराज मल कपूर, क्वार्टर नं० 305, राजा पार्क, सिंधी कालोगी, जमपुर।

अन्तरक)

(2) श्रीमती यनमणी पत्नी श्री रमण दास, नवार्टर नं० 237, राजा पार्क, सिधी कालोनी, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट गं० 305, सिधी कालोनी, राजा पार्क जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम सं० 3036 दिनांक 24-11-82 पर पंजीबद्ध विकय पंत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिद्ध, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2014—अतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन्कें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 152 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्री—करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गर्ध है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वदेयों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 23-216 GI/83

पाया गया प्रतिकल, ानम्नालासत उद्दर्य त उपत करारा लिसित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 दा 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरः। में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारः (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— (1) श्री रहमत खां पुत्र अब्दुल रहमान, श्रीमती फातमा पत्नी श्री लियाकत अली, मोहम्मद इस्माइल पुत्र हैदर खां, श्रीमती जुबीदा पत्नी हैदर खां, श्रीमती मलिका पुत्री हैदर खां, निवासी टोंक।

(अन्तरक)

(2) श्री बेणी प्रसाद पृतः श्री राम प्रसाद शर्मा, निवासी 22, गोदाम, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से .30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त अधिनियम के अध्याज 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक तिहाई भाग प्लाट नं० 152, स्थित शमशान घाट रोड, धीबियों का मोड़, फतेहटीबा स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम सं० 3046 दिनांक 24-11-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहत सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

नारीख : 18-7-1983

मोहर :

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमृस्यी

प्लाट नं 153 एमणान घाट रोड, फतेहटीबा आदर्श नगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3047 दिनांक 24-11-82 पर पंजीबद्ध विकथ पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहाक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18--7-1983

### प्रकृष बाह् . टी . एम . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

तिदेश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/2015---अत:

मुझे, मोहन सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

25,000 राज स्वार्थ के 152 है तथा जो जयपुर में स्थित और जिसकी संव प्लार्ट नंव 152 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

(1) श्री रहमत खां पुत्र अब्दुल रहमान, श्रीमती फातमा पत्नी श्री लिकायत अली, मोहम्मद इस्माईल पुत्र हैदरखां, श्रीमती जुबदा पत्नी हैदर खां, श्रीमती मलिका पुत्री हैदर खां, निवासी टींग ।

(अन्तरक)

(2) श्री केणी प्रनाद पुत्र श्री राम प्रसाद शर्मा, निवासी 22, गोदाम, जयपुर।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथिकत सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ह्वारा;

15364

भारत की राजपन, अगस्त 27, 1983 (भावपर्व 5, 1905)

[भीग 111—सर्वें 1

प्ररूप बाई. टी. एनं. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई, 1983

निदेश सं० : राज०/महा० आ० अर्जन/2017—यतः मुझे, मोह्न सिंह,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 784 है, तथा जो जयपुर में स्थित हैं (और इसमें उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण कृष में विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन दिनांक 12 नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उख्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः भव, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उयत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दे अधीत । निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री तोताराम पुत्र श्री कल्लाराम,784, कृष्णा ब्लाक, आदर्श नगर,जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वीरमति पत्नी श्री रोशनसिंह, 784, कृष्णा ब्लाक, आदर्णनगर, जयपुर। (अन्तरिती)

की यह सूचन। जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यसाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का स्थिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसंची

प्लाट नं० 784, कृष्णा ब्लाक, आदर्श नगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2886 विनांक 12-11-82 पर पंजीबद्ध विकथ पत्र में और विस्तृत रूप से विवयणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18 जुलाई, 1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयूक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2014--अतः मुझे, मोहन सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 152 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति, ति की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या मितफल, निम्निलिखित उद्योदयों से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1/22 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 23—216 GI/83

(1) श्री रहमत खां पुत्र अब्दुल रहमान, श्रीमती फातमा पत्नी श्री लियाकत अली, मोहम्मद इस्माइल पुत्र हैदर खां, श्रीमती जुबीदा पत्नी हैदर खां, श्रीमती मलिका पुत्री हैदर खां, निवासीं टोंक।

(अन्तरक)

(2) श्री वेणी प्रसाद पुत -श्री राम प्रसाद णर्मा, निवासी 22, गोदाम, जयपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अव्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक तिहाई भाग प्लाट नंव 152, स्थित ..... पाट रोड, धोबियों का मोड, फतेव्टीबा स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर डारा श्रम संव 3046 दिनांक 24-11-82 पर पंजीबद्ध विश्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7-1983

मोहरः

### प्रकथ बाइ , टी . एन . एस . ----

# शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/2015---अतः मुझे, मोहन सिंह,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 152 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 नवम्बर, 1982

का पूर्वों क्या सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वों कत संपत्सि का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण सं ुद्दे िकसी श्राय की बाजन, उक्त स्थिनियम के अभीन कर दोने के अभ्तरक के बायित्व में कमी करने मा उससे बावने को सुकिथा के सिन् ऑप/गा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्त आस्ति । की जिन्ही भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, गिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् (1) श्री रहनत खां पुत्र अब्दुल रहमान, श्रीमतो फातमा पत्नी श्री लिकायत अली, मोहम्मद इस्माईल पुत्र हैदर खां, श्रीमती जुबेदा पत्नी हैदर खां, श्रीमती मलिका पुत्री हैदर खां, निवामी टौंदा।

(अन्तरक)

(2) श्री वेणी प्रनाद पुत श्री राम प्रसाद शर्मा, निवासी 22, गोदाम, जयपुर।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संवध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा रुकेंगे।

स्थल्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उजत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

### अनुसूची

ं प्लाट नं 152 का दो तिहाई भाग ममणान घाट रोड, धोबियों का मोड़, फ्तेह्टीबा स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर हारा त्रम सं 3045 दिनांक 24-11-82 पर पंजीबढ़ वित्रय पट में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्रःधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

नारीख : 18-7-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई, 1983

निदेश मं० राज०/महा० आ० अर्जन/2016—यतः मुझे; मोहन सिंहः

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी संख्या 153 है तथा जो जयपुर में स्थित हैं (और इससे

उपाबढ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हा अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरः में, मैं, उक्त अधिनियन की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री रहमत खां पुत श्री अब्दुल रहमान खां, प्लाट नं० 152, एमणानघाट रोड, घोबियों का मोड़, जयपुर,श्रीमती फातमा पत्नी लियाकतअली, नीलगरों का मोहल्ला, जयपुर।

(अन्तरकः)

(2) श्री णंकर सिंह पुत्र श्री छाजू सिंह, प्लाट नं० 153, श्मणान घाट रोड, फतेहटीबा, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यग्रहियां करता हु।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कार्द्ध भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संनंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संगरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### **अतसची**

प्लाट नं ० 153 श्मणान घाट रोड, फतेहटीबा आवर्ष नगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 3047 दिनांक 24-11-82 पर पंजीबद्ध विकथ पल में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह मक्षम प्राधिकारी सहाक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. जयपर

दिनांक: 18-7-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई, 1983

निदेश सं० : राज०/सहा० आ० अर्जन/2017—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 784 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन दिनांक 12 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए।

अतः भज, उदत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) र अधीत । निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री तोताराम पुत्र श्री कल्लाराम,784, कृष्णा ब्लाक, आदर्शनगर,जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वीरमति पत्नी श्री रोणर्नासह, 784, कृष्णा ब्लाक, आदर्णनगर, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसची

प्लाट नं० 784, कृष्णा ब्लाक, आदर्भ नगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 2886 दिनांक 12-11-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णात है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपर

दिनांक : 18 जुलाई, 1983

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त अध्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर दिनांक 18 जुलाई, 1083

आदेण सं० राज०/महा० आ० अर्जन/2018---यतः मुझे. मोहन सिह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार (जिसे अधिनियम) कहा गया है), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संब्ष्णाट नंब सी—54 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिस्त व्यक्तियों, अर्थातः ---

(1) श्रीमती कमणा दत्तं पत्नी श्री एन० सी० दत्त, निवासी सी-54, सरीजिनी मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स जै० मोहन को, भगवानदास रोड, जयपुर । (अन्तरिती'

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहुस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० सी-54, मरोजनी मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 2952 दिनां र 24-11-82 पर पंजीबद्ध विऋय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयदूर

नागीख: 18-7-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,जयपूर

जयपुर, दिनांकः 18 जुलाई, 1983 आदेश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/2019—यतः मुझे भोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इराके पश्चात् 'जात अधिनियम' कहा गण है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं वी-22 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विशत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-11-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कातिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में , भैं , उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (१) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--- (1) श्रीमती प्रभाती देवी पत्नी श्री सीताराम, मकान नं० 37, मचवा बाजार,यटेट कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिति राधादेवी पत्नी श्री बाबुलाल खंडेवाल बी-13, पन कालोनी, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जोरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यायं 20-क में यथा परि भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्**स्**ची

प्लाह नं बी-22 (क्षेत्रफंल 200 वर्ग गज) स्थित सेन कालोनी पावर हाउम रोड, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2904 दितां रू 12-11-82 पर पंजिबंद विकय पत में और विस्तृत रूप से वर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपर

तारीख: 18 जुनाई, 1483

#### प्रकृप बाह् . की . इन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर, दिनांकः 18 जुलाई 1983

आदेश सं० : राज/सहा० आ० अर्जन / 2020-यत, मुझे, मोहन सिंह

कायकर सिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी से वी-22 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख़ 12-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दायित्व में कमी करने या उससे भवने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या कत्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या लक्ष्त् अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया-जाना चाहिए था, रिप्राने में सविभा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ;--- (1) श्रीमती प्रभाती देवी पत्नी श्री सीताराम मकान नं० 37, मचवावाजार स्टेट कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबूलाल जैन पुन्न श्री सन्तीलाल, ए 3 एच० सुन्दरपथ, बेतीपाक, जयपुर

(अन्सरिती)

को यह स्थान भारी करके प्राधित सम्पन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उमत सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस धे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यांक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रमुक्त प्रक्यों और पर्वों का, को उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वम्सुची

प्लाद बी-22 (मेजरिंग 200 वर्गगज) स्थित सेन कालोनी, पावर हाऊस रोड़, जयपुर जो उप ंजियक, जयपुर द्वारा कम सं० 2903 दिनार 12-11-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ओर विस्तृत रूप से विवयरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आथकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: :- 18-7-1983 मोहर: प्ररूप आई टी. एच. एफ. ------

आयमः र अभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,जयपूर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

आदेश संख्या :- राज०/सहा० आ० अर्जन/ 2021---यतः मुझे मोहन सिंह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें क्ष्मकर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, राजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय जयपुर में राजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-11-82

को पूर्वो नत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिणों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उकत जिंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक से दायित्व में कमी करने या उससे बचने में चुलिया के लिए; और/या
- (क) एनी किसी अग या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- (1) कर्नल ठाकुर हरनाथ सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री मेजर जनरल ठाकुर भैक्सिह, लाल निवास रामसिंह रोड जयपुर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुमनगोयल पत्नि श्री ताराचन्द गोयल मकान नं० 4791 कुन्दीगरों के भैंठ का रास्ता जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बद्ध किसा अन्य व्यक्ति दुशारा अधातस्त्राक्षणी के पास लिखित मों किए जा सकारी।

स्वब्दोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भांधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अम्सूची

प्लाट नं० 4 का चोथा हिस्सा, जाल निवास, सबाईरामसिह रोड़, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3007 दिनांक 24-11-82 पर पजिबद्ध विकय पत्र में ओर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> (मोहन सिंह) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारी**ख** :- 18 जुलाई 1983 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

आदेश संख्या राज/सहा० आ० अर्जन/2022-यतः मुझे मोहन सिंह

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है ) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन , दिनांक 10 दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित क्षाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण **ते हुई किसी आय की बाबता, उक्त** अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्यिन हैं स्विधा के िए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 24—216GI/83 (1) कर्नल ठाकुर हरन।थ सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री मेजर जनरत ठाकुर सिंह, लाल निवाग सवाइरामसिंह रोड़, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमनगोयल पत्नि श्री ताराचन्द गोयल, मकान नं० 4791 कुनदीगर के भैरों का रास्ता जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृखना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

. स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमत्तची <sup>.</sup>

प्लाट नं० 4 का चौथा हिस्सा, लाल निवास, सवाई-रामसिंह रोड़, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3157 दिनांक 10-12-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18 जुलाई 1983

प्ररूप आहाँ टी. एन. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

आदेश सं० राज/ सहा० आ० आर्जन/ 2023—यतः मुझे, मोहन सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4 है तथा जो जयपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया :---

- (स) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीन के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :——

(1) कर्नल ठाकुर हरनाथ सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री मेजर जनरल ठाकुर भैंर्लिसह जी, लाल निवास, सवाई-रामसिंह रोड जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा गोयल पितन श्री लक्ष्मीनारायण गोयल मकान नं० 4791 कुन्दीगरी के भैक का रास्ता जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्पन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की जबिश्य या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यकिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 4 लाल निवास, सवाईरामसिंह रोड़, जयपुर का चौथाई भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3008 दिनांक 24-11-82 पर पंजिबद्ध विकथ पक्ष में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 18 जुलाई 1983

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधितियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई, 1983

आदेश संख्या : राज ०/सहा० आ० अर्जन /2024—-यतः मन्ने मोहन सिंह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 4 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी े गर्मात्वय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-12-1982

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ह हैं और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्वात अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मूबिधा के लिए;

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसम्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) कर्नल ठाकुर हरनाथ सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री मेजर जनरल भक्तिह, लाल निवास सवाई रामसिंह रोड़, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा गोयल पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण गोयल, मंकान नं० 4791 कुन्दीगरों के भरव का रास्ता, जयपुर

(अन्तरिती)

का यह सूचना **पारी कारके पृथीक्त संपर्दित के अर्जन के लिए** कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त' सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में विष्णु जा नकीं ।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

सुची

प्लाट नं० 4 का चौथा हिस्सा, लाल निवास , सबाई रामसिंह रोड़, जयपुर जो उप पंजियक , जयपुर द्वारा कम संख्या 3158 विनांक 10-12-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18 जुलाई, 1983

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. ------

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-त (1) के अभीन सूत्रना

#### भारत संदुकाड

कार्यासय, सहायक आयकर नामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज , जयपुर

25,000/- रा. से अधिक हैं।

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई, 1983

आदेश संख्या : राज /सहा० आ० अर्जन / 2025
यतः मुझे मोहन सिंह
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो रामगढ़ में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय रामगड़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का (1908 16) के अधीन तारीख 11 नयम्बर 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया नया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त औध-गियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; जोड/वा
- (क) ऐसी किसी आब या किसी भन वा बन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या सक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के विद्य;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) कै अधीन निम्नृलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :--- (1) श्री बसन्तीलाल पुत्र श्री गोविन्वराम निवासी ग्राम गोमेंटा तह० रामगढ़ जिला अलवर

(अन्तरक)

(2) श्री सरीफ सिन्थेटिक्स राज० तिमिटड, अलवर (अम्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्तः संपरितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामींच से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति हुतारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की वारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्वथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण ६--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नमा हैं!

#### अनुसूची

भूमि 2 बीघा 17 बिस्वा स्थित ग्राम गोमेटा तहुँ रामगढ़ जिला अलवर जो उप पंजियक, रामगड़ जिला अलवर द्वारा ऋम संख्या 1401 दिनांक 11-11-82 पर पंजिबद्ध विश्वय पक्ष में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 18 जुलाई 1983

प्रकप बाह्य . टर्न . एम . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत धरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1983

आदेश संख्या राज० /सहा० आ० अर्जन /2026 यतः मुझे मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स की अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रहा से अर्थिक **ह**ै।

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो अलवर (रामगढ) में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामगढ अलवर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारोख 11-11-1982

कां पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उप पाया गया प्रतिफल का निम्निलिस उद्दर्ध स उद्दर्ध का कि स्व में बाम्निक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्बरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी नाम या किसी धन या अल्म कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कः अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः बन, उन्त अभिनियम की धारा 269-ग के अभृतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री रामजीदास पुत्र श्री गोविन्दराम निवासी ग्राम गोलेटा तह० रामगढ

(अन्तरक)

(2) श्री मैंसर्स सर्गफ सिन्थेठिस राज० लिमिटेड, अलवर

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूजी क्त सम्पृत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति व्यारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शृब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिभृतियम के मध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा,, जो उस अध्याय में विद्या गुमा है।

#### मन्त्रची

3 बीधा 2 बिस्वे भूमि स्थित ग्राम गोलेटा तह० रामगढ़ जिला अलबर जो उप पंजियक रामगढ़ जिला अलबर द्वारा क्रम संख्या 1400 दिनांक 11-11-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्रक्रिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , जयपुर

वारीख : 18-7-1983

प्रसम्बद्धाः टी. ऐन. एसं.-----

नगम 1961 (1061 को ४३) की

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुवना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक वायक व वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1983

निवेश संख्या 12551---यतः मुझे, आर० पी०

पिल्ली, जायेकर अधिनियम, 1961 (1981 को 43) (जिले इसमें इसके पर्धात 'उन्ता अधिनियम' नहीं गया है कि धारा 269-खें के ज्यीन संभम ग्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुं. से अधिक है

और जिसकी सं० 90 बी (2रा) है जो शेरिफ कालनी तिष्प्यूर में स्थित है (और इससे उपाबक अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ), रॉजिस्ट्रीकर्तो अधिकारी के कार्यालय तिरूप्यूर (डाक्मेंट 2134/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 82

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए बंतिरत की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल सें, एसे सम्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिकात से विश्व है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फज निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण लिखिल में वास्तविक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धून-कोर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनीक्ष अंतरिती द्वीरा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् :---

(1) श्री वल्लियाताल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तिलगवती

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिने की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्रें) इसे सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मां हित- अच्छ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मां किए जा सकरेंगे।

स्याकीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि और निर्माण - 90 बी (2रा) शेरिफ कालनी तिरुप्यूर (शक्मेंट 2134/82)

> आर**० पी**० पि<del>रूलै</del> सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 18-7-83

मोहर 🗵

प्रकप आहर् . टी. एन . एस् . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज , जयपुर

जयपुर, दिनां क 22 जुलाई 83

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/2036—यतः मझे मोहन सिंह,

आयक्तर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नायला दुर्ग है तथा जो जमवारामगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में भौर पूर्ण रुप से बिणत है ) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जमावरा-मगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नसिचित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय मा किसी धन गा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सिका के सिक्ट;

अतः अवं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री कृवर राम सिंह पुत्र ठाकुर दौलत सिंह निवासी नायला तहसील जमवारामगढ़ जिला जयपुर (अन्तरक)
- (2) मैसर्स ओबेराय होटलस (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा डायरेक्टर श्री पी० आर० एस० ओबेराय 4 मेन्गोलेन कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उनसा सञ्चाति को बार्कन् क्रो सम्बन्ध में कार्क् भी काक्षेत्रः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या गुरसम्बन्ध। व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिंग की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वे केत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हु वृशारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाश की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्पिटित में हितबक्ध किसी अन्य अपनित क्याय श्थाहस्ताक्षरी के यास लिखित में किए जा सकतें हो।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्द्रों और पत्रों का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुमा है।

#### अनुसूची

नायाल दुर्ग नामक सम्पर्शत स्थित किला ह्रंगरी ग्राम नायला तहसील जमावारामगढ़ जिला जयपुर जो उप पंजियक जमवारामगढ़ ग्रारा क्रम संख्या 1047 दिनांक 12 नवस्वर 1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पल में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुत (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, जयपुर

तारीख : 22-7-1983

प्ररूप बाहै, ही. एन. एस्.-----

नायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज जधपुर

जयपुर दिनांक 12 जुलाई 1983

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन /2027--यतः मुझे मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 46 है तथा जो जौधपुर में स्थित है ( और इसमे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के दिनांक 29 तथम्बर 1902

की पूर्वों कर सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्ति का उचित बाजार मल्य. उसके रूपमान प्रतिफल सं, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण्<sub>से</sub> हुई किसीमाम की बाबत उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2**7**) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

- (1) श्री छगनलाल पुत्र श्री बाबूलाल जी० पी० ए० अब्दुल रसीद पुत्र श्रो गुलाम मोहम्मद 46 लाईट स्कीम जौधपुर (अन्तरक)
- (2) श्री गुलाभ मोहम्मद पुत्र श्री बुदुनजी एवं श्रीमती मिदन पत्नी श्री गुलाम मोहम्मद 3 जीधपुर

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित् के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन्की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पृथा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों गे≀

स्पच्छीक रणः -- इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

मकान सम्पत्ति प्लाट नं० 46, लाइट -3, जीधपुर जो उप पंजियक जौधपुर द्वारा कम संख्या 2861 दिनांक 29-11-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पक्ष में ओर बिस्तुत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जयप्र

तारीख : 12-7-83

भाग [[[--खण्ड 1]

प्रकष काई.टी. एत . एस . -----

आवकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के संधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेज जयपुर जयपुर दिनांक 22 जुलाई 1083

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/2028—अत: मुझे मोहन सिंह,

प्रायक्र मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा यया है, की धारा 269-छ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छिन्त बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिनकी संख्या प्लाट नं० 57 बी है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनसूची में और पूर्न रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयधबूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 29 नंबम्बर 1082

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिन्छित में बास्तविक रूप से कथित गहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की याध्या को कमी करने या उससे जनने की सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अध्य आस्तियों की, जिस्से बारतीय धाय-कर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 25—216G1/83 (1) श्री शंकरलाल जी०पी०ए० आफ रणजीत सिंह पुत श्री कंवर सिंह निवासी निमाला आलोर जिला जालोर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कन्चन देवी पत्नी श्री जोहरी लाल मोती चौक जोधपुर।

(अन्तरिती)

को पह स्वमा बादी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किमी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी . के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पक्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसुची

मकान सम्पत्ति स्थित प्लाट नं० 57 बी भगत सागर सरदार-पुरा जोधपुर जो उप पंजीयक जोधपुर द्वारा श्रम संख्या 2864 दिनांक 29 नवम्बर 1982 पर पंजीबङ विश्रय पन्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकरो सहायक आयकर आयु<del>षत</del> (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयप र

तारीख : 22 जनाई 1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जंन रेंज, जयपुर -

जयपुर, दिनांक 22 जुलाई 1983

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2029---अतः मुझे,

भोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० प्लाट गं० 57-ए हैं तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 नवस्बर, 1982

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर क्षेत्र के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसितयों कर्त जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अतः अष् उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ण भें, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री संकर लाल मुख्तयार श्री रणजीत सिंह पुत श्री केंगर सिंह निमाला, आहारे जिला जालौर।

(अन्तरक)

(2) श्री जीहरी लाल पुत श्री फूल चन्द, मोती चौक, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (ख) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यकिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जकत ' अधिनियस की अध्याय 20-क में पित्याषित हैं, वहीं क्यें होगा जो उस अध्याय में दिया गंगा हैं।

#### अनुसूची

्लाट नं० 57-ए, भगत सागर, सरदारपुरा, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम सं० 2863 दिनांक 29-11-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

तारीख : 22-7-1983

प्ररूप आर्ड्ः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 22 जुलाई 1983

निदेश मं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2030--अतः मुझे, मोहन सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ि असे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित है), रजिस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 नवम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिपाल के लिए बन्ति ति की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाय गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्गरण में, में, उत्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री महेशचन्द्य पुत्र श्री नन्द किशोर, चम्पावती जी का मन्दिर, जौहरी बाजार, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुक्तनचन्द पुत्र श्री घेबर चन्द, लखारा बाजार, जोधपुर।

मन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

क्ष्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस्र अध्याय में विमा गया है ।

#### वन्स्की

मकान संपत्ति स्थित व्यास जी की हिवेली, धान मंडी के पास, सुमेर मार्किट, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम मं 2773 दिनांक 19-11-82 पर पंजीबद्ध विकम पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिद्द् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 22-7--1983

मोहर

#### प्ररूप बार्ड .दी .एन .एस . -----

कामकर राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के सभीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 22 जुलाई 1983 निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2031---अतः मुझे, मोहन सिह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान संपत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 नवम्बर, 1982

को पृत्रोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अभिरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रति-फत निक्ष निक्ष में अभित्र दे उत्तर अन्तरण निक्षित में याम्तिव छप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त ाभागात के अधीन भार योगे को बन्तरक की बायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिक्षा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्राजनार्थ अन्तिरिति स्थारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, ज्ञिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः अज्ञ, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री महेश चन्द्र पुत्न श्री नन्द किशोर, चम्पावती जी का मन्दिर, जौहरी बाजार, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री कैलाण पुत्र श्री मुकन चन्द जी भंसाली, नावालिंग द्वारा श्री मुकन चन्द जी भंसाली, लखारा बाज़ार, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्धं किसी सन्य स्पक्ति द्वारा मधाहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगें।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्यों और पर्वों का, जो उक्त अपिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

#### अनुसूची

मकान संपत्ति का भाग, व्यास जी की ह्वेली, धान मंडी, के पास, सुमेर मार्केट, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा ऋम सं० 2759 दिनांक 18–11–82 पर पंजीबा विऋय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

**तारीख** : 22-7-1983

मोहर: •

#### प्ररूप बाई.टी.एन्.एस्.-----

### भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 22 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/ सहा० आ० अर्जन/2032—अतः मृझे, मोहन सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपावत अनुसूची में ओर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती तुवारा प्रकट नहीं किया गया वा मा किया वाना वाहिए था, जियाने में सुविधा से दिवा

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री महेशचन्द पुक्ष श्री नन्द किशोर, चम्पायती जी का मंदिर, जौहरी बाजार, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला पत्नी श्रीमुकन चन्द जी भंसाली, लखारा बाजार, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में ध्रिया गया है।

#### अनुसूची

मकान संपत्ति का भाग, त्यास जी की हवेली, धान मंडी के पास, सुमेर मार्केट, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 2757 दिनांक 18-11-82 पर पंजीवद्ध विकय पद्म में और विस्तृत रूप ने विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

नारीख: 22-7-1983

#### प्ररूप बाइ .टी. एन. एस.,-----

# शायकार जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूजना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन 'रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 जुलाई 1983

निदेण सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2033--श्रतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान संपत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार गूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्भिमा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निटिएखित व्यक्तियों, अभित्:—

(1) श्री महेश चन्द पुन्न श्री नन्द किशोर, चम्पावजी का मन्दिर, जौहरी बाजार, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश पुत्र मुकन्नचन्द भैसाली, लखारा बाजार, जोधपूर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति मो हितबक्ष किसी अन्य अधिक द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान निस्तिन मो किसा जा सकरी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान संपत्ति का भाग, त्र्यासों की हवेली, धान मंडी के पास, मुमेर मार्केट, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम सं० 2758 दिनांक 18-11-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 22-7-1983

प्रकप पार्ष० क्षेत्र एम । एस ।----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 जुलाई 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2034---ग्रनः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिलका उचित बाज़ार मृत्यू 25,000/-रा. सं अधिक है.

और जिसकी सं० प्लाट नं० 17 बी है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कृप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के, अधीन, तारीख 28 दिसम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण निखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- कर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया कर या किया आना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए:

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात ह—-- (1) श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र श्री देवी सिंह, ग्राम-बीजापुर, तह० वासी, जिला पाली।

(अन्तरक)

(2) श्री छगनराज सुराणा पुत्र श्री भीकम रामचन्द जी, सेकिण्ड पीलो, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं!

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 17 बी, मन्डोर रोड, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 3306 दिनोक 28 विसम्बर, 1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख: 22-7-1983

• मोहर :

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 22 जुलाई 198.

निदेश सं० राज०/यहा० आ० अर्जन/2035—-प्रतः मुक्षे, मोहन सिह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख को अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर स्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 17 बी है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अंतरक के दायित्य में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मदन कंवर पुत्र देवी सिंह, ग्राम बीजापुर, तहु बाली, जिलापाली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फैंसीदेवी पत्नी श्रीकिशोर चन्द जी, सुराणा, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप : --

इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना का राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त . अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अगुसूची

प्लाट नं० 17 बी स्थित मंडोर रोड, जोधपुर जो उप पंजियक ,जोधपुरदारा ऋम सं० 3307 दिनांक 28 दिसम्बर, 1982 परपंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर ।

नारीखा : 22-7-1983

प्रकथ वार्च. टॉ. इन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/111--अतः मुझे, सी० एस० कोहली आई० आर० एस०

बायकर अधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की बाख 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मूज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो आनन्द नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए जन्ति रित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नी चित उद्देश से उक्त बन्तरण निचित में बास्त- चिक रूप से साथित नहीं किया का हैं ---

- (क) अन्तरण श्रेष्ट्र किसी बाव की बावत उपन की नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरी वचने भें भूविधा के निय; और/या
- (ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती मनमोहन कौर पत्नी श्री अरविन्दर सिंह सेठी, विवेक विहार, दिल्ली अब अमृतसर।

(अन्तरक)

2) श्री भीम सेन पुत्र भगत राम, सतीण कुमार, विजय कुमार पुत्रान श्री भीम सेन, गली धरेक याली कटड़ा, अहलूयालिया, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोइ किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई ।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त संपति के अर्धन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान, की तामील से 30 दिन की अवधि, जांभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वादा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति व्वारा, जधोहस्ताकारों के पास जिबित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### अनुसूची

जायदाद जो कि आनन्द नगर, अमृतसर में है जैसा सल बाड नं 0.12614 दिनाक 0.12614 दिनाक 0.12614 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

सी० एस० कोहली आई० आर० एस० सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-7-1983

मोहर 🔢

प्रंरूप बाईं. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 14 जुलाई 1983

निदेश #'० ए० एस० आर०/83-84/112--अतः मुझे, सी० एस० काहलीं आई० आर० एस०

मायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो बला रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप] से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर, 1982

को पूर्वेक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक कप से किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाउत, उकत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

भतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की एप राग् (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक् रू--- (1) श्री दलजीत सिंह पुत्र तेजा सिंह, भैनी बाल पट्टी सुलतान विंड, तहसील और जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरनाम सिंह पुत्र नत्था सिंह, 151, ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमा करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सुधना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्थळाकिरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो वला रोड, गऊशाला के पिछे अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 12468 दिनांक 18-11-82 जैसा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों आई० आर० एस० मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 14-7-1983

प्रस्थ आहं.टी.एन.एस.-----

जावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधारा 269-घ (1) को अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/112-अतः, मुझे, सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो अजीत नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अवीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूं अे यह विक्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योचय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाय की वाबत, उक्त नियमियम के वधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, जिल्पाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात् कर-- (1) श्रीमती हरबंस कौर पत्नी श्री बखणीश सिंह, चील मण्डी, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री सर्विदर सिंह, पिरतपाल सिंह पुत्रान श्री नत्था सिंह, चौक बाग जलियांत्राला, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हित**बद्ध है)** 

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकति।

स्मण्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक जायदाद नं० 128 जो अजीत नगर, अमृतसर में है जैसा मेल डीड नं० 2404 दिनांक 23 -5-1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में वर्ज है।

> सी० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 14-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एसं.----

भागसर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 14 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/114--अतः मुझे, सी० एस० काहलीं आर्थ० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिंसकी सं० एक जायदाद है तथा जो अजीत नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रस्तरण मे हुई किसी भाग की बाबन छवत अधिनियम के गदीन कर वेने के अक्तरफ के गरीयस्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा है लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिश्वित्यम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया पथा था या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के निए;

चतः जन्तं जन्तं अधिनियम की धारा 269-म के समुसरण में; में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपचारांं (1) के सधीत, निम्निविधित व्यक्तियों,

- श्रीमती हरवंस कौर पत्नी श्री बख्गीम सिंह, चील मण्डी, अमृतसर ।
- (2) श्रीमती सुरेन्दर कौर पत्नी श्री पिरतपाल खिंह, चौक बाग जलियांबाला, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।
  (वह व्यक्ति, जिसके
  अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

को यह सूचना बारी करने पूजीं का संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारह;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिमों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसूची

एक जायदाद नं० 128 जो अजीत नगर, अमृतसर में में है जैसा सेल डीड नं० 12862 दिनांक 25-11-82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-7-1983

प्ररूप भाइरें. टी. एन ुएस ु-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर,दिनांक 14 जुलाई 1983

निदेश सं ु ए० एस० आर०/83-84/115--अतः मुझे,

सी० ए० काहलों आई० आर० एस० बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख

25,000/- रु. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो अजीत नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,

अमृतसर में रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती हरबंस कौर पत्नी श्री बख्शीश सिंह, चील मण्डी, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री पिरतपाल सिंह, श्री सर्विन्दर सिंह पुत्रान श्री नत्या सिंह, चौक बाग जालियांवाला, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएबार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बत सची

एक जायदाद नं० 129 जो अजीत नगर, अमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 16234 दिनांक 2-2-83को रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

> सी० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 15-7-1983

#### **त्रुव्य नार्द**्ध द्वी. **एत्** ु <u>सुद्</u>रुप्पण्यास्य

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत् स्रकार

कार्यालयः, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 14 जुलाई 1983

निवेश सं० ए०एस० आर्०/83-84-116—अतः मुझे, सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिक्कास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक जायबाद है तथा जो अजीत नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग्र की बाबस, उक्त विभिनियम के वभील कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्टु; जीट्ट/वा
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयंकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीसती हरबंस कौर पत्नी श्री बच्छिश सिंह, चील मण्डी, अमूससर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरजीत कौर पत्नी श्री सविंवर सिंह, चौक बाग जालियाँवाला, अमृतसर।

ग्रन्तरिती

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्मत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

बबत् बुम्पति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो मी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, क्योहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकोंगे।

स्यक्टी करणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो ज्वन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसूची

एक जायदाद नं० 129 है जो अजीत नगर, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 13059 दिन क 1-12-82 को रिज- स्ट्रीकर्सा अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्मन रेंज, अमृतसर

सारी**ज** : 14-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिमियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-एं (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय जालन्धर, दिनांक 6 जून 1983

निर्देण सं० ए० पी० नं० 4359 यतः, मुझे, जै० एल० गिरधर,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारां 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुत. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के तारीख, फरवरी, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गर्च है और भूके यह विश्वीस करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे रश्यमान प्रतिफाल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल कि निम्मिलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मिलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्सरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अम्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

 श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र पूरन सिंह वासी नत्थू चाहल जिला कपूरथला मुख्तार खास, जरनेल सिंह पुत्र परम सिंह वासी नत्थू चाहल, जिला कपूरथला

(अन्तरक)

- 2. श्री दर्शन सिंह पुत्र गुरबचन सिंह वासी महिला मुहबत नगर, कपूरथला (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोन में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में सजाव्त होती हो, के भीतर प्रतिवत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रान्त
- (वा) इस सूचना को राजधान मों प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित मं हिस- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास स्विचित्र में किए जा सकोंचे।

स्पर्कतीक वेचः --इसमी प्रमुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

#### वम्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3423 दिनांक फरंबरी 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा है ।

जे०

सक्षम प्राधिकारी सहीयक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अवः, उक्त आयानयम का यारा 209-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीनः निम्नलिसत व्यक्तियों, वर्षीस् ः—

तारीख : 6 जूनं 1983

भोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION - New Delhi-110011, the 7th July 1983

No. A.32013/1/80-Admn.II.—In continuation of this office notification of even number dated the 4th April, 1983, the Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri M. L. Rustogi, a permanent Programmer in the office of Union Public Service Commission to officiate as Sr. Programmer (Group 'A'; Rs. 1100-50-1600) in the office of Union Public Service Commission on ad-hoc basis for a period of three months w.e.f. 23-6-1983 or till the Recruitment Rules are notified whichever is earlier.

2. The appointment as Sr. Programmer is purely on adhoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or scniority to the post of Sr. Programmer.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
for Chairman
Union Public Service Commission

#### New Delhi-11, the 22nd July 1983

No. A.32013/1/80-Admn.I.--The President is pleased to appoint Shri R. R. Shimmray permanent Grade I officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate in the Selection Grade of CSS as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission on ad-hoc basis for a further period of three months with effect from 17-5-83.

M. P. JAIN Under Secv. (Admn.) Union Public Service Commission.

#### "CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 30th July 1983

No. 2/8/83-Admn.—In continuation of this Commission's notification of even number dated 26th March, 1983, the Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri M. L. Junoja, a permanent Personnel Assistant, as Sr. Personal Assistant in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity on ad-hoc basis for a further period with effect from 24-4-83 to 31-5-83.

#### The 1st August 1983

No. 2/8/83-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Sh. M. L. Juneja, permanent Personal Assistant as Sr. Personal Assistant in the scale of pay of Rs. 650-1040 in an officiating capacity on ad hoc basis in the Central Vigilance Commission for the period from 1-8-83 to 29-10-83 or until further orders, whichever is earlier.

No. 4/1/83-Adm.—Consequent on his selection as Private Secretary in the scale of pay of Rs. 650-1200 in the Commission on Centre-State Relations. Ministry of Home Affairs, on deputation basis, the services of Sh. K. S. Venkatachalam, a permanent Sr. Personal Assistant in the Central Vigilance Commission, are placed at the disposal of the Commission on Centre-State Relations with effect from the forenoon of 1st August, 1983.

#### The 6th August 1983

No. 2/1/83-Adm.—In supersession of this Commission's notification of even number dated 30th May, 1983, the Central Vigilance Commissioner hereby appoints S/Shri P. M. Pillai and Suriit Singh, permanent Assistants in the Central Vigilance Commission as Section Officers in the scale of pay Ps. 650 (710)-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB 40-1200/- in an officiating capacity with effect from 27th April, 1983, until further orders.

K. L. MALHOTRA for Central Vigilance Commissioner

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRA-TIVE REFORMS)

### LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

#### Mussoorie, the 3rd August 1983

No. 2/7/81-EST—In continuation of this office Notification of even number dated 1st February, 1983, the ad-hoc

appointment of Smt. Manjulika Singh to the post of Assistant Professor of Hindi in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, is hereby extended for a further period of six months with effect from 4th August, 1983 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

A. K. DAS

Dy. Director

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 2nd August 1983

No. A-19021/12/78-AD.V.—The services of Shri Abraham Kurien, IPS (UP: 1969), Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Cochin Branch, on repatriation are placed at the disposal of the Government of Uttar Pradesh, with effect from the afternoon of 25th July, 1983.

No. A-19020/5/83.AD.V.—The President is pleased to appoint Shri Radha Vinod Raju, IPS (JK: 1975) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the afternoon of 25th July, 1983.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

## DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 1st August 1983

No. A.12012/1/81-Admn.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated 29-11-1982, the appointment of Shri A. K. Chawla as Extra Assistant Director on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs, 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- is extended for a further period of 3 months w.e.f. the forenoon of 30th April, 1983 or till the post is filled up on regular basis, which ever is earlier.

B. K. DUBE
Director
Police Telecommunications

#### DIRECTORATE GEENRAL, CRP FORCE New Delhi, the 28th July 1983

No. P. VII-2/83-Estt. I.—The President is pleased to appoint on promotion the following Dy. SSP of CRPF to the rank of Asstt. Commandant in a temporary capacity till further orders

2. They took over charge of the post in the units on the date indicated against their names :

SI, No.	Name of the	offi	cer		Unit to which posted	Date of taking over charge
1	2			-	3	4
	S/Shri					
1.	M. D. Singh		,		36 Bn,	30-5-83
2.	P. S. Sareen				31 Bn.	31-5-83
3,	S. K. Mehta				24 Bn	28-6-83
						(AN)
4.	Phool Singh				30 <b>,B</b> n.	25-6-83
5.	C. B. S. Rathore				GC Imp.	31-5-83
6.	V. N. Chatterji				GC BBSR	27-5-83
7.	R. Tarar				2 Sig. Bn.	23-6-83
						(AN)
8.	Tejinder Singh	•		٠	76 Bn.	7-6 <b>-</b> 83
9.	N. P. Singh	٠	•	٠	Dtc. Genl.	25-6-83 (AN)

1	2	- 1- <b>- E</b>		3	4
-4×50	S/Shrl	~e_ /e	MARKET VILLE	A ATTACAMENT OF THE PROPERTY O	ر استخداد در سرد عاست الله
10.	G. S. L. Saxena			26 Bn.	7-6-83
11.	Raghubir Singh .			37 Bn.	25-6-83
12.	R. K. Dua .			75 Bn.	24-5-83
13.	R. S. Virk	٠	•	51 Bn,	7-6-83 (AN)
14.	Amarjit Singh Sidhu			10 Bn.	23-6-83
15.	D. D. Sharma			GC BTB	31-5-83
16.	Thomas Kurian .			63 Bn.	8-6-83
17.	Moti Sagar Aggarwal	,		3rd Sig, Bn,	6-6-83

#### The 29th July 1983

No. F.2/15/83-Estt(CRPF).—The President is pleased to confirm the following officers in the rank of Asstt. Commandants in the CRPF:—

#### S/Shri

- 1. B. L. Takiar
- 2. M. S. Sandhu
- 3. N. S. Bihan
- 4. J. S. Virk
- 5. K. S. V. Subramaniam
- 6. N. S. Sekhawat
- 7. K. Ramamurthy
- 8. R. M. Khan
- 9. G. M. Naidu 10. R. D. Sharma
- 11. Ajit Singh Malik
- 12. K. C. Negi
- 13, D. C. Kaushik
- 14, D. C. Pathak
- 15. I. J. Bhatia
- 16. D. S. Sisodia
- 17. Ashok Munshi
- 18. Man Mohan Singh
- 19. P. S. Rathore
- 20. V. K. Agarwal
- 21. Lashkar Singh
- 22. D. S. Gill
- 23, S. C. Chawla
- 24. Rajender Singh
- 25. G. S. Behgal
- 26. N. S. Broca
- 27. R. S. Gill
- 28. S. C. Kakkar
- 29. Durgam Sampath
- 30. K. Qutabuddin
- 31. M. Kapoor
- 32. Paramjit Singh
- 33. Surat Singh Gehlaut

#### The 2nd August 1983

No. O.II-793/70-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Dr. M. K. Behura (GDO Grade-II/Dy.S.P./Coy Commander) as GDO Grade-I (Asstt. Commandant) in the CRPF with effect from the forenoon of the 8th July, 1983 till further orders.

#### The 2nd August 1983

No. O.II-1810/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. F. K. Panigrahi as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy, Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from forenoon of the 11th July 1983 subject to his being declared medically fit.

No. O.II-1813/83-Estt.—The President is pleased to appoint Shri Shiva Swarup, IPS (UP-1951) IGP, BSF, as Director General. CRPF with effect from the afternoon of the 30-7-83 until further orders,

27--216GI/83

#### The 5th August 1983

No. O.II-88/69-Estt.—Consequent on attaining the age of superaumunation Shri P. J. Singh, Commandant of the CRPF on deputation to B.A.C.D. has been retired w.c.f. 31-1-83 (A/N) and struck off strength from CRPF from the same date.

> A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 5th August 1983

No. 11/85/79-Ad.I.—The President is pleased to repatriate Shr! I. C. Srivastava, an officer belonging to the Rajasthan Cadre of the Indian Administrative Service, who was working as Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur, on deputation basis, to the Government of Rajasthan, with effect from the afternoon of the 6th July, 1983.

No. 11/15/80-Ad.I.—Consequent upon attaining the age of superannuation. Shri A. N. Anandam, an officer belonging to the Karnataka Civil Service and who was working as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore, on deputation basis, relinquished charge of the office of the Deputy Director of Census Operations in the aforesaid office with afforesaid of the aforesaid office with effect from the afternoon of the 30th June, 1983.

No. 11/72/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion. Shri Tirath Dass, Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Registrar General, India, as Joint Director of Census Operations, on a purely temporary and ad-hoc basis in the same office, for a period not exceeding one vent, with effect from the forenoon of the 14th July. 1983 or till the post is filled in on a regular basis whichever period is earlier, on the existing terms and con-

#### 2. His headquarters will be at New Delhi.

No. 10/30/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint. by promotion, Shri S. R. Puri, Schior Geographer in the office of the Director of Census Operations, Harvana, office of the Chandigarh and at present working as Research Officer (Map) in the same office on ad-hoc hasis, to the latter nost. on a regular basis, in temporary canacity with effect from the forenoon of the 18th Tune. 1983, until further orders.

#### 2 His headquarter will be at Chandigarh.

No. 11/5/82-Ad. I.—The President is pleased to appoint, on deputation, the under-mentioned officials as Assistant Director (Data Processing) in the office as mentioned against each on a purely temporary and ad hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the date as mentioned against their names, or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter:

Sl. No.	Name	Office in which working	Prescribed head- quarters	Date of appoint- ment
1	2	3	4	5
	S/Shrí			
1.	U. S. Chaturvedi	DCO, Bihar, Patna,	Patna	9-6-1983 (FN)
2.	N. M. Alvi	DCO, Bihar, Patna	Patna	9-6-1983 (FN)
3.	V. S. Joshi	DCO, Madhya Pradesh, Bhopal	Bhopal	9-6-1983 (PN)
4.	R. M. Singh	DCO, Uttar Pradesh, Luckne	Lucknow w	13-6-1983 (FN)
5.	G. C. Bagchi	DCO, West Ben- gal, Calcutta	Calcutta	10-6-1983 (FN)

2. The appointment, on deputation, of the above-mentioned 5 officers to the post of Assistant Director (Data Processing) will be governed under the terms and conditions of deputation as contained in the Ministry of Finance O. M. No. F. 10(24) E. III (B)/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time The above mentioned ad hoc appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 10/7/83-Ad.I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint, on deputation, Shri N. Rama Rao, a Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras, at present holding on deputation the post of Assistant Registrar General, India, New Delhi, on a purely temporary and ad-hoc basis, to the latter post on a regular basis for a period not exceeding four years with effect from the forenoon of the 7th July, 983.

2. The headquarter of Shri Rama Rao will be at New Delhi.

P. PADMANABHA Registrar General, India

#### DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 18th August 1983

No. G(4)/AII(Vol.III).—The President is pleased to appoint Shri A. K. Ghatak substantively to the grade of Manager (Letter Press) with effect from 1st July 1975.

S. RANGANATHAN Joint Director (Admn.)

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

### OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 5th August 1983

No. 21/CA.I/61-76.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has pedmitted Shrl I. C. Joshi, Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Accountant General, Rajasthan, Jaipur to retire voluntarily from Govt. service with effect from 30-6-1983 (A/N) under Rule 48A of C.C.S (Pension) Rules, 1972.

M. A. SOMESWARA RAO Joint Director (Commercial).

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES.

New Delhi, the 9th August 1983

No. Admn. I/OO No. 210.—(A) In partial modification of this office order no. Admn. I/OO. No. 190 dated 28-7-1983, the Director of Audit, Central Revenues, has antedated the date of confirmation of Shri A. S. Sharma Audit Officer from 21-7-83 to 1-7-1983.

(B) The Director of Audit, hereby, further appoints substantively, the undermentioned officiating Audit officers of this office, against permanent posts of Audit officers in the time scale of Rs. 840-1200 from the dates shown against each:

Sl. No	Name			Date of confir- mation
	5/Shri	 	 	
1.	R. K. Sharma			1-7-1983
2.	O. P. Aggarwal 11			1-7-1983
3.	S. L. Jatav .			1-7-1983
4.	J. K. D. Gupta		,	21-7-1983

(Sd.) Illegible Jt. Director. of Audit, (Admn.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 5th August 1983

No. Admn.1/8-132/83-34/553.—Sri E. Bhashyam Jyengar Accounts Officer, Office of the Accountant General Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on 31-7-83 A.N.

No. Admn.1/8-132/83-84/553.—Sri K. Rajeswara Rao 1 Accounts Officer, Office of the Accountant General Audhra Pradesh, Hyderabad retired from service on 31-7-83 A.N.

No. Admn. 1/8-132/83-84/553.—Sri K. Sobhanadracharyulu Accounts Officer, Office of the Accountant General Andhra Pradesh. Hyderabad retired from service on 31-7-83 A.N.

B. MASON

Sr. Deputy Accountant General Administration

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MADHYA PRADESH

Gwallor, the 18th July 1983

No. Admn. I/G.Os. Promotion/150.—The Accountant General I, Madhya Pradesh Gwalior has been pleased to promote the undermentioned permanent Section Officer as Accounts Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200, until further orders, with effect from the date of his taking over charge as noted against him:—

Sl. No	Name	 Permanent No.	Date of taking over
1.	Shri S. P. Gupta	 02/299	11-7-1983 F.N.

(Authority: A. G. I. orders dated 31-5-1983)

B. K. ROY

Sr. Dy. Accountant General Admn.

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL MAHARASHTRA I

Bombay-400 020, the 27th July 1983

No. Admn.I/Genl/31-Vol.III/C-1(1)/6.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint Shri R. P. Tirpude, Section Officer (Audit and Accounts) to officiate as Audit/Accounts Officer from 28-4-1983 F/N, until further orders.

(Sd.) ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General Admn.

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL I RAJASTHAN

Jaipur, the 2nd August, 1983

No.Admn. 1.G./Gaz, Notfn./266.—The Accountant General I Rajasthan is pleased to promote the following Selection Grade Section Officers of this Office and appoint them as officiating Accounts Officer, w.e.f. the dates noted against each until further orders:—

#### S/Shri

1.	Kanta Nath Bhargwa	1-7-1983 (F.N.)
2,	Hans Raj Jain	-do-
3.	Rama Kant Saxena	-do-
4.	Surendra Kumar Dutta	-do-
5.	Shanti Swaroop Varshney	-do-
6,	Govind Kumar Bhatnagar	-do-
7.	Krishan Gopal Dembla (Arora)	-do-
8.	Ram Nath Bhargwa	-do-

M. S. SHEKHAWAT Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, DEFENCE SERVICES

#### New Delhi, the 8th August 1983

No. 2146/A-Adran./130/83.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint the under mentioned Substantive Section Officers (Audit) to efficiate as Audit Officers, until further orders, from the dates noted against each:—

SI N		Office in which appointed	Date from which appointed
1	2	3	4
1.	S/Shri N. M. Swammathan	Jt. Director of Audit, DS (Navy) Bombay	29-6-1983
2.	K. K. Chakraborty	Jt. Director of Audit, DS, EC, Patna.	18-7-1983
3.	R. C. Bhairma .	Jt. Director of Audit, DS, EC, Patna.	25-7-1983

B. S. TYLE Jt. Director of Audit Defence Services

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 30th July 1983

No. AN/I/1171/I/1.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers (on assignments as noted against their names) of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in level I of the Senior Administration Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, until further orders, with effect from the dates shown against their names, under 'Next Below Rule':—

SI. No.	Name of the Officer	Date	Where serving
1. S	hri S. S. Shukla .	08-12-82	Joint Secretary (Finance & Finan- cial Adviser, Minis- try of Shipping and Transport, N. Delhi.
2. S	hri K. P. Rao .	03-06-83	Joint Secretary and Addl. Financial Ad- viser, Ministry of Finance, Depart- ment of Expenditure Defence Division New Delhi.

No. AN/I/1171/1/Vol-I.—The President is pleased to appoint Shri G. Bhattacharyya, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service under 'Next Below Rule' with effect from the forenoon of the 8th December, 1982, until further orders.

2. The ad-hoc appointment of Shri G. Bhattacharyya, to officiate in Level-1 of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, initially for a period of six months from the forenoon of 19th February, 1982 or till regular arrangements are made, whichever is carlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/1/

1172/1/I(PC-I) dated 1st September, 1982, and subsequently extended by a further period of six months upto the afternoon of 18th February, 1983, or till regular arrangements are made whichever is earlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-I) dated 9th December, 1982, will stand terminated with effect from the afternoon of 7th December, 1982. The service rendered in the ad-hoc appointment will not bestow on him a claim for counting the service for the purpose of seniority in Level-I of the Senior Administrative Grad and for eligibility and confirmation on his regular appointment to that Grade from the forenoon of the 8th December, 1982.

No. AN/I/1177/1/ $\Pi$ ...—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service in Level- $\Pi$  of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250-125/2-2500) in a substantive capacity with effect from the dates shown against their names:—

flicer Date from which appointed
amanian 01-08-1979
01-09-1979
01-10-1980
24-02-1981
ууа 24-02-1981
nam 24-02-1981

V. S. JAFA

Addl. Controller General of Defence Accounts

#### MINISTRY OF DEFENCE

<u>在1000年1000年100日 - 1000年100日 - 1000年100日</u>

## INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 4th August 1983

No. 33/G/83.—Shri V. S. Chandramouli, Offg. Works Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired Voluntarily from service with effect from 5th July 1983 (AN).

No. 34/G/83.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri Pyare Lal, Jt. Director retired from service wef 28th February, 1983 (AN).

V. K. MEHTA Director/Estt.

### MINISTRY OF COMMERCE

#### (DEPARTMENT OF TEXTILES)

### OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 1st August 1983

No. A-12025(i)/3/83-Adm.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 30th June, 1983 and until further orders Shri Virender Kumar Bhardwaj as Assistant Director Grade-I (Processing) in the Indian Institute of Handloom Technology, Varanasi.

P. K. DATTA Addl. Development Commissioner for Handlooms

#### MINISTRY OF INDUSTRY

#### \_ EPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 19th July 1983

No. 12(495)/65-Admn.(G).—The President is pleased to allow Shri V. Sivaramakrishnan, Asstt. Director (EI) in the

Office of the Development Commissioner (Small Scale Industry), New Delhi, to retire voluntarily from Govt, service w.e.f. the 30th June, 1983 (AN) in terms of FR 56(K).

#### The 20th July 1983

No. A-19018(147)/74-Admn.(G) Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri B. P. Singh, Section Officer of the CCS cadre of the Deptt. of Industrial Development, New Delhi as Deputy Director (GAD) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on deputation basis for a period of three years with effect from the forenoon of 5-7-1982.

No. A-19018(629)/82-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Ranjeet Singh as Deputy Director (Mechanical) at Small Industries Service Institute, Cuttack with effect from the forenoon of 10-5-1983 until further orders.

#### The 25th July 1983

No. 12(756)/72-Admn.(G) Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri A. L. Anand, Deputy Director (Export Promotion) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Director (Gr. II) (Export Promotion) on ad-hoc basis in the same Office with effect from the forenoon of 19-6-1983.

C. C. ROY, Dy. Dir (Admn.)

## ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

ALT STATE OF THE LIES OF COMMUNICATION OF LAND AND AND AND COMMUNICATION OF THE PROPERTY AND ADDRESS A

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 1st August 1983

No. 3564D/A-19012(4-SKS)/64-19B.—Sri S. K. Sen, Drider, Geological Survey of India on expiry of three months notice served on him in terms of FR 56(J) retired from Government service with effect from 25-2-82 (F.N.).

#### The 4th August 1983

No. 6894B/A-19012(1-RKA)/82-19A.—Shri Raj Kumar Agarwal is appointed as an Asstt. Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per months in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officieting capacity with effect from the forenoon of the 11-5-1983, until further orders.

S. K. MUKHERJEE, Dir. Genl.

#### Calcutta-16, the 30th July 1983

No. 6824B/A-19012(3-MUMR)/83-19B.—Shri M. Uma Maheshwara Rao has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of testale of pay of Rs. 650-30-740 35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of 5-7-1983, until further orders.

#### The 1st August 1983

No. 3842B/A-19012(1-DCB)/82/19A.—Shri Dilip Chand Banerjee has been appointed by the Director General, Geological Survey of India as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/per months in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 23-5-83, until further orders.

A. KUSHARI, Dir. (Personnel) Geological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

(CIVIL CONSTRUCTION WING) New Delhi, the 18th July 1983. No. A-12011/2/80-CWI/—The Director General, Al<sup>1</sup> India Radio, New Delhi is pleased to appoint the following persons on promotion as/ ASW(Civil) in an officiating capacity in the pay scale of Rs, 650-30-740-35-810 -EB-35-880-40-12000-EB-40-1200/- at places and w.e.f. the dates shown against each:

Sl. No.	Name	Place of posting	Date from which appointed
1	2	3	4
1.	Shri Abdul Wahab	AE(C), CCW, AIR Bombay.	29-11-82 (F. N.)
2.	Shri P. Pulliah	AE(C), CCW, AIR, Madras	27-11-82 (A N)
3.	Shri Adesh Samanda	AE(C), CCW, AIR Calcutta Sub-divi- sion No. I	11-11-82 (FN)
4.	Shri U. N. P:adhan	AE(C), CCW, AIR Aizwal under Gauhati Division.	14-1-83
5	Shri U. Raju	ASW(C),CCW, AIR Calcutta division	19-2-83 (F N)

Their appointment is governed by the terms and conditions contained in the order of promotion bearing No. A-19011/14/77-CWI, dated 9th November, 1982.

S. K. MOHINDRA Engineer officer to Chief Engineer(C) for Director General

#### New Delhi, the 4th August 1983

No. 29/11/83-S II.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri C.R. Rajashekaraiah FRR to officiate as Farm Radio Officer on ad-hoc basis at AIR Mangalore w.e.f. 7-2-83 (FN).

SMT. RUKMINI DAS GUPTA, Dy. Dir. Admn. for Director General

#### New Delhi-1, the 5th August 1983

No. 5(45)/70-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Kripal Singh, Transmission Executive, All India Radio, Ranchi as Programme Executive, All India Radio, Darbhanga in a temporary capacity with effect from 27th June, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

#### The 8th August 1983

No. 4(86)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kum. Mokshda Chandrakar as Programme Executive, All India Radio, Raipur in a temporary capacity with effect from the afternoon of 18th July, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(89)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Mitali Chakravarty as Programme Executive, All India Radio, Corakbpur in a temporary capacity with effect from 25th July, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200.

H. C. JAYAL

Dy. Director of Administration

for Director General

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 5th August 1983

No. A. 38012/1/83-Admn, I.—On attaining the age of superannuation, Shri T. C. Jain, Deputy Director Administration (O&M) in the Directorate General of Health Services retired from Government service on the afternoon of the 31st July, 1983.

K. VENUGOPAL Director (Administration & Vigilance)

#### New Delhi, the 6th August 1983

No. A-12026/12/82-Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. C. Narazimhan to the post of Administrative Officer at B C G Vaccine Laboratory, Guindy Madras, on deputation basis with effect from the forenoon of 16 June, 1983 and until further orders.

T. C. JAIN Deputy Director Administration (O&M).

## MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 6th August 1983

No. A-19024/2.79-A. III.—Shri N. Kasi Rao, Chief Chemist in the Directorate of Marketing & Inspection, stands reverted to the post of Senior Chemist, with effect from 16-5-83 (AN).

No. A. 19025/7/83-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Dr. Susanta Kumar Mohanta has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group II) in the Directorate at Aurangabad with effect from the forenoon of 13-7-1983, until further orders.

G. S. SHUKLA.
Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India.

## BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 5th August 1983

No. S/4279/Estt. II/3264.—Shri Navnitlal Mansukhdas Shah, a Section Officer from Western Railway on deputation to this Research Centre relinquished charge of the post of Asstt. Accounts Officer, B.A.R.C. on 8-7-1983 (AN) consequent on Voluntary Retirement.

N. V. RAMANAN Dy. Establishment Officer

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 1st August 1983

No. PPED/3/(282)/83-Estt. 1/10767.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri S. Mani, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant of Reactor Research Centre, Kalpakkam as Alsistant Accounts Officer in a temporary capacity in this Division in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from the forenoon of July 25, 1983 until further orders.

R. V. BAJPAJ General Administrative Officer

## DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES Bombay-400 001, the 30th July 1983

Ref. No. DPS/41/15/83-Adm./23977.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. R. Menon, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay-of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 from 9-5-83 (FN) to 18-6-83 (AN) in the same Directorate vice Shri G. D. Rathod, Assistant Stores Officer granted leave.

Ref. No. DPS/41/1/83-Adm./24036.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shaw Sharad Vishnu Mokashi a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 from 13-6-1983 (FN) to 16-7-1983 (AN) in the same Directorate vice Shri M. K. Chacko, Assistant Purchase Officer granted leave.

P. GOPALAN Administrative Officer

#### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 30th July 1983

No. NFC/PAR/1705/2066.—The Deputy Chief Executive (A), Nuclear Fuel Complex appoints Shri E. Venkatesan, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in Nuclear Fuel Complex with effect from 27-7-1983 (FN), until further orders.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admo.

#### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-16, the 6th August 1983

No. AMD-16/5/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri P. N. Mohanan, a quasi permanent Lower Division Clerk and officiating Assistant Accountant, Atomic Minerals Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of July 25, 1983 until further orders.

T. D. GHADGE Sr. Administrative & Accounts Officer

### MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 2nd August 1983

No.A. 32014/5/81-E. I.—The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistant India Meteorological Department, as Assistant Meteorologists in an officiating capacity in the same Department with effect from the dates mentioned against their names and until further orders:

SI. No	Name	Date of assump- tion of charge as Assistant Meteo- rologists
1	2	3
1.	Shri S. P. Dang	12-11-1982
2.	Shri V, A. Rastogi	17-12-1982

K. MUKHERJEE Meteorologist (Estt.) for Director General of Meteorology

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 2nd August, 1983

No. A32013/2/82-ES.—The President is pleased to continue ad-hoc appointment of the 16 Officers in the grade of Senior Aircrafts Inspector upto the period shown against each:

1	2	3
1.	Shri N. Jaisimha	23-3-1983
2.	Shri R. C. Gupta	23-3-1983
3.	Shri S. S. Nat	30-4-1983
4. 5.	Shri S. L. Vohra Shri S. S. Kuner	30-4-1983 30-4-1983
6.	Shri Anupam Bagchi	30-4-1983
7.	Shri S. Majumdar	23-3-1983
8,	Shri P. M. Goyal	30-4-1983
9.	Shrl H. M. Phull	30-4-1983
10.	Shri Mohd. Mustafa	30-4-1983
11.	Shri L. A. Mahalingam	30-4-1983
12.	Shri Doba Prasanna Ghosh	30-4-1983

- <del> </del>	
1 . 2	3
13. Shri Harihar Prasad	23-3-1983
14. Shri L. M. Mathur	30-4-1983
15. Shri D. P. Ghosh	30-4-1983
<ol><li>Shri N. Ramesh</li></ol>	23-3-1983

J. C. GARG Asstt. Director of Administration

## DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 2nd August 1983

No. 21/83.—Shri N. K. Sharma, lately posted as Appraiser of Bombay Custom House, Bombay assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the West Regional Unit of the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise at Bombay with effect from the 3-6-1983 (FN) vide Directorate's letter C. No. 1041/50/82 dated 21-5-83.

B. C. RASTOGI Director of Inspection

#### CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 2nd August 1983

No. 2/4/83-Adm.-I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri N. K. Karmakar, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Asistant Engineer of the Central Power Engineering Group B Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 6th July, 1983, until further orders.

S. BISWAS Under Secy.

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

## DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of \* Vec-Tee-Es Chit and Finance Private Limited

Cochin-682 011, the 30th July 1983

No. 2438/Liq/56(3)/6608/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Vee-Tee-Es Chit and Finance Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies, Kerala

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of M/s. Bilaspur Investments Private Limited, Bilaspur

Gwalior-474009, the 3rd August 1983

No. 1323/PS/CP/975.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Bilaspur Investments Private Limited, Bilaspur, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior In the matter of the Companies Act, 1956 of Vilayakrishna Savings & Finance Private Limited

Hyderabad, the 6th August 1983

No. 2214/TA. III/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Vijayakrishna Savings & Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said-company is dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad

#### OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 30th July 1983

No. F. 47-Ad(AT)/50-P. IV.—The following Officers officiating as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal are confirmed in their appointments with effect from the 2nd July, 1983:—

- 1. Shri K. K. Mishra
- 2. Shri R. K. Chakravorty
- 3. Shri D. S. Sharma
- 4. Shri B. Chakravorty
- 5.- Shri T. L. Khanzode6. Shri Y. Balasubramaniam
- 7. Shri Motilal Roy

T. D. SUGLA President

### OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER (ADMN.) & CIT

Calcutta-69, the 31st May 1983

#### I. PROMOTION

ORDER NO. 153 (F. No. 2E/28/75-76).—Shri Cyril Murmu (ST), Inspector of Income tax, Calcutta, is hereby promoted to officiate as Income-tax Officer, Group 'B' (Class-(1) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the date he takes over and until further orders.

The appointment is made on a purely temporary and provisional basis and will confer on him no claim either for retention or seniority vis-a-vis other promotees. His services are liable to termination without notice and he is liable to reversion at any time, if, after a review of the vacancies, it is found that his appointment is in excellent of the vacancies available for promotees, or direct recruits become available for replacing him. He is also liable to transfer any where in West Bengal at any time.

II. In exercise of the powers conferred under Section 124 of I.T. Act, 1961 (43 of 1961) I hereby direct that Shri Cyril Murmu on his appointment as ITO, Group 'B' (Class-II), shall perform all the functions of an Income-tax Officer, under the said Act in respect of such persons or Classes of persons or such income or classes of Income or in respect of such areas as may be allocated to him from time to time.

#### III. POSTING

On promotion as Income-tax Officer, (Group 'B') Shri Cyril Murmu, is posted as O.S.D., in the office of the C.C.(A) & CIT, WB-I, Calcutta.

#### I. PROMOTIONS

ORDER NO. 154 (F. No. E2/28/75-76).—The following inspectors of Income-tax, Calcutta, are hereby promoted to officiate as Income-tax Officer, Group 'B' in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200/-

with effect from the dates they take over and until further orders:----

#### S/Shri

- 1. Swapan Kr. Mukhuty
- 2. Utpal Biswas (SC)
- 3. Amal Kanti Bandopadhyay
- 4. Hriday Ranjan Aich
- 5. Ramendra Ch. Das (SC)
- 6. Sasanka Sekhar Pradhani
- 7. Bimal Kr. Banerjee
- 8. Sabuj Kr. Das
- 9. Bibhuti Bh. Chowdhury
- 10. Sujit Kr. Mukhopadhyay
- 11. Naresh Ch. Dutta.
- 12. Gora Chand Banerjee
- 13. Anil Kr. Chakraborty
- 14. Subir Kr. Das
- 15. Arun Kanti Bhattacharjee.

· The appointments are made on purely temporary and provisional basis and will confer on them no claim either for retention or seniority vis-a-vis other promotees. Their services are liable to termination without notce and they are liable to reversion at any time, if after a review of the vacancies, it is found that their appointments are in excess of the vacancies available for promotees, or direct recruits become available for replacing them. They are also liable to transfer any where in West Bengal at any time.

II. In exercise of the powers conferred under Section 124 of Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) I hereby direct that—

#### S/Shri

- 1. Swapan Kr. Mukhuty
- 2. Utpal Biswas (SC)
- 3. Amal Kanti Bandopadhyay
- 4. Hriday Ranjan Aich
- 5. Ramendra Ch. Das (SC)
- 6. Sasanka Sekhar Pradhan
- 7. Bimal Kr. Banerjee
- 8. Sabuj Kr. Das
- 9. Bibhuti Bh. Chowdhury
- 10. Sujit Kr. Mukhopadhyay
- 11. Naresh Ch. Dutta
- 12. Gora Chand Banerjee

- 13. Anil Kr. Chakraborty
- 14. Subir Kr. Das
- 15. Arun Kanti Bhattacharjee

on their appointments as Income-tax Officer, Group 'B' shall, perform all the functions of an Income-tax Officer under the said Act in respect of such persons are classes of persons or such income or classes of Income or in respect of such areas as may be allocated to them from time to time.

#### III. POSTINGS:

On promotions all the above Officers are hereby posted as O.S.D., in the office of the Chief Commissioner (Admn.) & CIT, WB-I, Calcutta.

D. R. CHAKRABORTY Chief Commissioner (Administration) & Commissioner of Income-tax, WB-I, Calcutta

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ERNAKULAM RANGE Cochin-16, the 24th June. 1983 CORRIGENDUM

No. CR.26/Adm/Ekm/83-84.

- Sub: Order u/s. 124(2) of the Income-tax Act, 1961—Corrigendum issue of—
- Ref: This office order u/s 124(2) of the Income-tax Act, 1961, of even No. dated 5-4-83.
  - 1. For the figure Rs. 1,50,000 wherever found in the order referred to above, the figure Rs. 1,00,000 is substituted.
  - Clause (2) in Serial No. 5 of Para 1 in respect of the Income-tax Officer Survey Circle-I, Ernakulam should be read as follows:—
    - "All new cases discovered in the course of survey operation in the territorial jurisdiction of Income-tax circles at Ernakulam and Mattancherry other than those in which total income/loss returned is not less than Rs. 1,00,000"

P. J. THOMASKUTTY
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Ernakulam.

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 3rd June 1983

Ref. No. A.P. No./4333.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule sitcated at Bahadurpur.

at Hoshiarpur on Nov: 1982

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hoshiarpur on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Varinder Kaur W/o Sh. Avtar Singh R/o Bahadurpur, Hoshiarpur.
- (2) Shrimati Shakuntla Devi W/o Sh. Ram Parkash R/o Bahadurpur Hoshiarpur

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3402 of Nov. 1982 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 3-6-1983, Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Chandrawali D/o Rataniul Nagar, R/o Building No. 5, North Yashwantganj. Indore.

(Transferor) (2) Shrimati Leeladevi W/o Shri Vanshilal Purohit, R/o Building No. 7 Sishak Nagar, Bijasan Road, Indore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3653/.-Whereas, I D.P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot No. 7 and house situated at Shishak Nagar, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 23-11-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer cent of such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 7 and House at Shishak Nagar, Indore.

D.P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, T.T. Nagar Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--- 28---216 GI/83

Date: 30-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shri Tilokchand Sobhagyamalji Jain, R/o 151/4 Imali Bazar, Indore.

(Transferor)

.(2) Shri Hemant S/o Hiranandji, R/o 2/2 South Harsidhl, Indore,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/BPL/3654.--Whereas, I D.P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. Plot No. 5 situated at Sector A Sangam Nagar Colony, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undereigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 5, Sector A situated at Sangamnegar Colony, Indore

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range, T.T. Nagar Bhopal

Date: 30-5-1983

(1) Shri Mohanlal S/o Bhagirath Patel, R/o 510, Mahatma Gandhi Marg Indore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Laxmibai W/o Tikamchand Dave. R/o 158, Mahatma Gandhi Marg, Indorc. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3655.—Whereas, I D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 64 situated at Mahatma Gandhi Marg, Shiv Bilas Palace, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 64 situated at Mahatma Gandhi Marg, Shiv-Biles Palace Indore, M.P.

D.P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, T.T. Nagar Bhopal.

Dang : 40 5-1983 Scal :

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal M.P., 22nd June 1983

Ref No. IAC/Acqn/Bpl/3685.—Whereas, I D.P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 12, Shop No. 7 situated at Pandrinath Path Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wcalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :- -

(1) Shrimant Sardar Pratapsing Rao S/o Malhar Rao Holkar, R/o 12 Ada Bazar, Indore through Power of attorney Shyam Rao Krishna Rao Holkar, R/o 65, Roopramnagar Colony, Indore. (Transferor)

(2) Kanhiayalal S/o Govindram, R/o 29 Chota Sarafa, Indoce.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 12, Shop No. 7 at Pandrinath Path, Indore.

D.P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, T.T. Nagar Bhopal.

Date: 22-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3686.—Whereas, I D.P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land survey No. 1443 situated at Village Anantpur Distt. Rewa .

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rawa in November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Shiv Balak 2. Prannath S/o Brindawan R/o Anantpur Tehsil Huzur Distt. Rewa. (Transferor)

(2) Anantpur Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit Anantpur, Rewa, M.P.
through President Shri Bhagwat Prasad Dubey
S/o Sunderlal Dubey, R/o Anantpur Distt Rewa MP (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land survey No. 1443 situated at village Anantpur Tehsil Huzur Distt, Rewa.

> D.P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, T.T. Nagar Bhopal.

Date: 22-6-1983.

Soal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3687.—Whereas I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovement of the said Act's parket value exceeding able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Number 1443 situated at villago Anantpur Tehsil Huzur district Rewa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rewa in November 1982, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for, the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shiv Balak, 2, Pran Nath s/o Brindawan, R/o Anantpur Tehsil Huzur Distt., Rewa. (Transferor)
- (2) Anantpur Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit Anantpur Rewa, M.P. through President Shri Bhagwatprasad Dubey s/o Sunderlal Dubey R/o Anantpur Tehsil Huzur Distt, Rewa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Land Number 1443, situated at village Anantpur Tehsil Huzur, Dist. Rewa.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 22-6-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3688.--Whereas I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. purt of house Number 1742 situated at Madanmahal Extension, Wright Town Ward, Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on 19-11-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Shri Madhva s/o Duttatreya Jomekar self and karta of HUF, R/o 46/8 Shivajinagar, Railway quarters Poona-Pin 411005.

(Transferor)

(2) Smt. Kusumbai w/o Shri Purushottamdasji, Marele R/o 443 Kotwali Ward, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Corporation Plot Number 54 Dv Sheet No. 153A Plo No. 148 house No. 1742 (Part) situated at Madanmaha. Extension, Wright Town Ward, Jabalpur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta: Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopa

Date: 22-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF\_1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3689,--Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Number 1742 ((Part) situated at Madanmahal Extension, Wright Town Ward, Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on 19-11-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of transfer with the object of :-

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- Shri Madhva s/o Duttatreya Jomekar self and karta of HUF, R/o Shivajinagar, Railway quarters, Poona, Pin-411005.
  - (Transferor)
- Smt. Kusumbai w/o Shri Purushottamdasji Marele, R/o 443, Kotwali ward, Jabalpur M.P. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Corporation Plot No. 54 Dy. sheet No. 153A Plot No. 148 House No. 1742 (part) situated at Madanmahal Extension, Wright Town Ward, Jabalpur, M.P.

> D. P. PANTA Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 22-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shri Vallabh S/o Ramrikh Lodha, R/o Ashok Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Jailaxmi Housing Co-operative Society, R/o 6/7, Manoramagani, Indore.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3690.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 6, Rajgarh Koti, situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4-11-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—29—216 GI/83

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 6, at Rajgarh Koti, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building.
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 22-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3691,--Whereas 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 9 situated at Siyaganj, Indore, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 5-11-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;-

Shri Sureshchand S/o Shri Birdichandji Sinhal, R/o 34, Ushagani, Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Mohammad S/o Haji Ibrahim

  - Ahmed S/o Haji Ibrahim
     Hasham S/o Ibrahim.
     Abdul Razak S/o Haji Ibrahim, R/o Sadar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No 9, at Siyagani, Indorc.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 22-6-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/3692.—Whereas I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Khasra No. 243/1 and 244/2 situated at

Basantpur, Rajnandgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajnandgaon on 23-11-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(2) Shri Devilal S/o Jalaram Sonkar, R/o Basantpur Road, Rajnandgaon.

(Transferor)

(2) Shri Lalitkumar S/o Dulichand Bardia, R/o Sadar Bazar, Rajnandgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land Khasra Number 243/1 and 244/2 situated at Basantpur, Rajnandgaon,

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 22-6-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Jayant Vitamins Limited, Ratlam.

(Transferor)

may be made in writing to the undersigned-

whichever period expires later;

(1) 1. Shri Krishna Rao S/o Chiman Rao 2. Prakash Chandra S/o Rajmalji,

R/o Ratlam.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3693.--Whereas 1, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land survey Number 173 situated at Village Barbad Distt. Ratlam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam in November 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land survey Number 173 situated at village Barbac Tehsil Ratlam M.P.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopai

Date: 22-6-1983

(1) Shri Arjundas S/o Jethanandji, R/o 175, Palsikar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Gauray Construction Company, 62/2 Bairathi Colony, Indore, through partner Shri Jaikumar Jethanandji.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3694.—Whereas I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovation of the competence of able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 149 and garriage thereon situated at Indore

Vikas Pradhikaran Scheme Number 44, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-11-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

### THE SCHEDULE

Plot Number 149-M and garriage thereon Indore Vikas Pradhikaran Scheme No. 44.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 22-6-1983 Geal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/3695.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 612 situated at Khatiwala Tank Scheme

No. 44, Indore,

15414

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 12-11-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Smt. Manphoolbai W/o Mangilal Jain through Power of attorney Shri Krishna Choubey, R/o 612, Teli Bakhal, Indore.

(Transferor)

(2) Saroj W/o Pavan Shrimal, R/o 983 Khatiwala Tank, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertimay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 612, at Khatiwala Tank Scheme No. 44, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 21-6-1983

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3696.—Whereus I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Kh. No. 124/1 situated at Vill: Itawa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dewas on 18-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Anwar S/o Mamad, R/o Itawa Teh: Dewas.
  - (Transferor)
- (2) Chitragupth Nagar Griha Nirman Sahakarai— Sanstha, 1307, B.N.P. Colony, Registered No. S.P.D. 932 dated 7-7-1981 through Chairman Mohinder Singh S/o Sangathsingh Dewas.
  (Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 124/1 at Vill: Itawa, Teh: Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 21-6-1983

### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3697.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing

No. Survey No. 54/3 situated at Vill: Kalukheri, (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas in November 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Shri Chensingh.
  - 2. Gangaram.
  - Daulat Singh.
     Harsingh S/o Ramratan Kalotha, R/o
  - Kalukheri 5. Smt. Gattubai W/o Ramratan Kalotha R/o Kalukheri, Teh.: Dewas.

(Transferor)

(2) M/s Steel Tubes Of India Ltd., Station Road, Dowas, through Manager.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land Survey No. 54/3 at Vill.: Kalukheri, Dewas.

D, P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 21-6-1983

FORM J.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Steel Pipes Of India Ltd., Station Road, Dewas.

(Transferor)

(2) Steel Tube Of India Ltd., Steel Tube Road, Dewas.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3698.—Whereas I.

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Land Kh. No. 147/1, 146/1 situated at Vill:

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewas on 19-11-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 146/1, 147/1 at Vill: Kalukheri, Tehsil and Distt. Dewas.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—
30—216 GI/83

Date: 21-6-1983

### FORM ITNS----

 Shri Harbhajan Singh S/o Jagat Singh R/o 21/4, North Rajmohalla, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramchandra Gurnani, S/o Shri Topandas Gurnani, (2) Hiralal Gurnani S/o Topandas Gurnani, R/o 41, Professors Colony, Indore. (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 21st June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3699.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Plot No. 216 situated at Palsikar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 11-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 216 and construction thereon, at Palsikar Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 21-6-1983 Seal •

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Rajkumari Devi W/o Shri Thakurmanaingh alias-Mangilalji Ratnakar, R/o 94, Nandlalpura, Main Road, Indore.

(Transferor)

(2) Pratapsingh S/o Shri Babulalsinghji Bhilware, R/o 16, Salvi Bakhal, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 21st June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3700.—Whereas, I, D. P. PANTA, peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ind bearing

Mucl. H. No. 94 situated at Nandlalpura, Indore

Mucl. H. No. 94 situated at Nandlalpura, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeriting Officer

at Indore on 2-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Portion of House Mucl. No. 94, at Nandlalpura, Main Road, Indoro.

D. P. PANTA
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following sersons, namely:—

Date : 21-6-1983

### FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 21st June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3701.—Whereas, J. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 94, situated at Nandlalpura, Main Road, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer

at Indore on 2-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rajkumari - Devi W/o Thakur Mansinghjialias-Mangilalji Ratnakar, R/o House No. 94, Nandlalpura, Main Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kamalsingh Bhilware, S/o Shri Babusinghji Bhilware, R/o House No. 16, Salvi Bakhal Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of House No. 94 at Nandlapura, Main Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rango
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 21-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 21st June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3702.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Indometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Mucl. No. 94 (3rd floor) situated at Nandlalpura, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 2-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Rajkumari W/o Shri Thakur Mansinghjialias-Mangilalji Ratnakar, R/o House No. 94, Nandlalpura, Main Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ravindrasingh S/o Babusingh Legal Guardian-Shri Babusingh S/o Shri Ramialji Bhilware, R/o 16, Salvi Bakhal, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of Mucl. H. No. 94 (3rd Floor) at Nandlalpura, Indore.

D. P. PANTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-6-1983

### FORM I.T.N.S.-

 Shri Ramdas Rupa Mahajan Kachhi Mali, R/o Nayamatpura, Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(2) Chairman—Nagar Sudhar Nyas, Burhanpur.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 21st June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3703.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land New No. 467/1, situated at Vill. Mahmandpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 2-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land New No. 467/1 at Vill: Mahmendpura, Teh: Burhanpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 21-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)
Bhopal, the 21st June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3704.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 103 situated at Vill : Fathepur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 19-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Saida Parveen W/o Mohd. Iliyas, R/o 82, Nayapura, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Nageendas (2) Jagdishchand (3) Santoshkumar S/o Babulal Shah, R/o Sindhipura, Ward, Aalam-ganj. Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land New No. 103 at Vill: Fathepur, Teh: Burhanpur which is described in form No. 37-G and verified by the transferee. There is a well in the land with motor pump.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 21-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 21st June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3705.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 102/2, 108, 106/2, situated at Vill: Fathepur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 19-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Saida Parveen W/o Mohd, Iliyas, 82, Nayapura, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Chandrabai, W/o Babulal Shah, R/o Sindhipura Ward, Aldmganj, Burhanpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land No. 102/2, 108, 106/2, at Vill: Fathepur, Teh: Burhanpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 21-6-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 22nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3706.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe, that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing Land Survey No. 397, situated at Loharpiplya, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer.

1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 30-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—216GI/83

- (1) Shri Mangilal S/o Poonaji Khati, Village Loharpiplya, Tehsil and Distt. Dewas, M.P. (Transferor)
- (2) M/s. Gajra Gears Private Ltd., Station Road, Dewas, Through its Manager Shri A.D. Janghiyani. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land survey No. 397, situated at Village Loharpiplya, Tehsil and Distt. Dewas, M.P.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 22-6-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 22nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3707.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land Survey No. 396 situated at Loharpiplya Tehsil Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 30-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trilly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sa d Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh.i Kashiram S/o Bhera Khati,
 Sawant Santilal S/o Bhera Khati,
 Gopal S/o Sawant Khati,
 R/o Loharpiplya, Tehsil, Dewas.

(Transferor)

(2) M/s. Gaira Gears Private Ltd., Station Road, Dewas through its Manager Shri A. D. Janghiyani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable-property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land survey No. 396, Loharpiplya, Tehsil Dewas, M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 22-6-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 22nd June 1983

Ref. No. [AC/Acqn/Bpl/3708.—Whereas, I, D, P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have 'reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nazul Plot No. 68, Sheet No. 4, situated at Jarhabhata, Bilas-pur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 26-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) United Church of Northern India Trust Association, Bombay through their Agent Shri F. C. Jonathan S/o Shri C. Jonathan, R/o Napoer Town, Jabalaur.

(Transferor)

(2) Shri F. Y. Banerjee, W/o Dr. M. K. Banerjee, R/o Jack Man Memorial Hospital, Bilaspur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of Nazul land out of Nazul Plot No. 68, Sheet No. 4 of Jarhabhata, Bilaspur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar. Bhopal

Date: 1-7-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 22nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3709.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43' of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nazul Plot No. 68, Sheet No. 4 situated at Jarhabhata,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 26-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- United Church of Northern India Trust Association, Bombay through their Agent Shri F. C. Jonathan S/o C. Jonathan, R/o Napier Town, Jabalpur.
- (2) Shri Sukhwant Singh S/o Shri Jogendar Singh, R/o Jarhabhata, Bilaspur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 68, Sheet No. 4, at Jarhabhata, Bilaspur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-7-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 1st July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3710.—Whereas, L. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 515/4 situated at Korinbhata, Rajnandgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajnandgaon on 23-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prakash Kumar S/o Shivkumar Shrivastava R/o Kilapara, Rajnandgaon.

  (Transferor)
- (2) Smt. Kamala Devi W/o Shri Dhoolchandji Jain, R/o Sadar Bazar, Rajnandgaon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 515/4, Korinbhata, Rajnandgaon,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 1-7-1983

 Smt. Padmadevi W/o Shri Shivkumar Shrivastava, R/o Vill: Korinbhata, Rajnandgaon.

(Transferor)

(2) Smt. Shantidevi W/o Shri Khemchand Jain, R/o Kamtiline, Rajmandgaon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 1st July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3711.—Whereas, I, D, P, PANTA,

bing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/ and hearing

25,000/- and bearing
Land Kh. No. 515/1 situated at Korinbhata, Rajnandgaon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Rajnandgaon on 23-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 515/1 at Korinbhata, Rajanangaon.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagur, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 1-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2010.—Whereas, I. MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) herenafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fir market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mahant Ram Pd. Chela Mannadasji R/o Niwai Ke Mahant Ka Rasta, Ramganj Bazar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Chotti evi W/o Shri Babulal R/o Niwai Ke Mahant Ka Bagh, Anandpuri, Jaipur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot situated in Mahant Niwasji Ka Bagh, near Bhagmion ji ki Chatri Adarsh Nagar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2888 dated 12-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sharwan Singh S/o Shri Umed Singh through guardian & father Shri Umed Singh S/o Nanu Singh, Vill. Dhankiya Now Vill. Sardarpura.

(Transferor)

(2) Shri Bhanwer Singh, Sh. Vijay Singh, Sh. Hari Singh & Sh. Bhawani Singh, sons of Shri Man Singh, Queens Road, Jaipur.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2011.—Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 24-11-1982

at Jappur on 24-11-1902
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 7 bigha 15 biswa in Kasra No. 448, in Vill. Dhankya and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 3039 dated 24-11.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-1983 Seal;

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 2nd July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3712.-Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Nazul Plot No. 68, Sheet No. 4 situated at Jarhabhata, Bilaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bilaspur on 26-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforebelieve that the fair market value of the property as afformation and the said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--32-216GI/83

(1) United Church of Northern India Trust Association Shri C. Jonathan, R/o Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri M. K. Banerjee S/o Shri T. P. Banerjee, R/o Jackman Memorial Hospital, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 68, Sheet No. 4, at Jarhabhata, Bilaspur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, BHOPA

Date: 2-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 4th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3713.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Land Kh. No. 323 situated at Mouza Teli Bandha, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 25-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Panau S/o Shri Laxman, R/o Telibandha.

(Transferor)

 Kavita Griha Nirman Sahakari Samiti, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :  $\perp$ 

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 323, at Mouza Telibandha, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 4-7-1983

eal

(1) Shri Rijumal S/o Shri Dulanomal. R/o Jail Road, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Trilokchand S/o Shri Kishinchand, R/o Kelkarpara, Raipur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 4th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3714.--Whereas I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of House No. 19/205 (Old) New No. 4/205 situated

at Gudiytri, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 3-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Part of House No. 9/205 (Old) New No. 4/205, Pucca House situated at Machhali Talab, Ward Gudiyari, Raipur,

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,
> 4th Floor, Gangotri Building,
> T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . -

Date: 4-7-1983

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 4th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3715.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House No. 19/205 (Old) New No. 4/205 situated at Gudiyari, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 3-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Rijumal S/o
 Shri Dulahnomal, R/o
 Jail Road, Raipur.

(Transferor)

(2) Master Chandrabhan S/o Shri Chhataram, Minor through Guardian Detaram S/o Shri Murajmal, R/o Kelkarpara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of House No. 19/205 (Old) New No. 4/205, at Machhali Talab Ward, Gudiyari, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 4-7-1983

Scal:

#### FORM ITNS ---

 Shri Rijhumal S/o Shri Dulahnomal, R/o Jail Road, Raipur.

(2) Smt. Sunita Devi W/o

(Transferor)

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Yogesh Kumar, R/o Kelkarpara, Raipur.

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 4th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3716.--Whereas J, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Part of House No. 19/205, New No. 4/205 situated at Gudhvari, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on 3-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of House No. 19/205 old, New No. 4/205, double storied Pucca house situated in Machhli Takab Ward and Gudhyari, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 4-7-1983

#### FORM I.T.N.S .---

## NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3717.—Whereas D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion of Out House No. 1707 to 1714 & Plot No. 308 3

Portion of Out House No. 1707 to 1714 & Plot No. 308, 3 Corprn., Plot No. 47 situated at Wright Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Jubalpur on 18-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid proprty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Km. Ratna Prabha D/o
 Mri Motilal Jain, R/o
 Napier Town, Jabalpur.

(2) Shri Manoharlal S/o Shri Kishanchand Dodeja, R/o

262, Bhartipur, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of out house No. 1707 to 1714 & land Sheet No. 152-A Plot No. 308/3, Corporation Plot No. 37 at wright Town, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ath Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAI

Date: 4-7-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Km. Ratna Prabha D/o Shri Motilal Jain, R/o 772, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Otandas S/o Shri Hiranand Dodeja, R/o 262. Bhartipur, Jabalpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3718.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Out House 1707 to 1714 (Portion) Land Sheet No. 152-A, No. 308/3 Corporation plot No. 47 situated at Wright

Town, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offce of the Registering Officer at Jubalpur on 18-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Out House No. 1707 to 1714 and Land Sheet No. 152-A, Plot No. 308/3, Corporation Plot No. 47. Wright Town, Jabalpur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-7-1983.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3719.—Whereas 1, D. P. PANTA,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/Land Kh. No. 7/7, 19/1 situated at Lalai Tori, Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 2-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Lokmen S/o Shri Kundanlal,
  - 2. Smt. Vaijayanti Bai W/o Shri Lokman, R/o Chakraghat, Sagar.

(Transferor)

(2) Shri Raghavendra Singh S/o Shri Kripal Singh, R/o Shastri Ward, Sagar.

(Transferee)

Objections, ir any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 7/7, 19/1, at Lalai Tori, Sagar,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 5-7-1983.

Scal ;

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P. Bhopal, the 5th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3710.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/Land Kh. No. 7/7, 19/1 situated at Lalai Tori, Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 2-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Lokmen S/o Shri Kundanlal,

> Smt. Vaijayanti Bai W/o Shri Lokman, R/o Chakraghat, Sagar.

(Transferor)

(2) Shri Martand Singh S/o Shri Bhagat Singh Thakur, R/o Shastri Ward, Sagar,

· (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. NSo. 7/7, 19/1 at Mouza Lalai Tori, Sagar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

33—216GI/83

Date: 5-7-1983.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3721.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable immovable immovable immovable immovable. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Land Kh. No. 7/7, 19/1 situated at Lulai Tori, Sagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sagar on 2-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Shri Lokmen S/o Shri Kundanlal,

(Transferor)

2. Smt. Vaijavanti Bai W/o Shri Lokmen, R/o Chakraghat, Sagar.

(Transferee)

(2) Shri Premprakash Singh S/o Shri Bhagat Singh Thakur, R/o Shastri Ward, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 7/7, 19/1, at I alai Tori, Sagar.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald properly by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 4-7-1983

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th July 1983

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3722.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House on portion of plot No. 72, Sheet No. 29 situated at Durg

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 12-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prabhudayal Khandelwal S/o Shri Chithermal Khandelwal, R/o Gandhi Chowk, Durg.

(2) Shri Gendmal S/o Shri Mishrilal Jain, R/o Shenichar Bazar, Durg. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House constructed on the portion of plot No. 72, Sheet No. 29-D at Durg.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 4-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3723.—Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Plot No. 523 and icomplete garrage thereon
situated at Khatiwala Tank Scheme No. 44, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Tolaram S/o Shri Bhagwandasji R/o House No. 9, Palsikar Colony, Indore Through Power of Attorney Girdharilal S/o Ramchandra, R/o 49, Palsikar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Sita Bai W/o Bhishmlalji, R/o House No. 9, Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 523 and icomplete garrage thereon at Khatiwala Tank Scheme No. 44, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar Bhopal

Date: 8-7-1983

#### FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

> > Bhopal, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3724.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Plot No. 8 situated at Punjabi Housing Co-operative Society

Ltd., Govindpura, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 10-11-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Harjinder Singh Saluja S/o Kartar Singh Through Power of Attorney Amarit Singh S/o Kartar Singh Saluja, R/o Betulganj, Betul.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Prakash Chabra S/o Gopaldas Chabra, R/o Lajpatrai Housing Society, Raisen Road, Bhopal,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Plot No. 8, at Punjabi Housing Co-operative Society Ltd., Govindpura, Bhopal.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar Bhopal

Date: 8-7-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3725.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 9, situated at Indrapuri, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 8-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the frability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Gabbar Hussain & Brothers Fazal Hussain Zulfkar Hussain Through Gabbar Hussin S/o Haji Mulla Mohammad Hussain, R/o Bhopal.
 (Transferor)

(2) Smt. Lalitha Rani Madan W/o Subhashchandra, R/o Jahangirabad, Phopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 9, Scheme No. 6, Indrapuri, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar
Bhopal

Date: 8-7-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3726.—Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 92 situated at E-7, Arera Colony, Bhopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Positivities Art 1000 (15).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Lalitha Rao W/o A. L. Anantrao 2. Naresh Kumar S/o Manderdas, R/o Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Vijay Laxmi W/o Mukesh Bansel, R/o H.I.G. 22, Shivaji Nagar,

(Transferee)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 92, E-7. Area Colonv. Bhopal.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, '4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar

Date: 8-7-1983

#### FORM ITNS----

(1) Km. Asha Kotari
D/o Sardarmalji,
Through Rajendra Kotari,
Betuwa Appartment,
T.T. Nagar, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3727.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 7 situated at Kohisiza, Bhopal

Plot No. 7 situated at Kohifiza, Bhopal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

1. Shyamlal
 2. Radha Vallabh
 3. Mohanlal
 S/o Baldevdasji Garg,
 R/o Kajipura, Bhopal,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, B-Sector, Kohifiza, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar
Bhopal

Date: 8-7-1983

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Km. Kamla Saxena D/o Late Bhawani Shanker Saxena, R/o Choubdarpura Taliya, Bhopal.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Shanti Bhargav W/o Suvalalji, R/o 33, Jail Road, Jahangirabad, Bhopal.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

> > Bhopal, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/BpI/3728.—Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 268 and House thereon situated at E-3, Arera

Colony, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 5-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 268 and House constructed thereon, at E-3, Arera Colony, Bhopal.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---34-216GI/83

Date: 8-7-1983

 Basant Vihar Griha Nirman Sahakari Sanstha Ltd., Gwalior—K.D.R.G.W.R. 59—Registered address— Sindhiya Kaniya Vidyalay, Gwalior— Competent Authority-Mishrasingh S/o Ochesinghji,

(2) Shri Ashok 'Kumar S/o Ramswaroop Juneja.

(Transferee)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3729.-Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the bearingfter referred to Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot of land No. 12-B situated at Jaivilas Prasad Compound Basant Vihar Colony, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land No. 12-B, at Juivilas Prasad -- Compound, Basant Vihar Colony, Gwalior,

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar Bhopal

Date: 13-7-1983

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3730.—Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land No. 22-A situated at Jaivilas Prasad Compound Basant Vihar Griha Nirman Sahakari Sanstha, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

1908) in the Office of the registering Officer at Gwalior on 27th November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Basant Vihar Griha Nirman Sahakari Sanstha Ltd., Gwalior Registration No. D.R.G.W.R. 59, Registered Sindhiya Kanya Vidhyalay Lashkar Competent Authority-Mishsasingh S/o Ochesingh.

(2) Shri Rakesh Kumar S/o Lekhamsingh.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land No. 22-A Jai Vilas Prasad-Compound Basant Vihar Griha Nirman Sahakari Sanstha, Gwalior.

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar Bhopal

Date: 13-7-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3731.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 29-A situated at Jaibilas Prasad Compound, Basant Bihar Grih Nirman Sahkari Sanstha, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gwalior on 27 November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Basant Bihar Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit Gwalior, Registration No. DRGWR 59 Dated 7-7-1975 Registered Sindhiya Kanya Vidalaya Lashkar Incharge Officer, Shri Mishrasingh S/o Ochhesinghji.

(Transferor)

(2) Bhagwan S/o Hemraj Arora.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 29-A situated at Jaibilas Prasad Compound Basant Bihar Grih Nirman Sahkari Sanstha, Gwallor,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Naga
Bhopa

Date: 13-7-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th July 1983

'Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3732.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot of land situated at Basant Bihar Grih Nirman Sahkari Sanstha, Jaibilas Prasad Compound, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 27 November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Basant Bihar Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit Gwalior, Incharge Officer, Shri Mishrasingh S/o Shri Ochhesinghji Kushwah. (Transferor)
- (2) Shri Vedprakash Gidda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land situated at Basant Bihar Grih Nirman Sahkari Sanstha, Jaibilas Prasad Compound, Gwalior.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar
Bhopal

Date: 13-7-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3733.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot of land situated at Jaibilas Prasad Compound, Basant Bihar Grih Nirman Sanstha, Gwalior. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on November 27 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Basant Bihar Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit Gwalior, Incharge Officer, Shri Mishrasingh S/o Shri Ochhesinghji Kushwah.
 (Transferor)

(2) 1. Shri Purshottam Kumar,2. Shri Manojkumar,both s/o Mohanlal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land situated at Jaibilas Prasad Compound, Basant Bihar Grih Nirman Sahkari Sanstha, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 14th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/3734,—Whereas, J. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot of land situated at Jaivilas Prasad Compound, Basant Vihar Griha Nirman Sanstha, Gwalior (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the Office of the Registering officer at Gdalior on 27-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Basant Vihar Griha Nirman Sahakari Sanstha Ltd., Gwalior through Competent Authority-Mishrasingh S/o Shri Ochesinfihji Kushwah. (Transferor)
- (2) 1. Lekhraj Vijay Kumar S/o Arjundas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land at Jal Vilas Prasad Compound, Basant Vihar Griha Nirman Sanstha, Gwalior.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-7-1983 Seal:

(1) Basant Bihar Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit through Incharge Officer, Shri Mishrasingh S/o Shri Ochesingh Kushwah. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrì Vinod Chadda.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3735.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Jaibilas Prasad Compound Basant Vihar Grih Nirman Sanstha, Gwalior

(and more fully described in the Schedule armexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gwalior in November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

Plot of land situated at Jaibalas Prasad compound Basant Vihar Grih Nirman Sanstha, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 14-7-1983

FORM ITNS----

(1) Basant Vihar Griha Nirman Sahakari Sanstha Ltd., Gwalior--Competent Authority, Shri Mishrasingh S/o Shri Ochesinghji Kushwah. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kaushaliya Bai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3736.-Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Basant Vibar Grib Nirman Sahakari Sanstha, Jai Vilas Prasad Compound, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Rogistering Officer at Gwalior on 27-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-'said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 35-216GJ/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land Basant Vihar Griha Nirman Sahakari Sanstha, Jai Vilas Prasad Compound, Gwalior.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. Nagar, BHOPAL

Date: 14-7-1983

Scal:

- (1) Basant Bihar Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit Gwalior through Incharge Officer, Shri Mishrasingh S/o Shri Ochesingh Kushwah. (Transferor)
- (2) 1. Shri Satishchandra
   2. Shri Sureshchandra, both S/o Shri Nandful.
   (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3737.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

and bearing
No. Plot of land situated at Basant Vihar Grih Nirman Sanstha,
Likilas Persad Compound Gyralion

Jaibilas Prasad Compound, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 27-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, I imely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land situated at Basant Vihar Grih Nirman Sanstha, Jaibilas Prasad Compound, Gwallor.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 14-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3738.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Property Land situated at Jai Vilas Prasad Cimpound, Basant Vihar Griha Nirman Sanstha, Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 27-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Basant Vihar Griha Nirman Sahakari Sanstha Ltd., Gwalior through Competent Authority Shri Mishrasingh S/o Shri Ochhesinghji Kushwah. (Transferor)
- (2) Shri Chunnilal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land, Jaivilas Prasad Compound, Basant Vihar Griha Nirman Sahakari Sanstha, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 14-7-1983

Scal ·

- (1) Basant Bihar Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit Gwalior through Incharge Officer, Shri Mishrasingh S/o Shri Ochesinghji Kushwah. (Transferor)
- (2) Shri Jwala Prasad S/o Shri Jagannath Prasad. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3739.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the In-me-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Plot of land situated at Jaibilas Prasad Compound Basant Bihar Grih Nirman Sanstha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gwalior on 27-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Plot of land situated at Jaibalas Prasad compound Basant Bihar Grih Nirman Sanstha, Gwalior.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incom-tax Acquisition Rang.
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, BHOPA1

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-7-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3740.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property, Plot No. 11 situated at Jai Vilas Prasad Compound, Gwalior,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gwalior on 27-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Basent Vihar Griha Nirmen Sahakari Sanstha Ltd., Gwalior, Sindhiya Kaniya Vidhyalaya Gwalior, Competent Authority, Shri Mishrasingh S/o Shri Ochesingh Kushwah. (Transferor)
- (2) Smt. Shakuntala Devi W/o Shri Madanlal (Transferce)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property, Plot No. 11, Jaivilas Prasad Compound, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 14-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3741.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Village Jaunapura, Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gwalior on 22-11-1982

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Naw, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Minor—Narendra Pratap Singh S/o Gajendra Singh S/o Mahipath Singh,
  R/o New Colony, Industrial Area, Gwalior.

  (Transferor)
- (2) Shri Jagdish Rajpal S/o Shri Arjundas Rajpal, R/o 15. Shriram Colony, Jhansi Road, Lashkar, Gwallor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Village Jonapura, Gwallor.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 14-7-1983

Seal.

Shri Surendra Vikram Singh-alias- Pratap Singh S/o Shri Gajendra Singh minor S/o Shri Gajendra Singh, R/o New Colony Industries Area, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Kala Devi W/o Shri Arjundas Rajpal, R.'o Shriram Colony, Jhansi Road, Lashkar, (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3742.-Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Village Jonapura, Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gwalior on November 27 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Village Jonapura, Gwalior.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 13-7-1983

Smt. Indra Devi W/o Gajendra Singh (2) Rajendra Singh S/o Gajendra Singh, R/o New Colony Industrial Area, Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arjundas S/o Shri Hasmatraiji Rajpal, R/o Shriram Colony, Jhansi Road, Gwalior. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 13th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3743.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land situated at Village Girgaon, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed bereta).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 22-11-82

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

)b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land at Village Girgaon, Gwalior,

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-

Date: 13-7-1983

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3744.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mucl. No. 98 situated at Ward No. 23, Morena, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Morena on 9-11-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

36-216GI/83

- (1) Shri Munnalal S/o Shri Ram Prasad Modi, R/o Dholpur at present Okhla, New Delhi. (Transferc
- (2) Smt. Pushpa Devi W/o Shri Hari Shanker, Sadar Bazar, Morena.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Mucl. No. 98, Ward No. 23, at Morena.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn./.Bpl/3745. -Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mucl. house Number 98 situated at Ward Number 23 at Morena,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Morena on 9-11-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Munnalal S/o Shri Ram Prasad Modi, R/o Dholpur at present Okhla, New Delhi. (Transferor)
- (2) Rakesh Kumar S/o Kiratram Guardian Shri Kiratram S/o Savaldas Mahor R/o Sadar Bazar, Morena. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Municipal House Number 98 situated at Ward No. 23 at Morena.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Ram
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 13-7-1983

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3746.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of House No. 98 situated at Ward No. 23, Morena, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Morena on 9-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Munnalal S/o Shri Ram Prasad Modi, R/o Dholpur at present resident of Okhla, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bhagwatibai W/o Shri Ramgopal, R/o Padav Old Kotwali, Morena. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period agricus later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Part of Municipal House No. 98, Ward No. 23, Morena.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar. BHOPAL

Date: 13-7-1983

#### FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3747.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Municipal house No. 98 situated at Ward No. 23 Morena, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Morena on 9-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Munnalal S/o Shri Ram Prasad Modi, R/o Dholpur Hall, Okhla, P. O. Okhala, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Gangabai W/o Kiratram Vaishya Mahore, R/o Sadar Bazar, Morena, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Part of house Municipal Number 98 situated at Ward No. 23 at Morena.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAI

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3748.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 410/9 & 410/10 situated at South Civil Lines, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in th office of the Registering Officer at Jabalpur on 8-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Padma Binani Family Trust, Estate Jabalpur.

(Transferor)

 Dr. Mathaprasad Chourasiya Engineering College, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said.

Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 410/9, 410/10, South Civil Lines, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 16-7-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Padma Binani Family Trust Estate, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Deepak Modi,2. Devika Modi,Narbada Road, Jabalpur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE. BHOPAL

Bhopal, the 16th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3749.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 405

situated at South Civil Lines, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabaipur on 8-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/er
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

House No. 405, South Civil Lines, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 16-7-1983

(1) Padma Binani Family Trust-Estato, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Deepak Modi, 2, Devika Modi, Narbada Road, Jabalpur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL Bhopal, the 16th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3750.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imnovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

pearing No. House No. 405 situated at South Civil Lines, Jabalpur

and more fully described in the Schedule annexed hereto), ias been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on 8-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 405, at Civil Lines, Jabalpur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 16-7-1983

FORM I.T.N.\$.-

(1) Krishna Bhatia, Narbada Road, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Poonam Choudhary, 374, B-Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3751.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred (hereinafter referred , to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 25 situated at Adersh Nagar, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 18-11-82 Jabapur on 18-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid 'persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 25 at Adersh Nagar, Jabalpur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 16-7-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 18th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3752.—Whereas, I.

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 633-B house constructed thereon situated at New Palasia Municipal No. 32C Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in 11-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-37-216GI/83

(1) 1. Smt. Vimal Anant Deshmukh 2. Smt. Vinodini Ashok Karnik

Smt. Chhaya Anil Raje
 Smt. Kishori Ajit Pradhan and

5. Jyoti Narendra Randive, R/o 154, Shrinagar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Smita Bharatkumarji Modi.

2. Navnitlal Brijlalji Modi,
3. Bharatkumar Navnitlal Modi and
4. Smt. Sushlla Devi Navnitrai Modi,
R/o 10/3 Old Palasia, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

Plot No. 633-B and house constructed thereon situated at New Palasia Two-C.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Runge, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 18-7-1983

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Radhikaprasad S/o Harprasad Nayak R/o Anandnagar, Raipur, M.P.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Amarnath S/o Pandit Matafakir Mishra, R/o Shankarnagar, Raipur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACOUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 18th July 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3753.—Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 18/22

situated at Anand Nagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on 19-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Number 18/22 situated at Anandnagar, Raipur M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 18-7-1983

Scal:

(1) Sh. M. S. Kanitkar, 917/6, Ganeshwadi, Deccan Gymkhanna, Pune-4.

(Transferor)

Smt. Nagambal Ramchandran,
 Sh. R. V. Ramchandran,
 Flat No. D-2, Rajat, Kanitkar Apartments,
 Scnapati Bapat Rd., Pune-411 016.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANE KARVE ROAD POONA-4

Pune-4, the 6th July 1983

Ref. No. CA-5/928/SR Haveli-II/83-84.-Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. D-2, 2nd floor, Rajat Building situated at Shivaji Nagar, C.T.S. 968-969—Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Haveli-II in Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. D-2, 2nd floor, Rajat Building, Plot Nos. 19 and 20 Final Plot No. 395 and 396, City Survey No. 968 and 969, Shivaji Nagar, Sonapali Bapat Road, Punc-16. (Area—770 sq. ft.). (Property as described in the sale deed registered in the

office of the Sub-Registrar, Haveli-II under document No. 7138 in the month of Nov. 1982).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 6-7-1983

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANE KARVE ROAD POONA-4

Pune-4, the 6th July 1983

Ref. No. CA-5/927-SR.Haveli-II/83-84.--Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

G-2. Pavi Apartment, 1161/11, situated at Pune-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Haveli-II on Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

(1) Mrs. Leela Pandurang Mhetras 1161/11, Gharpure Colony, Shivajinagar, Pune-5

(2) Mrs. Meena Narayan Patil, 1161/11, Gharpure Colony, Pune-5.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. G-2, Pavi Apartment, 1161/11, Gharpure Colony, Shivaji Nagar, Punc-5.
(Area—844.63 sq. ft.).
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registration Haveli-II, Pune under No. 4436 in the month of Nov. 1082) in the month of Nov. 1982).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 6-7-1983

(1) Sh. C. S. Sanghavi and others, 318/19, Chatursinghi Rd., Pune-16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. S. L. Kapur and Mrs. Krishna Kapur, B-5, N.C.L. Poona-8.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, FRANDAWANE KARVE ROAD POONA-4

Poona-4, the 6th July 1983

Ref. No. CA5/926/S.R. Haveli-II/83-84.--Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing Plot No. 40, S. No. 129/130, Anand Park, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Haveli-II, Pune in Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Bldg, at Plot No. 40, S. No. 129/130 Anand Park, Aundh, Punc-7.

(Area-1557 sq. ft.).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Pune under document No. 7371 in the month of Nov. 1982).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 6-7-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANE KARVE ROAD POONA-4

Poona-4, the 6th July 1983

Ref. No. CA-5/925/SR.Haveli-II/83-84.-Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

Apartment No. 10, 93-A Aundh Anand Park, situated at Aundh, Punc-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Haveli-II, Pune in Nov. 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. V. T. Kothari, 319/19. Chatrusinghi Rd., Pune-16.

(Transferor)

(2) Sh. J. Y. Mulay and Mrs. K. J. Mulay Apartment No. 3, Plot No. 93-A, Anand Park, Aundh, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Apartment No. 10, 93-A Anand Park, Aundh, Pune. (Area - 896 sq. ft.).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Pune under document No. 7372 in the month of Nov. 1982).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poone.

Date: 6-7-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANE KARVE ROAD POONA-4

Poona-4, the 6th July 1983

Ref. No. CA-5/924/SR Haveli-II/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing Apartment No. 10, 93-A S. No. 129/130/1, Aundh Anand Park situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Haveli-II in Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Sh. V. T. Kothari, 318/14, Chatursinghi Road, Pune-16.

(Transferor)

(2) Mrs. Anjana C. Agarwal, Apartment No. 10, 93-A Anand Park, Aundh, Pune-411007.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Apartment No. 10, 93-A, Anand Park, Survey No. 129/130/1, Aundh, Pune-411 007. (Area—896 sq. ft.).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II under document No. 359 in the month of Nov. 1982).

SHASHIKANT KULKARNI .Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANE KARVE ROAD POONA-4

Pune-4, the 4th July 1983

Ref. No. CA-5/921/SR Haveli-II/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C.T.S. No. 1743 Sadashiv Peth, Pune-30 situated at Pune-30

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at S. R. Haveli-II on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Nandram Girdharilel Unecha Kandhave Khurd, Tal, Haveli, Dist. Punc.

(Transferor)

(2) Sh. Vijaya Baburao Payagude, 1155, Sadashiv Peth, Pune-30,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building C.T.S. No. 1743-Sadashiv Peth, Pune-30.

(Area—300 sq. metre).
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Pune under document No. 6890 in the month of Nov. 1982).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 4-7-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANE KARVE ROAD, POONA-4

Pune-4, the 24th July 1983

Ref. No. CA-5/911/SR/Niphad/83-84.---Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of ,1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Gat No. 329/2, Kodure Village, Tal. Niphad situated at Dist. Nasik

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Niphad in Nov. 1982

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue-of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 $38 = -216 \mathrm{GI/83}$ 

(1) 1. Shri Dattatraya Vesudeo Bharve,

(2) Shri Ramanad Purushottam Bharve(3) Shri Shridhar Purushottam Bharve

(4) Shri Madhusudan Purushottam Bharve

(5) Smt. Madhuri Vosantiao Marathe(6) Smt. Rasmi Prakashrao Amtekar

(7) Smt. Samanrao Purushottam Bharve, Kodure, Tal. Niphad, Dist. Nasik.

(Transferor)

 Shri Jaywani Ranganath Khapre, Ugaon Tal. Niphad Dist. Nasik

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gat No. 329/2, Kodure village, Tal. Niphad. Dist. Nasik. (Area-2H-74 R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Niphad under document No. 1855 in the month of November, 1982)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 24-6-1983. Seal :

(1) Shri Vijay H. Kapur 30, Poorvi Maeg, Vasant Vihar New Delhi-57.

(Transferor)

(2) Smt. Seema Santosh Kuniar Goel, 407'2, Napa Peth, Pune-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANE, KARVE ROAD, POONA-4

Pune-411004, the 5th July 1983

Ref. No. CA--5/37-EE/83-84/203.—Whereas, I, SHASHIKANT KÚLKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Plot No. 32, Suyojana Co. Op. Hsg. Soc. Scheme No. II situnted at Koregaon Park, Pune 2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Punc on 23-11-1982 for an apparent consideration which is dess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the dute of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 32, Suyojana Co. Op. Hag. Society Scheme No. II Koregaon Park, Pune-2 (Area 6750 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered under No. 469 date 23-11-82 in the office of the IAC Acq. Range, Pune)

> SHASHIKANT KULKARNI Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

Date: 5-7-1983

Seal:

persons, namely:---

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANE KARVE ROAD, POONA-4

Punc-411004, the 5th July 1983

Ref. No. CA-5/37-FE/83-84/202.---Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 57 Dewan & Shah Industrial Estate, No. 5 situated at Vasai Thone

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1AC Acq., Range, Pune on 30-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Basien Industrial Dev. Corpn. Dewan Tower, Navghar Village (W) Vasai Stn. Road, Dist. Thane

(Transferor)

 Mis. Lalit B. Agarwal, C-14, Flower Queen Soc. Veera Desai Road, Andheri (W) Bombay-58.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 57, Dewan & Shah Industrial Estate No. 5, Village Navghar (E) S. No. 31 Part-34,35,36 & 37) (Property as described in the agreement to sale registered under No. 541 date 30-11-82 in the office of the IAC Acquisition Range, Pune)

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 5-7-1983 Seal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Nirman Builders 40/41, Vishal Shopping Centre Sir M. V. Road, Andheri (E) Bombay-69.

(Transferer)

(2) Shri Mahadev Dhondiba Bagade Room No. 82, New Parsi Chawl Dharavi Road, Kala Kila Bombay-17

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, 60,61 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Pune-411004, the 5th July 1983

Ref. No. CA5/37-EE/83-84/201.-Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sector 17, Vashi New Bombay-703 Area, 340 sq. ft.

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Punc on 23-11-82 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore have a foresaid exceeds the apparent consideration therefore have a foresaid exceeds the apparent consideration therefore have a foresaid exceeds the apparent consideration therefore have the apparent consideration that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and the apparent consideration are also apparent consideration and the apparent consideration and the apparent consideration and the apparent consideration are apparent consideration and the apparent consideration are apparent consideration and the appar said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 25, Ground floor, Nirman Vyapar Kendra Plot No. 10 Sector 17, Vashi, New Bombay-703-Area 340 sq. ft. (Property described in the agreement to sale registered under No. 470 date 23-11-82 in the office of the IAC Acquisition Pearse Property.) sition Range, Pune)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, unmely :--

Date: 5-7-1983 Sept :

## FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 28th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/200.--Whereas, f, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

\*Flat No. 12 'Bijal Apartments' Plot No. 42, S. No. 44 (Part) Anand Nagar, Navghar Vasal (W) Dist. Thanc.

situated at Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Pune on 27th Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Vimal Associates,
 Rita 'A' Harsha Park, Chandawarkar Road, Borivli (W), Bombay-92.

(Transferor)

(2) Shri Saleem Mohd, Abdillah c. o 42 Commercial Chember, Masjid Bunder Road, Bombay-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No. 12 'Bijal Aparlments' Plot No. 42 S. No. 44 (Part) Anand Nagar, Navghar Vasai (W) Dist. Thane-Area-425 sq. ft.

Property 25 described in the sale of agreement which is registered in the office of the IAC Acq. Range, Pune, under No. 2764 dated 18-11-82.

Inspecting Asstt. SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 28-6-1983

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Narayan Narhar Joshi 227, Sadashiv Peth, Pune 30.

(Transferor)

## (2) Mrs Indrani Hemachandra Chandrachood 33-28 Prabhat Road, Pune-4.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANE, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 29th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/199.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Plot No. 35-S. No. 128-4, Aundh, Pune, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC Acq. Range, Pune on (325) 6-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 35, 128/4 Aundh Tal. Haveli, Dist. Pune-Area 8928 sq. ft.

Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the IAC Acq. Range, Pune under dated 6-11-82.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 29-6-1983

Seal

The selection of the contract of the contract

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 60/61 ERANDAWANE, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 29th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/198.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/c and hearing

Rs. 25,000/- and bearing Block No. 1, Saraswag Building-Plot No. 40, S. No. 45, Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thanc. situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annuxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range, Pune on (510) 26-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rohit Enterprises, 11, Tinwala Building, Tribhuvan Road, Bombay-4.

(Transferor)

(2) Mr. Ramakont Z. Desai, C.W.C.P.C. Quarters, Room No. 8, 2nd floor, J. J. Hospital, Bycufla, Bombay. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapte: XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Block No. 1 Saraswat Bldg. Plot No. 40. S. No. 45, Village, Navghar, Tal. Vasai, Dist. Pune.-Area 565 sq. ft.
Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the IAC Acq. Range, Pune, under No. 510 dated 26-11-82.

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poo-

Date: 29-6-1983

 Shri D. T. Abhonkar and Shri S. T. Abhonkar, 390-A, Narayan Peth Pune-30.

(Transferor)

(2) M/s. Ehah & Associates, 391, Narayan Peth, Pune-30.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANE, KARVE ROAD, POONA-4

Pune-4, the 4th July 1983

Ref. No. CAS/37FE/1983-84/197.—Whereas, I, SHASHIKANT KUIKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the aumovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 390-A, Namyan Peth, Pune-30 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C., Acq. Range, Pune, on No. (229) November 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

390-A, Narayan Peth, Pune-30 Area: 4905, sq. ft. (Property as described in the agreement to sale, registered under No. 229, dated November, 1982 in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poonta

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANE, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 25th June 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/196.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Office No. 6, 1st floor, Aurora Tower 9, Moledina Road., S. No. 249, Contonment situated at Pune-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the taid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

39--216GI/83

(1) M/s Sharat Promoters,2 East Street, Maneck Hall, Pune-1

(Transferor)

(2) Shri Rahul Mohan Gharpure by Dr. Mohan B. Gharpure 39-15-16 Kachare Path, Etandawana, Punc-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any or the aforesate persons whem a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 6, 1st floor, Aurora Tower, 9 Moledina Road., No. 249, Contonment, Pune, (Area-611 sq. ft.) (Property described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 53 in the month of November, 1982)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstl. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Table: 25-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANE, KARVE ROAD, POONA-4

Pune-4, the 6th July 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/195.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 2, Ground Floor, Building No. A-1, S. No. 2, Vill. Dewanman Manickpur, Vasal Road, situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acq, Range, Pune on 12-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely —

 Bassein Housing Development Corporation, Dewan Tower, Navghar Bassein Road, Dist: Thane.

(Transferor)

(2) Mrs. Valsa Babu, Professor in Botany, Biology Department, Vasai College, Road, Thane.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor, Building No. A-1, S. No. 2, Village Dewanman Mainckpur, Vasai Road, Thane. (Property as described in the agreement to sale registered under No. 378, on 12-11-1982 in the office of the O.A.C., Acquisition Range, Pune.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 6-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANE, KARVE ROAD, POONA-4

Pune-411004, the 5th July 1983

Ref. No. CA-5/37-EE/83-84/194.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Unit 55, 1st floor, Dewan & Shah Industrial Estate, situated at Vasai, (and more fully described in the Schedule appeared hereto). situated at Vasai,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
IAC. Acqn. Range, Pune on 30-11-82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, bu respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Bassein Industrial Dev. Sorpn. Dewan Tower Navghar Village Vasai Stn. Road, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Lalit B, Agrawal C-14, Flower Queen Soc. Veera Desai Road, Andheri (W) BOMBAY-400 058.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 55, 1st floor, Dewan & Shah Industrial Estate No. 5 Navghar (E) Vasai on S. No. 31 Part-34, 35, 36 & 37, Area 755 sq. ft.

(Property described in the agreement to sale registered under No. 539 on 30-11-82 in the office of the IAC Acq. Range Dura)

Range, Pune)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 5-7-1983 Seal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANE, KARVE ROAD, PUNE-7

Pune-4, the 2nd July 1983

Ref. No. CA5/919/SR-Miraj-II/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. C. Survey No. 921-1-A-2, Miraj situated at Dist. Sangli.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at S. R. Miraj on November 1982
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Smt, M. A. Athanikar,

 Smt. Rashida A. Hamid Bhokare.
 Smt. Babysara M. Bhokare and
 Smt. Jaibunubi S. Bhokare, Bhokare Galli, Mirai.

(Transferor)

(2) 1. Shri Dnyaneshwar Ganpat Khade
2. Sint, Anusuyabai Ganpati Khade,
3. Shri Baba Nana Haki at Bedag, Tal. Miraj. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid poisons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the 10spective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Survey No. 921/1A-2, Miraj Dist. Sangli, (Area-41R) (Property described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Miraj-II under document No. 1569 in the month of November, 1982)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 2-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-4, the 30th June 1983

Ref. No. CA-5/916/SR Kalyan/83-84.—Whereas, I, SHASHIKAMT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouje Chikanghar, Survey No. 93, Hissa No. 1/1/, Tal. Kalyan, situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at S. R. Kalyan on 6-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Madhukar Govind Kale, Flat No. 6, Ishkripa, Rambag Lane No. 1, Kalyan, Dist. Thane

(Transferor)

(2) Chairman,
Laxmi Kripa Co-op. Housing society, Ltd.,
Rambag Lane, No. 1. Mouje Chikanghar, Kalyan
Dist. Thane
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mouje Chikaughar, Survey No. 93, Hissa No. 1/1, 424 Sq. meter Tal. Kalyan, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Kalyan under document No. 2061 dated 6-11-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 30-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, POONA-4

Poona-4, the 29th June 1983

Ref. No. CA-5/915/SR A'Nagar, 83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 504/2, Kapurwadi, situated at Dist. Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Ahmednagar on 3-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhasraji S. Karale, Nagardevle, Tal. and Dist. Ahmednagar, (Transferor)
- (2) M/s. Poonam Mothi Real Estate,
  - Smt. Kamalabai Madanlal Munoth and
     Shri Ramanlal Kanakmal Munoth, Dal mandai, Ahmednagar.
     (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Survey No. 504/1, Kapurwadi, Tal. and Dist. Ahmednagar, (Area-2H 49R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 3535 dated 3-11-82)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 28-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF ENDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA-4

Poona-4, the 22nd June 1983

Ref. No. CA-906/SR-Nasik/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 692/1/9, Plot No. 4 situated at Tal & Distt. Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nasik on 22-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Parasuram Atmaram Navare, 1000/3, Anupam Housing Society, Navi peth, Punc. 411030
  - (Transferor)
- Snt. Sulekha Vasudco Sevekari, Opp. Panchayat Office, Malegaon camp Dist. Nasik.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at survey No. 692/1/9, Plot No. 8, Tal and Dist. Nasik, (Area—472.32 sq meter) (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 7558 dt. 22-11-82)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 22-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Ganesh Vasant Pinge,
 Ashwath Co-operative Hsg. Society, Nasik Rd., Nasik.

2) Smt. Laxmibai Balwant Lad, Yashodhan, Kanherewadi, Nasik, (Transferor)
(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, POONA-4

Poona-4, the 21st June 1983

Ref. No. CA-5/905/SR-Nasik/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 6828, 6829, 6830, 6831, situated at Tilkawadi, Nasik, Municipal house No. 1363, S. No. 646, Hissa No. 88

No. C.T.S. No. 6828, 6829, 6830, 6831, situated at Tilkawadi, Nasik, Municipal house No. 1363, S. No. 646, Hissa No. 88 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S.R. Nasik on 21-11-82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

City Survey No. 6828, 26829, 6830, 6831 Municipal house No. 1363 Survey No. 646, Chitrkud Apartment, Plot No. 13, Tilakwadi, Nasik Rd., Nasik. (area—58 sq. meter) (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, under Document No. 7707 dated 29-11-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-6-1983

#### FORM LT.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

60/61 ERANDAVANE, KARVE ROAD, POONA-4 Poona-4, the 21st June 1983

Ref No. CA-5/904/SR-Karvir/83-84.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-Ward, T.P. scheme No. 3, Final Plot-11, situated Kohlapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Karvir on 2-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

40—216GI/83

 Shri Panduran Balwant Jagdale, and others, E-Ward, T.P. Scheme No. 2,3, Final Plot No. 11 Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shri Kanthilal Babulal Oswal and others C-Survey No. 220, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Final Plot No. 11, TPS No. 3, E-Ward, Tal & Distt. Kolhapur (Area—464.51 sq meter) (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Karvir under document No. 3872 dated 2-11-82)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 21-6-1983

#### FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, POONA-4

Puna-4, the 6th July 1983

Ref No. CA5/37EE/83-84.--Whereas, 1 SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Flat No. 2 Bldg. A-2, S. No. 2, Diwanman Manickpur Vasai Road, Thana situated Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at IAC, Aca. Rango, Pune on 12-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act
  in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bassin Housing Development Corpn. Diwan Tower Navghar, Bassin Road, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) C. S. Anantha Sivan C/o Otis Elevator Co. (India) Ltd. 2nd floor, Mehta Chamber, Matirew road, Bombay-400004

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agreement for sale of flat No. 2 on ground floor of building No. A-2, S. No. 2 village Diwanman, Manickpur, Vasa, road Thane, Registered in the office of the IAC Acq. Range Pune under No. 378 on Nov. 82

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 6-7-1983

Scal:

## FORM I.T.N.S.-

#### (1) Shri Shaikh B. Shaikh Karim, 514, Nana peth, Pune.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Fatimabai Abdul Karim,

B-13, Geeta Society, Pune-1.
(2) Shri Abdul Latif Abdul Karim, 289/6, Ghorpade Peth, Pune-1.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, POONA-4

Pune-4, the 7th July 1983

Rcf. No. CA-5/937/SR.Haveli.II/83-84.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. C.T.S. No. 519 Nana Peth,

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Haveli II on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at C. Survey No. 519, Nana peth, Pune-

411002. (Area 971 sq. ft.)

Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II under document No. 7029 in the month of November, 1932)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely :--

Date: 7-7-1983.

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, POONA-4

Pune-4, the 7th July 1983

Ref. No. CA-5/37-206 EE/83-84.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. Flat No. 2, 2nd floor, A-1 Bldg, S. No. 2 Situated at Diwanman, Manickpur, Vasai road Dist, Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range, Pune on 12-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been really stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Bassein Housing Development Corporation, Diwan Tower, Navghar, Bassin road, Dist. Pune
- (2) Shashikumar Madhukar Jawle, 81 Parekh Mahal L. G. road, Bombay-400016.

(Transferor) (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agreement for sale of flat No. 2 on second floor in building Al S. No. 2 Village Diwanman, Manickpur, Vasai road, Registration dt. Nov 82 in the office of the IAC ACQ Range, Pune under No. 399.

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Poons.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 7-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAVANE, KARVE ROAD, POONA-4. ROAD, POONA-4.

Poona-4, the 4th July 1983

Ref. No. CA-5/37-205EE/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 108, 1st floor, Nirman Prabhat situated at Sub-Plot No. 1, Nirman Nagar, Nalasopara Tal Vasai Distt. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Poona on 2-11-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Nirman Associates, 40/41 Vishal Shoping Centre, Sir M. V. Road, Andheri (East) Bombay-400069.

(Transferor)

(2) Shri Parkash D. Achrekar, 2/9 Birju Prasad Chawl, Kajupada, Jarimari(E) Kurla Bombay-400072.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat no. 108 on first floor in Nirman Prabhat, Sub-plot no. 1 Nirman Nagar, Nile More, Nalasopara(W) Tal: Vasai, Dist. Thane.

Registration in the office of the IAC, ACQ Range Punc under No. 285 on Nov. 82,

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 4-7-1983.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAVANE, KARVE ROAD, POONA-4.

Poona-4, the 29th June 1983

Ref. No. CA-5/37EE/193/83-84.Wherens, J SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 3, Saraswat Bldg. Plot No. 40 S. No. 45A & 43

Village Navghar, Tal Vasai, Dist. Thane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range Pune on 375 11-11-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M/s Rohit Enterprises,
 Tinwala Bldg. Tribhuvan Road,
 Bombay-400004.

(Transferor)

 Shri Suresh Vishnu Pamlekar,
 Rehmat Manzil, 75, Vir Nariman Rd. Churchgage, Bombay- 400020.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Saraswat Building, Plot No. 40, S. No. 45A&43, Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane. Area 1015 sq. ft. Property as described in the sale of agreement which is reigstered in the office of the IAC, ACQ. Range, Pune, under No. 375 dated 11-11-82.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-6-1983.

Scal:

(1) Shri Prakash S. Mutha, 322/11 Shankarshet Rd., Pune.

(Transferor)

(2) Smt. Durgadevi A. Pantsachiv, 934/935 Shivaji Nagar, Pune-16.

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAVANE, KARVE ROAD, POONA-4.

Poona-4, the 1st July 1983

Ref No. CA-5/37EE/83-84/192.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 521, Sub Plot No. 3, Final Plot No. 322 C.S. No. 680, S. No. 521, TPS. No. III situated at Ganj Path, Pune-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pune on 6-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 321, Sub-Plot No. 3, TPS III S. No. 680 Plot No. 322, Ganj Peth, Pune-2 (Area—5100 sq. ft.)
(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 324 dt. 6-11-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date :1-7-1983.

... \_ := := =: =====

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAVANE, KARVE ROAD, POONA-4.

Poona-4, the 6th July 1983

Ref No. CA-5/37EE/83-84/191.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Flat No. 28, 3rd floor, 'A' Wing, situated at Madhuban Apart-ment Ghanshyam Gupta Road, Dombivli (W) 201, Distt.

Thanc.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pune on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Gandhi & Amersey 10, J. N. Heredia Marg, Ballard Estate, Bombay-38.

(Transferor)

(2) Shri Satish Krishna Bedekar & Mrs Manjiri Satish Bedekar, 'Datta Prassaua' Koper Rd. Shastri Nagar, Dombivli

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 28, 3rd floor 'A' Wing Madhuban Apartments, Ghanshyam Gupta Road—Area 386 sq. ft. Dombivli (W)- 201.

Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the IAC, Acq. Range Pune, under No, 1096 dated Nov. 82.

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Uma Builders,7 Uma Smurti New Maniklal Estate,L.B.S. Marg, Ghatkoper (W) Bombay-86.

(Transferor)

(2) Smt. Manda Dattatraya Haldavnekar, 17, Jaydeep Bidg., Golibar Rd. Ghatkoper (W) Bombay-86.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4.

> > Poona-4, the 10th June 1983

Ref. No. CA-5/37EE/499/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 33 the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B-2, Sent Kripa Bldg, situated at Sant Namdeo Path, Dombivali East, Thane. (and more fully described in the Schedule agnexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range Pune on 25-11-82, for an apparatus consideration of the Registering Officer at IAC Acqn. Range Pune on 25-11-82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-2, Sant Kripa Bldg., Sant Namdeo Path, Dombivali (Epst) Dist. Thane (Area—563 sq. ft.) (Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range Pune under No. 499 dated 25-11-1982)

SHASHIKANI KULKARNI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition or the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-41-216GI/83

Date: 10-6-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 6th July 1983

Ref. No. CA-5/931/SR Miraj/83-84,---Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 467/2B, Sangli, situated at Miraj, tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Miraj on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Shri Ramchandra Vishnu Sambhare,
 Shri Laxman Vishnu Sambhare and
 Smt. Laxmibai Vishnu Sambhare
 498/500 Gao Bhaug, Sambhare wada
 Sangli,

(Transferee)

Shri Dashrath Bhujganda Patil,
 Gaon Bhaug, Sangli
 Shri Ramchandra Tukaram Patil,
 Ward No. 6, House No. 232 Ichalakaranji,
 Dist. Kolhapur.
 Shri Shamrao Ramchandra Patil,
 At & Post Thavali, Tal Valwa
 Shri Vithal Pandurang Patil,
 At & Post Karoli,
 Tal. Miraj.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Survey No. 467/2B, Sangli. (Area—41 R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar Miraj under document No. 2351 in the month of November, 1982.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 6-7-1983,

FORM ITNS ---

 Shri Sahebrao Bapuji Chavan, and 7 others, House No. 69, Hadapsar, Pune-28

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE,
POONA-4.

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

Poona-4, the 6th July 1983

Ref. No. CA-5/930-SR. Haveli-II/83-84.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 225/6, C. S. No. 4241 & 4242 Mouje Hadapsar situated at Pune-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at S. R. Haveli-II on November, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) M/s. Mona Food Industries Pvt. Ltd., Through Shri Dilip alias Bhaurao D. Dhadge, 1206/33 B Shivaji nagar, Punc-411005.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Survey No. 225/6, City Survey No. 4241 & 4242, Mouje Hadapsar, Pune-411028 (Aear—1300 sq. meter and 100 sq. ft.) (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II Pune under document No. 6963 in the month of November, 1982)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 6-7-1983.

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ÖFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANF, POONA-4.

Poona-4, the 6th July 1983

Ref. No. CA-5/929-S.R.Haveli-II, 83-84.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 -

and bearing No. C. S. No. 156/1, Mangalwar Peth, Punc-II, situated at Punc (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908 in the office of the Registering Officer at S.R. Haveli-II on November 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Namdeo Bhaorao Kachare, 156, Mangalwar peth, Pune.

(Transferor)

(2) Shri P. N. Vaidyelingam, 164, Maheshwari, Mukund Nagar, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

City survey No. 156/1, Mangalwar peth, Pune-11 (Atca-414.34 sq.ft.) (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II under document No. 7125 dt. 19-11-82)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 6-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Tucknow, the 14th July 1983

G.I.R. No. G-57/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Maheshpura, Tehsil-Kashipur, Distt. Naini-

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 23-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jai Kumar

(Transferor)

 M/s. Ghai Industrial Timbers Industrial Estate, Kashipur.

(Transferce)

(3) Shri Jai kumar

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, whall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 10454 sq. ft. situated at Maheshpura, Tehsil-Kashipur, Distt. Nainital, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1838/82, which have duly been registerd in the office of the Sub-Registrar, Kashipur.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-7-1983

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD. PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th July 1983

Ref. No. 111-783/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Thana No. 2, Touzi No. 15261, Khata No. 337, Khasara No. 1454 situated at Mainpura, P.S. Patliputra, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patna on 25-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Navmi Singh S/o Shri Kunj Bihari Singh Village Rajapur P. S. Krishnapuri, P. O. Patna, G. P. O. Patna.

(Transferor

(2) Smt. Parmila Devi
 W/o Shri Basudeo Lal
 Station Road, Dehri-on-Sone,
 P. S. Dehri, P. O. Dehri,
 Dist. Rohatash.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha 6 Dhurs situated at Mainpura, P. S. Patliputra, Town-Patna, Dist. Patna and morefully described in deed no. -10215 dated 25-11-1982 registered with D.S.R. Patna,

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date: 14-7-1983

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 18th July 1983

Ref. No. III-788/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Tauzi No. 227, Khata No. 177, Khesara No. 31 situated at Pahari, P. S. Alamgani, Town-Patna (Andrews 1911) and the Calendar apparent hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer at Patna city on 18-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Indradeo Prasad Singh \$/o Shri Devnandan Singh Tulsi Mandi, P. S. Alamganj, Near the Railway crossing of Gulzarbagh, Town-Patna, Dist. Patna,

(Transferor)

(2) Shri Ramanand Mahato S/o Shri Saudagar Mahto Rashidachak P. O. Pahari, P. S. Alamganj, Town-Patna, Dat. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land measuring 91 Decimal situated at Mauza Pahari, Rashidachak, P. O. Pahari, P. S. Alamganj Town-Patna, Dist. Patna and morefully described in deed No. 6346 dated 18-11-1982 registered with S. R. Patna city.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18-7-1983

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 18th July 1983

Ref. No. 111-787/Acq/83-84.—Whereas, J. P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 9, Circle No. 27, Sheet No. 82, Holding No. 30 (old) 44 (New) situated at Chauhatta, P. S. Pirbahore, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Patna on 20-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Tara Devi W/o Shri Krishna Prasad Mohalla Naya Tola, P. S. Pirbahorc, Patna.

('Fransferor)

(2) Dr. Smt. Shanti Singh W/o Dr. Hari Krishna Singh Village and P. O. Eksar, P. S. Ekma, Dist. Saran.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1379 sq. ft. with Double Storied building situated at Mohalla-Chauhatta, P. S. Pirbahore, Town-Patna, Dist. Patna and morefully described in deed No. 10114 dated 20-11-1982 registered with D.S.R. Patna,

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date: 18-7-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# (1) Smt. Anand Rani Devi W/o Shri Hari Nandan Prasad At Mokimpur, Begusarai, Dist. Begusarai (2) Shri Tai Prakash Hisaria

(Transferor)

S/o Late Shri Ram Nath Hisaria At Mokimpur, Begusarai. Dist. Begusarai.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 18th July 1983

Ref. No. 111-794/Acq/83-84.-Whereas, I,

P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Touzi No. 3518, Thana No. 348, Ward No. 2 and Khata No.
104, Khasra No. 362/363 situated at Mokimpur, Begusta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Begusarai on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1 katha 5 dhur with khapraposh house situated at Begusarai Town in Ward No. 2 and morefully described in Deed No. 13568, dated 25-11-82 registered with D,S.R. Begusarai.

> P. K. DUBLY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Patna

Date: 18-7-1983 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

42-216 GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th July 1983

Ref. No. III-785/Acq/83-84.—Whereas, 1, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-nnd bearing No.

and bearing No.
Thana No. 2, Touzi No. 1526], Khata No. 337, Khesaia No. 1454 situated at Mainpura, P. S. Palliputra, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 25-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the tollowing persons, namely:—

Shri Navmi Singh
 S/o Shri Kunj Bihari Singh
 Village-Rajapur,
 P. S. Krishnapuri,
 P. O. Patna,
 G. P. O. Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Devi W/o Shri Baldeo Lal At Dehri-on-sonc, P. S. Dehri, P. O. Dehri, Dist, Rohatash,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha 7 Dhurs situated at Mainpura. P. S. Patliputra, Town-Patna, Dist. Patna and morefully described in Deed No. 10213 dated 25-11-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date: 14-7-1983

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 19th July 1983

Ref. No. III-797/Acq/83-84.—Whereas, I. P. K. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
As described in deed No. 16252 dated 24-11-1982 situated at Mouza Baijla, Nekra & Tetori, P. S. Sasaiam, Dist.

Rohtas

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtas (Sasaranı) on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/cr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sachindra Kumar Sinha S/o Dr. Manik Chand Gupta R/o Company Sarai, P. O. Sasaram, Dist. Rohtas.

(Transferor)

 (2) 1. Shri Mahendra Kumar S/o Sri Ram Ashish Singh
 2. Shri Dhrub Narain Rai S/o Sri Radha Singh Both R/o Chandanpura, P. O. Torni Dist. Rohtas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

# ANNEXURE-I

The Schedule

1. 1/8th of 3.55 Acres land and Rice Mill with machi-

1. 1/8th of 3.55 Acres land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Baijla, P. S. Sasaram, Dist. Rohtas.
 2. 1/8th of 30 decimals land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Nekra, P. S. Sasaram, Dist. Rohtas.
 3. 1/8th of 1.16 Acres land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Tetari P. S. Sasaram, Dist. Rohtas and all morefully described in deed No. 16252 dt. 24-11-82 registered with D.S.R. Rohtas, Sasaram.

P. K. DUREY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-7-1983

#### FORM ITNS ---

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800-001, the 19th July 1983

Ref. No. III-799/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

M. S. Plot No. 2424, H. No. 704, Ward No. Vil situated at Main Burdwan Compound, Off Circular Road, Near Kali Mandir, P. O. Lalpur, Dist. Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ranchi on 13-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;—

Shri Prof. Jagarnath Chakravarty
 S/o Late Narendra Nath Chakravarty
 R/o "Narendra Kutir",
 P. O. Lalpur,
 Dist. Ranchi,

(Transferor)

(2) Shri Sachidanand Sinha S/o Late Madan Mohan Sinha R/o Kilburn Colony P.S. Hinoo, Dist. Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 5 Katha 10 Chatak 15 sq. ft. with boundry and trees standing thereon situated at Main Burdwan Compound Off Circular Road, near Kali Mandir Dist. Ranchi and morefully described in deed No. 9412 dt. 13-11-82 registered with D.S.R. Ranchi.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Bihar, Patna

Date: 19-7-1983

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Anand Rani Devi W/o Sri Hari Nandan Prasad At Mokimpur Begusarai, Dist. Begusarai.

(Transferor)

(2) Smt. Sumitra Devi W/o Late Sri Ram Nath Hisaria At Mokimpur Begusarai, Dist. Begusarai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 18th July 1983

Ref. No. 1II-795/Acg/83-84.--Wheras, I. P. K. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Touzi No. 3518, Thana No. 348 Ward No. 2 and Khata No. 104, Kheshra No. 362/363 situated at Mokimpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Begusarai on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable proprety, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1 katha 5 dhur with khapraposh house situated at Begusarai Town in Ward No. 2 and morefully described in deed No. 13569, dated 24-11-82 registered with D.S.R. Begusarai.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 18-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

#### PATNA-800 001

Patna-800 001, the 18th July 1983

Ref., No. 111-791/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the maid Act'), have reason to believe that the immovuble property, having a fair market value exceeding 'Rs, 25,000/- and bearing No.

Tauzi No. 442, P. S. No. 407, Ward No. 21, Holding No. 11155 (old) 266, 267 (new) situated at Kalyani Sahu Road, Muzalfarpur

(and more fully described in the Schedule annexed

herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 4-11-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Mahanth Rama Nand Das Shri Chela Mahanth Ram Chandra Das Village-Patepur Math, P. O. and P. S. Patepur, Dist. Vaishali.

(Transferor)

Shri Panna Lal
 Shri Abanit Lal
 Shri Lalit Kumar Araj
 All Sons of Late Chaterbhuj Ram Mohalla-New Area Sikenderpur,
 Town-Muzaffarpur.

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 5718 sq. ft. with building situated at Mohalla Kalyani Sahu Road, Town-Muzaffarpur, Dist. Muzarffarpur and morefully described in Deed No. 19157 dated 4-11-82 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the folfollowink persons, namely:—

Date: 18-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF.1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 18th July 1983

Ref. No. III-793/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tauzi No. 442, P. S. No. 407, Ward No. 21, Holding No. 11155 (Old) 266, 267 (New) situated at Kalyani Sahu Road, Muzarffarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 10-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Mahanth Rama Nand Das Chela Mahanth Ram Chandra Das Village-Patepur Math P. O. and P. S. Patepur, Dist. Vaishali.

(Transferor)

(2) 1. Shri Panna Lal
2. Shri Abanti Lal
3. Shri Lalit Kumar Araj
All sons of Late Chaterbhuj Ram,
Mohalla-New Area Sikenderpur,
Tow.i-Muzaffarpur,
Dist. Muzarffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2617 sq. ft. with building situated at Mohalla Kalyani Sahu Road, Town Muzaffarpur, Dist. Muzarffarpur and morefully described in Deed No. 19644 dated 10-11-82 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 18-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001

Patna-800-001, the 19th July 1983

kef. No. III-798/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Author'ty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

M. S. Plot No. 2424, H. No. 704, Ward No. VII situated at Main Burdwan Compound, Oil Circular Road, Near Kali Mandir, P. O. Lalpur, Dist. Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 13-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Prof. Jagarnath Chakravarty S/o Late Narendra Nath Chakravarty R/o "Narendra Kutir", P. O. Lalpur, Dist, Ranchi.

(Trans(ecor)

(2) Smt. Sunaina Sinha W/o Sri Vidya Bhuaan R/o Qr. No. 12, Bariatu Housing Colony, P. O./Dist. Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sake Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 5 Katha 10 Chatak 14 sq. ft. with boundry and trees standing thereon situated at. Mair Burdwan Compound, Off Circular Road, near Kali Mandin Dist. Ranchi and morefully described in deed No. 9411 dt. 13-11-1982 registered with D.S.R. Ranchi.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patra

Date: 19-7-1983

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th July 1983

Ref. No. III-784/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Thana No. 2 Touzi No. 15261, Khata No. 337, Khesara No. 1454 situated at Mainpura, P.S. Patliputra, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 25-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of th

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

43—216 GI/83

 Shri Navmi Singh S/o Shri Kunj Bihari Singh Village Rajapur, P.S. Krishnapuri, P.O. Patna G.P.O. Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Shalini Devi W/o Shri Rajendra Prasad Dehri-on-Sone, P.S. Dehri, P.O. Dehri, Dist. Rohatash.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha 7 Dhurs situated at Mainpura, P.S. Patliputra, Town-Patna, Dist. Patna and morefully described in deed No. 10214 dated 25-11-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Blhar, Patna.

Date: 14-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PATNA-800 001

Patna, the 18th July 1983

Ref. No. III-792/Acq/83-84.—Whereas, I. P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Touzi No. 442, P.S. No. 407, Ward No. 21 Holding No. 11155 (Old) 266, 267 (New) situated at Kalyani Sahu Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 6-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Mahanth Rama Nand Das, Chela Mahanth Ram Chandra Das Village-Patepur Math, P.O. and P.S. Patepur, Dist. Vaishali.

(Transferor)

(2) Shri Panna Lal (2) Shri Abanti Lal 3) Shri Lalit Kumar Araj All Sons of Late Chaterbhuj Ram, Mohalla—New Area Sikenderpur, Town—Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4297 Sq. ft. with building situated at Mohalla Kalyani Sahu Road, Town-Muzaffarpur, Dist. Muzaffarpur and morefully described in Deed No. 19310 dated 6-11-82 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 18-7-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMMENTAL ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE PATNA-800 001

Patna-800 001, the 19th July 1983

Ref. No. III-796/Acq/83-84.—Whereas, I P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as described in deed No. 16251 dated 24-11-82 situated at Mouza Baijla, Nekra & Tetari, P.S.—Sasaram, Dist.-Rohtas (and proper fully described in the Schedule annexed berefo).

Mouza Baijla, Nekra & Tetari, P.S.—Sasaram, Dist.-Rohtas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtas Sasaram) on 24-11-82

ron an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act.I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sudhir Kumar S/o Dr. Manik Chand Gupta R/O Company Sarai, P.O. Sasaram, Dist. Rohtas. (Transfeçor)
- (2) (i) Shri Mundrika Singh S/O Sri Radha Singh
  (ii) Shri Ashok Kumar Singh S/O
  Sri Ram Nagina Singh,
  Both R/O Chandanpura, P.O. Torni,
  Dist—Rohta..

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

- 1. 1/8th of 3.55 Acres land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Baijla, P.S. Sasaram, Dist.—Robtas
- Sasaram, Dist—Rohtas.

  2. 1/8th of 30 decimals land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Nekra, P.S. Sasaram, Dist.—Rohtas.
- Sasaram, Dist.—Rohtas.

  3. 1/8th of 1.16 Acres land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Tetari, P.S. Sasaram, Dist.—Rohtas.

  and all morefully described in deed No. 16251 dt. 24-11-82 registered with D.S.R. Rohtak Sasaram.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 19-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 18th July 1983.

Ref. No. III-790/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bibar Patna

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing
Tauzi No. 442 P.S. No. 407, Ward No. 21, Holding No. 11155 (Old) 267 (New) situated at Kalvani Sahu Road Muzaffarana

Tauzi No. 442 P.S. No. 407, Ward No. 21, Holding No. 11155 (Old) 267 (New) situated at Kalyani Sahu Road, Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 11-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mahanth Ram Nand Das, Chela Mahanth Ram Chandra Das Village—Patepur Math, P.O. and P.S. Patepur, Dist. Vaishali.

(Transferor)

(2) (1) Shri Panna Lal

 (2) Shri Abanti Lal
 (3) Shri Lalit Kumar Araj All Sons of Late Chaterbhuj Ram, Mohalla—New Arca Sikenderpur, Town—Muzaffarpur, Dist. Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2242 Sq. ft. with building situated at Mohalla Kalyani Sahu Road, Town—Muzaffarpur, Dist. Muzaffarpur and morefully described in Deed No. 19713 dated 11-11-82 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 18-7-83 Seal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Parna, the 18th July 1983

Ref. No. 111-789/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the said Act) having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Touzi No. 227 Khata No. 177, Khesara No. 31 situated at Pahari, P.S. Alamganj, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 18-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income--tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ranjit Prasad Singh S/o Shri Devnandan Singh Tulsi Mandi, Near the Railway Crossing of Gulzarbagh, P.S. Alamganj, Town-Patna, Dist. Pama.

(Transferor) (2) Smt. Vasanti Devi W/o Shri Ramanand Mahato Rashidachak, P.O. Pahari, P.S. Alamgani, Town-Patna, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 9½ Decimal situated at Mauza Pahari Rashidachak, P.O. Pahari P.S. Alamganj, Town Patna, Dist. Patna and morefully described in deed No. 6347 dated 18-11-82 registered with S.R. Patna City.

P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 18-7-83

(1) Bibi Saccda Khatoon W/o Jalil Ahmed Oadri At Bijli Chak Nisat Manjit, Tatarpur, P.S. Kotwali, Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bibi Husan Bano W/o Husan Ahmed Oadri Bank Road, P.S. Gandhi Maidan, Patna,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 18th July 1983

Ref. No. 111-786/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Circle No. 3, Ward No. 1 (Old) 5 (Present) Holding Old 38/

B, Present Holding No. 44, Sheet No. 23 situated at Bank Road P.S. Gandhi Maldan, Patna Circle No. 3, Ward No. 1 (Old) 5 (Present) Holding Old 38-

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 12-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring 15 Dhurs with building situated at Bank Road, P.S. Gandhi Maidan Town Patna, Dist.-Patna and morefully described in deed No. 9939 dated 12-11-82 registered with D.S.R. Patna.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bihar, Patna

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dare: 18-7-83 Seal:

# IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 19th July 1983

Ref. No. HSR/283/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA eing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the imnovable property having a fair market value exceeding 8s. 25,000/- and bearing No.

and measuring 16 kanals situated at Mayar G.T. Road near

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at dissar in Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair unrice value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Ishwar Singh S/O Sh. Rishal Singh r/o Vill. & P.O. Mayar Teh. & Distt. Hissar.

(Transferor)

(2) Shri Veer Kumar S/O Sh. Bimal Chand S/O Shri Jagadhar Mal Jain r/o H. No. 38/IV, Mohalla Kajian, Hissar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 16 kanals situated at Mayar G.T. Road, near Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3026 dated 9-11-1982 with the Sub Registrar, Hissar.

THE SCHEDULE

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtal

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-7-1983

Shri Lalchand, Ptitamdas Khemraj sons of Wadhumal and Shrimati Narmi Bai, W/o Shri Wadhumal Sindhi, Udalpur.

(Transferor)

(2) Shri Sobhag Singh, S/o Shri Kanhiyalal Mandawat R/o Ashok Nagar, Udaipur.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1983

Ref. No. Rej/LAC (Acq.) 1977.—Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 7 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 7-2-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions usd herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential house in Plot No. 7, Dorenagar (Near Aurved Sewashram), Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 248 dated 7-2-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acg.) 1978.—Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Plot No. 7 situated at Udaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 14-2-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely :--

44--216 GI/83

Shri Lalchand, Pritamdas Khemraj sons of Shri Wadhumal and Shrimati Narmi Bai,
 W/o Shri Wadhumal Sindhi, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Snehlata, W/o Shri Sobhag Singh, R/o Ashok Nagar, Údaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a peirod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential house in Plot No. 7, Dorenagar (Near Aurved Sewashram), Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 219 dated 14-2-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-7-1983

 Shri Ramchand & Shivraj Ji S/o Sukh Ji Ghanchi Ghanchio Ki Gali, Udaimandhir, Jodhpur. (Transferor)

(2) M/s. Nav Bharat Grah Nirman Sakari Samiti Ltd. C/o Basant Rai Metha Ad. Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

# GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1983

Ref. No. Rej/IAC ((Acq.) 1979.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 10-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land measuring 34.5 bigha situated in Kuri Bhagtasani Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jodhpur vide registration No. 3096 dated 10-12-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1983

Ref. No. Rej/AC (Acq.) 1980.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Old House No. 69 situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 20-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhandurmal, S/o Shri Umraomal Metha, Ranka Ranka Farash Gali, Bewara.
  - (Transferor)
- (2) A. K. Patel Family Trust Through Pitambardas and Amritlal Patel, R/o Laxmipra, Palanpur, Dist. Banaskanta, (Gujarat).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Single storcycd old house No. 69, situated on Pyarelal Bagichi Marg, Sendra Road, Bewara, and more fully described in the sale deed registered at the S.R. Bewar, vide registration No. 2061 dated 20-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1983

Ref. No. Raj/IAC (Acq.) 1981.—Whereas, 1 MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. A-3-1 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 15-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Devi Singh, S/o Sh. Sagat Singh, A-3-1 Krishna Nagar, Gandhi, Nagar, Jaipur. (Transferor)

(2) Shrimati Bhagwati Prihar, W/o Ram Jeewan Prihar, R/o Bhatia Chowraiah, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. A-3-1 situated in Sagat Niwas Colony, Ratnada, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur, vide registration No. 3155 dated 15-12-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) Shri Madhavji Visram Chouhan 133, Ashok Nagar, Udaipur.

(Transferor)

Shri Sobhagmal,
 S/o Shri Tekchand Nagar,
 Shastri Nagar
 Khempura, Udaipur.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR Jaipur, the 16th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1982.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 132-B situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 19-1-1983

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not beca or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 132-B, situated in Road No. 2, Ashok Nagar Udaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 83 dated 19-1-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-7-1983

 Smt. Shanti Devi, W/o Shri Shikanand Garg, 138, Jaswant Saray Hall, Ratanada, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Gopi Bai, W/o Shri Teekamehand Sindhi, Jodhpur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1983.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 14-B situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 12-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House situated in Plot No. 14-B, Ratanada, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2725 dated 12-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-7-1983

#### FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1984.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 14-B situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 12-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Smt. Shanti Devi,
 W/o Shri Shikanand Garg,
 138, Jaswant Saray Hall,
 Ratanada, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Meni Bai, W/o Shri Hansraji Sindhi, 14-B, Ratanada, Jodhpur.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House situated in Plot No. 14-B, Ratanada, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur, vide registration No. 2724 dated 12-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following reasons, namely:—

Date: 16-7-1983

-----

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Shri Nand Kishore, R/o Champavatiji Ki Mendir, J. B. Jaipur.

(1) Shri Mahesh Chand S/o

(Transferor)

(2) Shri Mahesh S/o Shri Mukanchand Bhansali, R/o Lakhare Bazar, Jodhpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd July 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2033.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agfreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of the house property, situated in Vyas-ji-ki Haveli, Near Dhanmandi Sumer Market, Jodhpur and more fully described in the Sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2758 dated 18-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jaipur

Date: 22-7-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Smt. Pushpa
 W/o Shri Ramesh Kumar Sindhi,
 K/o Sardarpura, 10-D-Road,
 Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwandas S/o Shri Rochiram Sindhi, Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 16th July 1983

Ref. No. Rej/IAS(Acq.)/1986.—Whereas. I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop situated at Iodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 30-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ør
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 262C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

45--216GI/83

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later:

may be made in writing to the undersigned-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop situated in ground floor at outside Jalori Bari Opp. M.G. Hospital Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2866 dated 30-11-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 16th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1987.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Umed Singh S/o Shri Nanu Singh. Vill. Dhankya, now at Vill. Sardarpura, Teh. Amber. (Transferor)

(2) S/Shri Bhanwer Singh, Vijay Singh, Huri Singh, Bhawani Singh Ss/o Shri Man Singh, Queens Road, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha situated in Khasra No. 450/1, Vill. Dhankiya and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2972 dated 24-11-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :-

Date: 16-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1988.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Plot No. C-1 situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 24-11-1982

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing ersons, namely :-

(1) Smt. Sarla Kulshetra, W/o Shri Bhagwan Swaroop C-1, Jalupura Road, Jaipur.

Shri Sainuddin, S/o Shri Kamriddin, R/o 186, Jalupura, Jaipur.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. C-1, situated in Jalupura R fully described in the sale deed register vide registration No. 3017 dated 24-

oad, Jaipur, ed by the and me

Ac Quisition of Income-tan Inspecting A Range, Jaipur

Date: 16-7-197 43 -Seal:

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1989.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated at Jaipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 12-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mahant Ram Prasad Chela, Shri Mannadas, R/o Newai Mahant Ka Rusta, Ramganj, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Gulab Devi W/o Shri Baldas, R/o Mhanta Niwas Ka Bagh, Anandpuri, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perold of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot situated in Mahant Niwai Ka Bagh, Near Bhomionji Ki Chatri, Adars Nagar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2908 dated 12-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Linux

Date: 16-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL RÉVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 16th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1990.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Ajmer (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ajmer on 11-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said 'Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Smt. Goml, W/o Shri Bhairu Rawat Vill. Hathikhera, Distt. Ajmer.

(Transferor)

(2) S/Shri Kanhyalal and Shri Naraindas Ss/o Shri Kessanmal Bachani C/o Bachani Chapal Factory. Nala Bazar, Ajmer.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land Khata No. 676, Khasra No. 1069, situated in vill. Hathi Kheda Foy Sagar Road, Ajmer, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Ajmer vide registration No. 3883 dated 11-11-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1995.—Whereas, I,

MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beaing No.

Agri. land situated at Ajmer (And reason for the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 8-11-1982

Ajmer on 8-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Amra Rawat, S/o Shri Hema Rawat, Vill Boraj Teh. and Dist. Ajmer.

(Transferor)

Shri Asghar S/o Shri Khuda Bux,
 Kum. Nazzen D/o Sheikh Bashir
 Shri Salim S/o Shri Khudabux,
 Shastri Nagar Linking Road,
 Extension Santa Cruz, West Bombay-54,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land situated in Vill. Braj, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Ajmer vide registration No. 3824 dated 8-11-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Date: 18-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1992.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
House No. 478 situated at Ajmer
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 2-12-1982 for an apparent consderation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person; ni mely:--

(1) Shri Bal Kishan, S/o Shri Ramkishun Verma, and Shri Dinesh Kumar,

S/o Shri Bal Kishan Verma, R/o Jawahar Nagar, Ajmer.

(Transferor)

(2) Shri Kapoor Chand, S/o Shri Parasmal and Shri Navin Chand S/o Shri Kapoorchand, 478/3, Jawahar Nagar, Aimer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid prsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 478, situated in Ward No. 32 Jawahar Nagar, Ajmer, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Ajmer vide registration No. 4046 dated 2-12-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-1983

#### FORM I.T.N.S.--

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1993.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 478 situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 26-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Bal Kishan,
 S/o Shri Ramkishan Verma, and
 Shri Dinesh Kumar,
 S/o Shri Bal Kishan Verma,

R/o Jawahar Nagar, Ajmer.

(Transferor)

(2) 1. Shri Lekhi Chand, S/o Shri Kapoorchand,

2. Shri Dharamchand

Plot No. 478/3, Jawahai Nagar, Ajmer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 478, situated in Ward No. 32, Jawahar Nagar Aimer and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Ajmer vide registration No. 4047 dated 26-11-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-1983

FORM LT N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1994.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 588 situated at Aimer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 4-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—46—216GI/83

(1) Shri Kishan Chand,S/o Shri Gyanchand,R/o Foy Sagar Road, Ajmer.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Bhanwari Bai, W/o Shri Moolchand Agarwal Hathi Bhaya, Ajmer.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Western Portion of House No. 44/588 situated in Foy Sagar Road, Ajmer, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Ajmer vide registration No. 3661 dated 4-11-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaiput

Date: 18-7-198/

Seal ;

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1995.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 44/588 situated at Ajmer

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 22-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Makki Bai, W/o Shri Mirchumal, Foy Sagar Road, Ajmer.

(Transferor)

Smt. Manoram,
 W/o Shri Shyam Sunder Agarwal,
 Hathi Bhata, Ajmer.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Eastern side of House No. 44/588 situated at Foy Sagar, Ajmer, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Ajmer vide registration No. 3660 dated 22-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1996.—Whereas, I. MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Bharatpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharatpur on 10-1-1983

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :--

(1) Shri Hari Dutt Sharma, Ad. S/o Shri Durga Pd. Sharma, Kherapati Mohalla, Bharatpur.

(Transferor)

Shri Dhanesh Chand Arya
 S/o Shri Gaya Prasad Vaishy
 R/o Old Bazar Bus Stand, Bharatpur.

 Shri Dhanesh Chand Arya
 S/o Shri Gaya Prasad Vaishy
 R/o Old Bazar Bus Stand, Bharatpur.

 Smt. Asha Arya, W/o Shri Gaya Chand Vaishy
 4. Smt. Saroj Lata, W/o Shri Jagdish (Ahir)

Smt. Saroj Lata, W/o Shri Jagdish (Ahir)
R/o Neamda Gate, Bharatpur.
 Smt. Premvati, W/o Shri Shyam Lal (Goldsmith)
R/o Subzi Mandhi, Bharatpur.
 Shri Tara Chand Mittal S/o Shri Suraj Bhan
Mittal, R/o Kotwali Area, Bharatpur.
 Shri Chheda Lal S/o Shri Babu Singh

(Jodha Takur) R/o Village Syorama Teh. & Distt. Bharatpur. 8. Shri Chakradhar Singh S/o Shri Babu Singh

(Jodha Takur) R/o Vill. Syorana Teh. & Distt. Bharatpur.

9. Smt. Asha Sharma W/o Shri Hari Datta Sharma (re-Sells.)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 0.17 biswa in Khasra No. 184, Chak No. 1, Bharatpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Bharatpur vide registration No. 44 dated 10-1-1983.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-1983

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1997.-Whereas, I MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. land situated at Bharatpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bharatpur on 10-1-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Hari Dutt Sharma. Advocate S/o Shri Durga Pd. Sharma Kherapati Mohalla, Bharatpur.
- (Transferor) (1) 1. Shri Ras'k Mohan Sharma S/o Shri Shankar Lal (Brahmin) R/o Mandi Atal Band Bharatpur.

- Smt. Sampati Devi W/o Shri Gaya Prasad Baiaj Vaishya R/o Rupla Paysa, Bharatpur,
   Smt. Satyawati W/o Shri Prakash Chand Arya R/o Rupla Paise, Bharatpur.
- 4. Shri Jagram Sharma S/o Harchandi Sharma R/o
- Ashok Bhawan, Arya Samai Road, Bharatpur.

  5. Shri Tej Singh S/o Shri Bipti Ram Jab R o Mohalla Rupla Payaa (Pili Kothi) Bharatpur. 6. Shri Sunil Kr. S/o Shri Ghanshyam Lal (Brah-
- min) R/o Khiran Ghar, Bharatpur. Shri Radin Raman Kashik S/o Shri Parmanand (Brahmin) R/o Tehsil Town Nagar Distt. Bharatour.

- 8. Shri Jet Ram Yadao S/o Shri Jorawar Singh (Jayao) village Mehrawar Sub. Tehsil Kunht Distt. Bharatpur.
- 9. Shri Nathi Singh S/o Shri Ganeshi Singh Near Karawla flour mill, Nadia Mohalla Bharat-
- 10. Shri Din Dayal S/o Shri Roshanlal (Vaishya) near Jama Maszid, Bharatpur.
- 11. Smt. Dayawati W/o Shri Shankar Lal Sharma R/o Atal Band, Bharatpur.

  12. Shri Shobha Ram S o Shri Gulkandi (Prajapati) R/o Village Aghapur Teh & Distt. Bharatpur.
- 13. Shri Om Prakash S/o Shri Durga Prasad (Goldsmith), an employee in General Hospital Bharat-
- pur.

  14. Shri Ram Swarup Singh S/o Shri Shyam Lal (Lodhu) R/o Sarraffa Gali, Bharatpur.

  15. Shri Prakash Chnad Arya S/o Shri Gaya Pd. (Vaishya) R/o Mohalla Rupla Paysa Bharatpur.

  16. Shri Narbir Singh S/o Shri Samundar Singh
- (vaisnya) R.o Monaila Rupia Paysa Bharatpur.
  16. Shri Narbir Singh S/o Shri Samundar Singh (Jat) R/o Village Gundawa Teh, Bharatpur.
  17. Shri Jairam Singh S/o Shri Heera Singh (Chawhan) R/o Neemda Gatc, Bharatpur.

- 18. Shri Sukhram S/o Shri Gu'kandi (Prajapati) R/o village Aghapur Teh & Diett, Bharatpur.
  19. Shri Rattan Singh S/o Shri Mangal Ram (Prajapati) R/o village Aghapur Teh & Distt, Bharatpati)
- Shri Shankar Lal Sharma S/o Shri Pt. Man Singh Sharma, R/o Atal Band, Bharatpur.
   Shri Roshan Lal S/o Shri Jabli Ram (Lodha)
- R/o Neemda Gate, Bharatpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2 bigha 16 biswa in Khasra No. 184, Chak No. 1 Bharatpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Bharatpur vide registration No. 45 dated 10-1-83.

> MOHAN SINGH Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 18-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMSISIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Rcf. No. Rej/IAC (Acq) 1998.-Whereas, I MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri. land situated at Sawaimadhopur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sawaimadhopur on 5-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- Shri Kalyan S/o late Shri Kana Jat and Shri Mor-pal, S/o Shri Kana Jat, Vill. Thingla, Sawaimadho-
- (Transferor) (2) 1.Shri Mohan Lal Gupta, S/o Shri Mathuralal ji, Bhagwatgarh.
  - 2. Shrimati Manbhar Devi W/o Shri Gopallal Gupta, Sawaimadhopur.

  - 3. Shri Rameshwarprashad Gupta, S/o Shri Kalvanbux, Vill. Khirni.
  - 5. Shri Sita Ram Jain, S/o Shri Sukh dev Vill. Bhagwatgarh.
  - 6. Smt. Manbhar Devi W/o Shri Ramdayal Jain, Vill. Bhagwatgarh.
  - 7. Smt. Mewa Devi, W/o Shri Ramdayal Jain. Vill. Bhagwatgarh.
  - 8. Shri Lalu Lal Swarnkar, S/o Shri Ramgopal.
  - Vill. Bhargwatgarh.

    9. Shri Ramrichpal, S/o Shri Ramgopal Swarnkar, Vill Bhargwatgarh.

- 10. Smt. Usha Gupta, W/o Shri Babulal Gupta,
- Vill. Adalwada, Teh. SWM.

  11. Shri Raghunandan Gupta, S/o Shri Motilal jit, Khutata, SWM.
- 12. Smt. Radha Bai, W/o Shri Rameshwar Prashad, Khuteta, SWM.
- 13. Shri Om Prakash Gupta, S/o Shri Sohanlal Natani, SWM.
- 14. Shri Rambilas S/o Kalyanbux Vill. Parwala, Teh. Bonli.
- Shri Vijay Narain Gupta, S/o Shri Ram Niwas Khutera, Vill. Adalwara.
   Shri Radhey S/o Shri Rampal Agrwal Vill. Mal-rnadoonger. Teh. Bonli.
- Shri Darshath Sharma, S/o Shri Prabhudayal Sharma, Bouli.
- Shri Radhey Shyam S/o Shri Badri Lal Mahajan Vill. Thingal, SWM.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person niterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land measuring 1 bigha 7 biswa situated in Vill. Thingla, Behind Collectorate Building, Sawaimadhopur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sawaimadhopur vide registration No. 1019 dated 5-11-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-85.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq) 1999.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. land situated at Sawaimadhopur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sawaimadhopur on 9-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Choteylal Sharma, S/o Shri Nak Ram Sharma House No. 3233, Adarsh Nagar, B Sawaimadhopur. (Transferor)

(2) Shri Hamir Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd. Through Shri Bhopal Singh, President, S/O Udai Naraain Singh Latwara Khurd, Sawaimadhopur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 11 bigha 9 biswa situated near Adarsh Nagar, 'B' (residential Colony), Sawaimadhopur, and more fully describes in the sale deed registered by the S.R. Sawaimadhopur vide registration No. 1030 dated 9-11-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-7-83

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)2000.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Beawar on 20-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to new tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Shankerlal (2) Gajanand (3) Ram Chander S/o Shri Baluji (4) Smt. Nathi W/o. Baluji Mali Chohan R/o. Chhawani, Beawar.

(Transferor)

(2) Arajpatrit Rajya Kramchari Bhawan Nirman Sehkari Samiti Ltd., Beawar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gizette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land measuring 3 bigha 13 biswa situated near wool Press Boundary Wall, Beawar, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Beawar vide registration No. 2086 dated 20-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jaipur

Date: 18-7-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)-2001.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 20-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (4) facilitating the concealment of any income or any enoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 S/Shri Shankerlal (2) Gajanand (3) Ram Chander S/o. Shri Baluji (4) Smt. Nathi, w/o. Shri Baluji Mali Chohan, Beawar.

(Transferor)

(2) Arajpátri Rajya Karamchari Bhawan Nirman Shakari Samiti Beawar lad Distt. Ajmer through Shri Totaram Bhati and Kishan Singh (Scd.) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period e. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land measuring 3 bigha 12 biswa situated near Wool Press Boundary Wall, Beawar, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Beawar vide registration No. 2085 dated 20-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-7-83.

#### FORM ITNS-----

- (1) Shri Mahesh Kumar S/o. Shri Mohanlal, R/o, Vill. Galota, Teh. Ramgarh, Distt. Alwar.
- (Transferor) (2) M/s. R B Multanimal Modi Charitable Trust, Alwar.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONUR OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUF CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 18th July 1983

Ref: No. Raj/JAC(Acq.)2002.--Whereas, 1. MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market valu; exceed Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Ramgath

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramgarh on 1-1-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have the on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a good to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Injan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land measuring 2 bigha 4 baswa situated in Vill. Geleta, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Ramgarh vide registration No. 6 dated 1-1-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follows ing persons namely :-47 -- 216 GJ/83

Date: 18-7-83.

Seal 1

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)2003.—Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 120-B situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jodhpur on 28-1-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesal property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following person: namely:—

(1) Shri Chagan Pd Rai, S/o Bhikamchand Ji Oswal Paota, Jodhpur,

(Transferor)

(2) Ram Ratan & Shri Shivnarain Sons of Shri Jhumarlalji R/o Inside Nagauri Gate, Jodhpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 120-B 2nd Polo, Near Ship House, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 758 dated 28-1-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jaiour

Date: 18-7-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)2004.—Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 120-C situated at Jodhpur (and proper fully described in the Schedule appeared hereto)

No. Plot No. 120-C situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 2-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act
   in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bhanwarilal, S/o. Shri Mishrilal/Dharamnarayan Ji Ka Hatha, Pota-B Road, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Ratan S/o. Shri Jhumarlal Ji Soni Inside Nagori Gate, Jodhpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 120-C, IInd, Near Ship House, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2633 dated 2-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur

Date: 18-7-83.

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.) 2005.—Whereas, SINGH I MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at Sumerpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sumerpur on Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Vinod Kumar, S/o. Shri Manak Raj Singhvi Karata of Shri Vinod Kumar Manak Raj Singhvi, HUF, Singhvi Garaen, Bheru Chowk, Road, Sumerpur. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Madhu W/o. Shri Inder Kumar.
  2. Smt. Indra Kumari W/o. Shri Arvind Kumar.
  3. Smt. Bhanu Kumari W/o. Shri Vimal Kumar.
  4. Smt. Lalit Kumari W/o. Shri Prakash Chand.
  5. Smt. Vaijanti W/o. Shri Raman Lal.
  6. Smt. Sharda W/o Shri Kishore Kumar.
  Address of above all transferees C/o. M/s. Sakaria Jute Corporation. 192. Govindanna. Naicken Street. Corporation, 192, Govindappa Madras-600 001. Naicken Street,
  - 7. Shri Mahendra Kumar S/o. Shri Chhagan Lal. 8. Shri Sampat Raj S/o. Shri Chhagan Lal.
- Address of both Main Market, Sumerpur, District Pali
  - (Raj).

    9. Shri Hemant Kumar S/o Shri Deep Chand.

    Shri Narendra Kumar S/o, Shri Narsingh.

  - 9. Shri Hemant Kumar S/o Shri Deep Chand.
    10. Shri Narendra Kumar S/o, Shri Narsingh.
    11. Shri Chandaumai S/o, Shri Bhika Jain.
    12. Shri Raj Kumar S/o, Shri Bhika Jain.
    13. Shri Torachand S/o, Shri Bhika Jain.
    14. A—Shri Ashok Kumar S/o, Shri Poonam Chand.
    15. A—Shri Sampat R. j S/o, Shri Poonam Chand.
    15. A—Shri Sampat R. j S/o, Shri Poonam Chand.
    16. A—Shri Rekh Chan! S/o, Shri Devi Chand.
    16. A—Shri Rekh Chan! S/o, Shri Sugun Mal
    Bothra, owner of the Income-tax Office
    Building, Sumerput, Distt, Pali (Raj).
    17. Shri Chhagan Lal S/o, Shri Pukhraj.
    18. Smt. Vimla W/o, Shri Pukh Raj.
    19. Smt. Bhagya Wenti W/o, Shri Dolichand.
    20. Smt. Bhagwanti W/o Shri Dharam Chand.

  - 20. Smt. Bhagwanti W/o Shri Dharam Chand.
- All are Jain, Resident of Sumerpur, Tehsil Bali District Pali (Rajasthan).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given . in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property in Khasra No. 414, Bear Pratap Sagar (Near Singhvi Garden) Bheru Chowk Road, Sumerpur, Distt. Pali and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sumerpur vide registration Dec. 1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-83.

FCKM IIII J- ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2006—Wheras, I. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House Preperty situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-11-1982

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (0) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Kanmal Bhansali S/o Di. Gumatmal Bhansali Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Satyanarain 5/o Sari Rem Percad Cycle Market, Jodhpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property at Bhansali Building, Jalori Gate, Jodhpur and morefully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2763 dated 18-11-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej. IAC (Acq.)/2007.—Whereas, I, MOHAN BINGH,

being the competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Property saturded at Jodhpar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Dr. Kanmal Bhansali S/ > Dr. Gumanmal Bhansali Udaipur,

(Transferor)

(2) Shrimati Manju Devi W/o Shri Ramanlal R/o Panna Niwas, Jodhpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property at Bhansali Building, Jalori Gate, Iodhpur, and more fully described is the sale deed registered by the S.R. Jodhpur, vide registration No. 2764 dated 18-11-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-1933

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2008.---Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 31-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dalpat Singh S/o Shri Sukhdev Singhji Rajput R/o Pali.

(Transferor)

(2) Kalpvarsh Grih Nirman Sahkari Samiti Ltd., Pali.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land measuring 10 bigha situated in front of Banyar Hospital Anti, and moretially described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 2307 dated 31-12-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dato: 18-7-1983

(1) Shii Khiv Singh S/o Shri Sukhdev Singh, R/o Pali.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Kalpvarsh Girh Nirman Sahkari Samiti Ltd.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAISUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)//2209.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri, land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 31-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agri. land measuring 10 bigha situated in front of Bangar Hospital, Pali, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali wide registration No. 2306 deted 31-12-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : ---

Date: 18-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

faipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej (IAC) Acq. (2012 - Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 305 situated at Jaipur

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registered Officer at Jaipur on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—48-216GI/83

- Smt. Suman Kumari W/o Shri Inderjit Singh & Sms. Sudesh Kumari W/o Shri Iqubal Singh, R/o Quarter No. 305, Rajapark, Jaipur.
  - (Transferor)
- (2) Kumari Pari Kumari D/o Shri Bhagwandas. Plot No. 305 Sindhi Colony, Jaipur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

North portion of Plot No. 305, situated in Sindhi Colony, Adarsh Nagar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 3037 dated 24-11-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2013.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 305 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registered Officer

at Jaipur on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rajini Kapoor W/o Shri Ramesh Kapoor & Shri Satish Kapoor S/o Shri Maharajmal Kapoor R/o Quarter No. 305, Rajapark Sindhi Colony, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmani W/o Shri Ramandas, Quarter No. 237, Rajapark, Sindhi Colony, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of plot No. 305, situated in Sindhi Colony, Rajapark, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R Jaipur vide registration No. 3036 dated 24-1-1982.

MOHAN SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-1983

Scal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2014.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 152 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 24-11-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er.
- (b) facilitating the concestment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be declosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rehmat Khan S/o Shri Abdul Rehman (2) Smt. Fatma W/o Shri Liyakat Ali (3) Mohd, Ismail S/o Hedhar Khan, (4) Smt. Jubeeda W/o Hedhar Khan, (5) Smt. Malika D/o Hedhar Khan, R/o Tonk.

(Transferor)

(2) Shri Beni Parsad S/o Shri Ram Pd. Sharma R/o 22. Godown, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3 share of plot No. 152, situated in Shamshan Ghat Road, Dhoban Ka Mode, Fatch Tiba Scheme, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 3046 dated 24-11-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-1983

#### FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2015.--Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 152 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Japur on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Rehmat Khan, S/o Abdul Rehman (2) Smt. Fatma, W/o Shri Liyakat Ali (3) Mohd. Ismeil, S/o Hodhar F.han (4) Smt. Jubeeda, W/o Hodhar Khan (5) Smt. Malika, D/o Shri Hedhar Khan, R/o Tonk. (Transferor)
- (2) Shri Beni Parsad, S/o Shri Ram Patsad Sharma, R/o 22 Godown, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2/3 share of plot No. 152 situated in Shamshan Ghat, Road, Dhobion Ka Mode, Fatch Tiba Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 3045 dated 24-11-1982.

MOHAN SING!" Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq) 2016.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 153 situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed here(2), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Rehmat Khan, S/o Sh. Abdul Rehman Khan, Plot No. 152, Shamshan Ghat Road, Dhobion Ka Mode, Jaipur (2) Smt. Fatma, W/o Shri Hiyakat Ali, Neelgaran Ka Mohalla, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Shanker Singh S/o Chaju Singh Rajapark, Plot No. 153, Shamshan Ghat Road, Fateh Tiba, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Plot No. 153, situated at Shamshan Ghat Road, Fatch Tiba. Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in sale deed registered by the S.R. Jaipur vide regi tration No. 3047 dt. 24-11-1982,

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said act, to the following persons, namely :--

Date : 18-7-1983 Scal :

#### FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE; JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2017.—Whereas, I, MOHAN

being the Comptent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs, 25000/- and bearing No.
Plot No. 784 situated at hippur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Totaram, S/o Kallaramji, 784, Krishna Block, Adarsh Nagar, Jaipur.

(2) Smt Vecramati, W/o Shri Roshan Singh, 784 Krishna Block, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 784, situated in Krishna Block, Adarsh Nagar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2886 dated 12-11-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-7-1983

Seal 1

- (1) Smt. Karuna Dutta, W/o Shri N. C. Datta, R/o C-54, Sarojini Marg. C-Scheme, Jalpur. (Transferor)
- (2) M/s. J. Mohanco Bhagwandas Road, Jaipur. (Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2018.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. C-54 situated at Jaipur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparatus consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot C-54 Sarojini Marg, situated in C-Scheme, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2952 dated 24-11-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-1983

(1) Smt. Prabhati Devi, W/o Shri Sitaram, House No. 37, Machwa Bazar, State Calcutta.

(2) Smt. Radha Devi, W/o Shri Babu Lat Khandelwal,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUF CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/JAC(Acq.) 2019.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Plot No. B-22 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 12-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

B-13, Sen Colony, Jaipur.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. B-22 (measuring 200 sq. yd.) situated in Sen Colony, Power House Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2904 dated 12-11-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date : 18-7-1983

FORM ITNS----

(1) Smt. Prabhati Devi, W/o Shri Sitaram, House No. 37, Machwa Bazar, State Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Babulal Jain, S/o Shri Basantilal, A-3/H, Sunderpath, Bani Park, Jaipur. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rei/IAC (Acq.) 2020.-Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. B-22 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Plot No. B-22 (measuring 200 sq. yd.) situated in Sen Colony, Power House Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 2903 dated 12-11-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Joipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---49-216GI/83

Date: 18-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2021.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/4 Portion Plot No. 4 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Col. Thakur Harnat Singh S/o Late Shri Major General Thakur Bherusinghji, Lal Niwas, Sawal Ramsingh Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Suman Goyal W/o Shri Tarachand Goyal, House No. 4791, Kundiganon Ka Bheron Rasta, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th portion of Plot No. 4 situated in Lal Niwas, Sawai Ramsingh Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 3007 dated 24-11-1982.

· MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-1983

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2022.—Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Plot No. 4 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Col. Thakur Harnath Singh, S/o Late Shri Major General Thakur Bherusing, Lal Niwas, Sawai Ram Singh Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Suman Goyal, W/o Shri Tarachand Goyal, House No. 4791, Kundugraon ka Bheron Ka Rasta, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th portion of Plot No. 4 situated in Lal Niwas, Sawai Ram Singh Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 3157 dated 10-12-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-7-1983

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/2023.—Whereas, I. MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Col. Thakur, Harnath Singh, S/o Late Shri Major General Thakur Bherusingji, Lul Niwas Sawai Ramsingh Road, Jaipur.
  - (Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Goyal, W/o Shri Laxminarain Goyal, House No. 4791, Kundigeron Bheron Ka Rasta, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th portion of Plot No. 4 Lul Niwas, situated at Sawai Ramsingh Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 3008 dated 24-11-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2024.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th Portion Plot No. 4 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 10-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Col. Thakur Harnath Singh S/o
late Shri Major General Thakur Bherusinghji,
Lal Niwas, Sawai Ramsingh Road, Jaipur,
(Transferor)

(2) Shrimati Pushpa Goyal W/o Shri Laxminarain Goyal, R/o House 4791, Kundigron Ka Rasta, Jaipur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

1/4th portion of Plot No 4, Lal Niwas situated at Sawai Ramsingh Road, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 3158 dated 10-12-82.

MOHAN SING!!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-7-1983

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2025.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Ramgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ramgarh on 11-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Basant Lal S/o Shri Vividrum, R/o Vill. Goleta, Teh. Ramgarh, Distt. Alwar.

(Transferor)

(2) M/s. Saruf Synthetic Raj. Ltd., Alwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2 bigha, 17 biswa situated in Village Goleta, Teh. Hamgarh, Distt. Alwar, and more fully described in the sale deed registered by the S. R., Ramgarh vide registration No. 1401 dated 11-11-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Givindram, R/o Vill. Goleta, Teh. Ramgarh, Distt. Alwar.

(1) Shri Ramjidas S/o

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Saraf Synthetic Raj. Ltd., Alwar.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING. STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2026.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Ramgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ramgarh on 11-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ang/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Land measuring 3 bigha, 2 biswa situated in Vill. Goleta, Teh. Ramgarh, Distt. Alwar, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Ramgarh vide registration No. 1400 dated 11-11-82.

THE SCHEDULE

MOHAN SINGH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore n pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, mamely :---

Date: 18-7-1983

Scal:

#### FORM ITNS----

(1) Shri R. Valliathal, R/o Sherif Colony, Tiruppur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Thilagavathi, R/o 23(7)/3, Jothi Theatre Road, Valipalayam Road, Tiruppur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 12441.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 90 B(2A) situated at Sherif Colony, Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. 2134/82) on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 90B(2A), Sheriff Colony, Tiruppur, (Doc. 2134/82).

R. P. PILLA
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd July 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2036.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market alue exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Naila Fort situated at Jamma Ramgarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerng Officer at Jamma Ramgarh on 12-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—50—216G1/83

 Kr. Ram Singhji S/o Thakur Daulat Singhji, R/o Naila, Tehsil Jamma Ramgarh, District Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s. Oberol Hotels (India) Private Ltd., Mangoe Lane, Calcutta through Director Shrl P. R. S. Oberol.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property known as 'Naila Fort' situated at Oila Doongari in Village Naila, Tehsil Jamawa Ramgarh, District, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jamawa Ramgarh vide registration No. 1047 dated 12-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-7-1983

Soal:

and the state of t

#### FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd July 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2027.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Not No. 46, situated at Jodhpur

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at lodhpur on 29-11-1982

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Shri Changaulal S/o
 Shri Babulal Ghaneshi, GPA
 Shri Abdul Rashid S/o
 Shri |Gulam Mohd., R/o
 LIGH III,
 Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Gulam Mohd, S/o Shri Buduanji & Smt. Mindal W/o Shri Gulam Mohd., R/o 46 LIGH III, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Λct, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property situated Plot No. 46 LIGH III, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vde registraton No. 2861 dated 29-11-82.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jainur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 22-7-1983

Scal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd July 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2028.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Plot No. 57-B situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 29-11-1982

Jodhpur on 29-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shankarlal GPA of Shri Ranjeet Singh S/o Shri Keshar Singh, R/o Neemala, Ahore Dist. Jalor.

(Transferor)

(2) Shrimati Kanchan Devi W/o Shri Joharilal, R/o Motichowk, Jodhpur.

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property on Plot No.-57-B, situated in Bhaghat Sagar Sardarpura, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R., Jodhpur vide registration No. 2864 dated 29-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-7-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd July 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2029.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 57-A situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 29-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, 1957 (27, of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

 Shri Shankarlal GPA of Ranject Singh S/o Shri Keshar Singh, R/o Neemala, Ahore Dist. Jalore.

(Transferor)

(2) Shri Joharilal S/o Shri Phoolchand, R/o Motichowk, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explant later:
- (b) by they other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property on Plot No. 57-A, situated in Bhaghat Sagar, Sardarpura, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R., Jodhpur vide registration No. 2863 dated 29-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Mahesh Chand S/o Shri Nand Kishore, R/o Champavatiji Ki Mandir, J. B. Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Mukanchand S/o Shri Gewarchand, R/o Lakhara Bazar, Jodhpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd July 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2030.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 19-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Part of the house property situated in Vyas-ji-ka Haveli, Near Dhanmandi Sumer Market, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R., Jodhpur vide registration No. 2773 dated 19-11-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-7-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd July 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2031.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mahesh Chand S/o Shri Nand Kishore, R/o Champavatiji Ki Mandir, J. B. Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Kailash S/o Shri Mukanchandji Bhansali, Minor through Shri Mukanchand Ji Bhansali, R/o Lakhara Bazar, Jodhpur.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of the house property situated in Vyas-ji-ka Haveli, Near Dhanmandi Sumer Market, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R., Jodhpur vide registration No. 2759 dated 18-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-7-1983

1.

## FORM I.T.N.S.——

 Shri Mahesh Chand S/o Shri Nand Kishore, R/o Champavatiji Ki Mandir, J. B. Jalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Kamla W/o Shri Mukanchandji Bhansali, R/o-Lakhara Bazar, Jodhpur.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 22nd July 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2032.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of the house property situated in Vyas-ji ki Haveli, Near Dhanmandi Sumer Market, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R., Jodhpur vide registration No. 2757 dated 18-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range. Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-7-1983

# FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1985.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 30-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ramesh Kumar Bhojwani S/o Shri Shyamdasji Singhi 940, Sardarpura, 10th Road, Jodhpur.

(2) Smt. Kavita, W/o Shri Bhagwandas Singh, Shastri Nagar, Jodhpur. (Transfèror)

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop situated at outside Jalori Bari, Opp. M.G. Hospital, Jodhpur, and morefully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2865 dated 30-11-82.

> MOHAN SINGH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 16-7-1983

#### FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd July 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2034.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No.-17-B situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 28-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the particles of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922), of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---51-216GI/83

(2) Shri Narendra Singh S/o Shri Devi Singh, R/o Vill. Bijapur, Teh. Bali, Dist. Pali.

(Transferor)

(2) Shri Chaggan Raj Surana S/o Shri Bikaramchandiji, R/o 2nd Polo, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 17-B, situated in Mandore Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R., Jodhpur vide registration No. 3306 dated 28-12-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd July 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 2035.—Whereas, I, MÖHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/and bearing No. :

Plot No 191B situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 28-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to ocheve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transter with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any intonesse on satisfications which have not been or which ought to be discussed by the transfered for the purposes of the Indian Income that Act of 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shrimati Madan Kanwar W/o Shri Devi Singh, R/o Vill. Bijapur, Teh. Bali, Dist. Pali.

(2) Shrimati Fancy Devi W/o Shri Kishorechandji Surana, Jodhpur.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 17-B, situated in Mandore Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R., Jodhpur vide registration No. 3307 dated 28-12-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur

Desc y: 22-7-1983 Scal:

FORM I'INS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/111.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and

bearing No. One plot of land property situated at Anand Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Manmohan Kaur W/o Sh. Arvinderpal Singh Sethi, R/o Vivek Vihar, Delhi, presently at Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Bhim Sen S/o Shri Bhagat Ram, Sh. Satish Kumar, Sh. Vijay Kumar Ss/o Sh. Bhim Sen, R/o Gali Dharek Wali, Katta Ahluwalia, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One property situated at Anand Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12614 dated 22-11-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-7-83

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/112.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land

situated at Valla Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and, that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) Sh. Daljit Singh S/o Sh. Teja Singh, R/o Bhanni Wal Patti, Sultanwind, Teh. & Distt.  $oldsymbol{\Lambda}$ mritaar.

(Transferor)

(2) Sh. Harnam Singh S/o Sn. Natha Singh, r/o 151, East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferec)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land, situated at Valla Road, Behind Gauchale, American, as mentioned in sale deed No. 12468 dated 18-11-82 of registering authority, Amritsar.

> S. KAHLON, 1RS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-7-83

Seal

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/113.—Whereas, J. C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saad Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

has 25,000 one property situated at Ajit Nagar, Amiitsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

(1) Smt. Harbans Kaur W/o Sh. Bakhshish Singh, R/o Cheel Mandi, Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Sh. Savinder Singh, Pritpal Singh, Ss/o Natha Singh, R, o Chowk Bagh Jallianwala, Amritsar.

(Transferee) (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquillion of the sadi property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One property. No. 129, situated at Ajit Nagar, Amritar, as mentioned in sale deed No. 2404, dated 23-5-83 of registering authority, Amritsar.

> S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-7-83

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 14th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/114.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property

transfer with the object of :-

No. One property situated at Ajit Nagar, Amritsan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in Nov. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Harbans Kaur W/o Sh. Bakhshish Singh, Cheel Mandi, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur W/o Sh. Pritpal Singh, R/o Chowk Bagh Jallianwala, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One property No. 129, situated at Ajit Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12862 dated 25-11-82 of registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-7-83

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/115.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. One property

sitauted at Ajit Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Harbans Kaur W/o Sh. Bakhshish Singh, r/o Cheel Mandi, Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Sh. Pritpal Singh, Savinder Singh, Ss/o Sh. Natha Singh, r/o Chowk Bagh Jallianwala, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovements able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One property No. 129, situated at Ajit Nagar, Amritsa1, as mentioned in sale deed No. 16234 dated 2-2-83 of registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th July 1983

Ref. No. ASR/83 84/116.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. One property

situated at Ajit Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S.R. Amritsar in Dec. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Harbans Kaur W/o Sh. Bakhshish Singh, R/o Cheel Mandi. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Harjit Kaur W/o Sh. Savnider Singh, R/o Chowk Bagh, Jallianwala, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Λny other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE .

One property No. 129, situated at Ajit Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 13059 deted 1-12-82 of re gistering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Jalandhar, the 6th June 1983

Ref No. A.P. No. 4359.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269Bs of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in Feb. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri Joginder Singh S/o Pal Singh R/o Nathu Chal Distt. Kapurthala Mukhtiara-Khas of Jarnail Singh S/o Pal Singh R/o Nathu Chal Distt. Kapurthala. (Transferor)

(2) Shri Darshan Singh S/o Sh. Gurbachan Singh, Moh. Mohabat Nagar, Kapurthala.

(Transferee,

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3423 of Feb., 1983 of the Registering Authority. Kapurthala.

> COMPETENT AUTHORITY Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 6-6-83

<b>'</b>	* · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	''